IAS BABA

अगस्त मासिक पत्रिका

Hightlights

- ✓ NEP 2020
- ✓ Brahmputra Ropeway
- ✓ NRA
- ✓ PM Care Controversy
- ✓ Inheritance Rights for Women
- ✓ Green Corridor
- ✓ Vaccine Nationalism
- ✓ eSanjeevani

प्रस्तावना

UPSC सिविल सेवा परीक्षा में वर्तमान बदलाव के साथ, **UPSC** सामान्य अध्ययन - **II** और सामान्य अध्ययन **III** को मुख्य रूप समसामयिकी से प्रतिस्थापित कर दिया गया है। इसके अलावा, **UPSC** की हालिया प्रवृत्ति के बाद, लगभग सभी प्रश्न समाचार-आधारित होने के बजाय समस्या-आधारित हैं। इसलिए, तैयारी के लिए सही दृष्टिकोण केवल समाचार पढ़ने के बजाय मुद्दों को तैयार करना होना चाहिए।

इसे ध्यान में रखते हुए, हमारी वेबसाइट **www.iasbaba.com** पर दैनिक आधार पर मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए वर्तमान प्रासंगिक मुद्दों को महत्ता दी जाती है। यह आपको विभिन्न राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों जैसे कि द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस, बिजनेस स्टैंडर्ड, लाइवमिंट, बिजनेस लाइन और अन्य महत्वपूर्ण ऑनलाइन स्रोतों से दिन के प्रासंगिक समाचार प्राप्त करने में मदद करेगी। समय के साथ, इनमें से कुछ समाचार लेख महत्वपूर्ण मुद्दे बन जाएंगे।

UPSC में ऐसे मुद्दों को उठाने और सामान्य राय आधारित प्रश्न पूछने की आदत है। ऐसे सवालों के जवाब देने के लिए सामान्य जागरूकता और मुद्दे की समग्र समझ की आवश्यकता होगी। इसलिए, हम अभ्यर्थियों के बीच सही समझ पैदा करने का प्रयास करते हैं - 'इन मुद्दों को कैसे कवर किया जाए?'

यह **IASbaba** की मासिक पत्रिका का **63** वां संस्करण है। यह संस्करण उन सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल करता है जो अगस्त **2020** के महीने में खबरों में थे, जिनसे इसे निम्न से प्राप्त किया जा सकता है –

https://iasbaba.com/current-affairs-for-ias-upsc-exams/

VALUE ADDITIONS FROM IASBABA

- एकीकृत मूल्य परिशिष्ट सामग्री – स्थिर और गतिमान दोनों पहलुओं को कवर करती है।
- **Think** और **Connectng the dots** - किसी मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर जुड़ने और विचार करने के लिए आपकी सोच को सुविधाजनक बनाता है।
- प्रिलिम्स और मेन्स के खंड पर ध्यान केंद्रित किया गया है - ठोस और सटीक बिन्दु
- अपने ज्ञान की जांच कीजिए ! (दैनिक समसामयिकी के आधार पर **MCQs**) – बेहतर रिविज़न के लिए।
- "क्या आप जानते हैं?" खंड- अतिरिक्त ज्ञान के लिए आपकी जिज्ञासा को शांत करता है।

यह सुनिश्चित करेगा कि, आपका दैनिक आधार पर विभिन्न समाचार पत्रों से किसी भी महत्वपूर्ण समाचार / संपादकीय नहीं छूटेगा।

प्रत्येक समाचार लेख के तहत, **Connectng the dots**' एक मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर कनेक्ट करने और विचार करने के लिए आपकी सोच को सुविधाजनक बनाता है। मूल रूप से, यह आपको बहु-आयामी दृष्टिकोण से एक मुद्दे को समझने में मदद करता है। आप मेन्स या इंटरव्यू देते समय इसके महत्व को समझेंगे।

लेख अवश्य पढ़ें: हमने उन्हें पत्रिका में शामिल नहीं किया है। दैनिक आधार पर **DNA** का अनुसरण करने वाले इसका अनुसरण कर सकते हैं-

https://iasbaba.com/current-affairs-for-ias-upsc-exams/

"Tell my mistakes to me not to others, because these are to be corrected by me, not by them."

IAS BABA | August Magazine | Hindi

Contents

क्रम संख्या	विषय वस्तु	पेज क्रमांक
	इतिहास / संस्कृति / भूगोल	9-19
1.	ब्रिटेन ने महात्मा गांधी के सम्मान में सिक्का जारी किया	
2.	गैलापागोस द्वीप समूह	
3.	लिंगराज मंदिर, ओडिशा का पुनरुद्धार	
4.	नुआखाई जुहार उत्सव	
5.	ब्रह्मपुत्र रोपवे	
6.	गठित एडक्कल गुफाओं के संरक्षण के लिए पैनल	
7.	पुलिककाली	
8.	बहरुपिया: लोक कलाकार	
9.	महान अंडमानी जनजाति	
10.	मंडल मोर्मेट के तीन दशक	
11.	जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	
12.	डेथ वैली में उच्च तापमान	
13.	मारथोमन जैकबाइट सीरियन कैथेड्रल चर्च	
	राजनीति / शासन	19-66
14.	NEP 2020: KVS अनुदेश के माध्यम को बदलने की संभावना नहीं है	
15.	आंध्र प्रदेश गवर्नर विधेयक को मंजूरी देता है जो तीन राजधानियों के लिए प्रावधान करता है	
16.	चार धाम बोर्ड के फैसले का महत्व	
17.	सामाजिक सुरक्षा कोड	
18.	अनलॉक करने का समय: जम्मू-कश्मीर के राज्य के घोषणा के एक साल बाद	
19.	डिजिटल क्वालिटी ऑफ़ लाइफ इंडेक्स 2020: सर्फशर्क	
20.	कोविड -19 संकट: जुलाई में 5 मिलियन वेतनभोगी भारतीयों ने अपनी नौकरी खो दी	
21.	राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी स्थापित करना	
22.	80% से अधिक छात्र सीखने के लिए मोबाइल पर निर्भर हैं: NCERT	
23.	अधिवास-आधारित नौकरी कोटा	
24.	नई शैक्षिक नीति: माता-पिता की भूमिका को नजरअंदाज करती है	
25.	भारत को एक राजकोषीय परिषद की आवश्यकता है	
26.	सार्वजनिक प्रवचन में न्याय का हाशिए पर होना	
27.	नमथ बसई: केरल में एक अनूठा कार्यक्रम	
28.	महामारी के दौरान JEE-NEET पर	
29.	कोटा के भीतर कोटा	
30.	J & K के केंद्र शासित प्रदेश में प्रशासन के लिए नए नियम अधिसूचित	
31.	आम मतदाता सूची की संभावना पर चर्चा	
32.	सतलुज-यमुना लिंक नहर परियोजना	
33.	नागरिक अधिकारों के वकील ने अदालत की आपराधिक अवमानना का दोषी पाया	
34.	राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (NRA)	

35.	SC का वरिष्ठ नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए राज्यों को निर्देश	
36.	तीन-भाषी सूत्र: इतिहास और विश्लेषण	
37.	103 वाँ संविधान संशोधन अधिनियम	
38.	COVID-19 के निवारण के लिए राज्यों को अधिक धन मिलेगा	
39.	101 रक्षा वस्तुओं पर आयात निषेध	
40.	भारतीय धर्मनिरपेक्षता का भविष्य	
41.	अरुणाचल समूह का 6th अनुसूची की स्थिति को लेकर दबाव	
42.	74 वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति का संबोधन	
43.	कठिन फैसला: नागा मुद्दे पर	
44.	PM-केयर	
45.	PM- केयर NDRF से पूरी तरह अलग: SC	
46.	राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन	
47.	न्यायाधीशों के खिलाफ आरोपों के संदर्भ का अध्ययन करने के लिए SC	
48.	दिल्ली को चलाने में क्षेत्राधिकार संघर्ष	
49.	जम्मू और कश्मीर इंटरनेट प्रतिबंधों के लिए न्यायिक उपाय	
50.	आपराधिक कानून में सुधार के लिए समिति	
	सामाजिक मुद्दा/कल्याण	66-72
51.	आदिवासियों को उनकी भाषाओं में शिक्षा प्रदान करना	
52.	MGNREGA के लिए पैसे की कमी	
53.	'भारत में जन्म के समय लिंगानुपात की स्थिति' जारी	
54.	ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय परिषद गठित	
55.	स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 की घोषणा	
56.	महामारी के दौरान शिक्षा	
57.	अरकुनोमिक्स मॉडल	
58.	विकलांगता कोटा जारी	
59.	संपत्ति पर बेटियों का समान अधिकार : SC	
60.	लॉकडाउन के दौरान युवाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा	
61.	तंबाकू विक्रेताओं के लिए लाइसेंस प्रणाली	
62.	खेलों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन	
63.	अभिनव उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (ARIIA-2020)	
	महिलाओं के मुद्दे	73-80
64.	महिला और गर्भपात सेवाएँ	
65.	हिंदू महिलाओं के उत्तराधिकार के अधिकार	
66.	महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु	
	स्वास्थ्य का मुद्दा	80-93
67.	माहवारी स्वच्छता प्रबंधन राष्ट्रीय दिशानिर्देश, 2015	
68.	नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम रिपोर्ट 2020	
69.	धन्वंतरि रथ: आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवाएं	

70.	स्वास्थ्य क्षेत्र की उपेक्षा	
71.	बोंडा आदिवासी समुदाय	
72.	ड्राफ्ट स्वास्थ्य डेटा प्रबंधन नीति सार्वजनिक डोमेन में जारी की गई	
73.	2021 के मध्य तक COVID वैक्सीन की संभावना: WHO वैज्ञानिक	
74.	COVID वायरस युक्त	
75.	गर्भपात दवाओं की खराब पहुंच	
76.	लार का परीक्षण	
77.	ग्रीन कॉरिडोर: अंग दान	
78.	थैलेसीमिया स्क्रीनिंग और परामर्श केंद्र आरंभ	
	सरकारी योजनाएँ	93-99
79.	भारत में अध्ययन करो एवं भारत में रहो योजना	
80.	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 में विकलांगों को शामिल करना	
81.	राज्यों में SC / ST के बीच उप-समूह हो सकते हैं	
82.	ई संजीवनी मंच	
83.	रक्षा का स्वदेशीकरण	
84.	कृषि मेघ (राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली-बुनियादी ढांचे और सेवाएँ)	
	अंतरराष्ट्रीय	99-117
85.	युद्ध और वार्ता: तालिबान युद्धविराम पर	
86.	चीन रूस एक प्रमुख निर्धारक के रूप में संबंध रखता है	
87.	आसियान-भारत थिंक टैंक नेटवर्क (AINTT) का आयोजन	
88.	पाकिस्तान नेवी के लिए चीन ने युद्धपोत लॉन्च किया	
89.	राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) - एशिया के लिए परिवहन पहल (TIA)	
90.	श्रीलंका एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए	
91.	सीमा कार्य समूह: भारत-नेपाल	
92.	वैक्सीन राष्ट्रवाद	
93.	14 वीं भारत-सिंगापुर रक्षा नीति वार्ता आयोजित	
94.	आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल	
95.	तुर्की-ग्रीस स्टैंड-ऑफ	
96.	UAE द्वारा पहले अरब परमाणु संयंत्र को पावर ग्रिड से जोड़ा गया	
97.	तीस्ता चुनौती में चीन की भूमिका	
98.	UNHRC सीट पर क्यूबा के विरुद्ध US	
99.	ओस्लो शांति समझौता	
100.	बाल श्रम पर ILO सम्मेलन	
101.	UAE, इज़राइल समझौते के बाद प्रत्यक्ष फोन सेवा स्थापित	
102.	अब्राहम समझौता: UAE -इजरायल शांति समझौता	
	भारत और दुनिया	118-130
103.	1947 समझौता त्रिपक्षीय समझौता	
104.	H-1B वीजा का निलंबन और इसका प्रभाव	

105.	ऑपरेशन जिब्राल्टर	
106.	भारत-पाकिस्तान: चिंताएँ	
107.	भारत-चीन: चिंताएं	
108.	पाकिस्तान का नया नक्शा	
109.	भारत और पाकिस्तान का मछुआरा मुद्दा	
110.	सिंधु जल संधि	
111.	चीन को पृथक करना, संभावनाएं और वास्तविकता	
112.	एक आत्मनिर्भर विदेश नीति	
113.	भारत-ऑस्ट्रेलिया सुरक्षा सहयोग	
114.	भारत-मालदीव: mn पैकेज	
	अर्थव्यवस्था	131-159
115.	कोर सेक्टर के आउटपुट का और अधिक सिकुड़ना	
116.	भारत एयर फाइबर सर्विसेज: BSNL ने महाराष्ट्र में सेवा शुरू की	
117.	कोविड और खाद्य सुरक्षा	
118.	हथकरघा क्षेत्र	
119.	वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीति (NSFE): 2020-2025 जारी की गई	
120.	NBFC-MFIs का संरचित वित्त और आंशिक गारंटी कार्यक्रम लॉन्च किया गया	
121.	2019-20 के लिए RBI की वार्षिक रिपोर्ट जारी	
122.	विनिर्माण के लिए आकर्षण	
123.	RBI की वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 पर अधिक जानकारी	
124.	RBI ने 20,000 करोड़ रुपये के विशेष OMO की घोषणा की	
125.	वैश्विक पर्यटन ने पांच महीनों में $ 320 बिलियन नुकसान उठाया: UN	
126.	निर्यात तैयारी सूचकांक (EPI) 2020 जारी किया गया	
127.	P-नोट के माध्यम से निवेश में वृद्धि	
128.	DSGE मॉडल द्वारा कोविड -19 के आर्थिक प्रभाव का आकलन	
129.	जम्मू और कश्मीर में बांस के क्लस्टर	
130.	सतत वित्त सहयोग का शुभारंभ	
131.	ट्रैक्टर उद्योग	
132.	केरल का सोना तस्करी का मामला	
133.	शराब पर कर	
134.	कोविड और दूध क्षेत्र	
135.	RBI मौद्रिक नीति के मुख्य तत्व	
136.	प्रोत्साहन का कैसे वित्तपोषण: ऋण वित्तपोषण और घाटे का मुद्रीकरण	
137.	PSBs के संबंध में सरकार और RBI को एक दुविधा का सामना करना पड़ रहा है	
138.	पूर्व PM मनमोहन सिंह द्वारा आर्थिक सुधार के तीन चरण	
139.	RBI की ऋण पुनर्खरीद योजना	
140.	"पारदर्शी कराधान - ईमानदार सम्मान" मंच	
141.	COVID-19 का MSME पर प्रभाव	

142.	आंशिक क्रेडिट गारंटी योजना 2.0	
	कृषि	160-166
143.	कृषि बाजार सुधारों को सफल बनाना	
144.	बासमती चावल	
145.	पोकली चावल	
146.	किसान रेल	
147.	कृषि अवसरंचना फंड के तहत वित्तीय सुविधा	
148.	नया कृषि बुनियादी ढांचा कोष (NAIF)	
	पर्यावरण/प्रदूषण	166-177
149.	EIA अधिसूचना 2020: प्रमुख परिवर्तन क्या हैं?	
150.	खनन के लिए 'No -Go' वन स्वीकृत: CSE जांच	
151.	मॉरीशस में भारतीय सैनिकों ने तेल रिसाव से लड़ने में मदद की	
152.	अटलांटिक महासागर में मिलियन टन माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण	
153.	व्यापक मानसर कायाकल्प और विकास योजना की समीक्षा	
154.	नारियल की पैदावार को नुकसान को नियंत्रित करने के लिए श्वेत उल्लू का उपयोग किया जा रहा है	
155.	दिल्ली की ई-वाहन नीति	
156.	सोनेरेटिया अल्बा	
157.	माथेरान में वैज्ञानिकों को 77 नई तितली प्रजातियाँ मिलीं	
158.	नौ कृषि रसायनों के उपयोग और बिक्री पर प्रतिबंध	
159.	भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (AWBI)	
160.	यमुना नदी	
161.	विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन: आईएसए	
162.	पेट्रोल की बायोएथेनॉल सम्मिश्रण	
163.	गंगा कायाकल्प निगरानी	
164.	**पशु / नेशनल पार्क खबरों में**	177-183
165.	ढोल (एशियाई जंगली कुत्ता)	
166.	श्वेत उल्लू (बार्न)	
167.	भारतीय पैंगोलिन	
168.	तेंदुए का अवैध शिकार	
169.	अरब सागर हंपबैक व्हेल	
170.	समाचार में लुप्तप्राय प्रजाति: हॉर्नबिल्स	
171.	लुप्तप्राय प्रजातियाँ: 'मत्स्य पालन बिल्ली'	
172.	दक्षिण अफ्रीका से अफ्रीकी चीता भारत लाया गया	
	बुनियादी / ऊर्जा	183-188
173.	भारतीय रासायनिक उद्योग की कमियाँ: TIFAC	
174.	HARIT PATH नाम का मोबाइल ऐप विकसित हुआ	
175.	पेयजल के लिए बीआईएस ड्राफ्ट मानक	
176.	अंडमान और निकोबार को एक समुद्री हब बनाना	
177.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए सबमरीन केबल कनेक्टिविटी	

178.	रेलवे निगरानी के लिए 'निन्जा' की तैनाती	
179.	भादभूत परियोजना	
180.	**विज्ञान और तकनीक**	189-208
181.	NASA चालक दल के साथ स्पेस X वापस पृथ्वी पर आ गया है	
182.	विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप के सापेक्ष अदृश्य शील्ड	
183.	ओमेगा सेंटॉरी के बीच हीलियम-संवर्धित शांत चमकीले सितारों की खोज की	
184.	चुंबकीय अतिताप-मध्यस्थता कैंसर थेरेपी (MHCT)	
185.	DNA बिल का हो सकता है दुरुपयोग: ड्राफ्ट रिपोर्ट	
186.	टाटा ग्रुप की योजना सुपर ऐप लॉन्च करने की है	
187.	ब्रिक्स 5 G नवाचार बेस	
188.	बाहरी अंतरिक्ष का अज्ञात क्षेत्र	
189.	DoPPW डिजी लॉकर के साथ ई-पेंशन भुगतान आदेश को एकीकृत करने के लिए	
190.	सिंथेटिक फ्लेवोनोइड्स का विकास	
191.	आरोग्य सेतु में खुली API सेवा	
192.	निजी फर्म R & D में अधिक महिलाओं को रोजगार देगी: STI	
193.	COVID-19 परीक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'मेगा लैब'	
194.	एब्सिसिक एसिड (ABA)	
195.	हुआवे के लिए दरवाजा बंद	
196.	लोकतंत्र को इंटरनेट लोकपाल की जरूरत है	
197.	स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर चैलेंज लॉन्च किया गया	
198.	RBI द्वारा अनावरण खुदरा भुगतान के लिए छाता इकाई	
199.	डेटा, AI 2025 तक GDP में $ 500 बिलियन तक जोड़ सकता है	
	आपदा प्रबंधन	209-212
200.	महाराष्ट्र में रेड अलर्ट जारी	
201.	इडुक्की भूस्खलन	
202.	बेरुत विस्फोट	
203.	राष्ट्रीय भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण (NLSM) कार्यक्रम	
	रक्षा/ आंतरिक सुरक्षा / सुरक्षा	213-220
204.	ड्राफ्ट 'रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति (DPEPP) 2020	
205.	अंडमान का सैन्यीकरण: लागत और लाभ	
206.	तीन दिवसीय नौसेना कमांडरों का सम्मेलन (NCC) हाल ही में आयोजित हुआ	
207.	वी. रामगोपाल राव समिति का गठन किया गया	
208.	परमाणु सुभेद्यता को गंभीरता से लेना	
209.	कावकाज़ 2020	
210.	भारतीय नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन (NIIO)	
211.	**समाचार में व्यक्ति**	221-223
212.	**विविध**	223-231
213.	(ज्ञान का परीक्षण)	232

214.	मॉडल प्रश्न: (उत्तर अंत में दिए गए हैं)	232-264
215.	2019 मार्च महीने के सामयिकी के MCQs हल	265

इतिहास / संस्कृति/ भूगोल

ब्रिटेन महात्मा गांधी के सम्मान में सिक्का जारी करेगा

GS प्रीलिम्स और मेन्स I – इतिहास का भाग

संदर्भ :

- ब्रिटेन महात्मा गांधी के सम्मान में एक सिक्का जारी करने पर विचार कर रहा है।
- इस विचार को काले, एशियाई और अन्य अल्पसंख्यक जातीय (BAME) समुदायों के लोगों की उपलब्धियों का जश्न मनाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जाता है।
- इतिहास के एक वैश्विक पुनर्मूल्यांकन के भाग के रूप में, उपनिवेशवाद और नस्लवाद को एक काले व्यक्ति, जॉर्ज फ्लोयड की संयुक्त राज्य अमेरिका में मई में हुई मौत ने चिंगारी भड़का दी, जिससे कुछ ब्रिटिश संस्थानों ने फिर से अपने अतीत की जांच शुरू कर दी है।

क्या आप जानते है?

गांधीजी के जन्मदिन, 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

'ब्लैक लाइव्स मैटर प्रोटेस्ट' संयुक्त राज्य अमेरिका में एक आंदोलन है, जो अफ्रीकी अमेरिकी समुदाय ने प्रणालीगत हिंसा के खिलाफ शुरू किया है।

गैलापागोस द्वीप समूह

GS प्रीलिम्स और मेन्स I – भूगोल का भाग

खबरों में:

- चीनी मछली पकड़ने के बेड़े ने गैलापागोस क्षेत्र में प्रवेश किया और इक्वाडोर ने आधिकारिक तौर पर मछली पकड़ने वाले जहाजों पर चीन के लिए "आपत्ति" व्यक्त की है।

के विषय में

- गैलापागोस द्वीप समूह, लगभग 60,000 sq km में फैला हुआ है, यह इक्वाडोर का एक हिस्सा है, और दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप से लगभग 1,000 km दूर प्रशांत महासागर में स्थित हैं।
- यहाँ पाए जाने वाले विशाल कछुए - पुरानी स्पेनिश में 'गैलापागोस' - से इन द्वीपों का नाम उत्पन्न हुआ है।
- इक्वाडोर ने 1935 में गैलापागोस को एक वन्यजीव अभयारण्य का हिस्सा बनाया और अभयारण्य 1959 में गैलापागोस राष्ट्रीय उद्यान बन गया। 1978 में, द्वीप यूनेस्को का पहला विश्व विरासत स्थल बन गया।
- गैलापागोस द्वीपसमूह जलीय वन्यजीवों की एक विस्तृत श्रृंखला का बसेरा है, जिसमें समुद्री इगुआना, फर सील और तरंगमय अल्बाट्रोस शामिल हैं।

लिंगराज मंदिर का पुनरुद्धार, ओडिशा

GS प्रीलिम्स और मेन्स I – कला और संस्कृति का भाग

खबरों में:

- ओडिशा सरकार ने 11वीं सदी के लिंगराज मंदिर को नया रूप देने का फैसला किया है, जो इसके पूर्व के 350 वर्ष के संरचनात्मक दर्जे के समान है ।

- यह एकामाजरा योजना के तहत लिंगराज मंदिर विरासत विकास परियोजना का एक हिस्सा है।
- एकमारा योजना के माध्यम से, यह उम्मीद की जाती है कि विरासत पुनर्विकास भुवनेश्वर के आकर्षण को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा और यूनेस्को की विरासत स्थल के लिए इसका दावा मजबूत होगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

लिंगराज मंदिर

- इसे 11 वीं शताब्दी ईस्वी में बनाया गया था।
- यह भगवान शिव को समर्पित है।
- यह भुवनेश्वर शहर का सबसे बड़ा मंदिर है।
- ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण सोमवंशी राजा ययाति प्रथम ने करवाया था।
- इसे लाल पत्थर द्वारा बनाया गया है।
- यह कलिंग शैली की वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
  - ➢ मंदिर को चार खंडों में बांटा गया है:
  1. गर्भगृह (मंदिर गर्भ)
  2. यज्ञ शाला (प्रार्थना के लिए महाकक्ष)
  3. भोगमंडप (भेंट का महाकक्ष)
  4. नाट्य शाला (नृत्य का महाकक्ष)।

यह ओडिशा में शैव और वैष्णववाद संप्रदायों के अभिसरण का प्रतीक है।

- ➢ मंदिर के प्रमुख देवता: हरि-हर।
- ➢ मंदिर का अन्य आकर्षण: बिन्दुसागर झील

ओडिशा में अन्य महत्वपूर्ण स्मारक :

- ➢ कोणार्क सूर्य मंदिर (यूनेस्को विश्व विरासत स्थल)
- ➢ जगन्नाथ मंदिर
- ➢ तारा तारिणी मंदिर
- ➢ उदयगिरि और खंडगिरी गुफाएं

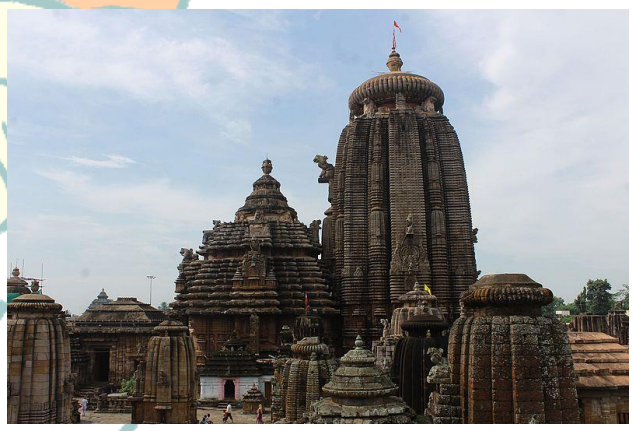

नुआखाई जुहार मनाया गया

GS प्रीलिम्स और मेन्स I - कला और संस्कृति का भाग

मुख्य बिन्दु

- यह पश्चिमी ओडिशा और झारखंड में सिमडेगा के आसपास के क्षेत्रों में मनाया जाता है ।
- यह एक कृषि त्योहार है।
- यह नए चावल के मौसम का स्वागत करने के लिए मनाया जाता है।

- यह भाद्रपद या भद्रा (अगस्त-सितंबर) महीने के चंद्र पखवाड़े के पांचवें दिन, गणेश चतुर्थी त्योहार के एक दिन बाद मनाया जाता है।
- लोग अनुष्ठानों के एक हिस्से के रूप में, अपने संबंधित पीठासीन देवताओं को नभान नामक नई फसल भेंट करते हैं

ब्रह्मपुत्र रज्जुपथ

GS प्रीलिम्स और मेन्स I - भौतिक भूगोल; GS III - बुनियादी सुविधा

समाचार में

- असम सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर एक 1.8 किलोमीटर के रज्जुपथ का उद्घाटन किया है।
- यह भारत का सबसे लंबा नदी रज्जुपथ है।

मुख्य बिन्दु

- यह कचहरीघाट (गुवाहाटी) को उत्तरी तट पर डोलगोविंदा मंदिर से संबंधित है।
- यह एक छोटे से द्वीप पर प्रसिद्ध उमानंद मंदिर से गुजरता है।
- रज्जुपथ एक "दो-मार्गी, एकल उतराई, द्वि-डोरी दोहरे वापसी मार्ग" प्रणाली का उपयोग करता है।

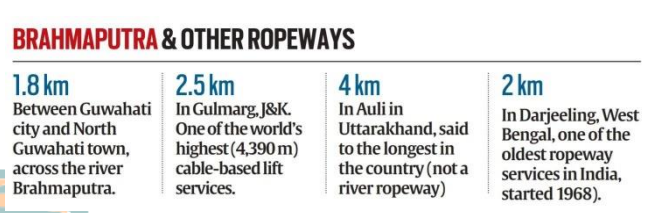

लाभ:

- यह दोनों किनारों के बीच यात्रा के समय को 8 मिनट कर दिया है। वर्तमान में इसमें 30 मिनट या अधिक (नौका द्वारा) और एक घंटे (सड़क) से अधिक का समय लगता है।
- यह राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्रह्मपुत्र

- इसे तिब्बत में यारलुंग त्संगपो, अरुणाचल प्रदेश में सियांग / दिहांग नदी और असम में लिउत, दिलो भी कहा जाता है।
- यह एक तीन सीमा से लगी नदी है जो तिब्बत, भारत और बांग्लादेश से होकर बहती है।

एडक्कल गुफाओं के संरक्षण के लिए समिति बनाई गई है।

GS प्रीलिम्स और मेन्स I –प्राचीन इतिहास; वास्तु-कला का भाग

समाचार में:

- केरल के वायनाड जिले में अंबुकुथी पहाड़ियों पर प्रसिद्ध एडक्कल गुफाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत अध्ययन करने के लिए एक नौ सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है।
- गुफा की दीवारों पर नवपाषाणकालीन शीलाचित्रों को अवैध निर्माण, खनन और शहरीकरण से बचाने की आवश्यकता है।
- माना जाता है कि एडक्कल गुफाएं नवपाषाण समुदाय के आश्रय स्थल हैं।

पुलिककली

GS प्रीलिम्स और मेन्स I – कला और संस्कृति का भाग

समाचार में:

- यह केरल के त्रिशूर में एक मनोरंजक लोक कला और ओणम समारोह का एक रंगीला हिस्सा है।
- यह COVID-19 के कारण इस वर्ष ऑनलाइन कार्य करेगा।
- ओणम एक वार्षिक फसल उत्सव है।

- पुलिककली में, कलाकार बाघ और शिकारी की भांति स्वयं को चमकीले पीले, लाल और काले में रंगकर उडुक्कू और थकिल जैसे वाद्य यंत्रों की स्पंदन पर नृत्य करते है।
- अभिनय बाघ के शिकार के विषय पर आधारित होता है।
- पुलिककली को दो सदी पहले शकथंतामपुराण द्वारा त्रिशूर में पेश किया गया था

बहरुपिया: लोक कलाकार

GS प्रीलिम्स और मेन्स I – कला और संस्कृति का भाग

समाचार में:

- 'बेहरूपिया' हाल ही में COVID-19 महामारी के कारण अपनी आजीविका प्रभावित होने के कारण खबरों में थे।
- बेहरूपिये छद्मरूपधारी होते हैं, जो ज्यादातर भारत में गांवों और बाजारों में प्रदर्शन करने के लिए जाने जाते हैं।
- बेहरूपिया उत्सव एक पारंपरिक भारतीय शैली का नाटक है।
- यह हर साल विभिन्न स्थानों में होता है- दिल्ली, अहमदाबाद, उदयपुर और अन्य।
- अतीत में, लोगों को विभिन्न ज्ञानों को प्रसारित करने, प्रसारित करने और प्रचारित करने में उनका उपयोग किया जाता था।
- रामलीला की जीवंत परंपरा को इस प्रथा के विस्तार के रूप में भी देखा जा सकता है जो आज भी जारी है।

महान अंडमानी जनजाति

GS प्रीलिम्स और मेन्स I : जनजातियों का भाग

समाचार में:

- हाल ही में, महान अंडमानी जनजाति तब खबरों में थी जब उसके कुछ सदस्यों ने COVID-19 के परीक्षण को सक्रिय (positive) दर्शाया था
- वे इस क्षेत्र के विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह (PVTG) में से एक हैं।
- यह क्षेत्र के लुप्तप्राय PVTGs के बीच COVID-19 संक्रमण के पहले मामलों में से एक है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

महान अंडमानी

- वे पांच PVTGs में से एक हैं जो अंडमान द्वीपसमूह में रहते हैं।
- वे आपस में जेरू बोलते हैं।
- कुल जनसंख्या सिर्फ 74 है।
- अंडमान में रहने वाले पांच PVTGs महान अंडमानी, जारवास, ओंगेस, शोम्पेंस और उत्तरी सेंटेलज़ हैं।

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG)

- **संबंधित मंत्रालय:** गृह मंत्रालय (MHA) और जनजातीय मामलों के मंत्रालय (MTA)
- MHA द्वारा 75 आदिवासी समूहों को PVTGs के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- वे 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में रहते हैं।
- MTA "विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) का विकास" योजना विशेष रूप से उनके लिए लागू करता है।
- योजना के अधीन, संरक्षण-सह-विकास (CCD) योजनाएं प्रत्येक राज्य / केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा अपनी आवश्यकता मूल्यांकन के आधार पर PVTGs के लिए तैयार की जानी हैं।

- फिर योजनाओं को आदिवासी मामलों के मंत्रालय की परियोजना मूल्यांकन समिति द्वारा अनुमोदित और अनुमोदित किया जाता है।

- क्षेत्र जिसके लिए गतिविधियाँ की जाती हैं: शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और कौशल विकास, कृषि विकास, आवास और आवास, संस्कृति का संरक्षण आदि।

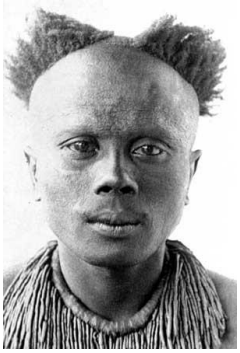

मंडल आंदोलन के तीन दशक

संदर्भ: तीस साल पहले, 7 अगस्त 1990 को, वी.पी. सिंह सरकार ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला किया, और सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27% आरक्षण प्रदान किया।

मंडल आयोग

- संविधान के अनुच्छेद 340 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, राष्ट्रपति ने बी.पी. मंडल की अध्यक्षता में दिसंबर 1978 में एक पिछड़ा वर्ग आयोग नियुक्त किया।
- भारत के "सामाजिक रूप से परिभाषित करने के लिए मापदंड निर्धारित करने के लिए आयोग का गठन किया गया था।"
- इसमे शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग "और उन वर्गों की उन्नति के लिए उठाए जाने वाले कदमों की सिफारिश की गई है।

- मंडल आयोग ने 1980 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और 3,743 जातियों की अखिल भारतीय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सूची और 2,108 जातियों की एक अधिक वंचित "दलित पिछड़ी जाति" सूची बनाई।
- आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि भारत की जनसंख्या में लगभग 52% ओबीसी शामिल हैं।
- इसलिए 27% सरकारी नौकरियां उनके लिए आरक्षित होनी चाहिए।

वे कौन से कारक थे जिनके कारण आधुनिक भारतीय राजनीति में यह ऐतिहासिक क्षण आया?

- निर्णय पिछड़े समुदायों के क्रमिक राजनीतिक उदय के मद्देनजर था, जो जटिल कारकों के एक समूह के कारण था।
- **विगत नीतियों का राजनीतिक परिणाम:** हरित क्रांति के प्रभाव से ओबीसी का आर्थिक सशक्तीकरण हुआ और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के माध्यम से ऊर्ध्वगामी व्यावसायिक गतिशीलता की उनकी इच्छा बढ़ी।
- **चुनावी मजबूरी:** पिछड़े समुदायों के जनसांख्यिकीय वजन ने उनकी आकांक्षाओं को बढ़ाया। भारत जैसे लोकतांत्रिक समाज में, समाज के इतने बड़े वर्गों की मांगों को चुनावी और लोकतांत्रिक रूप से उपेक्षित नहीं किया जा सकता है।
- **राजनीतिक मजबूरियाँ:** 1980 के दशक की मंदीर की राजनीति का मुकाबला करने के लिए जिसने जाति के बजाय धर्म को प्राथमिकता देने की मांग की, तत्कालीन सरकार ने मंडल राजनीति को बढ़ावा दिया

क्या ओबीसी आरक्षण का विरोध किया गया था और यदि ऐसा है तो किस आधार पर ?

- मंडल के क्षणों में विशेषकर भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में उच्च जातियों के वर्गों द्वारा घातक विद्रोह देखा गया
- यह विरोध दो अक्षों पर व्यक्त किया गया था
- उस आरक्षण ने योग्यता को नकार दिया
- यदि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों को दी जाने वाली सभी आरक्षणों से मुक्त होना चाहिए, एवं यह आर्थिक आधार पर होना चाहिए (और जाति के आधार पर नहीं)

ओबीसी आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला क्या रहा है?

- सर्वोच्च न्यायालय ने इंदिरा साहनी केस अथवा मंडल केस में ओबीसी आरक्षण की संवैधानिक वैधता की जांच की।
- सर्वोच्च न्यायालय ने ओबीसी के लिए 27% आरक्षण को बरकरार रखा, लेकिन यह भी कहा कि केवल जाति सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन का संकेतक नहीं होती है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि OBC के बीच 'क्रीमी लेयर' आरक्षण का लाभार्थी नहीं होना चाहिए।
- सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में भी इस सिद्धांत को बरकरार रखा कि संयुक्त आरक्षण लाभार्थी भारत की जनसंख्या का 50% से अधिक नहीं होना चाहिए।

ओबीसी आरक्षण की प्रमुख आलोचना क्या रही है?

- छोड़े गए वर्गों द्वारा प्रतिक्रिया: उन समुदायों की नाराजगी में वृद्धि हुई, जिनके पास आरक्षण प्राप्ति में हिस्सेदारी नहीं थी। मंडल राजनीति ने उच्च जातियों और पिछड़े समुदायों के बीच खुली दुश्मनी का युग शुरू किया, विशेष रूप से हिंदी पट्टी क्षेत्रों में
- तुष्टिकरण की राजनीति: राजनीतिक दलों ने अपने घटकों को खुश करने के लिए आरक्षण का विस्तार जारी रखा। इसने ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के उपकरण के रूप में परिकल्पित आरक्षण के पूरे उद्देश्य को कम कर दिया है
- ओबीसी के उपश्रेणीकरण की मांग: ओबीसी के भीतर, कुछ समुदायों को दूसरों की तुलना में अधिक लाभ हुआ, जिससे राजनीतिक विभाजन हुआ और उप-वर्गीकरण के लिए मांग की गई, वर्तमान में यह प्रक्रिया चल रही है।
- रोहिणी आयोग के अनुसार, ओबीसी में लगभग 6,000 जातियों और समुदायों में से, केवल 40 ऐसे समुदायों ने केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और सिविल सेवाओं में भर्ती के लिए आरक्षण लाभ का 50% प्राप्त किया था।

आगे का मार्ग

- कृषि को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना: छोटे भू-स्वामियों, किरायेदारों, कृषि श्रमिकों, गरीब गांवों के कारीगरों, अकुशल श्रमिकों के रूप में, ओबीसी समुदाय के थोक के रूप में, कृषि (ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़) को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाना अनिवार्य हो जाता है।
- निजी क्षेत्र को मजबूत बनाना: एक पुनर्जीवित निजी क्षेत्र जो बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करता है, सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरियों और आरक्षण की मांग को कम करता है।
- आरक्षण नीति की समीक्षा: आरक्षण की पूरी वास्तुकला को लोकलुभावन आंदोलनों की ओर अग्रसर किए बिना न्यायपूर्ण, समावेशी और समान समाज बनाने के उद्देश्य से एक समीक्षा की आवश्यकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- रोहिणी आयोग
- 2019 का संवैधानिक (103 वां संशोधन) अधिनियम - अनारक्षित श्रेणी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय

GS प्रीलिम्स और मेन्स I का भाग: आधुनिक इतिहास

इसके विषय में:

- जनजातीय मामलों के जनजातियों को देश के स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान और योगदान को उचित मान्यता देने के लिए जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संग्रहालयों की स्थापना करने के लिए।
- सरकार उन राज्यों में स्थायी संग्रहालय स्थापित करेगी जहां आदिवासी रहते थे, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते थे और उनके आगे घुटने टेकने से मना कर दिया था।

क्या आप जानते हैं?

- सभी संग्रहालयों में आभासी यथार्थ (VR), संवर्धित वास्तविकता (AR), 3D/7D होलोग्राफिक प्रक्षेपण आदि जैसी तकनीकों का मजबूत उपयोग होगा।
- ये संग्रहालय इतिहास के साथ-साथ उन पगडंडियों का पता लगाएंगे, जिनके साथ पहाड़ियों और जंगलों में आदिवासी लोग जीने और अपनी इच्छा के अधिकार के लिए संघर्ष करते थे।
- इस प्रकार, यह यथावत संरक्षण और सुरक्षित संरक्षण को संयोजित करेगा, उत्थान पहल
- उम्मीद है कि 2022 के अंत तक सभी संग्रहालय अस्तित्व में आ जाएंगे।

मृत घाटी में उच्च तापमान

GS पेपर I का भाग : भौतिक भूगोल

संदर्भ:

- हाल ही में, मृत घाटी (अमेरीका) ने 54.4°C तापमान दर्ज किया था, जो सत्यापित होने पर, सदी का उच्चतम तापमान हो सकता है। 16 अगस्त 2020 को फर्नेस क्रीक में USA नेशनल वेदर सर्विस के स्वचालित मौसम केंद्र में यह तापमान दर्ज किया गया था।

पृष्ठभूमि:

- तापमान अभी प्रारंभिक है, अंतिम नहीं है क्योंकि इसे सत्यापन की जरूरत है।
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के अनुसार, मृत घाटी का अब तक का रिकॉर्ड 56.7 ° C है जो 10 जुलाई 1913 को ग्रीनलैंड रेंच पर लिया गया था। यह अभी भी पृथ्वी की सतह पर दर्ज किए गए सबसे गर्म स्थान के रूप में विद्यमान है। हालांकि, एक सदी पहले तापमान-रिकॉर्डिंग तंत्र उतने उन्नत नहीं थे, अगर यह विश्वसनीय था, तो कई लोगों को संदेह हुआ होता।

अत्यधिक गर्मी के प्रभाव:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, अत्यधिक गर्मी सांस की बीमारियों, हृदय की स्थिति और गुर्दे की बीमारियों सहित पूर्व-मौजूदा स्वास्थ्य स्थितियों को बढ़ा सकती है।
- मानव शरीर पर तत्काल प्रभाव गर्मी ऐंठन, निर्जलीकरण और यहां तक कि घातक गर्मी आघात भी संभव हैं।

- इसका कृषि और वनों पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।
- यह या तो सब्जियों को गलाने और नष्ट का कारण बनता है या पौधों की बीमारियों के प्रसार को प्रोत्साहित करता है।
- यह जंगल में आग का कारण बनता है जिससे वन आवरण में कमी और जीवों की मृत्यु होती है।
- यह बिजली ग्रिडों को अवरुद्ध करके और निष्प्रदीप के कारण बुनियादी ढांचे को भी प्रभावित करता है। यह विमानों को पिघला सकता है, सड़कों को पिघला सकता है और वाहनों के अंदरूनी हिस्सों को खतरनाक स्तर तक गर्म कर सकता है।

मारथोमन जैकबाइट सीरियन कैथेड्रल चर्च

GS I- भारतीय वास्तुकला का भाग

संदर्भ:

- हाल ही में, केरल सरकार ने केरल के एर्नाकुलम जिले के मुलंथुरूथी में मारथोमन जैकबाइट सीरियन कैथेड्रल चर्च को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

मलंकरा चर्च

- मूलंथुरूथी का चर्च एक प्रमुख गैर-कैथोलिक ईसाई समुदाय, मलंकरा चर्च के जेकोबाइट और रूढ़िवादी गुटों के बीच विवाद के केंद्र में रहा है।
- मलंकरा चर्च पहली बार 1912 में जैकबाइट और रूढ़िवादी समूहों में विभाजित हो गया। हालांकि, दोनों चर्च 1959 में फिर से जुड़ गए, लेकिन यह सिलसिला 1972-73 तक ही चला।
- तब से, दो गुट चर्चों और उनके धन के स्वामित्व पर लड़ाई में लगे हुए हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय ने चर्च के तहत पारिशों (प्रशासन) पर शासन करने के लिए मलंकरा रूढ़िवादी सीरियाई चर्च के 1934 के संविधान की वैधता को बरकरार रखा था।
- हालाँकि, रूढ़िवादी गुट अभी भी चर्च तक पहुंचने से वंचित था, इसलिए उन्होंने केरल उच्च न्यायालय में अपील की, जिसने केरल सरकार को चर्च को संभालने और रूढ़िवादी गुट को सौंपने का निर्देश दिया।

गोथिक वास्तुशिल्प

- यह 12 वीं -16 वीं शताब्दी में लोकप्रिय एक यूरोपीय शैली की वास्तुकला है।
- **उत्पत्ति:** इस वास्तुकला की जड़ें फ्रांस और इंग्लैंड में हैं।
- **विशेषताएं:** इंगित मेहराब, काटने का निशानवाला वाल्ट और फ्लाइंग बट्रेस।
- अंग्रेजों ने वास्तुकला की कुछ भारतीय विशेषताओं को गोथिक वास्तुकला में विलय कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप वास्तुकला की इंडो-गोथिक शैली थी।

- इंडो-गोथिक शैली की वास्तुकला के उदाहरण: मद्रास उच्च न्यायालय, विक्टोरिया मेमोरियल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (पहले विक्टोरिया टर्मिनल) आदि।

राजनीति/शासन

NEP 2020: केन्द्रीय विद्यालय अनुदेश के माध्यम को बदलने की संभावना नहीं है

GS प्रीलिम्स और मेन्स II का हिस्सा: शिक्षा सुधार

संदर्भ:

- नई NEP में एक खंड शामिल था जो मातृभाषा या स्थानीय भाषा को निर्देशन के माध्यम के रूप में "जहाँ भी संभव हो" कम से कम कक्षा 5 तक उपयोग करने के लिए प्रदान करता है, लेकिन अधिमानतः कक्षा 8 और उसके बाद तक।
- केंद्रीय विद्यालय और CBSE से जुड़े स्कूल हस्तांतरणीय नौकरियों में लोगों की जरूरतों को पूरा करते हैं। ऐसे स्कूलों के लिए छात्रों की मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषाओं को शिक्षा के माध्यम के रूप में उपयोग करना व्यावहारिक नहीं होगा।

क्या आप जानते हैं?

- केन्द्रीय विद्यालय कहीं भी तैनात केंद्र सरकार के कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करते हैं और इसमें जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के छात्र शामिल होते हैं।
- इसलिए, उनकी मातृभाषा या एक कक्षा में निर्देशों के विभिन्न माध्यमों को पढ़ाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है।
- केंद्रीय विद्यालय शिक्षा मंत्रालय द्वारा सीधे नियंत्रित होते हैं।
- अधिकांश CBSE स्कूल हस्तांतरणीय नौकरियों में लोगों की आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल ने तीन राजधानियों के प्रावधान के विधेयक को मंजूरी दी है।

GS मेन्स II का हिस्सा: सरकार की नीतियां और विकास के लिए हस्तक्षेप

खबरों में:

- आंध्र प्रदेश के इतिहास में एक प्रमुख मोड़ में, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल ने विकेंद्रीकरण और सभी क्षेत्रों के समावेशी विकास और आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण निरसन विधेयक 2020 को अपनी सहमति दी।
- विकेंद्रीकरण विधेयक की मंजूरी अमरावती, कुरनूल और विशाखापटनम के विकास को क्रमशः विधान, न्यायिक और कार्यकारी राजधानियों के रूप में विकसित करती है।

क्या आप जानते हैं?

- राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण निरसन एक्ट (CRDA) अमरावती महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के गठन का मार्ग प्रशस्त करता है।

- सरकार अब 'तीन राजधानियों' के प्रस्ताव को मूर्त रूप देने के लिए स्वतंत्र है

चार धाम बोर्ड के फैसले का महत्व

संदर्भ: उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने 21 जुलाई को उत्तराखंड चार धाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड अधिनियम, 2019 की संवैधानिकता को बरकरार रखा

उत्तराखंड चार धाम देवस्थानम प्रबंधन अधिनियम, 2019

- इस अधिनियम में चार धाम मंदिरों के प्रबंधन का जिम्मा एक ऐसे बोर्ड को सौंपा गया है जिसके अध्यक्ष और सदस्य, कुल मिलाकर राज्य सरकार द्वारा नामित किए गए हैं ।
- उत्तराखंड में दो चारधाम मंदिर, श्री बद्रीनाथ और श्री केदारनाथ मंदिर, 2019 अधिनियम के लागू होने से पहले, एक प्रबंध समिति के नियंत्रण और प्रबंधन उत्तर प्रदेश श्री बद्रीनाथ और श्री केदारनाथ मंदिर अधिनियम, 1939 के अधीन थे।
- यह 1939 अधिनियम 2019 अधिनियम द्वारा निरस्त कर दिया गया था।
- 2019 अधिनियम अपने दायरे में गंगोत्री और यमुनोत्री धामों को भी शामिल करता है।

न्यायालय में चुनौती दी गई

- अधिनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 31-a का उल्लंघन करता है
- इसमे यह आरोप लगाया गया था कि 2019 अधिनियम मंदिर से अपनी संपत्तियों का स्वामित्व छीनता है, और सरकार द्वारा नियंत्रित बोर्ड में को यह सौंपता है।

इस निर्णय में प्रमुख मुद्दे क्या थे?

- **समान कानूनों को कायम रखने की प्राथमिकता:**
  - जगन्नाथ पुरी (1955), वैष्णो देवी (1988), नाथद्वारा में श्रीनाथजी (1959), उज्जैन में महाकाल (1982), काशी विश्वनाथ (1983), और तिरुपति बालाजी मंदिर (1987) जैसे कई मंदिरों के लिए इस तरह के कानून लागू हैं। ।
  - इन सभी कृत्यों को भारत के न्यायालयों ने बरकरार रखा

- **धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों के बीच अंतर:**
  - देवता को प्रसाद (धन, फल, फूल या अन्य कोई वस्तु) दी जाती है, इन प्रसादों से धार्मिक साधना समाप्त होती है।
  - मंदिर के रखरखाव और रखरखाव के लिए इन प्रसादों का संग्रह और वितरण धर्मनिरपेक्ष गतिविधियाँ हैं
- **चार धाम किसी भी धार्मिक संप्रदाय के नहीं हैं**
  - श्री हरि शास्त्री और अन्य बनाम श्री बद्रीनाथ मंदिर समिति (1952) में सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही बद्रीनाथ को हिंदुओं का सार्वजनिक मंदिर होने और किसी भी परिवार या संप्रदाय तक सीमित नहीं रखा था।
  - इसके अलावा, SC ने माना कि इन मंदिरों की धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों को राज्य द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।
  - न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि विधायिका इस तरह के कानून बनाते समय मंदिरों के कुप्रबंधन को प्रदर्शित करने के लिए बाध्य नहीं है।
- **धार्मिक प्रथाओं / प्रशासन का विनियमन हिंदू धर्म के लिए विशिष्ट नहीं है**
  - 27 वक्फ कानून हैं और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति अधिनियम भी 1925 में लागू किया गया था।
  - ताजा फैसले में, मुख्य न्यायाधीश रंगनाथन ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि विधायिका सभी धार्मिक संस्थानों के लिए समान रूप से एक कानून लागू करे।

- **अनुच्छेद 26 निरपेक्ष नहीं है**
  - अदालत ने स्पष्ट किया कि 'धर्म के मामलों में', प्रबंधन का अधिकार अनुच्छेद 26 (B) के तहत एक गारंटीकृत मौलिक अधिकार है।
  - लेकिन संपत्तियों के संबंध में, अनुच्छेद 26 (C) के तहत संपत्तियों का प्रशासन करने का अधिकार 'कानून के अनुसार' में प्रयोग किया जाना है।
  - इस प्रकार, राज्य वैध रूप से अधिनियमित कानून के माध्यम से धार्मिक या मंदिर संपत्तियों के प्रशासन को विनियमित करने का हकदार है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 31

सामाजिक सुरक्षा कोड

GS प्रीलिम्स और मेन्स II और III का हिस्सा: सरकार की नीतियां और योजनाएं;

मुख्य तथ्य:

- आजादी के 73 साल बाद भी, भारत के 466 मिलियन मजबूत कर्मचारियों में से केवल 9.3% के पास सामाजिक सुरक्षा है।
- इसका मतलब है कि शेष 90.7% अभी भी उन सुरक्षा की आकांक्षा नहीं कर सकते हैं जो सिविल सेवक, अधिकांश पंजीकृत निजी क्षेत्र के उद्यमों, बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों, विधायकों और न्यायाधीशों के कर्मचारियों को दी जाती हैं।
- किसी अन्य G20 देश में अनौपचारिक श्रमिकों की इतनी अधिक हिस्सेदारी नहीं है।

इसके विषय में:

- **श्रम पर संसदीय समिति द्वारा सामाजिक सुरक्षा संहिता पर रिपोर्ट -**
  - एक कर्मचारी को अपने रोजगार की समाप्ति पर देय ग्रेच्युटी के लिए पात्रता अवधि की सिफारिश पांच साल के वर्तमान प्रावधान से घटाकर एक वर्ष की जानी चाहिए।
  - यह भी सिफारिश की गई कि इस सुविधा को सभी प्रकार के कर्मचारियों के लिए बढ़ाया जाए, जिसमें ठेका मजदूर, मौसमी कर्मचारी, टुकड़ा दर श्रमिक, निश्चित अवधि के कर्मचारी और दैनिक / मासिक वेतन कर्मचारी शामिल हैं।
  - अगर कोई नियोक्ता बकाया का भुगतान नहीं करता है, तो एक मजबूत निवारण तंत्र होना चाहिए।
  - रेखांकित किया गया है कि सामाजिक सुरक्षा कोड का मसौदा अपने सभी नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का कोई लक्ष्य नहीं बताता है।
  - अनुशंसित है कि सामाजिक सुरक्षा संहिता में नियत समय सीमा के भीतर कर्मचारियों को ग्रेच्युटी के भुगतान के लिए नियोक्ता को उत्तरदायी बनाने के प्रावधान होने चाहिए।

वितालकन (अनलॉक) करने का समय: जम्मू-कश्मीर को नए राज्य का दर्जा दिए हुए का 1 वर्ष

संदर्भ: जम्मू-कश्मीर को अपना विशेष दर्जा (अनुच्छेद 370) और राज्य का दर्जा दिए हुए एक साल बीत चुका है।

जम्मू और कश्मीर की संवैधानिक स्थिति क्यों बदली?

- धारा 370 कश्मीर को शेष भारत के करीब लाने, कश्मीर घाटी में चरमपंथ और अलगाववाद के स्रोत और पाकिस्तान में घाटी में पैर जमाने के लिए एक बड़ी चुनौती थी।
- तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य के पुनर्गठन (अनुच्छेद 370 को निरस्त करते हुए, राज्य से केंद्रशासित प्रदेश तक पहुंचते हुए, लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाते हुए) इस आधार पर बचाव किया गया कि इससे देश के बाकी हिस्सों के साथ जम्मू-कश्मीर का अधिक एकीकरण हुआ है।

इन मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता है

- राजनीतिक गतिविधि में शून्यता: जम्मू-कश्मीर में मुख्यधारा की राजनीति, नेताओं की नजरबंदी के साथ असंभव हो गई है और जो नेता बाहर है जम्मू-कश्मीर के भविष्य पर किसी भी सार्वजनिक चर्चा से दूर रह रहे है।
- पारदर्शिता के खिलाफ: न तो जम्मू-कश्मीर सरकार और न ही केंद्र सरकार ने पिछले साल हिरासत में लिए गए नेताओं की सूची या संख्या जारी की है
- लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर किया गया: केंद्र ने (राज्य के साथ परामर्श के बिना) विधायी मार्ग और उसके बाद लोगों पर पर संचार प्रतिबंध लगाया, यह एक संवैधानिक लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को धूमिल करता है।
- भारतीय संघवाद की आत्मा कमजोर पड़ गई: भारतीय संघ के भीतर जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति विषमता का प्रतिनिधित्व करती है, जो भारतीय संघीय अनुभव का अभिन्न अंग है। उदाहरण के लिए: उत्तर पूर्वी राज्यों में से कई असममित संघवाद के अधीन है।
- न्यायिक सक्रियता में कमी: न्यायपालिका - जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय - ने जम्मू और कश्मीर के पुनर्गठन द्वारा उठाए गए संवैधानिक और कानूनी सवालों को निपटाने के लिए कोई तत्परता नहीं दिखाई है।
- चीनी आक्रमण की कड़ियाँ: कुछ विद्वानों ने लद्दाख में जारी चीनी आक्रमण को, जम्मू-कश्मीर की स्थिति में परिवर्तन से जोड़ा है।
- मानवाधिकारों को कायम रखने में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा: पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती सहित जम्मू-कश्मीर में कम से कम दो दर्जन राजनेता नजरबंदी में हैं, कुछ अधिसूचित नहीं हैं, जो भारत की लोकतांत्रिक साख के खिलाफ है।

आगे की राह

- संवैधानिक परिवर्तन पर्याप्त नहीं है: कश्मीर संघर्ष जटिल ऐतिहासिक शिकायतों, राजनीतिक-जातीय मांगों, धार्मिक कट्टरता बढ़ाने और कश्मीर घाटी में पाकिस्तान के हस्तक्षेप का एक कार्य है। किसी भी समाधान के लिए समग्र होना आवश्यक है
- मानवाधिकार आधारित नीति: मानवाधिकारों के लिए सम्मान कश्मीर नीति का एक प्रमुख घटक होना चाहिए, क्योंकि यह और राष्ट्रीय हित को बनाए रखना है।
- केंद्र को जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ एक बातचीत शुरू करने की आवश्यकता है: यह सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करने और समाज के सभी वर्गों से भागीदारी के साथ चुनाव कराने से प्राप्त किया जा सकता है (मुख्यधारा के क्षेत्रीय राजनीतिक दलों सहित)

बिंदुओं को जोड़ें:

- राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371

जीवन गुणवत्ता की डिजिटल सूचकांक 2020:सर्फशार्क

GS प्रीलिम्स औरGS - II ई-गवर्नेंस और GS- III- बुनियादी सुविधा; IT और कंप्यूटर का भाग

खबरों में :

- हाल ही में,जीवन गुणवत्ता की डिजिटल सूचकांक 2020 को ऑनलाइन प्राइवेसी सॉल्यूशन प्रोवाइडर, सर्फशार्क ने जारी किया है।

मुख्य बिन्दु

- इसके अनुसार, भारत इंटरनेट गुणवत्ता के मामले में दुनिया में सबसे निचले पायदान पर है।
- सम्मिलित: 85 देशों को शामिल किया गया है (वैश्विक जनसंख्या का 81%)।

पैरामीटर:

- इंटरनेट की क्षमता
- इंटरनेट की गुणवत्ता
- इलेक्ट्रॉनिक बुनियादी ढाँचा
- इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा
- इलेक्ट्रॉनिक शासन
- शीर्ष रैंक: डेनमार्क
- भारतीय रैंकिंग: भारत 85 देशों में से 57 के समग्र रैंक पर है।
- इंटरनेट सामर्थ्य: 9 वां स्थान। यह इंग्लैंड, USA और चीन जैसे देशों से बेहतर प्रदर्शन करता है।
- इंटरनेट की गुणवत्ता: 78 वाँ स्थान
- ई-बुनियादी ढांचा: 79 वां स्थान
- इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा: 57 वां स्थान
- ई-सरकार: 15 वां स्थान

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

➢ **इंटरनेट से संबंधित सरकारी पहल**

- डिजिटल इंडिया प्रोग्राम: ज्ञान आधारित परिवर्तन के लिए भारत को तैयार करने के लिए एक छाता कार्यक्रम।
- ई-क्रांति: नेशनल ई-गवर्नेंस प्लान 2.0 - डिजिटल इंडिया पहल का एक आवश्यक स्तंभ है।
- डीजीलॉकर: क्लाउड पर कुछ आधिकारिक दस्तावेज़ संग्रहीत किए जा सकते हैं।
- BHIM अप्लीकेशन: डिजिटल भुगतान सक्षम करने के लिए।
- प्रधानमंत्रीग्रामीण डिजिटल साक्षात्अभियान: नागरिकों को डिजिटल साक्षर बनाना।
- भारत नेट कार्यक्रम: सभी ग्राम पंचायतों में एक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क प्रदान करना।

सरकार राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी स्थापित करेगी

GS-प्रीलिम्स और GS- II - शिक्षा का हिस्सा

समाचार में:

- हाल ही में सरकार ने विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए एक पात्रता परीक्षा आयोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी के निर्माण को मंजूरी दी है।
- इस फैसले से उन करोड़ों युवाओं को फायदा होने की संभावना है जो हर साल नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं

मुख्य बिन्दु

- 20 से अधिक केंद्र सरकार की भर्ती एजेंसियों में से 3 को (NRA) के अधीन लाया जाएगा।
- धीरे-धीरे, सभी केंद्र सरकार की भर्ती एजेंसियों को NRA के अधीन लाया जाएगा।
- एक सामान्य पात्रता परीक्षा (CET) इन उम्मीदवारों को एक बार देने के लिए प्रेरित करेगी और उच्च स्तर की परीक्षा के लिए इनमें से किसी एक या सभी भर्ती एजेंसियों पर आवेदन कर सकती है।
- प्रारंभ में, रेलवे भर्ती बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग और इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग कार्मिक चयन के लिए प्रारंभिक परीक्षा NRA द्वारा आयोजित की जाएगी।
- शुरुआत में, परीक्षा 12 भाषाओं में ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।
- पहुंच बढ़ाने के लिए हर जिले में केंद्र स्थापित किए जाएंगे।
- परिणाम की घोषणा की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए उम्मीदवार का CET स्कोर मान्य होगा।

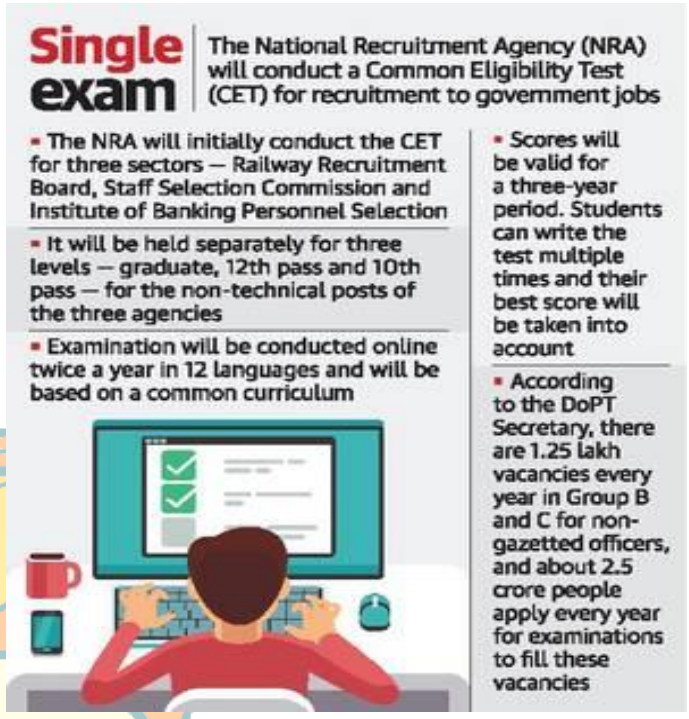

- मान्य स्कोर के सर्वश्रेष्ठ को उम्मीदवार का वर्तमान स्कोर माना जाएगा,

स्थायी निवास आधारित नौकरी कोटा

संदर्भ: मध्य प्रदेश सरकार का "राज्य के बच्चों" के लिए सभी सरकारी नौकरियों को आरक्षित करने का हालिया निर्णय।

इस प्रकार के आरक्षण की वकालत क्यों की जाती है?

- यह तर्क दिया जाता है कि राज्य के निवासियों को तरजीही व्यवहार देने से राज्य के संसाधनों के सही आवंटन में मदद मिलेगी और लोगों को अपने राज्य की सीमाओं के भीतर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- इसे पिछड़े राज्यों से महानगरों में लोगों के प्रवास को रोकने के तरीके के रूप में भी देखा जाता है, जिससे ऐसे शहरों पर बोझ कम होता है।

स्थायी निवास स्थिति और जन्म स्थान के बीच का अंतर

- डीपी जोशी बनाम मध्य भारत मामले, 1955 में SC के फैसले के अनुसार, निवास स्थान एक परिवर्तनशील अवधारणा है जो समय-समय पर बदलती रहती है, परंतु जन्म स्थान निश्चित रहता है।
- किसी व्यक्ति का निवास स्थान ही उसका स्थायी घर होता है।
- जन्म का स्थान कई आधारों में से एक है जिस पर अधिवास का दर्जा दिया जाता है।

ऐसे उदाहरण जहां स्थान आधारित आरक्षण किए जाते हैं:

- **जम्मू और कश्मीर**
  - विशेष दर्जे को निरस्त करने से पहले, नौकरियों को राज्य के विषयों के लिए आरक्षित किया गया था।

- वर्तमान में, सरकारी नौकरी अधिवास के लिए आरक्षित हैं।
- कोई भी व्यक्ति जो 15 वर्षों के लिए जम्मू और कश्मीर में रहता है और उनके बच्चे अधिवासी हैं।
- जिन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में सात साल तक अध्ययन किया है और कक्षा 10 और 12 की परीक्षा दी है, वे अधिवासी हैं।
- केंद्र सरकार के कर्मचारी, जिन्होंने 10 साल के लिए जम्मू-कश्मीर में सेवा की है, और उनके बच्चे भी सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

➢ **महाराष्ट्र**

- केवल स्थानीय निवासी जो मराठी में धाराप्रवाही हो सरकारी नौकरी के लिए पात्र हैं।
- एक स्थानीय को राज्य में अधिवासित के रूप में परिभाषित किया गया है और 15 वर्षों से वहां रह रहा है।
- एकमात्र अपवाद बेलगाम है, कर्नाटक के निवासियों के लिए है। महाराष्ट्र बार-बार बेलगाम पर दावा ठोक रहा है क्योंकि वहां एक बड़ी आबादी मराठी भाषी है।

➢ **असम**

- असम में, राज्य के निवासियों के लिए कोई आरक्षण नहीं है।
- लेकिन असम समझौते के खंड 6 के कार्यान्वयन के लिए MHA-नियुक्त समिति ने "असमिया लोगों" के लिए सरकारी और निजी क्षेत्रों में विभिन्न स्तरों में 80-100 प्रतिशत तक नौकरी आरक्षण की सिफारिश की है।
- यह 1951 के कट-ऑफ - 1951 से पहले असम में रहने वाले व्यक्तियों या उनके वंशजों के आधार पर निर्धारित किया जाना है।

➢ **पश्चिम बंगाल**

- बंगाल में ऐसा कोई आरक्षण नहीं। लेकिन, राज्य सरकार के कुछ पदों में, बंगाली में कौशल पढ़ना और लिखना एक मापदंड है।

➢ **मेघालय**

- राज्य की सरकारी नौकरियों में खासी, जयंतिया और गैरोस को संयुक्त आरक्षण 80 प्रतिशत है। अन्य SC और ST को 5 फीसदी आरक्षण है।

➢ **अरुणाचल प्रदेश**

- राज्य सरकार की नौकरियों में अरुणाचल प्रदेश अनुसूचित जनजाति के लिए 80 प्रतिशत आरक्षण है।

अधिवास आधारित आरक्षण के बारे में संविधान क्या कहता है?

- संविधान का अनुच्छेद 16 (2), जो सार्वजनिक रोजगार के मामलों में कानून के तहत समान उपचार की गारंटी देता है, राज्य को जन्म स्थान या निवास के आधार पर भेदभाव करने से रोकता है
- हालाँकि, संविधान का अनुच्छेद 16 (3) यह कहकर एक अपवाद प्रदान करता है कि संसद एक विशेष राज्य में नौकरियों के लिए निवास की आवश्यकता को "निर्धारित" कर सकती है। यह शक्ति केवल संसद में निहित है, न कि राज्य विधानसभाओं में।
- संवैधानिक रूप से, कुछ राज्यों में अनुच्छेद 371 के तहत विशेष सुरक्षा भी है। धारा 371 (d) के अधीन आंध्र प्रदेश में निर्दिष्ट क्षेत्रों में "स्थानीय कैडर की सीधी भर्ती" करने की शक्तियां हैं।

संविधान अधिवास के आधार पर आरक्षण पर प्रतिबंध क्यों लगाता है?

- जब संविधान लागू हुआ, तो भारतीय नागरिकता की सार्वभौमिकता के विचार ने जड़ें जमा लीं।
- जैसा कि भारत में आम नागरिकता है, जो नागरिकों को देश के किसी भी हिस्से में स्वतंत्र रूप से घूमने की स्वतंत्रता देता है, किसी भी राज्य में सार्वजनिक रोजगार देने के लिए जन्म स्थान या निवास की आवश्यकता नहीं है।

स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों को आरक्षित करने पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा है?

- हालांकि शिक्षा में अधिवास आधारित आरक्षण को बरकरार रखा गया है, अदालतें इसे रोजगार में विस्तारित करने के लिए अनिच्छुक रही हैं।
- डॉ प्रदीप जैन बनाम भारत संघ में, "मिट्टी के बेटों (उस राज्य में जन्मे नागरिक)" के लिए कानून का मुद्दा SC ने कहा कि प्रथम दृष्टया को यह संवैधानिक रूप से असंभव प्रतीत होता है, लेकिन इस पर स्पष्ट रूप से नियम नहीं बनाया जा सकता क्योंकि यह मामला समानता के अधिकार का विभिन्न पहलु है।
- सुनंदा रेड्डी बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (1995) में, सुप्रीम कोर्ट ने प्रदीप जैन की निगरानी में राज्य सरकार की नीति को रद्द करने की पुष्टि की, जिसने निर्देश के माध्यम से तेलुगु के साथ अध्ययन करने वाले उम्मीदवारों को 5% अतिरिक्त भारण दिया था।
- 2002 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में सरकारी शिक्षकों की नियुक्ति को अमान्य कर दिया, जहां राज्य चयन बोर्ड ने "संबंधित जिले या जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के आवेदकों को वरीयता दी।"

कुछ राज्यों में स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों को आरक्षित करने वाले कानून कैसे हैं?

- अनुच्छेद 16 (3) के तहत उसके पास मौजूद शक्ति का प्रयोग करते हुए, संसद ने सार्वजनिक रोजगार (निवास के रूप में आवश्यकता) अधिनियम लागू किया,
- यह अधिनियम राज्यों में सभी मौजूदा निवास आवश्यकताओं को समाप्त करने और केवल आंध्र प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश के विशेष उदाहरणों के मामले में अपवादों को लागू करने के उद्देश्य से है।
- कुछ राज्य भाषा का उपयोग करके अनुच्छेद 16 (2) के जनादेश के आसपास चले गए हैं।
- अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में आधिकारिक व्यवसाय करने वाले राज्य भाषा के ज्ञान को एक कसौटी के रूप में देखते हैं।
- यह सुनिश्चित करता है कि स्थानीय नागरिकों को नौकरियों के लिए प्राथमिकता दी जाए। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित राज्यों को भाषा परीक्षण की आवश्यकता होती है

निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों को हासिल करने के बारे में क्या?

- अनुमति होने पर भी इस तरह के कानून को लागू करना मुश्किल होगा।
- राज्य स्थानीय लोगों को वरीयता दे सकता है लेकिन यह सुनिश्चित करना कि उसका पालन करना मुश्किल हो।
- 2017 में, कर्नाटक ने इसी तरह के कानून को रद्द कर दिया, लेकिन राज्य के महाधिवक्ता द्वारा इसकी वैधता पर सवाल उठाए जाने के बाद इसे हटा दिया गया।

- हालांकि, 2019 में, कर्नाटक सरकार ने एक बार फिर से एक अधिसूचना जारी कर निजी नियोक्ताओं से कहा कि वे शारीरिक परिश्रम की नौकरियों के लिए कन्नड लोगों को वरीयता दें।

निष्कर्ष

- अधिवास आधारित आरक्षण देने का कदम संवैधानिक समानता की भावना के खिलाफ है और सरकार द्वारा इसका कत्ल किया जा रहा है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- आरक्षण कोई मौलिक अधिकार नहीं है

भारत को एक राजकोषीय परिषद की आवश्यकता है

प्रसंग: भारत में राजकोषीय स्थिति COVID-19 से पहले भी गंभीर तनाव में रही है और नॉवेल कोरोनावायरस महामारी ने इसे और खराब किया है।

संघ की राजकोषीय स्थिति

- नियंत्रक महालेखाकार (CGA) द्वारा अनुमानित 2019-20 में केंद्र का राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान की तुलना में 4.6%, 0.8 प्रतिशत अधिक था।
- वर्ष 2020-21 के लिए, यहां तक कि बिना किसी अतिरिक्त राजकोषीय प्रोत्साहन के भी राजस्व में तेज गिरावट के कारण घाटे का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 7% है जबकि बजट में अनुमानित 3.5% है।
- संघ और राज्यों का समेकित घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 12% के बराबर हो सकता है और समग्र ऋण 85% तक जा सकता है।

➢ **राजकोषीय समेकन के संदर्भ में आलोचना**

- **बेहिसाब देयताएं:** जब बजट देनदारियों पर विचार किया जाता है, तो स्थिति और भी भयावह दिखती है।
- **पारदर्शिता:** बड़े घाटे और ऋण के अलावा, बजट में व्यापकता, पारदर्शिता और जवाबदेही के सवाल हैं।
- अस्पष्ट गतिविधियाँ देनदारियों को छिपाए रखने के लिए की जाती हैं: इनमें शामिल हैं-
  - उर्वरक सब्सिडी के बकाया को कवर करने के लिए विशेष बैंकिंग व्यवस्था
  - अल्पकालिक बांड जारी करना
  - भारतीय खाद्य निगम द्वारा खाद्य सब्सिडी और उसके बकाया को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय लघु बचत कोष (NSSF) से असुरक्षित ऋण और उधार।
  - नाबार्ड द्वारा निर्मित दीर्घकालिक सिंचाई कोष (LTIF) से सिंचाई परियोजनाओं की वित्त व्यवस्था
  - भारतीय रेलवे वित्त निगम (IRFC) से उधार के माध्यम से रेलवे परियोजनाओं का वित्तपोषण
  - LIC भारतीय औद्योगिक विकास बैंक और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन को खरीदकर ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) को खरीदता है और विनिवेश के रूप में सरकार को धनराशि देता है।
- उपरोक्त चुनौतियों का समाधान करने के लिए, 14 वें वित्त आयोग ने एक स्वतंत्र राजकोषीय परिषद की स्थापना की सिफारिश की
  - इस परिषद को एफआरबीएम अधिनियम में एक नया अनुभाग डालकर संसद को रिपोर्ट और नियुक्त किया जाना चाहिए।

राजकोषीय परिषद का जनादेश क्या है?

- एक राजकोषीय परिषद एक स्वतंत्र राजकोषीय संस्थान (IFI) है जिसमें स्थिर और स्थायी सार्वजनिक वित्त को बढ़ावा देने के लिए एक उद्देश्य और वैज्ञानिक विश्लेषण करके परिषद स्थायी राजकोषीय नीति को कैलिब्रेट करने में सहायता करती है।
- इन IFI के महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल हैं:
  - सरकार की राजकोषीय नीतियों और कार्यक्रमों का स्वतंत्र विश्लेषण, समीक्षा और निगरानी और मूल्यांकन
  - वृहद आर्थिक और / या बजटीय अनुमानों का विकास या समीक्षा करना
  - बजट और नीति प्रस्तावों और कार्यक्रमों की लागत
  - नीति निर्माताओं को वैकल्पिक नीति विकल्पों के साथ प्रस्तुत करना

राजकोषीय परिषद की गुण

- लोक वित्त का प्रहरी: संसद की एक निष्पक्ष रिपोर्ट बहस के स्तर को बढ़ाने में मदद करती है और अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही लाती है।
- लोकलुभावन को कम करता है: विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों की लागत राजकोषीय नीति में लोकलुभावन बदलावों को हतोत्साहित करने और जवाबदेही में सुधार करने के लिए राजनीतिक चक्र पर पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है।
- सार्वजनिक जागरूकता: कार्यक्रमों की लागत का वैज्ञानिक अनुमान और पूर्वानुमान का आकलन उनके राजकोषीय निहितार्थों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और लोगों को बजटीय बाधा की प्रकृति को समझने में मदद कर सकता है।
- संविधान की भावना को बरकरार रखता है: परिषद नियम आधारित नीतियों की निगरानी में और जागरूकता बढ़ाने और संसद के भीतर और बाहर बहस के स्तर को बढ़ाने में एक विवेक रक्षक के रूप में काम करेगी ।
- अंतर्राष्ट्रीय रुझान: IMF के अनुसार, 2014 में IFIs के साथ 36 देश थे और हाल के वर्षों में और अधिक शामिल हो चुके है।

ये संस्थान कितने प्रभावी रहे हैं?

- IMF द्वारा किए गए एक अध्ययन ("राजकोषीय परिषदों के कार्य और प्रभाव", जुलाई 2013) से पता चलता है कि IMF वाले देशों में मजबूत प्राथमिक संतुलन और अधिक सटीक वृहद आर्थिक और बजटीय पूर्वानुमान होते हैं।
- बेल्जियम में, सरकार को संघीय योजना ब्यूरो के व्यापक आर्थिक पूर्वानुमानों को अपनाने के लिए कानूनी रूप से आवश्यक है और इससे इन अनुमानों में पूर्वाग्रह को कम करने में काफी मदद मिली है।
- चिली में, प्रवृत्ति GDP और संदर्भ कॉपर मूल्य पर दो स्वतंत्र निकायों के अस्तित्व ने बजट पूर्वानुमानों को बेहतर बनाने में बहुत मदद की है।
- ब्रिटेन में, राजकोषीय स्थिरता को बहाल करने में बजट जिम्मेदारी के लिए कार्यालय महत्वपूर्ण रहा है।
- पार-राष्ट्र साक्ष्यों से पता चलता है कि राजकोषीय परिषदें राजकोषीय प्रदर्शन पर एक मजबूत प्रभाव डालती हैं, खासकर जब उनके पास स्वतंत्रता की औपचारिक गारंटी होती है।

निष्कर्ष

- राजकोषीय नीति के पूरक के लिए राजकोषीय परिषद एक महत्वपूर्ण संस्था है। बेशक, यह 'सिल्वर बुलेट' नहीं है; यदि कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है, तो संस्थान कम प्रभावी होगा

बिंदुओं को जोड़ने पर

- पंद्रहवां वित्त आयोग

जनसंवाद में न्याय का हाशिये पर होना

संदर्भ: लालच और संकीर्ण स्वार्थों की खोज से सामाजिक असमानताओं के असमान विभाजन को गंभीर असमानता होती है। इसने हमें यह देखने के लिए बनाया है कि न्याय क्या करता है।

विकास के साथ नैतिक चुनौतियां

- विकास जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों को साकार करने का भार सभी द्वारा समान रूप से साझा नहीं किया जाता है। इससे सामाजिक श्रम का अनुचित विभाजन होता है
- बोझ आसानी से उन लोगों पर पारित हो जाता है जो इसे खत्म करने के लिए शक्तिहीन हैं। कुछ लोग लगभग हर चीज का त्याग करते हैं और दूसरों को बिना कुछ जाने ही फायदा होता है।
- हमारे समाज में सबसे कम वेतन पाने वाले मजदूरों और किसानों से उम्मीद की जाती है कि वे राष्ट्र निर्माण के लिए सबसे बड़ा बलिदान दें
- इसके अलावा, लाभ और बोझ के उचित वितरण के लिए चिंता - न्याय का मुख्य मुद्दा - मुख्यधारा के सार्वजनिक विमर्श में दुर्लभ है।

न्याय क्या है?

- न्याय का मूल विचार यह है कि प्रत्येक व्यक्ति को वही मिलता है जो उसके कारण ठीक से होता है ' कि समाज के लाभों और बोझ को इस तरीके से वितरित किया जाए जो प्रत्येक व्यक्ति को उसके कारण देता है।

डेविड ह्यूम की न्याय की परिस्थितियाँ 'क्या हैं?

- वितरणात्मक न्याय का विचार न केवल प्रेम या परिचित की अनुपस्थिति द्वारा चिह्नित एक सामाजिक स्थिति को निर्धारित करता है, बल्कि अन्य लोगों को भी जो स्कॉटिश दार्शनिक, डेविड ह्यूम, ने 'न्याय की परिस्थितियां' कहा है।
- उदाहरण के लिए, एक ऐसा समाज जहां सब कुछ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, न्याय की आवश्यकता नहीं होगी।
- हममें से प्रत्येक के पास जितना हम चाहते हैं वह सब कुछ होगा। बंटवारे की आवश्यकता के बिना, न्याय निरर्थक हो जाता है।
- समान रूप से, व्यापक बिखराव वाले समाज में, न्याय असंभव है। जीवित रहने के लिए, प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध होने के लिए मजबूर करने के लिए मजबूर किया जाता है।
- न्याय, इसलिए, मध्यम बिखराव वाले समाजों में संभव और आवश्यक है।
- न्याय यह भी निर्धारित करता है कि लोग न तो पूरी तरह से अकेले हैं और न ही दूसरों के साथ संगठित हैं
- यदि कोई अन्य के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ था, जिसमें स्वयं और दूसरे के बीच कोई अंतर नहीं है, तो फिर से, साझा करना अनावश्यक होगा।
- इसलिए न्याय एक नैतिक मनोविज्ञान को बनाए रखता है जिसमें मनुष्य न तो पूरी तरह से स्वार्थी होता है और न ही पूरी तरह से परोपकारी।
- चूंकि अधिकांश समाज इन शर्तों को साझा करते हैं, इसलिए हम कह सकते हैं कि न्याय एक आवश्यक सामाजिक गुण है और इसका बहुत बड़ा नैतिक मूल्य है।

न्याय प्राप्त करने के साथ क्या चुनौतियाँ हैं?

- हमारा समाज गहरी सामग्री, सांस्कृतिक और ज्ञान संबंधी असमानताओं से ग्रस्त है।
- संसाधन / बोझ के बंटवारे से निपटने के दौरान, न्यायिक न्याय के बजाय न्याय की श्रेणीबद्ध धारणाओं को प्रमुखता दी गई
- पदानुक्रमित धारणाओं में, एक व्यक्ति (न्याय) के कारण उसके पदानुक्रमित प्रणाली के भीतर या उसके द्वारा

स्थापित किया जाता है। उदाहरण के लिए, जन्म से निर्धारित रैंक (जाति व्यवस्था)

- जीवित पदानुक्रमों से प्रभावित समाजों में, लोगों को सर्वप्रथम मान्यता के लिए संघर्ष करना चाहिए, जिसे सामाजिक सामाजिक न्याय कहा जा सकता है।
- फिर, उन्हें यह तय करना होगा कि सभी सामाजिक लाभ और बोझ को समान व्यक्तियों के बीच कैसे बांटा जाए - समतावादी वितरण न्याय का सार।

समतावादी न्याय के साथ चुनौती

- समान नैतिक मूल्य के व्यक्तियों के कारण जो व्याख्या करने के लिए दो मुख्य दावेदार मौजूद हैं।
- सबसे पहले, जरूरत-आधारित सिद्धांत जिसके लिए, एक व्यक्ति के कारण क्या वह वास्तव में उसकी जरूरत है, यानी, सामान्य मानव कल्याण (बुनियादी जरूरतों) के लिए जो कुछ भी आवश्यक है
- दूसरा, रेगिस्तान का सिद्धांत जिसके लिए, एक व्यक्ति के कारण क्या वह अपने स्वयं के गुणों और परिश्रम से योग्य है या नहीं
- न्याय की अधिकांश उचित समतावादी अवधारणाएँ ज़रूरत और रेगिस्तान के बीच संतुलन खोजने की कोशिश करती हैं।
- वे वस्तुओं और क्षमताओं (लाभों) के वितरण को सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं जो सभी की जरूरतों को पूरा करता है। इसके बाद, प्राकृतिक उपहार, सामाजिक सीखने और व्यक्तिगत प्रयास के आधार पर पुरस्कार उन लोगों के लिए स्वीकार्य हैं, जो अधिक योग्य हैं।

निष्कर्ष

- न्याय को सार्वजनिक प्रवचन में वापस लाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। वरना हमारे राष्ट्र के सपने कभी हकीकत में नहीं बदलेंगे।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- न्याय का अमर्त्य सेन का सिद्धांत (स्वतंत्रता क्षमताओं के बिना निरर्थक है, इसलिए लोगों की क्षमता का निर्माण करने की आवश्यकता है)

नमथ बसई: केरल में एक अनूठा कार्यक्रम

GS-प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप; शिक्षा और GS- I - समाज (जनजाति) का हिस्सा

खबरों में:

- नमथ बसई केरल के अट्टापडी में किया जाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है।
- इसके तहत आदिवासी बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता है।

मुख्य बिन्दु

- कार्यक्रम का समागम केरल (SSK) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
  - SSK स्कूल शिक्षा क्षेत्र (पूर्व स्कूल से कक्षा 12) के लिए एक कार्यक्रम है।
  - **उद्देश्य:** स्कूल की प्रभावशीलता में सुधार करना।
- यह YouTube चैनल के माध्यम से पूर्व-दर्ज की गई कक्षाएं प्रदान करता है।
- यह इरुला, मुदुका और कुरुम्बा जनजातियों की तीन जनजातीय भाषाओं में उपलब्ध है।
- यह वायनाड और इडुक्की के आदिवासी इलाकों में भी किया जा रहा है।
- इडुक्की में ओराली, मुतवन और पनिया भाषाओं में कक्षाएं दी जाती हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कुरुम्बा जनजाति

- यह लोकप्रिय रूप से माला पुलायन्स, हिल पुलायन्स और पंबापुलायन्स के नाम से जाना जाता है।
- पारंपरिक व्यवसाय: कृषि करना और झूम खेती करना।
- शरीर पर टेटू बनाने की कला।
- बास्केट और चटाई के निर्माण में कुशल
- धर्म: जीववाद (वस्तुओं, स्थानों और प्राणियों की आध्यात्मिकता में विश्वास) और कुलदेवता की पूजा (किसी भी प्रजाति के पौधों या जानवरों की पूजा जो अलौकिक शक्तियों के अधिकारी हैं)
- इरुला या इरुलर जनजाति
- व्यवसाय: कृषक
- धान, रागी, ढल, पौधे, मिर्च और हल्दी की खेती
- धर्म: अधिकांश लोग विष्णु (रंगास्वामी और शिव) की पूजा करते हैं। कुछ लोग बाघ की पूजा करते हैं और जीववाद का अभ्यास करते हैं।

मुदुगर या मुदुका जनजाति

- काल (कबीले) स्तर पर सामाजिक विभाजन हैं।
- पारंपरिक व्यवसाय: भोजन इकट्ठा करने वाले और शिकारी।
- धर्म: हिंदू धर्म (शिव की आराधना)

महामारी के दौरान JEE-NEET का मुद्दा

संदर्भ: एक महामारी के बीच संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE) और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन आसान नहीं है, लेकिन विकल्प सीमित हैं

NEET & JEE के बारे में:

- NEET देश में MBBS / BDS प्रवेश के लिए एकमात्र प्रवेश द्वार है।
- JEE मेन भारत में शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में स्नातक पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के इच्छुक छात्रों के लिए है
- राज्य सरकार द्वारा संचालित और निजी संस्थानों के लिए JEE अनिवार्य नहीं है।
- JEE और NEET दोनों का संचालन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा किया जाता है

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने दुविधाओं का सामना किया

- योग्यता आधारित प्रवेश प्रक्रिया (परीक्षा आयोजित करने के माध्यम से)
- COVID-19 के दौरान शारीरिक और भावनात्मक रूप से आश्रितों की भलाई सुनिश्चित करना और इस प्रकार परीक्षा स्थगित करने का दबाव
- महामारी के कारण होने वाले शैक्षणिक व्यवधान को सीमित करना

इन परीक्षाओं को आयोजित करने पर सुप्रीम कोर्ट: जब परीक्षाएं स्थगित करने के लिए याचिकाएँ दायर की गईं, तो SC ने दो सामान्य प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

परीक्षा आयोजित करने के पक्ष में तर्क

- न्यायपालिका का समर्थन: एक अकादमिक दृष्टिकोण से, सर्वोच्च न्यायालय ने देखा है कि छात्रों के कैरियर को "लंबे समय तक संकट में नहीं डाला जा सकता है"।
- माता-पिता / छात्रों का समर्थन: एक "मूक बहुमत" परीक्षा के पक्ष में है क्योंकि पंजीकृत उम्मीदवारों की भारी संख्या ने उनके प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लिए हैं।
- शिक्षाविदों द्वारा सहायता: कई IIT के निदेशकों ने चिंता व्यक्त की है कि आगे देरी से "शून्य शैक्षणिक वर्ष" हो सकता है और महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए कोई भी त्वरित विकल्प शिक्षा की गुणवत्ता को कमजोर करेगा

परीक्षा आयोजित करने के विरुद्ध तर्क

- COVID-19 को परीक्षा केंद्रों से अनुबंधित करने का डर: NEET 155 शहरों में 3,843 केंद्रों में आयोजित किया जाएगा, जबकि आवेदकों की संख्या लगभग 15.97 लाख है।
- व्यावहारिक चुनौतियां: कई राज्यों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को फिर से शुरू नहीं करना और शेष बंद होटल, आंतरिक क्षेत्रों के उम्मीदवारों के लिए यात्रा और आवास एक बड़ी चुनौती है।
- उच्च शिक्षा की लड़कियों की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव: सामाजिक और सांस्कृतिक दबाव ऐसे हैं कि गांवों और TIER-3 शहरों की लड़कियों को बाधाओं का सामना करने की संभावना है क्योंकि अकेले इन असामान्य परिस्थितियों के तहत यात्रा को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा।

आगे का मार्ग

- सरकार को मानक सामान्यीकरण का उपयोग करते हुए राज्यों को बारहवीं बोर्ड के अंकों के आधार पर चिकित्सा प्रवेश देने की अनुमति देने जैसे विकल्पों का पता लगाना चाहिए।
- NEET केंद्रीय संस्थानों तक सीमित हो सकता है।
- परीक्षा स्लॉट कंपित हो सकते हैं और केंद्रों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- NEET और इसकी आलोचनाएँ
- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी

कोटा के भीतर कोटा की बहस

संदर्भ:

- सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर कानूनी बहस को फिर से खोल दिया, या जिसे आमतौर पर SC और ST के लिए "कोटा के भीतर कोटा" कहा जाता है।
- संविधान सभी अनुसूचित जातियों को एक एकल सजातीय समूह मानता है।

कुछ राज्यों द्वारा तैयार विशेष कोटा

- तमिलनाडु में, SC कोटे के भीतर 3% कोटा अरुंधतियार जाति को दिया जाता है, न्यायमूर्ति एम एस जनार्थनम की रिपोर्ट के बाद कहा गया है कि राज्य में SC आबादी का 16% होने के बावजूद, उन्होंने केवल 0-5% नौकरियों का आयोजन किया।
- 2000 में, आंध्र प्रदेश विधायिका ने 57 SC को उप-समूहों में पुनर्गठित करते हुए एक कानून पारित किया और उनकी आबादी के अनुपात में शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में 15% SC कोटा विभाजित किया। हालांकि, 2005 ई. वी. चिन्नाया केस में इस कानून को असंवैधानिक घोषित किया गया था
- पंजाब में भी ऐसे कानून हैं जिन्होंने SC कोटा में बाल्मीकि और मज़हबी सिखों को वरीयता दी जाती है;

क्या राज्य अनुसूचित जाति को अनुसूचित जाति घोषित कर सकते हैं?

- ई वी चिनैय्या बनाम आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों में 2005 के फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया कि किसी जाति को अनुसूचित जाति के रूप में शामिल करने या बहिष्कृत करने की सूचना केवल राष्ट्रपति के पास है, और राज्य सूची के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकते।
- आंध्र प्रदेश ने कानून लागू किया था क्योंकि राज्यों में शिक्षा के विषय पर कानून बनाने की शक्ति थी, और प्रवेश में आरक्षण अपने विधायी क्षेत्र के भीतर गिर गया। अदालत ने, हालांकि, इस तर्क को खारिज कर दिया।

उप-वर्गीकरण के लिए आधार क्या हैं?

- **अनुसूचित जातियों के भीतर असमानता के कारण लाभ कम नहीं हुआ है**
  - राज्यों ने तर्क दिया है कि अनुसूचित जातियों के बीच, कुछ जातियां हैं जो अन्य अनुसूचित जातियों की तुलना में आरक्षण के बावजूद सकल रूप से कम प्रतिनिधित्व रखती हैं
  - इस प्रकार, आरक्षण का लाभ "कमजोर से कमजोर" को नहीं मिला है और यह उप-वर्गीकरण के लिए प्रेरित करता है
- **क्रीमी लेयर की अवधारणा**
  - "क्रीमी लेयर" अवधारणा आरक्षण के लिए पात्र लोगों पर आय सीमा लगाती है।
  - जबकि यह अवधारणा OBC पर लागू होती है, यह 2018 में पहली बार SC के प्रमोशन के लिए लागू किया गया था, जरनैल सिंह बनाम लछमीनारायण गुप्ता मामले में ।
  - केंद्र सरकार ने 2018 के फैसले की समीक्षा की मांग की है और मामला फिलहाल लंबित है
- **उप-श्रेणीकरण अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं करता है**
  - 2005 में ई. वी. चिनहिया मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने माना था कि केवल वरीयता देने से ठठेरा, पुनर्व्यवस्थित, उपवर्ग, गड़बड़ी या किसी भी तरह से सूची में हस्तक्षेप नहीं होता है क्योंकि अनुच्छेद 341 सूची के तहत अधिसूचित में किसी भी जाति का समावेश या बहिष्करण नहीं है।
- **समानता का अधिकार उल्लंघन नहीं करता है**
  - उप-वर्गीकरण सरकारी सेवा में सभी SC का समान प्रतिनिधित्व प्राप्त करेगा और "वास्तविक समानता" या "आनुपातिक समानता" के बारे में होगा।

उप-वर्गीकरण के खिलाफ तर्क क्या हैं?

- सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन की परीक्षा या आवश्यकता अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति पर लागू नहीं की जा सकती। एससी को अस्पृश्यता के कारण विशेष उपचार दिया जाता है जिसके साथ वे पीड़ित हैं।
- 1976 के एक मामले में, केरल राज्य के वी एन एम थॉमस, सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित किया कि "अनुसूचित जातियां नहीं हैं, वे वर्ग हैं।"
- राष्ट्रपति की SC सूची की अखंडता को खतरे में डाल दिया जाएगा क्योंकि इस तरह के निर्णय एक वोट बैंक या दूसरे को खुश करने के लिए किए जाएंगे।

निष्कर्ष

- आरक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पिछड़े वर्ग एक साथ हाथ मिलाकर चलें और अगर कुछ चुनिंदा लोगों को ही सरकार की सभी प्रतिष्ठित सेवाएं मिलेंगी तो यह संभव नहीं होगा ।
- सामाजिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखे बिना सामाजिक परिवर्तन का संवैधानिक लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता है

J & K के केंद्र शासित प्रदेश में प्रशासन के लिए नए नियम अधिसूचित

GS-प्रीलिम्स और GS- II - राजनीति और शासन का हिस्सा

समाचार में:

- प्रशासन के लिए नए नियम हाल ही में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अधिसूचित किए गए थे।
- मंत्रालय: केंद्रीय गृह मंत्रालय
- नए नियमों में उपराज्यपाल (LG) और मंत्रिपरिषद (COM) के कार्य शामिल हैं।

मुख्य बिन्दु

- पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवाएं और भ्रष्टाचार-निरोध LG के कार्यकारी कार्यों के अंतर्गत आएगा।
- उनके कामकाज में CM या COM की कोई राय नहीं होगी।
- किसी भी अल्पसंख्यक समुदाय के हित को प्रभावित करने वाले मामले सीएम को सूचित करने के बाद अनिवार्य रूप से LG को प्रस्तुत किए जाएंगे।
- COM, CM के नेतृत्व में, गैर-अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों की सेवा मामलों, नए कर लगाने, भूमि राजस्व, पुनर्गठन विभागों या कार्यालयों का मसौदा तैयार करने और कानून का प्रस्ताव तय करेगा।

- हालांकि, LG और एक मंत्री के बीच मतभेद के मामले में, जब एक महीने के बाद भी कोई समझौता नहीं किया जा सकता है, तो LG के निर्णय को COM द्वारा स्वीकार किया जाएगा।

आम मतदाता सूची की संभावना पर चर्चा

GS-प्रीलिम्स और GS- II - राजनीति और शासन का हिस्सा

समाचार में:

- हाल ही में, पंचायत, नगरपालिका, राज्य विधानसभा और लोक सभा के चुनावों के लिए एक आम मतदाता सूची होने की संभावना पर भारतीय केंद्र सरकार ने चर्चा की।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- कई राज्यों में, पंचायत और नगरपालिका चुनावों के लिए मतदाताओं की सूची संसद और विधानसभा चुनावों के लिए उपयोग की जाने वाली एक से भिन्न होती है।
- चुनावों की देखरेख और संचालन की निगरानी दो प्राधिकरण करते हैं - चुनाव आयोग (EC) और राज्य चुनाव आयोग (**SEC**)
- **EC:** राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति कार्यालयों के लिए और संसद, राज्य विधानसभाओं और विधान परिषदों के लिए पर्यवेक्षी चुनाव।
- **SEC:** नगरपालिका और पंचायत चुनावों का पर्यवेक्षण करें।
- वे स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अपने स्वयं के निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए स्वतंत्र हैं, और इस अभ्यास को चुनाव आयोग के साथ समन्वयित करने की आवश्यकता नहीं है।
- प्रत्येक SEC एक अलग राज्य अधिनियम द्वारा शासित होता है।

क्या आप जानते हैं?

- वर्तमान में, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, असम, मध्य प्रदेश, केरल, ओडिशा, असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर सभी राज्य स्थानीय निकाय चुनावों के लिए चुनाव आयोग के रोल को अपनाते हैं।
- एक भी मतदाता सूची के लिए ढाल नई नहीं है।
- विधि आयोग ने 2015 में अपनी 255 वीं रिपोर्ट में इसकी सिफारिश की थी।
- EC ने भी 1999 और 2004 में इसी तरह का रुख अपनाया।

सतलुज-यमुना लिंक नहर परियोजना

GS-प्रीलिम्स और GS- I - जल संसाधन और जीएस- II - अंतर-राज्य संबंध; विवाद निवारण तंत्र का हिस्सा

समाचार में:

- हाल ही में, सतलुज-यमुना लिंक नहर परियोजना के साथ केंद्र के प्रस्ताव से पंजाब में राजनीतिक अशांति हो सकती है।

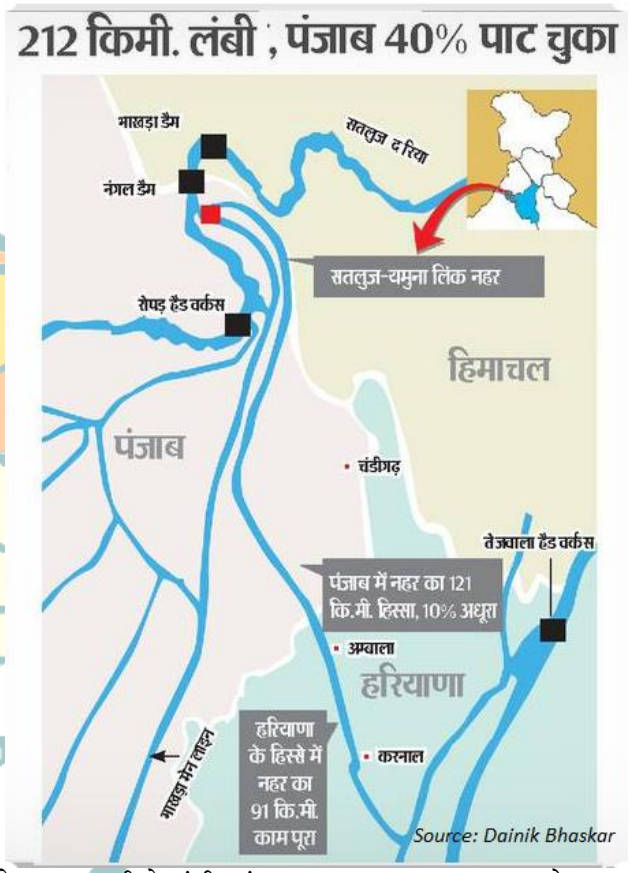

मुख्य बिन्दु

- भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि (1960) में विवाद का पता लगाया जा सकता है।
- इसने भारत को रवि, ब्यास और सतलज के मुक्त और अप्रतिबंधित उपयोग की अनुमति दी।
- 1966: पुराने (अविभाजित) पंजाब से हरियाणा के निर्माण ने हरियाणा को नदी के पानी का हिस्सा देने की समस्या को जन्म दिया।
- हाल ही में, SC ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को केंद्र द्वारा मध्यस्थता के लिए उच्चतम राजनीतिक स्तर पर SYL नहर मुद्दे पर बातचीत करने और निपटाने का निर्देश दिया है।
- हालांकि, पंजाब ने पानी की उपलब्धता के ताजा समयबद्ध आकलन के लिए एक न्यायाधिकरण के लिए कहा है।
- पंजाब पानी को साझा करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि गेहूं / धान के मोनोसायकल के लिए उसके भूमिगत एक्वीफर्स के अत्यधिक दोहन के कारण पानी के गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है।
- पंजाब पानी को साझा करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि गेहूं / धान के एकल चक्र के लिए उसके भूमिगत जलभृत के अत्यधिक दोहन के कारण उसे गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिक अधिकारों के वकील ने अदालत की आपराधिक अवमानना का दोषी पाया

GS-प्रीलिम्स और GS- II - न्यायपालिका का हिस्सा

समाचार में:

- सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में नागरिक अधिकारों के वकील प्रशांत भूषण को अदालत की आपराधिक अवमानना का दोषी पाया है।
- वकील ने CJI के खिलाफ मानहानि करने वाला ट्वीट किया था।

मुख्य बिन्दु

निर्णय:

- ट्वीट ने सुप्रीम कोर्ट को एक संस्था के रूप में बदनाम कर दिया है।
- यह माना जाता है कि भारतीय न्यायपालिका का प्रतीक होने के कारण, SC पर हमले से देश भर में उच्च न्यायालय के साधारण वादियों और न्यायाधीशों को SC में विश्वास खोना पड़ सकता है।
- यह स्वीकार किया कि इसकी अवमानना शक्तियों का उपयोग केवल कानून की महिमा को बनाए रखने के लिए किया जा सकता है और

- जिन शक्तियों के खिलाफ मानहानि की टिप्पणी की जाती है, उनके लिए शक्तियों का इस्तेमाल व्यक्तिगत न्यायाधीश को नहीं किया जा सकता है।
- इसमें कहा गया है कि अटॉर्नी जनरल (AG) की पूर्व सहमति पर SC की निहित अवमानना शक्तियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की आवश्यकता नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 129 से स्वप्रेरणा अवमानना शक्तियां तैयार की गई हैं।
- SC ने प्रशांत भूषण को अपने कार्यों पर विचार करने और संभवतः एक बयान को संशोधित करने के लिए कहा है जिसमें उन्होंने अपने ट्वीट के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

सू मोटो संज्ञान

- यह एक लैटिन शब्द है।
- अर्थ: एक सरकारी एजेंसी, अदालत या अन्य केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा अपनी आशंका पर की गई कार्रवाई।
- मीडिया के माध्यम से या तीसरे पक्ष की अधिसूचना के माध्यम से अधिकारों के उल्लंघन या ड्यूटी के उल्लंघन के बारे में जानकारी प्राप्त करने पर अदालत कानूनी मामले के एक सू मोटो संज्ञान लेता है।

राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (NRA)

संदर्भ: हाल ही में सरकार ने एक राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी के निर्माण को मंजूरी दी है।

NRA क्या है?

- NRA एक परीक्षण एजेंसी है जो गैर-राजपत्रित समूह B और स (गैर-तकनीकी) पदों के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा (CET) आयोजित करने के लिए जिम्मेदार होगी
- NRA,CET रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB), बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (IBPS क्लर्क, पीओ) और कर्मचारी चयन आयोग (SSC,CHSL, CGL, स्टेनो ग्रुप C, D, JHT, आदि) के लिए भर्ती परीक्षाओं को शुरू करेगा। ।
- धीरे-धीरे, सभी केंद्र सरकार की भर्ती एजेंसियों को NRA के अधीन लाया जाएगा।
- NRA की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत की जाएगी
- इसमें रेल मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, SSC, RRB और IBPS के प्रतिनिधि होंगे।

सामान्य पात्रता परीक्षा के बारे में

- **उद्देश्य:** यह केवल भर्ती प्रक्रिया में उपस्थित होने के लिए उम्मीदवारों की पात्रता की जांच करेगा और भर्ती परीक्षा के समान नहीं है।
- **परीक्षा की प्रकृति:** यह एक प्रारंभिक या टियर 1 परीक्षा की तरह है जहां उम्मीदवार की सामान्य और बुनियादी योग्यता का परीक्षण किया जाता है।
- **विधि:** यह एक ऑनलाइन परीक्षा होगी और यह समयबद्ध होगी।
- आवृति: NRA CET का शेड्यूल जारी करेगी, जो हर साल दो बार आयोजित की जाएगी।
- **भाषा:** उम्मीदवार 12 प्रमुख भारतीय भाषाओं में से शिक्षा के माध्यम का चयन करने में सक्षम होंगे, जिसका भविष्य में अन्य भाषाओं में विस्तार किया जाएगा।
- **वैधता:** एक बार परीक्षा आयोजित होने के बाद, उम्मीदवारों को उनके CET स्कोर के साथ प्रदान किया जाएगा, जो कि तीन साल की अवधि के लिए मान्य होगा।
- **विभेदित:** अलग CET योग्यता के विभिन्न स्तरों के लिए आयोजित किया जाएगा - 10 वीं पास, 12 वीं पास और स्नातक

- **उपयोगिता:** CET स्कोर स्तर के आधार पर, भर्ती के लिए अंतिम चयन परीक्षा के अलग-अलग विशिष्ट स्तरों (II, III, आदि) के माध्यम से किया जाएगा जो संबंधित भर्ती एजेंसियों द्वारा आयोजित किया जाएगा।

क्या NRA, UPSC परीक्षा को भी शामिल करेगा?

- नहीं, UPSC ग्रुप A और ग्रुप B के पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करता है। ये परीक्षाएं NRA के दायरे में नहीं आती हैं।

NRA और CET के लाभ

- परीक्षा की अखंडता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उत्तोलन: एक केंद्रीय सर्वर में समान कठिनाई स्तरों के कई प्रश्नों के साथ एक मानकीकृत प्रश्न बैंक बनाया जाएगा। एक एल्गोरिथ्म का उपयोग अलग-अलग प्रश्नों को घाल-मेल करने और मिश्रण के लिए किया जाएगा, ताकि प्रत्येक उम्मीदवार को एक अलग प्रश्न पत्र प्राप्त हो, जिससे धोखाधड़ी और पेपर लीक होने की संभावना कम हो जाए।
- भर्ती चक्र को कम करता है: स्कोर जल्दी से उत्पन्न होगा, ऑनलाइन वितरित किया जाएगा और तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा। वर्तमान में इन परीक्षा चक्र प्रक्रिया में औसतन 6-12 महीने लगते हैं
- परीक्षा में प्रवेश बढ़ाता है: उम्मीदवारों के लिए इसे आसान बनाने के लिए, देश के प्रत्येक जिले में परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएंगे
- भर्तीकर्ताओं और उम्मीदवारों के लिए भारी बचत: भर्ती एजेंसियों के लिए, रसद के संदर्भ में बचत बहुत बड़ी होगी। इसके अलावा, उम्मीदवारों को अब रोजगार परीक्षण लेने के लिए काफी खर्च और कठिनाई के समय शहरी केंद्रों की यात्रा नहीं करनी होगी
- आवेदक के अनुकूल: उम्मीदवार एक बार CET अर्हता प्राप्त कर सकता है और फिर 3 साल की अवधि के लिए सीधे कई भर्तियों के लिए उपस्थित हो सकता है (बशर्ते वह अन्य मानदंडों को पूरा करता हो)

आगे की चुनौतियां

- सरकारी पदों के अनुसार अनारक्षित रिक्तियां: समय-समय पर नए पद स्वीकृत किए जाते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में पद रिक्त रहते हैं। लगभग 7 लाख सरकारी पदों को मार्च 2018 तक निरस्त किया गया।
- बढ़ता निजीकरण: कोर रेलवे सेवाओं को निजी क्षेत्र में स्थानांतरित करने पर जोर देने के साथ, भविष्य में प्रस्ताव पर कम सरकारी नौकरियां हो सकती हैं।
- राज्य स्तर पर इसी तरह के सुधार की आवश्यकता है: केवल 14% सार्वजनिक रोजगार केंद्र के दायरे में आता है (मुख्य रूप से रेलवे और रक्षा में), बाकी राज्यों के दायरे में आते हैं।
- सतत राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता: इस तरह के सुधारों की दीर्घकालिक प्रासंगिकता सार्वजनिक रोजगार के स्तर को बढ़ाने और जनता के लिए सेवाओं का विस्तार करने की सरकारों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करेगी।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी
- NEET के साथ मुद्दे

SC वरिष्ठ नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए राज्यों को निर्देश देता है

GS मेन्स II - सामाजिक / कल्याण मुद्दा; न्यायपालिका की भूमिका का का हिस्सा

समाचार में:

- सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को वरिष्ठ नागरिकों के लिए देखभाल, सहायता और प्राथमिकता चिकित्सा उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया, विशेष रूप से अकेले रहने वाले या संगरोध में रहने वाले लोगों के लिए।
- कई बुजुर्ग अकेलेपन और अवसाद से जूझ रहे थे।
- लॉकडाउन और सामाजिक अलगाव ने उनमें से कई को चिंता की चपेट में छोड़ दिया था।
- वरिष्ठ नागरिक जो 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं और विशेष रूप से चिकित्सा की स्थिति वाले लोग इस अवधि के दौरान संक्रमण के लिए विशेष रूप से अतिसंवेदनशील होते हैं।

तीन-भाषा सूत्र: इतिहास और विश्लेषण

संदर्भ: तमिलनाडु ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में वकालत की गई तीन सूत्री भाषाओं पर आपत्ति जताई है

भारत में भाषा राजनीति का संक्षिप्त इतिहास

- संविधान सभा में, हिंदी को एक मत से संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में वोट दिया गया था। इसी समय, इसने राज्यों को स्वतंत्र रूप से अपनी आधिकारिक भाषा तय करने की स्वतंत्रता दी।
- हालाँकि, यह प्रदान करता है कि अंग्रेजी भाषा का उपयोग 15 और वर्षों के लिए जारी रहेगा, और 15 वर्षों के बाद, संसद निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी भाषा का निरंतर उपयोग करने के लिए एक कानून बना सकती है।
- संविधान ने सरकार से हिंदी भाषा के प्रगतिशील उपयोग के संबंध में सिफारिश करने के लिए क्रमशः पांच और दस साल के अंत में एक आयोग नियुक्त करने के लिए कहा।
- जैसे-जैसे पंद्रह साल खत्म होते-होते, दक्षिणी राज्यों में व्यापक रूप से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, खासकर हिंदी भाषा के प्रचार / प्रचलन के खिलाफ।
- विरोधों को ध्यान में रखते हुए, 1963 में राजभाषा अधिनियम लागू किया गया, जिसमें हिंदी के साथ-साथ अनिश्चित काल तक अंग्रेजी का निरंतर उपयोग किया गया।

तीन भाषा सूत्र

- देश में विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण प्रणाली एक समान नहीं थी।
- जबकि हिंदी उत्तर में शिक्षा का सामान्य माध्यम था, क्षेत्रीय भाषाएं और अंग्रेजी अन्य भागों में शिक्षा का माध्यम थी।
- इससे अराजकता पैदा हुई और अंतर-राज्य संचार के लिए मुश्किलें पैदा हुईं।
- इसलिए, तंत्र को समान करने के लिए, 1968 में नई शिक्षा नीति ने एक मध्य मार्ग निकाला जिसे त्रि-सूत्रीय भाषा कहा जाता है
- हिंदी भाषी राज्यों में, हिंदी, अंग्रेजी और एक आधुनिक भारतीय भाषा (अधिमानतः दक्षिण भारतीय) सीखने में सूत्र का अनुवाद किया गया है।
- गैर-हिंदी भाषी राज्यों में छात्रों के लिए, इसने हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा में पाठ अनिवार्य कर दिया
- तीन कार्य जो तीन भाषा सूत्र की सेवा के लिए मांगे गए थे, वे थे-
  - **समूह की पहचान**
  - **राष्ट्रीय एकता की पुष्टि करना**
  - **प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना**

- संयोग से, NEP 1986 ने तीन भाषाओं के सूत्र और हिंदी के प्रचार पर 1968 की नीति में कोई बदलाव नहीं किया और इसे शब्दशः दोहराया।

त्रि-सूत्रीय भाषा की प्रगति क्या रही है?

- चूँकि शिक्षा एक राज्य विषय है, इस फार्मूले का क्रियान्वयन राज्यों के साथ होता है। केवल कुछ राज्यों ने सिद्धांत में सूत्र को अपनाया था।
- कई हिंदी भाषी राज्यों में, संस्कृत किसी भी आधुनिक भारतीय भाषा (अधिमानतः दक्षिण भारतीय भाषा) के बजाय तीसरी भाषा बन गई। इसने अंतर-राज्य संचार को बढ़ावा देने के लिए तीन भाषा सूत्र के उद्देश्य को हराया।
- गैर-हिंदी भाषी राज्य जैसे कि तमिलनाडु में एक दो-भाषा फार्मूला अपनाया गया और तीन भाषा सूत्र लागू नहीं किया

तमिलनाडु ने ऐतिहासिक रूप से हिंदी भाषा का विरोध क्यों किया है?

- राज्य में नागरिक समाज और राजनेताओं द्वारा संस्कृति के वाहन होने की भाषा को मुखर रूप से संरक्षित किया गया है। तमिल भाषा के महत्व को कम करने के किसी भी प्रयास को संस्कृति के समरूपीकरण के प्रयास के रूप में देखा जाता है।
- हिंदी थोपने के विरोध का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि तमिलनाडु में कई लोग इसे अंग्रेजी को बनाए रखने की लड़ाई के रूप में देखते हैं।
- अंग्रेजी को हिंदी के साथ-साथ सशक्तिकरण और ज्ञान की भाषा के रूप में देखा जाता है।
- समाज के कुछ वर्गों में एक अटूट विश्वास है कि हिंदी को थोपने के निरंतर प्रयासों से अंततः अंग्रेजी, वैश्विक लिंक भाषा का उन्मूलन होगा।
- हालांकि, राज्य में हिंद की स्वैच्छिक शिक्षा को कभी भी प्रतिबंधित नहीं किया गया है। चेन्नई स्थित 102 वर्षीय दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा का संरक्षण इस बात को प्रमाणित करता है।
- प्रतिरोध के साथ केवल मजबूरी को पूरा किया जाता है।

भाषा राजनीति के कारण भारत पर क्या प्रभाव पड़ा है?

- **हिंदी के थोपने का आरोप:** गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में जाना अनिवार्य है, लेकिन यह 28 राज्यों में से कम से कम 20 में से एक कठिन कार्य है। यह प्राकृतिक भाषा नहीं है। इससे हिंदी के प्रचार को गलत तरीके से लागू किया जाता है।
- **पहचान की राजनीति:** भाषा, स्वतंत्र भारत के जन्म से, एक विवादास्पद मुद्दा बनी रही और इसके परिणामस्वरूप यह पहचान की राजनीति से जुड़ गई।
- **प्रतिक्रियात्मक नीतियां:** राज्यों ने अक्सर केंद्रों के हिंदी को बढ़ावा देने के लिए उत्साह खिलाफ प्रतिक्रियावादी नीतियों को लागू किया है
- उदाहरण के लिए, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने संबंधित राज्यों के स्कूलों में अपनी राज्य भाषा सीखना अनिवार्य कर दिया है
- **दूरगामी प्रभाव:** ऐसी प्रतिक्रियात्मक नीतियों का एक दूरगामी प्रभाव होता है जो अन्य प्रशासनिक कार्यों और केंद्र-राज्य संबंधों को खतरे में डालती है।

NEP 2020 त्रि-भाषा सूत्र के बारे में क्या कहता है?

- **निर्देशन का माध्यम:** जहां भी संभव हो, कम से कम कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम, लेकिन अधिमानतः कक्षा 8 और उससे आगे तक, गृह भाषा / मातृभाषा / स्थानीय भाषा / क्षेत्रीय भाषा होगी।
- बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तीन-भाषा सूत्र लागू किया जाना जारी रहेगा।
- NEP ने यह भी कहा कि तीन-भाषा के सूत्र में अधिक लचीलापन होगा, और किसी भी राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी।
- बच्चों द्वारा सीखी गई तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से छात्रों की पसंद होंगी, इसलिए जब तक तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत के मूल निवासी हैं।

भाषा के संबंध में NEP 2020 की आलोचना क्या है?

- पिछली नीति के विपरीत, वर्तमान मसौदे में प्राथमिक स्तर पर ही भाषाओं के परिचय का सुझाव दिया गया है। इस आधार पर आलोचना की जाती है कि छोटे बच्चों पर भाषा सीखने के लिए यह संज्ञानात्मक बोझ होगा
- **हिंदी के लिए पीछे के दरवाजे से भेजना:** तमिलनाडु जो कि राज्य में दो भाषा नीति है, तीन भाषा नीति को जारी रखने का विरोध करता है क्योंकि उन्हें डर है कि यह अंततः हिंदी के लिए पिछले दरवाजे से राज्य में प्रवेश करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- गैर-हिंदी भाषाओं के शिक्षकों की कमी: कई भाषाई कार्यकर्ताओं और शिक्षाविदों ने देखा कि इस कदम के कारण आखिरकार छात्रों को हिंदी सीखने के लिए मजबूर होना पड़ेगा क्योंकि अन्य भाषाओं के शिक्षकों की कमी है
- **वित में भेदभाव:** केंद्र ने हिंदी के विकास के लिए 50 करोड़ आवंटित किए हैं, जबकि अन्य भाषाओं को ऐसा कोई वित नहीं दिया गया है।

क्या आलोचना वैध है?

- आवश्यकता से बाहर, तमिलनाडु राज्य में कई लोगों ने समाज की श्रम आवश्यकताओं को खिलाने वाली प्रवासी आबादी से जुड़ने के लिए संवादी हिंदी को उठाया है। इस तरह से स्कूलों में पढ़ाना मूल भाषा के लिए खतरा नहीं है
- यह प्रतिवाद है कि तमिलनाडु एक राष्ट्रीय लिंक भाषा के रूप में जाने जाने वाले छात्रों को हिंदी सीखने के अवसर से वंचित कर रहा है।
- गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी के शिक्षण को अनिवार्य करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1968 के विपरीत, नवीनतम NEP में स्पष्ट रूप से 'तीसरी' भाषा का उल्लेख नहीं है की यह हिन्दी होगी ।
- इसका मतलब है, तमिल और अंग्रेजी के अलावा, छात्रों को भारतीय भाषाओं में से किसी एक को सीखना चाहिए।

निष्कर्ष:

- भारत की संघीय प्रकृति और विविधता की मांग है कि किसी भी क्षेत्रीय भाषा को दूसरे पर सर्वोच्चता नहीं दी जाती है

103 वाँ संविधान संशोधन अधिनियम

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - राजनीति - संविधान और हालिया संशोधन; कल्याण / सामाजिक मुद्दा का हिस्सा

इसके बारे में:

- यह अनारक्षित श्रेणी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 10% आरक्षण प्रदान करता है।
- अधिनियम पारिवारिक आय और आर्थिक नुकसान के अन्य संकेतकों के आधार पर संशोधन करता है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण के लिए अनुच्छेद 15 और 16 को नया खंड (6)
- इस अनुच्छेद 15 और अनुच्छेद 16 के प्रयोजनों के लिए, "आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग" को समय-समय पर राज्य द्वारा अधिसूचित किया जाना चाहिए। राज्य द्वारा सहायता प्राप्त है या नहीं। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को छूट दी गई है।
- इसी तरह, अनुच्छेद 16 में नया खंड (6) सरकारी सेवाओं में प्रारंभिक नियुक्ति में आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए कोटा प्रदान करता है।

इंद्र साहनी केस (1992)

- नौ-न्यायाधीश बेंच ने 50% आरक्षण की सीमा तय की थी
- निर्णय ने भी आर्थिक कसौटी पर पूरी तरह से आरक्षण को रोक दिया था

क्या आप जानते हैं?

- अनुच्छेद 46 सरकार से समाज के कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने के लिए कहता है।
- इसके लिए आरक्षण प्रदान करता है:
    - जिन लोगों की वार्षिक आय 8 लाख रुपये से कम है, या
    - ऐसे लोग जिनके पास पाँच एकड़ से कम खेत हैं, या
    - ऐसे लोग जिनके पास शहर में 1,000 वर्ग फुट (या अधिसूचित नगरपालिका क्षेत्र में 100 वर्ग गज) से कम का घर है।

राज्यों को COVID 19 प्रतिक्रिया रोकने के लिए और अधिक धन मिलता है

GS मेन्स II-केंद्र-राज्य संबंध; शासन का हिस्सा

संदर्भ:

- केंद्र सरकार ने COVID 19 सहायता की दूसरी किस्त के रूप में ₹890 करोड़ से अधिक जारी किए
- यह फंड राज्यों को समर्थन देने के लिए मार्च में घोषित ₹15,000 करोड़ पैकेज का हिस्सा है ।
- आपातकालीन प्रतिक्रिया और उनके स्वास्थ्य प्रणालियों की तैयारी
- यह धन रोगी के उपचार, जनशक्ति प्रशिक्षण और चिकित्सा अवसंरचना के लिए था ।

क्या आप जानते है?

- 3,000 करोड़ रुपये की पहली किस्त अप्रैल में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी की गई थी, और इसका उपयोग आवश्यक उपकरणों, दवाओं और अन्य आपूर्ति की खरीद के साथ-साथ परीक्षण सुविधाओं को बढ़ाने, अस्पताल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और निगरानी गतिविधियों का संचालन करने के लिए किया गया था।

101 रक्षा वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध

GS मेन्स II और II- सरकार की नीतियां और पहल; रक्षा का हिस्सा

संदर्भ:

- रक्षा मंत्रालय रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए १०१ मदों पर आयात प्रतिबंध (प्रतिबंध या प्रतिबंध) लगाएगा

लाभ:

- रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा
- भारत को रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनने में मदद करता है (#आत्मनिर्भर भारत पहल)
- सरकार स्वदेश निर्मित रक्षा उत्पादों के माध्यम से 25 अरब डॉलर के कारोबार तक पहुंचना चाहती है और 5 अरब डॉलर के उत्पादों के निर्यात की भी उम्मीद करती है

भारतीय धर्मनिरपेक्षता का भविष्य

संदर्भ- अयोध्या राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह में प्रधानमंत्री की भागीदारी ने धर्मनिरपेक्षता पर बहस को पुनर्जीवित किया है।

धर्मनिरपेक्षता क्या है?

- धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है धर्म को जीवन के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं से अलग करना, धर्म को विशुद्ध व्यक्तिगत मामला माना जा रहा है।
- इसमें राज्य को धर्म से अलग करने और सभी धर्मों को पूर्ण स्वतंत्रता और सभी धर्मों की सहिष्णुता पर जोर दिया गया।
- यह सभी धर्मों के अनुयायियों के लिए समान अवसरों के लिए भी खड़ा है, और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव और पक्षपात नहीं है।
- धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति वह होता है जो किसी धर्म के प्रति अपने नैतिक मूल्यों का ऋणी नहीं होता। उनके मूल्य उनकी तर्कसंगत और वैज्ञानिक सोच के उत्पाद हैं।

भारत की धर्मनिरपेक्षता अद्वितीय क्या है?

भारत की संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता को कम से कम दो विशेषताओं से चिह्नित किया गया है-

- पहला, सभी धर्मों के लिए महत्वपूर्ण सम्मान
  - कुछ धर्मनिरपेक्षता के विपरीत भारत की धर्मनिरपेक्षता आंख मूंदकर धर्म विरोधी नहीं है बल्कि धर्म का सम्मान करती है।
  - पूर्व-प्रमुख रूप से एकल धार्मिक समाजों की धर्मनिरपेक्षता के विपरीत, भारत का धर्मनिरपेक्षता एक नहीं बल्कि सभी धर्मों का सम्मान करता है।
  - धर्मनिरपेक्षता का भारतीय दर्शन "सर्व धर्म सद्भाव" से संबंधित है जिसका अर्थ है कि सभी धर्मों द्वारा अनुसरण किए गए रास्तों का गंतव्य एक ही है, हालांकि रास्ते स्वयं अलग हो सकते हैं। यह अनिवार्य रूप से सभी धर्मों का सम्मान करती है।
  - हालांकि, धार्मिक को सामाजिक से अलग करने की आभासी असंभवता को देखते हुए, जैसा कि बी.आर. अंबेडकर ने प्रसिद्ध रूप से देखा, धार्मिक सिद्धांत या अभ्यास के हर पहलू का सम्मान नहीं किया जा सकता है।
  - आलोचना के साथ धर्म के प्रति सम्मान होना चाहिए।
- दूसरा, सभी धर्मों से सैद्धांतिक दूरी
  - भारतीय राज्य सख्त अलगाव को छोड़ देता है लेकिन सभी धर्मों से सैद्धांतिक दूरी रखता है।

- इसका मतलब यह है कि जब भी धार्मिक समूह धर्म (एक अंतर-धार्मिक मामला) के आधार पर सांप्रदायिक वैमनस्य और भेदभाव को बढ़ावा देते हैं या अपने ही सदस्यों को उनके द्वारा बनाए जाने वाले दमन (एक अंतर-धार्मिक मुद्दे) से बचाने में असमर्थ होते हैं तो राज्य को हस्तक्षेप करना चाहिए।
- मसलन, यह छुआछूत को बर्दाश्त नहीं कर सकता या सभी निजी कानूनों को वैसकां नहीं छोड़ सकता।
- इस प्रकार, राज्य को लगातार यह तय करना है कि धर्म को कब शामिल करना है या अस्वीकार करना है, मदद करना है या धर्म में बाधा डालना है, जो पूरी तरह से निर्भर करता है कि इनमें से स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति हमारी संवैधानिक प्रतिबद्धता को बढ़ाता है।
- धर्मनिरपेक्षता न केवल धार्मिक समुदायों के बीच नागरिक मित्रता की एक परियोजना है बल्कि धर्म आधारित जाति और लैंगिक उत्पीड़न के विरोध की भी है

भारत की धर्मनिरपेक्षता के साथ चुनौतियां

- चुनावी लाभों के लिए दुरुपयोग: अवसरवादी दूरी (सगाई या मुक्ति), मुख्य रूप से धार्मिक समुदायों के साथ अवसरवादी गठबंधन, विशेष रूप से तत्काल चुनावी लाभ के लिए
- भारतीय धर्मनिरपेक्षता के मूल विचार की उपेक्षा: राजनीतिक दलों ने विचित्र रूप से ' सम्मान ' की व्याख्या की है, जो कई बार सांप्रदायिक हिंसा को प्रज्वलित करने वाले धार्मिक समूहों के आक्रामक या रूढ़िवादी वर्गों के साथ सौदों को काटने का मतलब है।
- समुदायों का उत्पीड़न: एक धर्म में राज्य द्वारा सैद्धांतिक हस्तक्षेप को समाज के हाशिये के वर्गों द्वारा भेदभावपूर्ण व्यवहार के रूप में देखा जाता है जिससे धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिकरण होता है
- किसी भी एक धार्मिक समूह का राजनीतिकरण अन्य समूहों के प्रतिस्पर्धी राजनीतिकरण की ओर ले जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंतर-धार्मिक संघर्ष होता है।
- निरंतर नागरिक भागीदारी की आवश्यकता है: भारत की संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता को केवल सरकारों द्वारा कायम नहीं रखा जा सकता है, लेकिन एक निष्पक्ष न्यायपालिका, एक ईमानदार मीडिया, नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं और एक सतर्क नागरिकों से सामूहिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है

आगे का मार्ग

- राजनीतिक रूप से नेतृत्व वाली धर्मनिरपेक्षता परियोजना से न्याय के लिए सामाजिक रूप से संचालित आंदोलन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।
- दूसरा, अंतर-धार्मिक से अंतर-धार्मिक मुद्दों पर जोर दिया गया, अंतर-धार्मिक मुद्दों की पूरी तरह से अनदेखी किए बिना

निष्कर्ष

- भारतीय धर्मनिरपेक्षता अपने आप में एक अंत नहीं है बल्कि धार्मिक बहुलता को दूर करने का एक साधन है और विभिन्न धर्मों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को प्राप्त करने की मांग की है।

अरुणाचल समूहों ने छठी अनुसूची की स्थिति को बढ़ाया

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - भारतीय राजनीति - कार्यक्रम का हिस्सा

संदर्भ:

- अरुणाचल प्रदेश में कुछ राजनीतिक दलों और समुदाय आधारित समूहों ने दो स्वायत्त परिषदों की मांग को संविधान पुनरुद्धार के छठी अनुसूची या अनुच्छेद 371 (a) के दायरे में लाने का आह्वान किया।
- वर्तमान में, अरुणाचल प्रदेश पांचवीं अनुसूची वाला राज्य है, जो छठी अनुसूची के विपरीत स्वदेशी समुदायों के लिए विशेष अधिकार प्रदान नहीं करता है ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

भारतीय संविधान की पांचवीं और छठी अनुसूची

- इन दोनों कार्यक्रमों में मुख्य भूमि में कुछ अनुसूचित क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ जनजातीय क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक या विशेष शासन तंत्र का प्रावधान है ।
- पांचवीं अनुसूची में भारत के बड़े हिस्से में अनुसूची क्षेत्रों को नामित किया गया है जिसमें अनुसूचित जनजातियों के हितों की रक्षा की जानी है । अनुसूचित क्षेत्र में 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है।
- छठी अनुसूची पूर्वोत्तर राज्यों यानी पूर्वोत्तर के असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के प्रशासन से संबंधित है। इसमें जिलों के भीतर स्वायत्त जिलों और स्वायत्त क्षेत्रों के गठन के प्रावधान हैं क्योंकि जिले के भीतर अलग-अलग अनुसूचित जनजाति हैं।

5 वीं अनुसूची पर 6 अनुसूची के लिए मांग क्यों?

- छठी अनुसूची में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244 के अनुसार असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के लिए प्रावधान शामिल हैं।
- 1949 में संविधान सभा द्वारा पारित, यह स्वायत्त जिला परिषदों (ADC) के गठन के माध्यम से आदिवासी आबादी के अधिकारों की रक्षा करना चाहता है।
- ADC एक ऐसे जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले निकाय हैं, जिसके लिए संविधान ने राज्य विधानमंडल के भीतर स्वायत्तता की अलग-अलग डिग्री दी है।
- इन राज्यों के राज्यपालों को जनजातीय क्षेत्रों की सीमाओं को पुनर्गठित करने का अधिकार है। सरल शब्दों में, वह किसी भी क्षेत्र को शामिल करने या बाहर करने, सीमाओं को बढ़ाने या कम करने और दो या अधिक स्वायत्त जिलों को एक में एकजुट करने के लिए चुन सकते हैं । वे अलग कानून के बिना स्वायत्त क्षेत्रों के नाम भी बदल सकते हैं या बदल सकते हैं ।

स्वायत्त जिले और क्षेत्रीय परिषदें

- ADC के साथ-साथ छठी अनुसूची में स्वायत्त क्षेत्र के रूप में गठित प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग क्षेत्रीय परिषदों का भी प्रावधान है ।
- कुल मिलाकर, पूर्वोत्तर में 10 क्षेत्र हैं जो स्वायत्त जिलों के रूप में पंजीकृत हैं - तीन असम, मेघालय और मिजोरम में और एक त्रिपुरा में।
- इन क्षेत्रों का नाम जिला परिषद (जिला का नाम) और क्षेत्रीय परिषद (क्षेत्र का नाम) रखा गया है।

ADC को नागरिक और न्यायिक शक्तियों का अधिकार

- ADC को सिविल और न्यायिक शक्तियों का अधिकार है, वे जनजातियों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में ग्राम अदालतों का गठन कर सकते हैं। छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले राज्यों के राज्यपाल इनमें से प्रत्येक मामले के लिए उच्च न्यायालयों के क्षेत्राधिकार को निर्दिष्ट करते हैं।
- परिषदों को राज्यपाल से उचित अनुमोदन के साथ भूमि, वन, मत्स्य पालन, सामाजिक सुरक्षा, मनोरंजन, जन स्वास्थ्य आदि जैसे मामलों पर विधायी कानून बनाने का भी अधिकार है। केंद्र और राज्य सरकारों की भूमिकाएं इन स्वायत्त क्षेत्रों के क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार से प्रतिबंधित हैं।
- इसके अलावा, संसद और राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित अधिनियमों को इन क्षेत्रों में तब तक लगाया जा सकता है या नहीं लगाया जा सकता है जब तक कि राष्ट्रपति और राज्यपाल स्वायत्त क्षेत्रों के लिए कानूनों में संशोधनों के साथ या बिना उसे या उसकी मंजूरी नहीं देते।

74 वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति का संबोधन

संदर्भ:

- 74वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने देश को संबोधित किया

नीचे उनके भाषण से कुछ महत्वपूर्ण अंश हैं, जो परीक्षा के विभिन्न चरणों के लिए महत्वपूर्ण हैं –

- आत्मनिर्भरता या 'आत्म निर्भर भारत' पहल
- भारत की आत्मनिर्भरता का मतलब है दुनिया से दूरी बनाए बिना या विमुख किए बिना आत्मनिर्भर होना।
- भारत अपनी पहचान बनाए रखते हुए विश्व अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ना जारी रखेगा।
- भारत की यह परंपरा रही है कि हम सिर्फ अपने लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की भलाई के लिए काम करते हैं।
- **वसुधैव कुटुंबकम:** वैश्विक समुदाय एक परिवार है
- जब भारत ने आजादी हासिल की तो कई ने भविष्यवाणी की थी कि लोकतंत्र के साथ हमारा प्रयोग लंबे समय तक नहीं चलेगा। उन्होंने हमारी प्राचीन परंपराओं और समृद्ध विविधता को हमारी राजनीति के लोकतंत्रीकरण में बाधाओं के रूप में देखा। लेकिन हमने हमेशा उन्हें अपनी ताकत के रूप में पाला है जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इतना जीवंत बनाते हैं। भारत को मानवता की बेहतरी के लिए अपनी अग्रणी भूमिका निभाते रहना होगा।
- हमारे स्वतंत्रता संग्राम का लोकाचार आधुनिक भारत की नींव है। हमारे दूरदर्शी नेताओं ने एक समान राष्ट्रीय भावना बनाने के लिए विश्व विचारों की विविधता को एक साथ लाया। वे भारत माता को दमनकारी विदेशी शासन से मुक्ति दिलाने और अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध थे। उनके विचारों और कार्यों ने भारत की पहचान को एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में आकार दिया।
- गांधीजी की शिक्षाएं आज के दौर की समस्याओं का जवाब देती हैं- सामाजिक कलह, आर्थिक समस्याओं और जलवायु परिवर्तन से परेशान होकर दुनिया को गांधीजी की शिक्षाओं में राहत लेनी चाहिए। समानता और न्याय की उनकी खोज हमारे गणतंत्र के लिए मंत्र है।
- राष्ट्र डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का ऋणी है जो इस वायरस के खिलाफ हमारी लड़ाई में लगातार सबसे आगे चल रहे हैं।
- वर्तमान संकट को सभी, विशेष रूप से किसानों और छोटे उद्यमियों के लाभ के लिए अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए सुधार शुरू करने के अवसर के रूप में देखें।

- अदृश्य विषाणु ने इस भ्रम को ध्वस्त कर दिया है कि मनुष्य प्रकृति का स्वामी है। मानवता को अपना रास्ता सही करने और प्रकृति के साथ सद्भाव से जीने में अभी भी देर नहीं हुई है। वर्तमान संदर्भ में 'मानव केंद्रित सहयोग' अर्थव्यवस्था केंद्रित समावेश से अधिक महत्वपूर्ण है।
- भारत में लोगों द्वारा करुणा और आपसी मदद को बुनियादी मूल्यों के रूप में अपनाया गया है। हमें अपने आचरण में, बेहतर भविष्य के लिए इस सद्गुणों को और मजबूत करने की जरूरत है।
- प्रकृति के अनुरूप विज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने से हमारे अस्तित्व और विकास को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

भलाई के लिए प्रार्थना

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्॥

इसका मतलब है:

सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय के साक्षी बनें और किसी को भी दुःख का भागी न बनना पड़े।
सार्वभौमिक भलाई के लिए इस प्रार्थना का संदेश मानवता के लिए भारत का अनूठा उपहार है।

कठोर निर्णय: नागा मुद्दे पर

संदर्भ: नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-इसाक-मुइवा (NSCN-IM) ने पहली बार 2015 रूपरेखा समझौता का विवरण जारी किया है (लेख के समझौते के हिस्से की व्याख्या में दिया गया है)

क्या आप जानते है?

- नागा भारत-मंगोलाइड परिवार से ताल्लुक रखते हैं।
- नागा एक भी जनजाति नहीं है, बल्कि एक जातीय समुदाय है जिसमें कई जनजातियां शामिल हैं जो नागालैंड राज्य और उसके पड़ोस में रहती हैं।
- नागा मुद्दे की उत्पत्ति और घटनाओं की समयरेखा
- नागा राष्ट्रवाद का दावा औपनिवेशिक काल में शुरू हुआ और स्वतंत्र भारत में जारी रहा। नीचे समय रेखा का सचित्र प्रतिनिधित्व है

नागा समूहों की प्रमुख मांगें क्या हैं?

- ग्रेटर नागालिम (संप्रभु राज्य) यानी पूर्वोत्तर के सभी नागा-आबाद क्षेत्रों को एक प्रशासनिक छतरी के नीचे लाने के लिए सीमाओं को फिर से तैयार करना।
- इसमें अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, असम और म्यांमार के विभिन्न हिस्से भी शामिल हैं।
- नागा येजाबो (नागा संविधान)
- नागा राष्ट्रीय ध्वज।

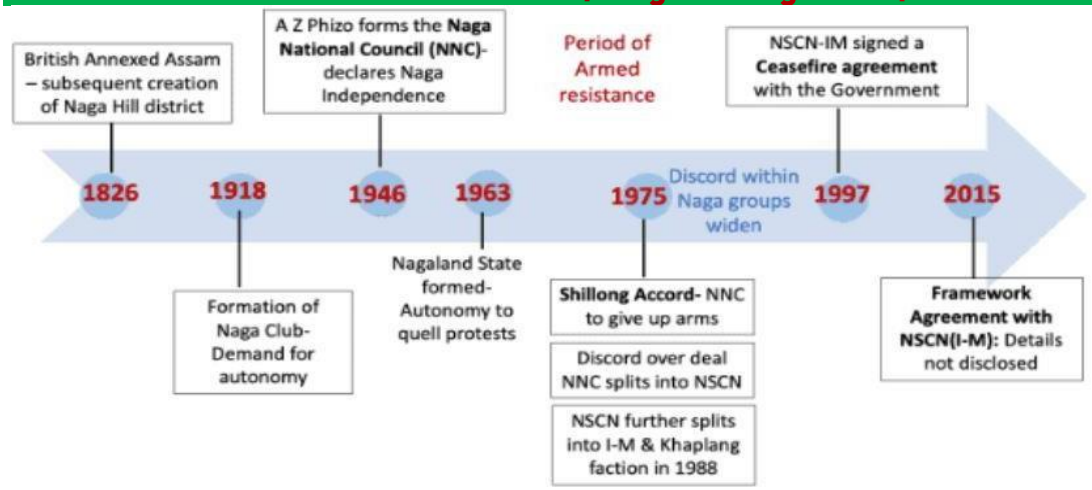

2015 में संघर्ष विराम समझौता किस पर हस्ताक्षर किया गया था?

- **हस्ताक्षर:** वार्ताकार RN रवि ने प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में केंद्र की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए। अन्य दो हस्ताक्षरकर्ता NHCN(IM) यानी इसाक चिशी स्वू के नेता थे, जिनकी 2016 में मृत्यु हो गई और थुनिंगलंग मुइवा (86) जो वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं।
- **समझौते के मुख्य बिन्दु:** भारत सरकार ने नगाओं के अद्वितीय इतिहास, संस्कृति और स्थिति और उनकी भावनाओं और आकांक्षाओं को मान्यता दी। NSCN (IM) ने भी भारतीय राजनीतिक व्यवस्था और शासन की सराहना की।
- **महत्व:** यह सरकारों को लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को हल करने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नागा समाज द्वारा राजनयिक शांतिपूर्ण दृष्टिकोण को अपनाने के लिए मजबूत इरादे को दर्शाता है।
- **उद्देश्य:** दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि अक्टूबर 2019 एक समझौते को समाप्त करने के लिए, जो सभी नगा मुद्दों को निपटा देगा
- **गोपनीयता में डूबा:** समझौते का ब्यौरा सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सार्वजनिक नहीं किया है

समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले वर्ष के बाद क्या हुआ है?

- **बढ़ी हुई शांति वार्ता:** 2017 में नागा राष्ट्रीय राजनीतिक समूहों (NNPGs) के परचम तले अन्य नागा समूहों को शामिल करके वार्ता का विस्तार किया गया
- **बहुपक्षीय वार्ताओं के लिए द्विपक्षीय:** फ्रेमवर्क समझौते में दो संस्थाओं के बीच द्विपक्षीय संघर्ष विराम की परिकल्पना की गई थी, लेकिन आज इसे सात प्रमुख नगा समूहों की भागीदारी के साथ एक बहुपक्षीय माना जाता है।
- **अक्टूबर 2019 से वार्ता में गतिरोध:** NSCN (IM) द्वारा भारत और नगालैंड को साझा संप्रभुता वाले संघीय संबंधों में स्वतंत्र सहयोगी बनने के लिए रास्ता बनाने के लिए एक अलग ध्वज और संविधान के लिए आग्रह पर गतिरोध था
- **नागा समूहों के भीतर मतभेद:** NSCN (IM) अभी भी "महान नागा" पर जोर देता है। हालांकि, नगालैंड में स्थित अधिकांश NNPGs ने "महान नागा" प्रश्न को स्थगित रखते हुए राज्य की सीमाओं को परेशान किए बिना इस मुद्दे को निपटाने की मांग की है।

NSCN-IM की वर्तमान शिकायतें क्या हैं?

➢ **समझौते की व्याख्या**

- अगस्त 2020 में NSCN-IM द्वारा जारी समझौते में कहा गया है कि "संप्रभु शक्ति को साझा करना" और दोनों संस्थाओं के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के स्थायी समावेशी नए संबंधों का प्रावधान है।

- NSCN-IM का दावा है कि नया शब्द राजनीतिक रूप से संवेदनशील है क्योंकि यह दो संस्थाओं (दो संप्रभु शक्तियों) के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के अर्थ को परिभाषित करने के लिए जाता है और यह संविधान के दायरे से बाहर दृढ़ता से इंगित करता है
- NSCN (IM) की स्थिति "भारत के साथ नहीं, भारत के भीतर" रही है।
- इस मांग को स्वीकार करना, विशेष रूप से अनुच्छेद 370 के निराकरण के बाद, सरकार के लिए असंभव प्रतीत होता है।

➢ **श्री रवि (वार्ताकार और नगालैंड के राज्यपाल के खिलाफ शिकायतें)**

- NSCN-IM ने दावा किया है कि श्री रवि ने अपनी बात को न्यायोचित ठहराने के लिए मूल से नए शब्द को हटा दिया और NNPGs सहित अन्य नागा समूहों को परिचालित किया।
- NSCN-IM भी श्री रवि के नगालैंड के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र से नाराज है, जिसमें कानून और व्यवस्था के पतन का आरोप लगाया गया है और राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता पर सवाल उठाने वाले हथियारबंद गिरोह ' घोर जबरन वसूली ' में लगे हुए थे ।
- इसने एनएससीएन (आई-एम) के लिए एक पीड़ादायक स्थान को छुआ है क्योंकि समूह ने इसे "कर संग्रह" करार देकर अभ्यास का बचाव किया।
- NSCN (IM) ने मांग की है कि नागा समझौते पर बातचीत के लिए नगालैंड के गवर्नर आरएन रवि को वार्ताकार के रूप में हटाया जाना चाहिए।

आगे का मार्ग

- सीमाओं को बदलने के लिए किसी भी कदम से नगालैंड से परे जातीय संघर्ष और विद्रोह तेज होगा।
- इस समझौते को असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के साथ विचार-विमर्श के बाद समाप्त किया जा सकता है, जिनमें सभी राज्यों की इस मामले में हिस्सेदारी है।
- केंद्र सरकार को अपनी मनमानी मांगों को पूरा किए बिना NSCN (IM) के साथ फिर से जुड़ने की मांग करते हुए नगा समझौते को अंतिम रूप देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराने की जरूरत है।

बिंदुओं को जोड़ने पर;

- अनुच्छेद 371
- ब्रिटिश की फूट डालो और नियम नीति

PM-केयर NDRF से पूरी तरह अलग: SC

GS-प्रीलिम्स और GS-II - न्यायपालिका का हिस्सा:

समाचार में:

- उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि PM-केयर फंड में प्राप्त निधियों को कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (NDRF) में जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

मुख्य बिन्दु

- SC ने यह भी कहा है कि व्यक्ति 2005 के आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 46 (1) (b) के तहत NDRF में स्वैच्छिक योगदान दे सकते हैं।
- उनके खिलाफ कोई वैधानिक निषेध नहीं होगा।

सरकार का रुख:

- इसमें यह बात रखी गई है कि PM-केयर एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट है, जिसमें कोई भी योगदान दे सकता है
- यह CAG द्वारा लेखा परीक्षा के अधीन नहीं है।
- यह सार्वजनिक जांच के अधीन नहीं है ।
- इसमें योगदान 100% कर मुक्त है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- 2005 के आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 46 के तहत गठित NDRF जैसी धनराशि केंद्रीय और राज्य बजट द्वारा प्रदान की जाती है।

SC जजों के खिलाफ आरोपों के संदर्भ का अध्ययन करेगा

GS प्रीलिम्स और GS-II - राजनीति और शासन; न्यायपालिका का हिस्सा

संदर्भ:

- उच्चतम न्यायालय उन परिस्थितियों की विस्तृत जांच शुरू करेगा जिनके तहत कोई व्यक्ति न्यायपालिका के खिलाफ भ्रष्टाचार के सार्वजनिक आरोप लगा सकता है ।

पहले के फैसले

- सी रविचंद्रन अय्यर मामले में SC के 1995 के फैसले में जहां अदालत ने यह निर्धारित किया था कि अगर बार के सदस्यों के पास किसी न्यायाधीश के "कदाचार" या "बुरे आचरण" के बारे में कोई सामग्री है, तो उन्हें न्यायाधीश के खिलाफ सामग्री से अवगत कराने के लिए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश या भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलना चाहिए ।
- शीर्ष अदालत ने कहा था कि उन्हें HC या SC के प्रशासनिक प्रमुख को उचित कार्रवाई करने की अनुमति देने के लिए उचित समयावधि का इंतजार करना चाहिए।

1992 एस रामास्वामी मामले में न्यायधीश जेएस वर्मा का फैसला

- इस फैसले में एक मौजूदा न्यायाधीश के खिलाफ आरोपों से निपटने की प्रक्रिया निर्धारित की गई थी ।
- 1968 के जजों की जांच अधिनियम के तहत गठित जांच समिति के समक्ष सुनवाई के लिए न्यायाधीश को उचित अवसर दिया जाना था।
- इस फैसले से एक न्यायाधीश के खिलाफ जांच प्रक्रिया को उच्च न्यायिक पदाधिकारियों और सांसदों के तंग और सीमित दायरे में किया जाना सीमित हो गया था ।
- वर्तमान न्यायाधीश के विरुद्ध आरोपों की जांच की आवश्यकता थी या नहीं, इसका निर्णय संसद द्वारा अपेक्षित संख्या में सांसदों द्वारा लाए गए न्यायाधीश को हटाने के प्रस्ताव को स्वीकार करने पर किया जाना था । हालांकि, इसने कहा था कि जांच के दौरान वर्तमान न्यायाधीश को बचाव का पूरा अधिकार होना चाहिए।
- 1968 के फैसले की हावी भावना न्यायाधीश के अधिकार, हित और गरिमा को बचाए रखना था, जो इस प्रक्रिया में शामिल सभी संस्थाओं और कार्यकर्ताओं की गरिमा के अनुरूप है ।
- यह फैसला जजों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से आरोप लगाने के खिलाफ था ।

लेकिन इन दोनों मामलों में से किसी में भी शीर्ष अदालत के पास इस बात की जांच करने का अवसर था कि क्या कोई अधिवक्ता आगे बढ़ सकता है और पहले HC के मुख्य न्यायाधीश या CJI को आरोपों का समर्थन करने वाले सबूत प्रस्तुत किए बिना एक मौजूदा न्यायाधीश के खिलाफ आरोप लगा सकता है।

दिल्ली को चलाने में क्षेत्राधिकारी संघर्ष

संदर्भ: दिल्ली दंगा मामलों के संचालन के लिए अभियोजन पक्ष की नियुक्ति पर राय का टकराव हुआ है

दिल्ली की संवैधानिक स्थिति

- 69वें संशोधन अधिनियम, 1992 में दो नए अनुच्छेद 239AA और 239AB जोड़े गए हैं जिसके तहत केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली को विशेष दर्जा दिया गया है।
- अनुच्छेद 239AA दिल्ली के लिए एक विधान सभा बनाता है जो इन मामलों को छोड़कर राज्य सूची और समवर्ती सूची के तहत विषयों पर कानून बना सकता है: सार्वजनिक व्यवस्था, भूमि और पुलिस।
- इसमें दिल्ली के लिए मंत्रिपरिषद का भी प्रावधान है जिसमें विधानसभा में सदस्यों की कुल संख्या का 10% से अधिक नहीं है।

क्या तकरार हुई है?

- दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल (LG) पर एक निर्वाचित सरकार के फैसलों को राष्ट्रपति के पास जाने का आरोप लगाया था और इस तरह शासन में बाधाएं पैदा की थीं
- LG की नियुक्ति करने वाले केंद्र का कहना है कि "किसी भी केंद्र प्रशासित क्षेत्र और विशेष रूप से दिल्ली की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर है"।
- इसके अलावा, दिल्ली, एक केंद्र शासित प्रदेश होने के नाते, अपने स्वयं के अधिकारियों का एक कैडर नहीं है और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किए गए एक साझा कैडर का हिस्सा है। इस तरह दिल्ली की चुनी हुई सरकार का अपने अधिकारियों पर कम नियंत्रण है।
- यह मूल रूप से दो शक्ति केंद्रों के बारे में है जिसने भ्रम पैदा किया

दिल्ली सरकार बनाम भारतीय संघ (2018) मामले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ

- उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर सकते और उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह लेनी चाहिए।
- दिल्ली की मंत्रिपरिषद के सभी निर्णयों की सूचना एल-जी को दी जानी चाहिए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी सहमति की आवश्यकता है।
- सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि के मुद्दों को छोड़कर उपराज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हुए हैं।
- LG के पास अनुच्छेद 239 के तहत मामलों या सरकार के दायरे से बाहर के मामलों को छोड़कर निर्णय लेने का कोई स्वतंत्र अधिकार नहीं है।
- अदालत ने कहा कि LG अवरोधक के रूप में कार्य नहीं कर सकता और किसी भी मामले (अनुच्छेद 239AA(4) पर मतभेद होने पर राष्ट्रपति के सकते मुद्दों को संदर्भित कर सकता है। यह केवल असाधारण मामलों में होना चाहिए न कि एक सामान्य नियम के रूप में

- सरकार को दिन-प्रतिदिन के शासन के हर मुद्दे में LG की सहमति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है।
- राष्ट्रीय राजधानी को विशेष दर्जा प्राप्त है और यह पूर्ण राज्य नहीं है
- मूल संदेश यह है कि एक निर्वाचित सरकार को एक अनिर्वाचित प्रशासक द्वारा कमजोर नहीं किया जा सकता है

फैसले का महत्व

- क्या इसका मतलब यह है कि दिल्ली में सत्ता की तकरार पूरी तरह से सुलझ गई है?
- वास्तव में नहीं, SC ने उन मुद्दों को स्पष्ट रूप से स्पष्ट रूप से चित्रित नहीं किया जिनके संबंध में उपराज्यपाल किसी भी मामले (अनुच्छेद 239AA (4)) पर मतभेद की स्थिति में मंत्रिपरिषद द्वारा राष्ट्रपति को लिए गए निर्णय को संदर्भित कर सकते हैं।
- इसके बजाय SC ने सामान्य गाइडलाइन दी है कि मतभेद की स्थिति में LG और NCT सरकार को संवैधानिक नैतिकता और एक-दूसरे के लिए भरोसे के साथ काम करना चाहिए।
- हाल ही में उच्च न्यायालय में दिल्ली दंगा मामलों के संचालन के लिए अभियोजन पक्ष की नियुक्ति बिंदु में एक मामला है

अभियोजन पक्ष की नियुक्तियों को लेकर क्या विवाद है?

- जब सरकार ने दिल्ली दंगों के मामले में अभियोजकों की नियुक्ति का फैसला किया तो उपराज्यपाल ने इसे अनुच्छेद 239AA (4) के तहत राष्ट्रपति के पास भेज दिया जिसमें कहा गया कि उनके और सरकार के बीच मतभेद है
- इस दौरान उपराज्यपाल ने उन सभी अभियोजकों की नियुक्ति की जिनके नाम दिल्ली पुलिस (केंद्र सरकार के तहत) द्वारा प्रस्तुत किए गए थे और इस तरह राज्य सरकार की सूची को अस्वीकार कर दिया गया था। नतीजतन, निर्वाचित दिल्ली सरकार के फैसले को कमजोर किया गया
- राष्ट्रपति को सामान्य प्रशासनिक मामलों (अभियोजन पक्ष की नियुक्ति की तरह) का जिक्र करने से संवैधानिक शासन की अवधारणा, सहयोगी संघवाद के सिद्धांत, वस्तुनिष्ठता और संवैधानिक नैतिकता के मानकों को परेशान किया जा सकेगा।

आगे का मार्ग

- उपराज्यपाल को दिल्ली मंत्रिपरिषद के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया रखने वाले विरोधी के रूप में नहीं उभरने चाहिए; बल्कि, उसे एक सुविधादाता के रूप में कार्य करना चाहिए।
- अनुच्छेद 239AA (4) के परंतुक में नियोजित किसी भी मामले शब्द का अर्थ ' हर मामला ' नहीं लगाया जा सकता।
- 239AA (4) अपवाद का प्रतिनिधित्व करता है न कि सामान्य नियम जिसका प्रयोग उपराज्यपाल द्वारा असाधारण परिस्थितियों में किया जाना है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इसे स्पष्ट रूप से उजागर किया गया है
- राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक प्राधिकारी हैं और उनके निर्णय की मांग केवल संवैधानिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दों पर की जानी चाहिए।

निष्कर्ष

- दिल्ली सरकार और केंद्र को एक सहयोगी संघवाद और परस्पर निर्भरता को अपनाना चाहिए ताकि किसी भी विवाद से बचा जा सके जो आम आदमी के कल्याण को प्रभावित करेगा

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- क्या दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए?
- पुडुचेरी केन्द्र शासित प्रदेश

जम्मू-कश्मीर के शुद्ध प्रतिबंधों के लिए न्यायिक उपचार

संदर्भ:

- 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 के निराकरण के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट लॉकडाउन का एक वर्ष हो चुका है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून और व्यवस्था (अफवाहों और अराजकता को रोकने के लिए) के आधार पर 5 अगस्त 2019 से जम्मू-कश्मीर में संचार चैनल (टेलीफोन और इंटरनेट) अत्यधिक प्रतिबंधित था।

कैसे महामारी इंटरनेट के महत्व को बढ़ा दिया है?

- संविधान द्वारा संरक्षित स्वतंत्रताओं के दायरे का एक बड़ा हिस्सा, एक व्यवसाय पर ले जाने से लेकर, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, और जानकारी प्राप्त करने के लिए, सभी ऑनलाइन चले गए हैं
- इसका मतलब यह है कि सरकारों के लिए सभी के लिए इंटरनेट तक पहुंच में सुधार करना जरूरी हो गया है

इंटरनेट का उपयोग अवरुद्ध करने के क्या प्रभाव हैं?

- **लोकतंत्र की भावना में नहीं:** इंटरनेट बंद करना या धीमा करना, एक स्वाभाविक अतिव्यापक प्रतिबंध है क्योंकि यह कुछ लोगों के कार्यों के कारण लाखों निर्दोष नागरिकों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है
- अनुच्छेद 19 (1) (a) के तहत बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रभावित होता है क्योंकि जानकारी तक पहुंचने का माध्यम यानी इंटरनेट अवरुद्ध है
- अनुच्छेद 19 (1) (g) के तहत व्यापार गतिविधियों को जारी रखने का अधिकार भी लोगों की आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंधों के साथ नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है।
- इंटरनेट पर प्रतिबंध के कारण ई-बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच के रूप में क्षेत्र की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। 2019 में दुनिया भर में इंटरनेट बंद होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था को $ 8 बिलियन से अधिक की लागत आई है।
- ई-गवर्नेंस के आज के युग में प्रभावित सरकारी कल्याणकारी प्रावधानों का वितरण और प्रक्रिया का डिजिटलीकरण
- स्वास्थ्य प्रावधानों का असर खासकर जहां आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाओं ने डिलीवरी प्रक्रिया के लिए डिजिटल साधन अपनाए हैं
- महामारी से निपटने की क्षमता को प्रतिबंधित करता है: जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए महामारी के अनुकूल होना असंभव हो गया है, जैसा कि शेष भारत में ऑनलाइन कक्षाओं के लिए है, घर से काम कर रहे हैं, डॉक्टरों के साथ टेली-परामर्श या परिवार के साथ वीडियो कॉल भी हैं।
- सरकार की ऐसी प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयों का निर्णय करने के लिए क्या ढांचा होना चाहिए?
- अनुराधा भसीन की अदालत ने समानता परीक्षण को फ्रेमवर्क के रूप में मान्यता दी। इसके तहत सरकार को चार कदम का औचित्य देना होगा। यह दर्शाता है कि
- प्रतिबंध एक वैध उद्देश्य के अनुसरण में हैं (इस मामले में, राष्ट्रीय सुरक्षा),
- कि वे उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त हैं,
- कि कोई कम प्रतिबंधात्मक विकल्प है कि एक हद तक सही सीमा होगी मौजूद हैं,
- कि प्रतिबंधों का प्रतिकूल प्रभाव उनके लाभ के अनुपात में है।

ऐसे प्रतिबंधों पर न्यायपालिका की क्या प्रतिक्रियाएं रही हैं?

- **तात्कालिकता नहीं दिखाई गई:** अगस्त 2019 के बाद से प्रतिबंधों के लिए दो चुनौतियों को सुनने के बावजूद, सुप्रीम कोर्ट ने उल्लेखनीय रूप से उनकी वैधता पर फैसला नहीं सुनाया है।
- जनवरी 2020 में अनुराधा भसीन मामले में SC ने सरकार को तर्क आदेश प्रकाशित करने और हर सात दिन में प्रतिबंधों की समीक्षा करने का निर्देश देकर सीमित राहत प्रदान की
- मीडिया पेशेवरों के मामले में फाउंडेशन में, SC ने कार्यकारी द्वारा लगाए गए 2जी गति प्रतिबंधों की समीक्षा करने के लिए एक कार्यकारी समिति का गठन किया
- हाल ही में 7 अगस्त को हुई सुनवाई में भारत के सख्त रवैये के सुप्रीम कोर्ट के जवाब में केंद्र सरकार ने ट्रायल के आधार पर दो जिलों में इंटरनेट बहाल करने पर सहमति जताई है।
- अदालत के अवज्ञाकारी दृष्टिकोण को न्यायोचित ठहराने के लिए दो तर्कों को उन्नत किया गया है
- पहला, कि इस तरह के निर्णय वस्तुनिष्ठ कारकों पर आधारित नहीं हैं जिन्हें न्यायिक निकाय द्वारा प्रस्तुत और मूल्यांकन किया जा सकता है, बल्कि उन अधिकारियों की "व्यक्तिपरक संतुष्टि" पर आधारित होते हैं जिनके पास जमीनी स्थिति का अनन्य ज्ञान होता है ।
- दूसरा, और बारीकी से संबंधित, तर्क की पेशकश की है कि अदालत के पास राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों की समीक्षा करने की क्षमता नहीं है ।

आगे का मार्ग

- ऐसे में जरूरी है कि अदालत राज्य द्वारा दिए गए किसी और कारण की जांच करके और गहन विश्लेषण के साथ अपने संवैधानिक कर्तव्य को पूरा करे।
- कम प्रतिबंधात्मक वैकल्पिक टैक्सी लागू की जानी चाहिए, इनमें से कुछ है
- सत्यापित पोस्ट-पेड सिम पर 4जी के उपयोग की अनुमति देना
- विशिष्ट संख्याओं, वेबसाइटों या अनुप्रयोगों को अवरुद्ध करना और रोकना
- हिंसा भड़काने वाली सामग्री के निष्कासन आदेश जारी करना
- कम अवधि के लिए विशेष क्षेत्रों में प्रतिबंध सीमित करना

बिंदुओं को जोड़ने पर

- सीलबंद कवर न्यायशास्त्र - ऐसे मामले जहां ऐसी प्रक्रियाएं अपनाई गई थीं
- क्या इंटरनेट का उपयोग करना एक मौलिक अधिकार है? इंटरनेट के युग में नए अधिकार की ऐसी मान्यता के साथ भारतीय राजनीति पर क्या संभावित निहितार्थ हैं?

आपराधिक कानून में सुधार के लिए समिति

संदर्भ: जुलाई 2020 में, गृह मंत्रालय (गृह मंत्रालय) ने हमारे आपराधिक कानून की औपनिवेशिक नींव को पूर्ववत करने के लिए आपराधिक कानून में सुधार के लिए समिति का गठन किया

आपराधिक कानूनों में सुधार की आवश्यकता क्यों है?

- **लंबे समय से लंबित:** भारतीय दंड संहिता और उसके परिणामी कानून, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और दंड प्रक्रिया संहिता, सभी पहले 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में अधिनियमित किए गए थे, जिनमें व्यापक संशोधन नहीं किया गया है
- **औपनिवेशिक प्रभाव:** IPC और CRPC को 150 साल पहले भारत में औपनिवेशिक सरकार की सहायता के लिए काफी हद तक औपचारिक रूप दिया गया था। वे संशोधनों और निर्णयों के बावजूद अभी भी औपनिवेशिक विचारों में निहित हैं
- **व्यक्तिगत एजेंसी की पर्याप्त मान्यता का अभाव:** IPCएक संविधान की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित नहीं करता है जो स्वतंत्रता और समानता को प्रमुखता देता है।
- **अभी भी विक्टोरियन नैतिकता का प्रतिनिधित्व:** हालांकि यह अदालतों के लिए 158 साल लग गए समलैंगिकता (IPC की धारा 377) और व्यभिचार को गैरकानूनी घोषित करने के लिए, वहां IPC में कई प्रावधान है कि अभी भी विक्टोरियन नैतिकता का प्रतिबिंब है, जो महिलाओं के लिए विशेष रूप से सच है।
- **आधुनिक युग के अपराधों से अनभिज्ञ:** नए अपराधों को परिभाषित करने और IPC में संबोधित करने की जरूरत है, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी और यौन अपराधों के विषय में। उदाहरण: जुआ और सट्टेबाजी की सुविधा डिजिटल प्रौद्योगिकी

समिति की आलोचनाएं

- **प्रभावी व्यापक आधारित सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है**
  - भागीदारी के लिए विशेष मार्ग समिति की वेबसाइट है। हालांकि, केवल लगभग 40% आबादी सक्रिय रूप से इंटरनेट का उपयोग करती है।
  - भारतीय विधि आयोग (LCI) की 89 रिपोर्ट सहित समिति के सभी दस्तावेज और पृष्ठभूमि संसाधन अंग्रेजी में हैं। भारतीय आबादी का केवल 10% अंग्रेजी बोलता है, और ऐसे अधिकांश व्यक्ति शहरी क्षेत्रों में रहते हैं।
  - समिति का जीवन चक्र COVID-19 महामारी के साथ मेल खाता है, जो हाशिए पर रहने वाले समूहों को सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया में सार्थक रूप से भाग लेने के लिए रोकता है
- **समिति की संरचना पर्याप्त प्रतिनिधि नहीं है**
  - ऐसा प्रतीत होता है कि समिति में उप-जाति, लिंग, यौन या धार्मिक समूहों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, जिन्हें आपराधिक न्याय प्रणाली द्वारा अक्सर नीचा किया जाता है।
  - ऐसा लगता है कि कामकाजी वर्ग या विकलांग समुदायों से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है
  - इसके अलावा, उत्तर भारत में एक सीमित भौगोलिक क्षेत्र के बाहर आधारित समिति पर कोई सदस्य नहीं हैं
- **समिति के कामकाज में अस्पष्टता**
  - कोई प्रकाशित विचारार्थ विषय नहीं हैं
  - समिति के सटीक अधिदेश को सार्वजनिक रूप से नहीं रखा गया है
  - यह स्पष्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है कि कानून सुधार के सवालों से निपटने के लिए एक तदर्थ समिति का गठन क्यों किया गया, जिसे आम तौर पर भारतीय विधि आयोग को सौंपा जाता है।
  - समिति ने अपनी परामर्श प्रक्रिया के दौरान जनता से प्राप्त अभ्यावेदनों को प्रकाशित करने का कार्य नहीं किया है।
- **सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया के लिए अल्पावधि**

- तीन महीने के भीतर, उत्तरदाताओं को आपराधिक कानून, प्रक्रिया या सबूत के लगभग हर बोधगम्य मुद्दे पर तर्क राय बनाने और मुखर करने की उम्मीद है।
- इसके विपरीत, मालीमठ समिति, जिसके पास तुलनीय अधिदेश था, ने इस समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने में पाँच गुणा अधिक समय लिया।
- वर्तमान समिति की छह परामर्शी प्रश्नावली के पहले में 46 प्रश्न शामिल हैं जिनमें इन प्रश्नों के संदर्भ और प्रासंगिकता को समझाते हुए कोई औपचारिक दस्तावेज नहीं है।
- ये सभी हितधारकों के बीच उत्पादक विचार-विमर्श की संभावनाओं को कम करते हैं।

निष्कर्ष

- कानून बनाने के लिए एक समावेशी, पारदर्शी और सार्थक सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया लोकतंत्र के एक विचार-विमर्श संस्करण को लागू करने का एक व्यावहारिक तरीका है।

बिन्दुओ को जोड़ने पर:

- 1833 का चार्टर अधिनियम जिसने लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में 1834 में पहला विधि आयोग स्थापित किया - सिफारिशों के कारण IPC का मसौदा तैयार किया गया

सामाजिक मुद्दा/कल्याण

आदिवासियों को उनकी भाषाओं में शिक्षा प्रदान करना

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - शिक्षा सुधार; सरकार की नीतियां और पहल का हिस्सा

इसके विषय में:

- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कक्षा 5 तक मातृभाषा आधारित निर्देशों पर जोर दिया गया है।
- यदि उपरोक्त प्रावधान को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है तो जनजातीय समुदाय और ओडिशा राज्य लाभ में होंगे।
- हालांकि कक्षा 5 तक के निर्देशों के माध्यम के रूप में स्थानीय भाषा को निर्धारित करना आसान है, लेकिन इसे लागू करना बहुत मुश्किल है।

अद्वितीय स्थिति

- ओडिशा भारत के जनजातीय मानचित्र में एक अद्वितीय स्थान पर है।
- ओडिशा में सबसे विविध जनजातीय समुदाय हैं। यह 13 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) सहित 62 विभिन्न जनजातीय समुदायों का घर है।
- ओडिशा में जनजातियां लगभग 21 भाषाएं और 74 बोलियां बोलती हैं।

क्या जानते है?

- ओडिशा पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से बहुभाषी शिक्षा (MLE) पर काम कर रहा है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (SCSTRTI) के सहयोग से जनजातीय भाषा एवं संस्कृति अकादमी संभवत पूरे देश का एकमात्र ऐसा संस्थान है जिसने कक्षा 1 से 3 के लिए 21 जनजातीय भाषाओं में अनुपूरक पाठक तैयार किए हैं।
- जनजातीय भाषा संथाली को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है।

मनरेगा के लिए फंड नहीं है

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - सरकार की नीतियां और विकास के लिए हस्तक्षेप; कल्याणकारी/सामाजिक योजनाओं का हिस्सा

मनरेगा के बारे में

- यह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 को दर्शाता है।
- यह एक वित्तीय वर्ष में एक ग्रामीण परिवार को मजदूरी रोजगार के 100 दिनों की गारंटी देता है जिसके वयस्क सदस्य (कम से 18 वर्ष की आयु) अकुशल काम करने के लिए स्वयंसेवक हैं।
- यह मांग संचालित होने का अनूठा कानूनी वास्तुकला है, और नहीं बजट विवश।
- यह सामाजिक सुरक्षा और श्रम कानून है जिसका उद्देश्य ' काम करने का अधिकार ' लागू करना है।
- इसमें बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान है, जब राज्य काम नहीं दे सकता
- कृषि और संबद्ध गतिविधियों में 65 प्रतिशत से अधिक कार्य किए गए हैं।
- मनरेगा ने लगभग 10 करोड़ परिवारों के माध्यम से ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद की है।

मनरेगा के सामने समस्याएं

- सरकारें अपने वित्तीय संसाधनों को कैपिंग करती हैं और इसे आपूर्ति आधारित कार्यक्रम में बदल रही हैं
- मजदूरी भुगतान में अत्यधिक देरी के कारण श्रमिकों को इसके तहत काम करने में रुचि खोना शुरू कर दिया था।
- बहुत कम स्वायत्तता के साथ, ग्राम पंचायतों ने इसके कार्यान्वयन को बोझिल पाया
- नतीजतन, पिछले कुछ वर्षों में मनरेगा में अस्तित्व का संकट पैदा होने लगा था।

नई चिंताएं:

- इस योजना ने पहले ही अपनी आवंटित धनराशि का लगभग आधा उपयोग कर लिया है।
- इसने घोषित विस्तारित ₹1 लाख करोड़ आवंटन में से 48,500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए (COVID प्रकोप के दौरान)
- कई ग्राम पंचायतों में स्वीकृत परियोजनाएं पहले ही खत्म हो चुकी हैं।
- संवेदनशील क्षेत्रों की कई ग्राम पंचायतों ने इस योजना के लिए पहले ही अपनी धनराशि समाप्त कर दी है।

उपायों की जरूरत:

- केंद्र को इस योजना के लिए 1 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने चाहिए
- इसके लिए प्रति परिवार अनुमत कार्य सीमा को दोगुना कर २०० दिन करना होगा।

'भारत में जन्म के समय लिंगानुपात की स्थिति' जारी

GS-प्रीलिम्स और GS-1 - सामाजिक मुद्दे का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में भारत के उप-राष्ट्रपति द्वारा जन्म के समय लिंगानुपात की स्थिति शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की गई थी।
- जनसंख्या और विकास के लिए सांसदों के भारतीय संघ (IAPPD) द्वारा लाया गया है।

रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष

- 2001-2017 से भारत में जन्म के समय लिंगानुपात में कोई बदलाव नहीं आया है।
- जन्म लेने वाली बालिकाओं की संख्या प्राकृतिक मानक से काफी कम है।
- **सुझाव:** लिंगानुपात में संतुलन लाने के लिए गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक कानून का कठोर कार्यान्वयन।
- जन्म के समय लिंगानुपात एक महत्वपूर्ण संकेतक है और यह दर्शाता है कि लिंग-चयनात्मक गर्भपात से पैदा होने वाली बालिकाओं की संख्या में कितनी कमी आई है ।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय परिषद का गठन

GS-प्रीलिम्स और GS-I - सोसायटी; GS-2 - राष्ट्रीय परिषद का हिस्सा

समाचार में:

- राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए परिषद का गठन हाल ही में किया गया है।
- मंत्रालय: सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय।

मुख्य बिन्दु

- परिषद के अध्यक्ष: सामाजिक न्याय मंत्री ।
- **सदस्य:**
  - कुछ अन्य मंत्रालयों के अधिकारी।
  - ट्रांसजेंडर समुदाय के पांच मनोनीत सदस्य।
- **संबंधित एक्ट:** ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019
- **कार्य:**
  - ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संबंध में नीतियों के निर्माण पर केंद्र सरकार को सलाह देना
  - नीतियों के प्रभाव की निगरानी और मूल्यांकन
  - सभी विभागों की गतिविधियों की समीक्षा और समन्वय
  - ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की शिकायतों का निवारण
  - केंद्र द्वारा निर्धारित अन्य कार्यों का प्रदर्शन करना।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 की घोषणा

GS-प्रीलिम्स और GS-1 - सामाजिक मुद्दे का हिस्सा

समाचार में:

- स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के लिए पुरस्कारों की घोषणा हाल ही में की गई थी।

- यह वार्षिक स्वच्छता शहरी सर्वेक्षण का पांचवां संस्करण है।
- आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) द्वारा आयोजित।
- भारत का सबसे स्वच्छ शहर (> 1 लाख जनसंख्या श्रेणी):
    - इंदौर (पहला)
    - सूरत (दूसरा)
    - नवी मुंबई (तृतीय)
- इंदौर ने लगातार चौथी बार सबसे साफ शहर का खिताब जीतकर रिकॉर्ड बनाया है।
- भारत का सबसे स्वच्छ राज्य (> 100 शहरी स्थानीय निकाय श्रेणी): छत्तीसगढ़।
- भारत का सबसे स्वच्छ राज्य (<100 यूएलबी श्रेणी): झारखंड
- गंगा नदी के किनारे सबसे स्वच्छ शहर: वाराणसी
- सबसे स्वच्छ राजधानी शहर: नई दिल्ली
- 40 लाख से अधिक आबादी वाला सबसे स्वच्छ शहर: अहमदाबाद

महामारी के दौरान शिक्षा

GS मेन्स II-सामाजिक/कल्याण मुद्दा; शिक्षा; कमजोर वर्ग का हिस्सा

इसके विषय में:

संयुक्त राष्ट्र की नीति संक्षिप्त के अनुसार-

- COVID 19 के आर्थिक नतीजों के कारण अगले साल लगभग 24 मिलियन बच्चों के स्कूल नहीं लौटने का खतरा है।
- शैक्षिक वित्तपोषण के अंतर में भी एक तिहाई की वृद्धि होने की संभावना है।
- शिक्षा व्यवस्था बाधित होने से दुनिया भर में 1.6 बिलियन से अधिक शिक्षार्थी प्रभावित हुए हैं।
- कम आय वाले देशों में कमजोर आबादी वाले लोग लंबे समय तक बुरी तरह से प्रभावित होंगे।
- यूनेस्को का अनुमान है कि 23.8 मिलियन अतिरिक्त बच्चे और युवा अकेले महामारी के आर्थिक प्रभाव के कारण अगले साल स्कूल तक पहुंच नहीं छोड़ सकते हैं या नहीं।

विकलांगता कोटा के साथ मुद्दा

GS प्रीलिम्स और मेन्स II-सामाजिक/कल्याण मुद्दा; कमजोर वर्ग का हिस्सा

संदर्भ:

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने सिविल सेवाओं में सीधी भर्ती के लिए इस वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा के नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका पर UPSC को नोटिस जारी किया।
- सद्भावना (विकलांगों के लिए विकलांगों की एक पंजीकृत सोसायटी) द्वारा दायर याचिका में दावा किया गया है कि UPSC के नोटिस में कुल 796 संभावित अनुमानित रिक्तियों में से विकलांग व्यक्तियों के लिए केवल 24 रिक्तियां हैं। (यह विकलांग व्यक्तियों को दिए जाने वाले न्यूनतम आरक्षण की उपेक्षा करता है)

- विकलांगों के अधिकार (RPwD) अधिनियम, 2016 की धारा 34 के तहत रिक्तियों की संख्या 4 प्रतिशत अनिवार्य आरक्षण से कम थी।

दिव्यांगों के अधिकार(RPwD) अधिनियम, 2016 के तहत 4% अनिवार्य आरक्षण:

- RPwD की धारा 34 (1) में ऐसे विकलांगों से भरे जाने वाले प्रत्येक समूह के पदों में संवर्ग संख्या में रिक्तियों की कुल संख्या के बेंचमार्क विकलांगों के लिए न्यूनतम 4% आरक्षण को अधिदेशित किया गया है।
- यह अंधा, बहरा, लोकोमोटर के विकलांग वर्गों के बीच एक (20% प्रत्येक) के समान वितरण के साथ-साथ ऑटिज्म (स्वलीनता) के संयुक्त वर्ग आदि को कई विकलांग लोगों के साथ अधिदेशित करता है।

बेटियों का संपत्ति पर बराबर अधिकार: SC

GS मेन्स II-सामाजिक/महिलाओं के मुद्दे का हिस्सा

संदर्भ:

- सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में माना कि बेटों की तरह बेटियों को संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति के वारिस के बराबर जन्म-अधिकार है।
- अब इस फैसले से बेटियों को पैतृक संपत्ति के वारिस के समान अधिकार मिलते हैं, जिनका पूर्वव्यापी प्रभाव पड़ेगा।
- फैसले में कहा गया है कि "एक बेटी हमेशा एक प्यारी बेटी बनी रहती है। एक बेटा तब तक बेटा होता है, जब तक उसे पत्नी नहीं मिलती। एक बेटी जीवन भर एक बेटी है "।

क्या आप जानते है?

- तीन न्यायाधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया कि एक हिंदू महिला को पैतृक संपत्ति का संयुक्त वारिस होने का अधिकार जन्म से है और वह इस बात पर निर्भर नहीं करती कि उसके पिता जीवित थे या नहीं जब 2005 में कानून बनाया गया था।
- हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की प्रतिस्थापित धारा 6 में संशोधन से पहले या बाद में जन्मी बेटी को बेटे के समान ही उत्तराधिकारी का दर्जा दिया गया है।
- उत्तराधिकारी एक ऐसा व्यक्ति है, जिसके पास माता-पिता की संपत्ति पर जन्म-अधिकार है।

2005 संशोधन

- हिंदू कानून के मितक्षरा संप्रदाय को हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के रूप में संहिताबद्ध किया गया और उत्तराधिकार और संपत्ति की विरासत को नियंत्रित किया गया, लेकिन केवल पुरुषों को कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता दी गई।
- यह कानून उन सभी पर लागू होता है जो धर्म से मुस्लिम, ईसाई, पारसी या यहूदी नहीं हैं।
- बौद्ध, सिख, जैन और आर्य समाज के अनुयायी, ब्राह्मो समाज को भी इस कानून के उद्देश्य से हिंदू माना जाता है।
- एक हिंदू अविभाजित परिवार में, पीढ़ियों के माध्यम से कई कानूनी वारिस संयुक्त रूप से मौजूद हो सकते हैं।
- महिलाओं को 2005 से उत्पन्न विभाजन के लिए उत्तराधिकारी या संयुक्त कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता दी गई थी।

- अधिनियम की धारा 6 में संशोधन 2005 में किया गया था कि बेटे की तरह ही अपने हक में बेटी को जन्म देकर उत्तराधिकारी बनाया जाए।
- कानून ने बेटी को भी बेटे के समान अधिकार और देनदारियां दीं है।
- कानून पैतृक संपत्ति पर लागू होता है और व्यक्तिगत संपत्ति में उत्तराधिकार को एकीकृत करने के लिए ।

लॉकडाउन के दौरान युवाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा

GS मेन्स II-सामाजिक/युवा मुद्दा का हिस्सा

संदर्भ:

भारत के जनसंख्या फाउंडेशन (PFI) के सर्वे के मुताबिक -

- बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की अधिकांश युवतियां COVID 19 लॉकडाउन के दौरान सैनिटरी पैड तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पाईं।
- 15 -24 की उम्र के बीच पांच पुरुषों और महिलाओं में से एक से अधिक अवसाद का अनुभव (आर्थिक असुरक्षा, परिवार के टकराव और घरेलू काम में वृद्धि की चुनौतियों के कारण) की सूचना दी
- लगभग 22% युवाओं ने कहा कि उन्होंने लॉकडाउन के कारण अवसाद का अनुभव किया, जिसमें नौकरी के अवसरों की कमी, पढ़ाई पूरी करने में देरी, पारिवारिक दबाव और गोपनीयता की कमी और दोस्तों से दूर रहने जैसे कारकों का हवाला दिया।

सर्वेक्षण का उद्देश्य COVID 19 के कारण किशोरों और युवा वयस्कों के सामने आने वाले मानसिक और प्रजनन स्वास्थ्य के लिए चुनौतियों का आकलन करना है

तंबाकू विक्रेताओं के लिए लाइसेंसिंग प्रणाली

GS मेन्स II-सामाजिक/स्वास्थ्य मुद्दा; गैर-सरकारी संगठनों/स्वैच्छिक समूहों की भूमिका का हिस्सा

संदर्भ:

- तंबाकू नियंत्रण के लिए काम करने वाले स्वैच्छिक समूहों ने खुदरा तंबाकू विक्रेताओं के लिए एक लाइसेंसिंग तंत्र की मांग की जो तंबाकू उत्पादों की बिक्री को प्रतिबंधित करेगा और युवाओं द्वारा उनके उपभोग पर अंकुश लगाएगा ।

क्या आप जनाते है?

- सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 तंबाकू उत्पादों की बिक्री को नियंत्रित करता है।
- दुनिया भर में हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है ।

चिंतायें:

- युवा तंबाकू उपयोगकर्ताओं को इंफ्लूएंजा की तरह संक्रमण हो सकता है और वो तंबाकू ना खाने वालों को भी कुप्रभावित कर सकता है।
- युवा तंबाकू के आदी हो रहे हैं "पहले से कहीं अधिक तेजी से" और तंबाकू से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या COVID 19 की तुलना में कहीं अधिक है ।

खेल के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन

GS मेन्स I-समाज ; सामाजिक परिवर्तन का भाग

संदर्भ: (केस स्टडी)

- मध्य प्रदेश में कुछ गांवों में बनाए गए स्केट पार्क ने कुछ स्केट बोर्ड (गरीब या मध्यमवर्गीय परिवारों और किसान परिवारों के बच्चों) को विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने में मदद की।
- बच्चों को अपने घरों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकालने के लिए स्केटबोर्डिंग में आशा मिलती है।
- स्केटबोर्ड, जूते और टूर्नामेंट के लिए यात्राएं, भीड़ द्वारा वित्त पोषित होती हैं।

खेल हेराल्ड सामाजिक परिवर्तन

- यह खेल गांव में जाति और लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देने में मदद कर रहा है।
- इस खेल ने दसियों बच्चों और उनके परिवारों को पहचान प्रदान की है।

युवा स्केटर को तीन गैर-परक्राम्य नियमों से चिपके रहना चाहिए: ' कोई स्कूल नहीं, स्केटिंग नहीं ', ' हर कोई बराबर है ' और ' लड़कियां पहले '।

- इससे स्कूल की उपस्थिति में सुधार हुआ है।
- लड़के अभ्यास के घंटों के दौरान लड़कियों के साथ अपने बोर्ड बांटते हैं।
- इस खेल ने गांव के दो समुदायों-आदिवासियों और यादवों को एक ही मंच पर ला दिया है।
- खेल एक समान स्थान बनाते हैं।

नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (ARIIA-2020)

GS-प्रीलिम्स और जीएस-II - शिक्षा का हिस्सा

समाचार में:

- नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (ARIIA) 2020 हाल ही में जारी किया गया था।
- परिणाम निम्नलिखित मापदंडों पर आधारित थे:
  - बजट और फंडिंग सपोर्ट
  - बुनियादी ढांचा और सुविधाएं
  - जागरूकता
  - प्रचार
  - विचार पीढ़ी और नवाचारों के लिए समर्थन

शीर्ष कॉलेज/विश्वविद्यालय	श्रेणी

IIT मद्रास	राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, केंद्रीय विश्वविद्यालय और केंद्रीय रूप से वित्तपोषित तकनीकी संस्थान
रासायनिक तंत्रज्ञान संस्था (इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी) मुंबई	सरकार और सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालय
पुना इंजीनियरिंग महाविद्यालय	सरकार और सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालय
कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर	निजी या स्व-वित्तपोषित विश्वविद्यालय
S.R. इंजीनियरिंग कॉलेज, वारंगल	निजी या स्व-वित्तपोषित विश्वविद्यालय
अविनाशीलिंगम गृह विज्ञान और उच्च शिक्षा महिलाओं के लिए संस्थान	महिलाओं के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए विशेष श्रेणी

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (ARIIA)

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा मंत्रालय द्वारा पहल
- AICTE और मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा लागू
- उद्देश्य: छात्रों और संकाय के बीच नवाचार, स्टार्ट-अप और उद्यमिता विकास से संबंधित संकेतकों पर भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों को व्यवस्थित रूप से रैंक करना।

80% से अधिक छात्र सीखने के लिए मोबाइल पर निर्भर: NCERT

GS-प्रीलिम्स और GS-II - शिक्षा का हिस्सा

समाचार में:

- हाल ही में NCERT द्वारा केंद्रीय विद्यालयों (KVS), नवोदय विद्यालय समिति (NVS) और CBSE से संबद्ध स्कूलों से कक्षा 8-12 से COVID-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के संबंध में एक सर्वेक्षण किया गया था ।

सर्वेक्षण के प्रमुख बिन्दु

- 80-90% पुराने छात्र डिजिटल स्कूलिंग तक पहुंचने के लिए लैपटॉप के बजाय मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं।
- लगभग 30% ने कहा कि अनुपस्थित या आंतरायिक बिजली कनेक्शन उनके सीखने में रुकावट ।
- आधे छात्रों के पास अपनी पाठ्य पुस्तकें तक नहीं थीं।
- केंद्रीय विद्यालयों में 84% छात्रों ने मोबाइल का इस्तेमाल किया, जबकि 19% ने सीखने के लिए लैपटॉप का इस्तेमाल किया, जो CBSE स्कूलों में अनुपात के समान है।
- NVS में (ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए) 10% से कम शिक्षार्थियों ने लैपटॉप का इस्तेमाल किया, जबकि 88% मोबाइल फोन पर निर्भर थे, 6% से कम ने टीवी या रेडियो का इस्तेमाल किया।
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी छात्रों के अधिगम वृद्धि दिशा-निर्देश के मुताबिक केवल चार राज्यों ने छात्रों के लिए उपलब्ध उपकरणों- स्मार्टफोन, बेसिक मोबाइल, रेडियो, टीवी, पर्सनल या कम्युनिटी कंप्यूटर का प्रतिचित्रण पूरा किया है ।

बोंदास आदिवासी समुदाय

GS-प्रीलिम्स और GS-I - समाज ; GS-II - स्वास्थ्य का हिस्सा

समाचार में:

- एक आदिवासी समुदाय बोंदास हाल ही में खबरों में थे, जब इसके चार सदस्यों ने COVID-19 के लिए सक्रिय (positive) परीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु

- यह समुदाय ओडिशा के मलकानगिरी जिले की पहाड़ी श्रृंखलाओं में रहता है।
- यह एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) से संबंधित है।
- यह खैरापुट प्रखंड की पहाड़ियों में छोटी-छोटी झोपड़ियों को मिलाकर बस्तियों में रहता है।
- ओडिशा 62 जनजातीय समुदायों का घर है - भारत में जनजातीय आबादी का सबसे बड़ा विविध समूह।
- उनमें से 13 PVTG हैं।
- आदिवासी आबादी पूरे सात जिलों कंधमाल, मयूरभंज, सुंदरगढ़, नरंगपुर, कोरापुट, मलकानगिरी और रायगढ़ में पाई जाती है।

महिलाओं का मुद्दा

महिला और गर्भपात सेवाएं

संदर्भ: महामारी के अधिक गंभीर असर बल्कि व्यापक किया गया है, भले ही अनपेक्षित, स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के व्यवधान।

गर्भनिरोधक और गर्भपात सेवाओं पर महामारी का क्या प्रभाव पड़ा?

- लंबी लॉकडाउन अवधि के कारण परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हुआ यानी लगाए गए प्रतिबंधों के कारण इन सेवाओं तक पहुंच कम हो गई।
- लगभग दो मिलियन महिलाओं को जनवरी और जून के बीच सेवाओं से बाहर कर दिया गया; अकेले भारत में थे 1.3 मिलियन

गर्भनिरोधक सेवाओं में व्यवधान पैदा करने वाले कारक हैं:

- COVID-19 संबंधित आपात स्थितियों को पूरा करने के लिए स्थानांतरण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के थोक गर्भपात सेवाओं में कमी का कारण बना।
- **परिवहन में व्यवधान:** भारत ने लॉकडाउन के तहत गर्भपात को आवश्यक सेवाओं के रूप में सूचीबद्ध किया, लेकिन परिवहन सेवाओं के व्यवधान ने देखभाल के केंद्रों तक पहुंच में बाधा डाली
- इस अवधि के दौरान उपलब्ध होने वाली इन सेवाओं के बारे में जागरूकता की कमी ने भी इन सेवाओं तक पहुंचने की क्षमता को सीमित कर दिया
- **दवाओं की कमी:** प्रजनन स्वास्थ्य सेवा भारत के लिए फाउंडेशन द्वारा छह राज्यों में एक अध्ययन, फार्मेसियों में चिकित्सा गर्भपात दवाओं की भारी कमी दिखाई।

इसके क्या परिणाम हुए हैं?

गर्भनिरोधक और गर्भपात सेवित तक कम पहुंच के कारण-

- अवांछित गर्भधारण: यूएनएफपीए अनुमानों से संकेत मिलता है कि अतिरिक्त 7 मिलियन अनपेक्षित गर्भधारण होने की संभावना है।
- घरेलू हिंसा में वृद्धि
- बढ़ी हुई मातृ मृत्यु दर

- महिलाओं के प्रजनन अधिकारों को विवश

आगे का मार्ग

- गर्भनिरोधक सेवाओं की आवश्यकता भारत में अधिक बनी हुई है, जिसमें 3 महिलाओं में 1 से अधिक (35%) गर्भनिरोधक सलाह की आवश्यकता की रिपोर्ट करना
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए निर्बाध गर्भपात और गर्भनिरोधक परामर्श, उपकरण और देखभाल सेवाएं प्रदान करना आवश्यक है
- गर्भनिरोधक और गर्भपात सेवाओं को टेलीमेडिसिन, स्थानीय क्लीनिकों को अपने दरवाजे खोलने के लिए प्रोत्साहन, नशीली दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान को हल करने जैसे उपायों के माध्यम से जारी रखना चाहिए

बिंदुओं को जोड़ने पर

- गर्भावस्था अधिनियम संशोधनों की चिकित्सा समाप्ति

हिंदू महिलाओं के विरासत अधिकार

संदर्भ: सुप्रीम कोर्ट ने एक हिंदू महिला के संयुक्त कानूनी उत्तराधिकारी होने के अधिकार पर विस्तार किया और यह पुरुष उत्तराधिकारी के बराबर शर्तों पर पैतृक संपत्ति की उत्तराधिकारी है।

उत्तराधिकारी एक ऐसा व्यक्ति है, जिसके पास पैतृक संपत्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है।

क्या है हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005?

- हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम मितानवसरा संप्रदाय को , 1 9 56 के रूप में संहिताबद्ध किया गया था, जिसने संपत्ति के उत्तराधिकार और विरासत को नियंत्रित किया
- मूल अधिनियम केवल कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में पुरुषों को मान्यता दी ।
- यह कानून उन सभी पर लागू होता है जो धर्म से मुस्लिम, ईसाई, पारसी या यहूदी नहीं हैं ।
- बौद्ध, सिख, जैन और आर्य समाज के अनुयायी, ब्राह्मो समाज को भी इस कानून के उद्देश्य से हिंदू माना जाता है।
- 2005 में अधिनियम की धारा 6 में संशोधन किया गया था ताकि एक उतराधिकारी की बेटी को भी जन्म से एक उतराधिकारी बनाया जा सके "बेटे के रूप में अपने अधिकार में"
- कानून पैतृक संपत्ति पर लागू होता है और व्यक्तिगत संपत्ति में उत्तराधिकार को एकीकृत करने के लिए-जहां उत्तराधिकार कानून के अनुसार होता है और एक इच्छा के माध्यम से नहीं

क्या आप जानते है?

- 174 वें विधि आयोग की रिपोर्ट में हिंदू उत्तराधिकार कानून में इस सुधार की भी सिफारिश की गई थी ।
- 2005 के संशोधन से पहले भी आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु ने कानून में यह बदलाव किया था,

मामला कैसे सामने आया?

- जबकि 2005 कानून महिलाओं को समान अधिकार प्रदान की, सवाल कई मामलों में उठाया गया था कि क्या कानून पूर्व व्यापी प्रभाव से लागू है।
- इसके अलावा, वहां सवाल थे अगर महिलाओं के अधिकार पिता के जीवन की स्थिति पर निर्भर है जिसके माध्यम से वे उतराधिकारी होगा

- इसके अतिरिक्त, दो न्यायाधीशों की उच्चतम न्यायालय की पीठों द्वारा अलग-अलग फैसले दिए गए थे
- प्रकाश वी फूलवती (2015) में, न्यायमूर्ति ए के गोयल की अध्यक्षता वाली दो न्यायाधीशों की पीठ ने माना कि 2005 के संशोधन का लाभ केवल "जीवित उतराधिकारी की जीवित बेटियों" को 9 सितंबर, 2005 (संशोधन लागू होने की तारीख) को प्रदान किया जा सकता है।
- दानम्मा @सुमन सुरपुर बनाम अमर (2018) में 2015 के फैसले के विपरीत दो जजों की SC पीठ ने माना कि 2001 में मारे गए एक पिता का हिस्सा भी 2005 के कानून के अनुसार अपनी बेटियों को उतराधिकारी के रूप में हक देगा।
- समान शक्ति की पीठों द्वारा इन परस्पर विरोधी विचारों के कारण वर्तमान मामले में तीन न्यायाधीशों की पीठ का उल्लेख हुआ। वर्तमान पीठ अब पहले के फैसलों को हटा रही है।

क्या व्यवस्था है?

- तीन जजों की SC पीठ ने फैसला सुनाया कि एक हिंदू महिला को पैतृक संपत्ति का संयुक्त वारिस होने का अधिकार जन्म से है और वह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि उसके पिता जीवित थे या नहीं जब 2005 में कानून बनाया गया था।
- कोर्ट ने फैसला दिया कि बेटियों को पैतृक संपत्ति का समान अधिकार देने वाले संशोधित हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम का पूर्व व्यापी प्रभाव पड़ेगा।
- इसमें यह भी स्पष्ट किया गया है कि बिना किसी समकालीन सार्वजनिक दस्तावेज के अपंजीकृत मौखिक विभाजन को विभाजन के सांविधिक मान्यता प्राप्त तरीके के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।
- पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर संशोधन लागू होने से पहले ही किसी वारिस के नाम पर संपत्ति लिख दी गई हो,तो महिला किसी हिस्से का दावा नहीं कर सकेगी।

निर्णय का महत्व

- **कानूनी भ्रम का समाधान:** हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 इस प्रकार हिंदू महिलाओं को उसी तरह से एक पुरुष उत्तराधिकारी के रूप में समान उत्तराधिकारी या संयुक्त कानूनी उत्तराधिकारी होने का अधिकार देता है।
- **समानता का अधिकार:** फैसले ने लिंग के आधार पर भेदभाव को सही किया और संविधान द्वारा गारंटीशुदा समानता के मौलिक अधिकार को बरकरार रखा
- **बेटियों का आर्थिक सशक्तिकरण:** बेटियों को धारा 6 द्वारा प्रदान किए गए समानता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता
- **मानदंडों का संहिताकरण:** अबाधित विरासत के अकोदीकृत हिंदू कानून की अवधारणा को अधिनियम की धारा 6 (1) (a) और 6 (1) के प्रावधानों के तहत एक ठोस आकार दिया गया है

बिन्दुओ को जोड़ने पर:

- तत्काल तीन तलाक एक साल पहले 1 अगस्त, 2019 को संज्ञेय अपराध बन गया।
- व्यक्तिगत कानूनों का संहिताकरण
- महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम आयु
- संदर्भ: स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान, प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि केंद्र सरकार ने महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम आयु पर पुनर्विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया है

क्या आप जानते है?

- वर्तमान में, कानून निर्धारित करता है कि पुरुषों के लिए शादी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और 18 के रूप में और महिलाओं के लिए 18 वर्ष के रूप में।
- विवाह की न्यूनतम आयु बहुसंख्यकों की आयु से अलग होती है जो लिंग-तटस्थ होती है। भारतीय बहुसंख्यक अधिनियम, 1875 के अनुसार एक व्यक्ति 18 वर्ष की आयु प्राप्त करता है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में किस समिति का उल्लेख किया है?

- 2 जून को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने मातृत्व की उम्र, मातृ मृत्यु अनुपात को कम करने और महिलाओं में पोषण स्तर में सुधार से संबंधित मामलों की जांच के लिए एक कार्य बल का गठन किया।
- यह कार्य बल स्वास्थ्य, चिकित्सा कल्याण, मां और बच्चे की पोषण स्थिति के साथ विवाह और मातृत्व की आयु के सहसंबंध की जांच करेगी।
- समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली की अध्यक्षता में इस समिति में नीति आयोग के सदस्य स्वास्थ्य डॉ विनोद पॉल और भारत सरकार के कई सचिव शामिल हैं।

विवाह के लिए न्यूनतम आयु क्यों है?

- कानून अनिवार्य रूप से नियम विरोधी बाल विवाह और नाबालिगों के दुरुपयोग को रोकने के लिए विवाह की एक न्यूनतम आयु निर्धारित करता है।
- विवाह से संबंधित धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों के अपने मानक होते हैं, अक्सर रिवाज को दर्शाते हैं
- हिंदुओं के लिए हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 5 (iii) दुल्हन के लिए न्यूनतम आयु के रूप में 18 वर्ष और दूल्हे के लिए न्यूनतम आयु के रूप में 21 वर्ष निर्धारित करती है।
- हालांकि, बाल विवाह गैरकानूनी नहीं हैं- लेकिन नाबालिग के अनुरोध पर इसे खारिज घोषित किया जा सकता है।
- इस्लाम में यौवन प्राप्त करने वाले नाबालिग का विवाह वैध माना जाता है।
- विशेष विवाह अधिनियम, 1954 और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 में भी महिलाओं और पुरुषों के लिए विवाह के लिए सहमति की न्यूनतम आयु क्रमश 18 और 21 वर्ष निर्धारित की गई है।
- इसके अतिरिक्त, नाबालिग के साथ यौन संबंध बलात्कार है, और नाबालिग की 'सहमति' को अमान्य माना जाता है क्योंकि उसे उस उम्र में इसे सहमति देने में असमर्थ माना जाता है

वर्षों से कानून कैसे विकसित हुआ है?

- 1860 में लागू भारतीय दंड संहिता ने 10 वर्ष से कम आयु की लड़की के साथ संभोग को अपराधीकृत किया।
- भारत में शादी के लिए सहमति की उम्र के लिए एक कानूनी ढांचा केवल 1880 के दशक में शुरू हुआ।
- सहमति विधेयक, 1927 के माध्यम से 1927 में बलात्कार के प्रावधान में संशोधन किया गया था, जिसमें घोषणा की गई थी कि 12 वर्ष से कम आयु की लड़की के साथ शादी अमान्य होगी।
- 1929 में बाल विवाह संयम अधिनियम ने लड़कियों और लड़कों के लिए शादी की न्यूनतम आयु क्रमशः 16 और 18 वर्ष निर्धारित की है।

- अंततः 1978 में संशोधन के लिए एक महिला और एक आदमी के लिए शादी की आयु के रूप में क्रमशः 18 और 21 साल निर्धारित किया गया था।

स्वतंत्रता आंदोलन ने इन कानूनों से कैसे निपटा?

- **रूढ़िवादी रुख:** कानूनों को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के रूढ़िवादी नेताओं के विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने ब्रिटिश हस्तक्षेप को हिंदू रीति-रिवाजों पर हमले के रूप में देखा।
- **प्रगतिशील रुख:** हालांकि, वहां अंय जो सहमति की आयु बढ़ाने के लिए प्रतिपादित किया गया ताकि शिक्षा शादी की खातिर उपेक्षित नहीं है
- सहमति विधेयक, 1927 की आयु को सारदा अधिनियम के रूप में जाना जाता है, जिसके प्रायोजक हरबिलास सारदा, एक न्यायाधीश और आर्य समाज के सदस्य हैं।

कानून पर पुनर्विचार क्यों किया जा रहा है?

- महिलाओं के बीच जल्दी गर्भावस्था के जोखिम को कम करने के लिए। प्रारंभिक गर्भावस्था बाल मृत्यु दर में वृद्धि के साथ जुड़ा हुआ है और मां के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।
- **बाल विवाह को रोकने के लिए:** न्यूनतम आयु को अनिवार्य करने और नाबालिग के साथ संभोग को अपराध बनाने वाले कानूनों के बावजूद, देश में बाल विवाह बहुत प्रचलित हैं (2017 में अनुमानित 4.1 मिलियन)
- **लिंग-तटस्थता कानून:** उम्र को पुरुषों के बराबर बनाना समानता के अधिकार की भावना में है।
- समानता के अधिकार और सम्मान के साथ जीने के अधिकार की गारंटी देने वाले संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग कानूनी उम्र होने से शादी करने के लिए किया गया था।

निष्कर्ष

- खासकर महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। अब समय आ गया है कि इससे संबंधित कानूनों को संवैधानिक मूल्यों की भावना से बदला जाए।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- पुरुषों और महिलाओं के बीच मजदूरी असमानता
- कंपनियों में अवरोधन (आगे बढ़ने से रोकना) और इसे हटाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

स्वास्थ्य समस्या

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन राष्ट्रीय दिशानिर्देश, 2015

GS मेन्स II और III - बच्चे / महिला कल्याण; स्वास्थ्य / सामाजिक मुद्दा का हिस्सा

संदर्भ:

- माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश 2015 में पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा जारी किया गया था
- इसमें मासिक धर्म स्वच्छता के हर घटक का समाधान करने, जागरूकता बढ़ाने, व्यवहार परिवर्तन को दूर करने, बेहतर स्वच्छता उत्पादों की मांग पैदा करने, सीमावर्ती सामुदायिक संवर्ग की क्षमता निर्माण, प्रमुख हितधारकों को संवेदनशील बनाने, प्रभावी पहुंच और हस्तक्षेप के लिए आवश्यक अभिसरण, सुरक्षित निपटान विकल्पों सहित WASH सुविधाओं का निर्माण आदि का प्रयास किया गया है।

कदम उठाने चाहिए-

- दिशानिर्देशों में सैनिटरी नैपकिन को एक आवश्यक वस्तु के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए, और इसे आवश्यक वस्तु अधिनियम की अनुसूची में जोड़ना चाहिए।
- महाराष्ट्र के ग्रामीण विकास विभाग ने ASMITA योजना की शुरुआत की थी - ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और युवा किशोरियों को महिला SHG के एक नेटवर्क के माध्यम से गुणवत्ता और सस्ती सैनिटरी नैपकिन तक पहुँच प्राप्त हो। (ऐसी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता है)
- सेनेटरी नैपकिन के लिए वेंडिंग मशीन स्कूलों, कॉलेजों और अन्य स्थानों पर स्थापित की जानी चाहिए।

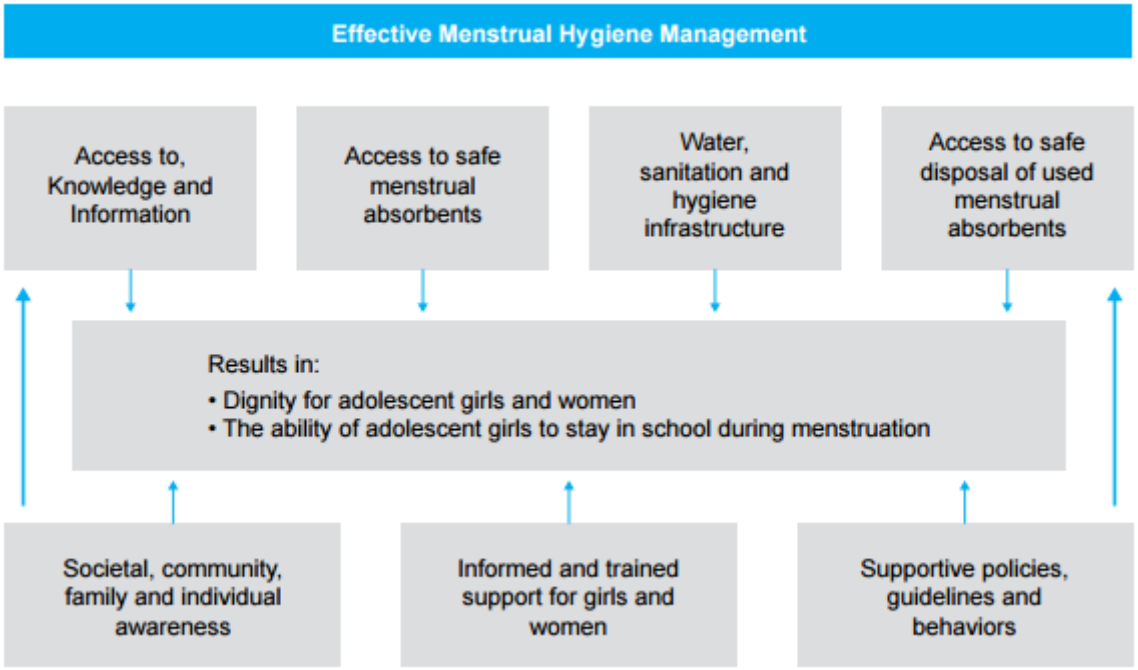

राष्ट्रीय कैंसर पंजीकरण कार्यक्रम रिपोर्ट 2020

GS-प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य का हिस्सा:

समाचार में:

- राष्ट्रीय कैंसर पंजीकरण कार्यक्रम रिपोर्ट 2020 को हाल ही में जारी किया गया था।
- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) और रोग सूचना और अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय केंद्र (NCDIR), बेंगलुरु द्वारा जारी किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- **मामलों की संख्या:** 2025 तक भारत में कैंसर के मामलों में 12% से 15.6 लाख की वृद्धि होने की संभावना है।
- **प्रमुख कारण:** तम्बाकू से संबंधित कैंसर (कुल कैंसर का 27.1%)
- क्षेत्रीय वितरण: पूर्वोत्तर क्षेत्र में सबसे अधिक और पुरुषों में उच्च अनुपात में।
- **लिंग प्रसार:**
    - महिलाओं में सबसे आम कैंसर: स्तन कैंसर (14.8%) और सर्वाइकल कैंसर (5.4%)।
    - पुरुषों में सबसे आम कैंसर: फेफड़े, मुंह, पेट और ग्रासनली के कैंसर

- महिलाओं में स्तन कैंसर की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और पुरुषों और महिलाओं दोनों में फेफड़े, सिर और गर्दन के कैंसर देखे गए हैं।
- ज्यादातर सर्वाइकल कैंसर में गिरावट देखी गई।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कैंसर

- एक प्रकार का रोग जिसमें उनकी सामान्य सीमाओं से परे असामान्य कोशिकाओं के विकास की विशेषता होती है
- यह विश्व स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है।
- प्रत्येक वर्ष 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है।
- 2020 का विषय: ''I Am and I Will''

धनवंतरी रथ: आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवाएं

GS-प्रीलिम्स और GS- II - स्वास्थ्य का हिस्सा

समाचार में:

- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) और दिल्ली पुलिस के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- दिल्ली पुलिस की आवासीय कॉलोनियों में आयुर्वेद निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवाओं को MoU के तहत बढ़ाया जाएगा।
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) द्वारा चालित
- आयुष मंत्रालय द्वारा समर्थित

मुख्य बिन्दु

- धनवंतरी रथ और पुलिस कल्याण केंद्र नामक एक मोबाइल इकाई का उपयोग सेवाओं के लिए किया जाएगा।
- धनवंतरी रथ में डॉक्टरों की एक टीम शामिल होगी जो नियमित रूप से दिल्ली पुलिस कॉलोनियों का दौरा करेंगे।

उद्देश्य:

- विभिन्न रोगों की घटनाओं / प्रसार को कम करने के लिए।
- अस्पतालों में आने वालों की संख्या को कम करने के लिए।
- रोगियों के साथ-साथ स्वास्थ्य प्रणाली की लागत को कम करने के लिए।
- इससे पहले, AIIA और दिल्ली पुलिस के एक संयुक्त उपक्रम, आयुरक्षा का उद्देश्य, आयुर्वेद प्रतिरक्षा में वृद्धि उपायों के माध्यम से दिल्ली पुलिस कर्मियों जैसे पहली पंक्ति के कोविड योद्धाओं के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए शुरू किया गया था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आयुर्वेद

- 'आयुर्वेद' का अर्थ है 'जीवन का विज्ञान'।
- इसे प्राचीन स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में से एक माना जाता है।
- आयुर्वेद को अथर्व-वेद का भाग कहा जाता है।

- आयुष मंत्रालय (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) का गठन 2014 में स्वास्थ्य देखभाल के आयुष प्रणालियों के इष्टतम विकास और प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए किया गया था।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

- यह आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है।
- यह आयुर्वेद के लिए एक शीर्ष संस्थान के रूप में कल्पना की गई है।
- उद्देश्य: आयुर्वेद और आधुनिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी के पारंपरिक ज्ञान के बीच एक तालमेल लाने के लिए।
- संस्थान आयुर्वेद के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।
- यह नई दिल्ली में स्थित है।

स्वास्थ्य क्षेत्र की उपेक्षा

संदर्भ: महामारी ने प्रभावी सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है

UHC को प्राप्त करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

- सरकार आयुष्मान भारत-प्रधानमन्त्री जन आरोग्ययोग (AB-PM-JAY) स्वास्थ्य बीमा को UHC प्राप्त करने के उपकरण के रूप में नियोजित करने के लिए तैयार है।
- कथित तौर पर AB-PM-JAYके तहत गैर-गरीब आबादी के लिए आवृत्त क्षेत्र (कवरेज) का विस्तार करने के लिए योजनाएं चल रही हैं, जो वर्तमान में नीचे की 40% आबादी को कवर करती हैं।

UHC प्राप्त करने पर सरकार के दृष्टिकोण की चुनौतियाँ / आलोचना

- **निजी क्षेत्र को प्राथमिकता:** स्वास्थ्य देखभाल के सार्वजनिक प्रावधान को मजबूत करने के बजाय निजी कंपनियों द्वारा संचालित यूएचसी के लिए स्वास्थ्य बीमा मार्ग लेना, भारत में निजी स्वास्थ्य देखभाल की गैर-परक्राम्यता को प्रतिबिंबित करता है ।
- **निजी स्वास्थ्य सेवाओं में शहरी पूर्वाग्रह:** निजी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का नितांत कुवितरण है-लगभग दो तिहाई कॉर्पोरेट अस्पताल प्रमुख शहरों में केंद्रित हैं ।
- **कवरेज सुनिश्चित नहीं करता है:** बीमा के लिए कम बजटीय विनियोजन का मतलब हो सकता है कि सार्वभौमिक बीमा सेवाओं के लिए सार्वभौमिक पहुंच का स्थानांतरण नहीं करता है, जो कि अमेरिका में अफोर्डेबल केयर अधिनियम के तहत देखा गया था।
- **विभिन्न दिशा के लिए अनुभव बिंदु:** ग्रामीण ग्रामीण इलाकों में निजी खिलाड़ियों को चलाने के लिए बीमा आधारित प्रोत्साहन काफी हद तक असफल रहे हैं, और अनुभव से पता चलता है कि सार्वजनिक क्षेत्र एकमात्र प्रभावी विकल्प हो सकता है ।
- विस्तार से पहले थोड़ा होमवर्क: कदाचार से एकाधिकारी प्रवृत्तियों के लिए सब कुछ संभालने के लिए पर्याप्त नियामक मजबूती के बिना सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा की परिकल्पना, केवल विकृत परिणाम के लिए नेतृत्व करेंगे ।
- **कानूनों की आवश्यकता:** सरकार को बड़े पैमाने पर सार्वजनिक-निजी सहयोग से जुड़ी सार्वभौमिक योजना तैयार करने से पहले प्रभावी निगरानी और अनुपालन के लिए नैदानिक प्रतिष्ठान अधिनियम बनाना चाहिए ।
- सुधार के लिए पथ पर निर्भर प्रतिरोध: बड़ा और गहरा सुधार, और अधिक प्रतिरोध । एबी-पीएम-जे के तहत शेष आबादी को कवर करना बड़े पैमाने पर राजकोषीय और डिजाइन चुनौतियां प्रस्तुत करता है ।
- **राजकोषीय चुनौतियां:** सामान्य राजस्व वित्तपोषण के माध्यम से सार्वभौमिकीकरण की आवश्यकताओं को पूरा करने से राजकोष पर काफी दबाव पड़ेगा और विशेष रूप से महामारी के तत्काल बाद बहुत संभावना नहीं दिखती है ।

- प्रशासनिक चुनौतियां: AB-PM-JAY को प्रीमियम संग्रह के आधार पर एक अंशदायी योजना में बदलना भारी अनौपचारिक क्षेत्र और संभावित प्रतिकूल चयन समस्याओं को देखते हुए एक महंगा और चुनौतीपूर्ण उपक्रम होगा।
- **तकनीकी चुनौतियां:** विभिन्न लाभार्थी समूहों के बीच लाभों और हकों में सामंजस्य बिठाना, और बाहरी रोगी देखभाल को कवर करने की संभावित स्थिति में प्रथाओं का औपचारिकीकरण और समेकन, विकट अतिरिक्त चुनौतियां हैं
- **राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM) के साथ चुनौतियां जो UHC योजना का पूरक हैं-**
    - एकीकरण और रोगी और स्वास्थ्य सुविधा की जानकारी के बेहतर प्रबंधन बहुत स्वागत है।
    - हालांकि, मजबूत जमीनी स्तर के प्रलेखन प्रथाओं और इसकी आवश्यकताओं के अभाव में, यह कुछ निजी खिलाड़ियों की मदद करने और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड की तरह प्रशासनिक जटिलता और लागत को जोड़ने से थोड़ा अधिक करना होगा अमेरिकी ACA के अधीन किया था।

आगे का मार्ग

- हालांकि उथल-पुथल सुधार को आगे बढ़ाने के लिए मार्ग प्रदान करती है, लेकिन देश में महामारी की लंबी उपस्थिति इसके गुरुत्वाकर्षण और बड़े सुधार के लिए कथित तात्कालिकता को कमजोर कर सकती है।
- नागरिक समाज को स्वास्थ्य देखभाल सुधार के लिए व्यापक सार्वजनिक आम सहमति और दबाव उत्पन्न करने के लिए इस उद्घाटन का उपयोग करने की आवश्यकता होगी
- इसके साथ ही, राजनीति को स्वास्थ्य के अभूतपूर्व लोकलुभावन महत्व को पहचानने की जरूरत होगी और बदलाव के लिए संगठित विरोध पर बातचीत करने के लिए पर्याप्त मार्शल होगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PM-JAY)

सार्वजनिक क्षेत्र में जारी स्वास्थ्य डेटा प्रबंधन नीति का मसौदा

GS-प्रीलिम्स और GS-II - नीतियां और हस्तक्षेप; स्वास्थ्य का हिस्सा

समाचार में:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) ने स्वास्थ्य डेटा प्रबंधन नीति का मसौदा सार्वजनिक डोमेन में जारी किया है।
- यह नीति राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM) का हिस्सा है।

मुख्य बिन्दु

- मसौदा नीति व्यक्तियों के डेटा गोपनीयता की सुरक्षा के लिए "डिजाइन द्वारा सुरक्षा और गोपनीयता" के NDHM के मार्गदर्शक सिद्धांत को साकार करने में पहला कदम है।
- राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र (NDHE) में एकत्र किए गए आंकड़ों को प्रत्येक बिंदु पर न्यूनतमता के सिद्धांत को अपनाकर केंद्रीय स्तर, राज्य या केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर और स्वास्थ्य सुविधा के स्तर पर संग्रहित किया जाएगा।
- इसमें डेटा गोपनीयता, सहमति प्रबंधन, डेटा साझाकरण और सुरक्षा जैसे स्वास्थ्य डेटा से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM)
    - प्रधानमंत्री ने 74वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इसकी घोषणा की थी।

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) को देश में NDHM को डिजाइन और बहिर्वेल्लन (रॉलआउट) करना अनिवार्य किया गया है।
- आयुष्मान भारत के क्रियान्वयन के लिए NHA भी जिम्मेदार

COVID टीका मध्य 2021 द्वारा होने की संभावना: WHO वैज्ञानिक

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - स्वास्थ्य/ अंतर्राष्ट्रीय संगठन का हिस्सा:

विषय में:

- WHO की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि COVID वैक्सीन की पहली मिलियन खुराक प्राप्त करना शुरू करने के लिए एक यथार्थवादी समयरेखा 2021 के मध्य है।
- उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इसमें अधिक समय लग सकता है "क्योंकि वायरस को पूरी तरह से समझना आसान नहीं है।"

COVAX पहल

- इसका लक्ष्य 2021 के अंत तक वैक्सीन की दो अरब खुराक लगाना है।
- COVAX सुविधा दुनिया भर में COVID-19 टीकों के लिए मुफ्त, तेजी से और समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र है।

क्या आप जानते है?

- लगभग 27 टीके नैदानिक परीक्षणों में हैं, और एक और 150 अजीब पूर्व नैदानिक परीक्षण में हैं।

कोविड वायरस का होना

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - सरकार की नीतियां और पहल; सामाजिक/स्वास्थ्य मुद्दा; शासन का हिस्सा:

संदर्भ:

- प्रधानमंत्री ने भारत में COVID-19 से मृत्यु दर को 1% से नीचे रखने के लिए 10 प्रभावित राज्यों में अधिक परीक्षण, ट्रेसिंग की आवश्यकता को हरी झंडी दिखाई।
- उन्होंने जोर देकर कहा कि 10 राज्यों में जो 81% मामलों के लिए जिम्मेदार हैं और 82% घातक लोगों को परीक्षण, संपर्क के 72 घंटों के भीतर और संक्रमित लोगों के अलगाव के लिए परीक्षण की आवश्यकता है।
- 10 राज्य - पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और पंजाब - उच्च COVID-19 स्तरों के साथ हैं।

COVID को रोकने के उपाय/सुझाव

- कुछ राज्यों ने केंद्र से COVID-19 संबंधित व्यय पर 35% की वर्तमान सीमा को हटाने के लिए कहा
- राज्य आपदा राहत कोष (SDRF) पर क्योंकि यह वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं था।
- कुछ राज्यों ने महामारी से लड़ने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) से तत्काल तदर्थ अनुदान देने की अपील की।
- कुछ ने केंद्र से अपील की कि नए चिकित्सा स्नातकों और स्नातकोत्तर के लिए एक वर्ष की सरकारी सेवा अनिवार्य की जाए ताकि उनकी सेवाओं का उपयोग COVID-19 से लड़ने में किया जा सके।
- कुछ ने अंतिम वर्ष के चिकित्सा और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को तत्काल शुरू करने के लिए उपाय शुरू करने की अपील की ताकि छात्रों को नामित अस्पतालों के बाहर के क्षेत्रों में COVID-19 सेवाओं में इस्तेमाल किया जा सके
- मेडिकल सीटों का दोहरीकरण

- PM-केयर का उपयोग करके RT-PCR परीक्षणों का 50% फंड

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

राज्य आपदा राहत कोष (SDRF) के बारे में

- आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत SDRF का गठन किया गया है।
- यह राज्य सरकारों के पास तत्काल राहत प्रदान करने के लिए व्यय को पूरा करने के लिए अधिसूचित आपदाओं के प्रत्यारण के लिए उपलब्ध प्राथमिक निधि है।
- केंद्र सामान्य श्रेणी के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एसडीआरएफ आवंटन का 75 प्रतिशत और विशेष श्रेणी के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर) के लिए 90 प्रतिशत योगदान देता है।
- वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार वार्षिक केंद्रीय अंशदान दो समान किश्तों में जारी किया जाता है।
- आपदा (S) SDRF के अधीन: चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट हमला, ठंढ और शीत लहरें ।
- एक राज्य सरकार SDRF के तहत उपलब्ध धन का 10% तक प्रदान करने के लिए उपयोग कर सकती है
- प्राकृतिक आपदाओं के पीड़ितों को तत्काल राहत, जिन्हें वे राज्य में स्थानीय संदर्भ में आपदाओं के रूप में मानते हैं और जिन्हें गृह मंत्रालय की आपदाओं की अधिसूचित सूची में शामिल नहीं किया गया है ।

गरीब तक गर्भपात दवाओं की पहुँच

GS मेन्स II-सामाजिक/महिलाओं के मुद्दे; स्वास्थ्य का मुद्दा का हिस्सा

संदर्भ:

प्रजनन स्वास्थ्य सेवा भारत के लिए फाउंडेशन (FRHSI) के एक अध्ययन के अनुसार-

- लिंग-पक्षपातपूर्ण लिंग चयन को रोकने के लिए दवाओं के नियमन पर सुरक्षित, कानूनी और लागत प्रभावी गर्भपात तक पहुंच में रुकावट आई है ।
- छह राज्यों में से पांच को गर्भपात की गोलियों या चिकित्सा गर्भपात दवाओं की "भारी कमी" की सूचना दी गई है
- असम (696%) बेहतर लग रहा था, एकमात्र राज्य जो बेहतर लग रहा था।
- लगभग 79% दवा विक्रेता कानूनी मुद्दों और अत्यधिक प्रलेखन आवश्यकताओं से बचने के लिए दवाओं का भंडारण नहीं करते हैं।

गर्भपात की गोलियां या मेडिकल गर्भपात (MA) दवाएं:

- गर्भपात की गोलियां या MA दवाएं गर्भपात की होती हैं जो भ्रूण या भ्रूण को निष्कासित करके गर्भावस्था को समाप्त करती हैं।
- गर्भपात की गोलियां आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियों (ECD) से अलग हैं।
- एक अनपेक्षित गर्भावस्था को रोकने के लिए असुरक्षित यौन संबंध के 72 घंटे बाद ECD लिया जाता है।

दवाओं की कमी का प्रमुख कारण:

- MA दवाओं की अनुपलब्धता का प्राथमिक कारण गलत समझ प्रतीत होता है कि नियामक अधिकारियों के बीच लिंग पक्षपातपूर्ण लिंग चयन के लिए चिकित्सा गर्भपात कॉम्बी पैक का उपयोग किया जा सकता है ।

- एक चिकित्सा गर्भपात कॉम्बी पैक केवल नौ सप्ताह तक उपयोग के लिए संकेत दिया जाता है जबकि एक अल्ट्रासाउंड 13-14 सप्ताह के गर्भ में भ्रूण के लिंग का पता लगा सकता है।

क्या आप जानते है?

- 81% गर्भपात के माध्यम से चिकित्सा गर्भपात की दवाएं सबसे पसंदीदा तरीका है जो उनके माध्यम से अपनाया जा रहा है।
- उनकी उपलब्धता की कमी महिलाओं, जो शल्य चिकित्सा गर्भपात के तरीकों के लिए चुनते नहीं करना चाहती बाधा डालती है।
- परिवार नियोजन के प्रतिबंधित आंदोलन नैदानिक तरीकों के साथ महामारी के बीच में पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं; दवाओं तक अप्रतिबंधित पहुंच सुनिश्चित करने की सख्त जरूरत है।

लार प्रत्यक्ष परीक्षण

GS प्रीलिम्स और मेन्स II- स्वास्थ्य समस्या का हिस्सा

संदर्भ: 16 अगस्त, 2020 को, संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने COVID-19 के लिए लार आधारित नैदानिक परीक्षण के आपातकालीन उपयोग को अधिकृत किया।

लार प्रत्यक्ष परीक्षण के बारे में

- लार प्रत्यक्ष परीक्षण एक सस्ती परीक्षण है, जो 'येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' की एक टीम द्वारा विकसित किया गया है, इसमें उच्च संवेदनशीलता है और लार के नमूने में वायरस प्रतियों की संख्या 6-12 प्रतियां प्रति माइक्रोलीटर के रूप में कम होने पर भी वायरस का पता लगा सकता है।

- लार के नमूनों का संग्रह और परीक्षण करने में तीन चरण शामिल हैं - संरक्षक बफर के बिना लार इकट्ठा करना,प्रोटीन K उपचार एवं गर्मी निष्क्रियता और ड्यूलप्लेक्स RT PCR वायरस का पता लगाना
- नासाफारिंजल कार्सिनोमा का उपयोग करने से पहले के नुकसान यह नमूना संग्रह के समय त्रुटियों के कारण झूठे नकारात्मक परिणामों की ओर जाता है।
- नए लार प्रत्यक्ष परीक्षण की संवेदनशीलता के बारे में 93% था, एक पूर्व प्रिन्ट medRxiv पर पोस्ट के अनुसार "सरकारी डेटा 88-94% [संवेदनशीलता] से पता चलता है" जो किसी भी लार परीक्षण की सबसे अच्छी सटीकता दर (संवेदनशीलता) के रूप में है जो एंडी स्लाविट, ओबामा प्रशासन में चिकित्सा और मेडिकेड सेवाओं के लिए केंद्रों के एक पूर्व कार्यवाहक प्रशासक द्वारा ट्वीट किया गया है।

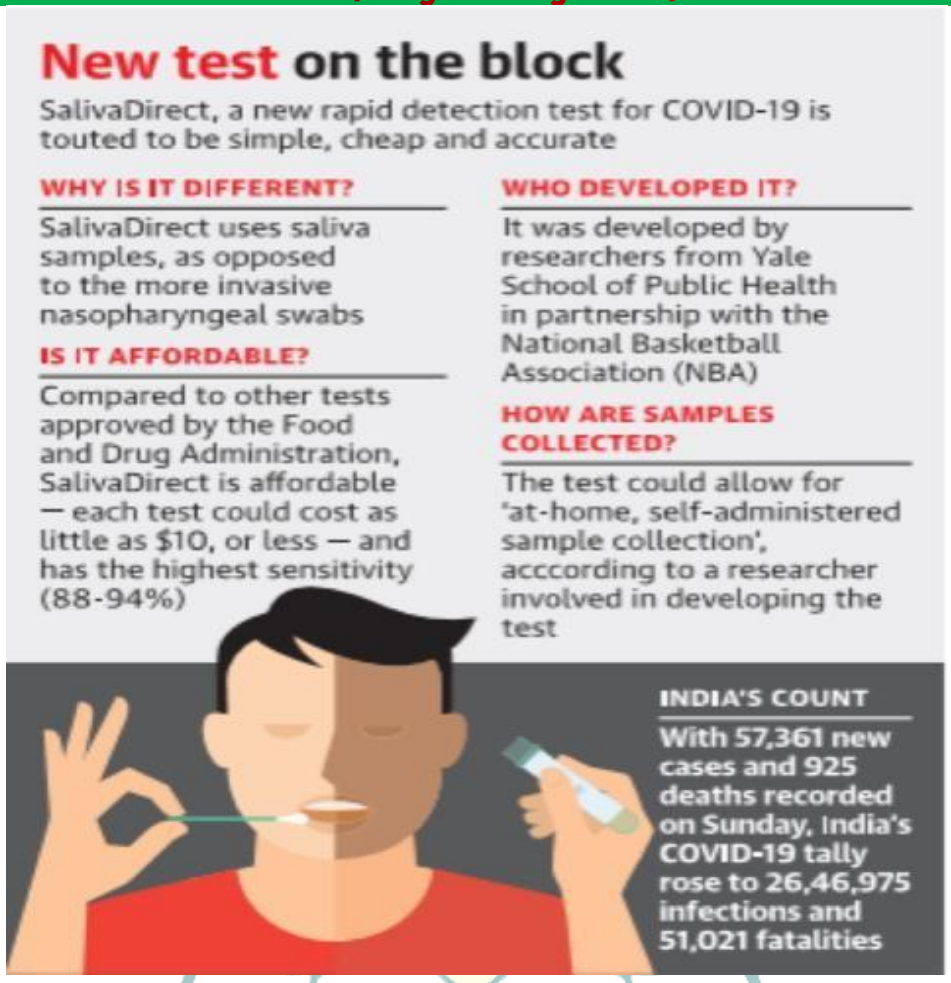

ग्रीन कॉरिडोर: अंगदान

GS- II स्वास्थ्य का भाग

संदर्भ: हाल ही में, अप्रतिबंधित गति के लिए बनाए गए "ग्रीन कॉरिडोर" की मदद से पुणे से चेन्नई के लिए एक हृदय लाया गया था।

मुख्य बिन्दु:

- एक ग्रीन कॉरिडोर एक सीमांकित है, जो एक एम्बुलेंस के लिए बनाए गए विशेष सड़क मार्ग को मंजूरी देता है जो प्रत्यारोपण के लिए बनाए गए अंगों को किस्मत वाले अस्पताल तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।
- ग्रीन कॉरिडोर प्रत्यारोपण समन्वयकों, स्थानीय पुलिस, यातायात पुलिस और हवाई अड्डे के कर्मचारियों से एक केंद्रित प्रयास की आवश्यकता है। ग्रीन कॉरिडोर के प्रति आम जनता की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है।
- **प्रक्रिया:** जब किसी मरीज को ब्रेन डेड (मृत मस्तिष्क) घोषित किया जाता है और उसके परिवार को अंगदान के लिए सहमति दी जाती है, तो प्राप्तकर्ता की उपलब्धता पहले शहर, राज्य, क्षेत्र और फिर राष्ट्रीय स्तर पर जांच की जाती है।
- **आवश्यकता:** अंगों में एक छोटा संरक्षण समय होता है, और ग्रीन कॉरिडोर यह सुनिश्चित करते हैं कि एम्बुलेंस यातायात की भीड़ से बच जाए और कम से कम संभव समय में गंतव्य तक पहुंच सके।
- **समन्वित किया गया:**अपेक्षित विनियामक प्रक्रियाएं और समन्वय राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) के साथ किया गया था।

राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन

- राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, जो नई दिल्ली में स्थित है।
- NOTTO के विभिन्न राज्य केंद्रों को राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (SOTTO) कहा जाता है।
- यह मानव अंगों के प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम 2011 के अनुसार अंगों और ऊतकों की खरीद और वितरण के लिए एक नेटवर्क का समन्वय और स्थापित करता है।
- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के सहयोग से नोटो अंग और ऊतक दाताओं की एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री विकसित कर रहा है।
- इस पहल से देश भर में सभी प्रत्यारोपणों के डेटा और निगरानी को बनाए रखने में मदद मिलेगी और रोगियों की प्रत्यारोपण के बाद जीवित रहने की दर को मैप करने की भी योजना है।
- SC जजों के खिलाफ आरोपों के संदर्भ का अध्ययन करेगा

थैलीसीमिया स्क्रीनिंग एंड काउंसलिंग सेंटर का शुभारंभ

GS-प्रीलिम्स और GS-II - स्वास्थ्य का हिस्सा

समाचार में:

- भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के राष्ट्रीय में थैलीसीमिया स्क्रीनिंग और परामर्श केंद्र
- मुख्यालय (IRCS NHQ) ब्लड बैंक, नई दिल्ली का हाल ही में उद्घाटन किया गया था।
- **मंत्रालय:** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

थैलीसीमिया

- यह एक प्रकार का हीमोग्लोबिनोपैथी है। सिकल कोशिका रोग एक और उदाहरण है।
- यह लाल रक्त कोशिकाओं से प्राप्त हुआ विकार है और यह रोका जा सकता है
- भारत में थैलीसीमिया मेजर (TM) और थैलीसीमिया इंटरमीडिया (TI) का गंभीर रूप बीमारी का बड़ा बोझ बनता है।
- यह असामान्य (बीटा) थैलीसीमिया जीन दोनों माता-पिता या असामान्य बीटा-थैलीसीमिया जीन से एक माता-पिता और असामान्य संस्करण हीमोग्लोबिन जीन (HbE, HbD) से दूसरे माता-पिता से विरासत के कारण होता है।
- भारत में दुनिया में थैलीसीमिया मेजर के साथ बच्चों की सबसे बड़ी संख्या है
- **एकमात्र इलाज:** अस्थि-मज्जा प्रत्यारोपण (BMT)
- इन सभी बच्चों के माता-पिता द्वारा यह मुश्किल और सस्ती नहीं है

वैकल्पिक उपचार: लोहे के अत्यधिक भार को दूर करने के लिए नियमित रूप से आयरन केलेशन थेरेपी के बाद बार-बार होने वाला रक्त संक्रमण।

राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन

संदर्भ: स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत की और कहा कि पूरी तरह से प्रौद्योगिकी आधारित पहल भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति लाएगा

NDHM का मूल विचार क्या है?

- **NDHM** द्वारा बनाए गए डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे द्वारा, डॉक्टर से डॉक्टर तक पॉलीथिन बैग में मेडिकल रिकॉर्ड लाने के बजाय, भारतीय अपनी प्रयोगशाला रिपोर्ट, एक्स-रे और नुस्खे तक पहुंचने में सक्षम होंगे, चाहे वे कहां उत्पन्न हुए हों, और उन्हें डॉक्टरों या परिवार के सदस्यों के साथ साझा करें-सहमति के साथ।

NDHM की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं?

- छह प्रमुख बिल्डिंग ब्लॉक या डिजिटल सिस्टम, हेल्थ ID, डिजिडॉक्टर, स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री, व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड, ई-फार्मेसी और टेलीमेडिसिन
- अद्वितीय स्वास्थ्य आईडी: मिशन के तहत हर भारतीय को एक ID कार्ड मिलेगा जिसमें उसकी चिकित्सा स्थितियों और उपचार, परीक्षणों आदि के बारे में सभी प्रासंगिक जानकारी होगी
- व्यापक स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल: डॉक्टर नियुक्ति से लेकर निर्धारित दवा, चिकित्सा परीक्षणों तक, हर बिट का विस्तार सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य देखभाल में किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल में उपलब्ध होगा।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के संलग्न कार्यालय को देश में **NDHM** के डिजाइन, निर्माण, रोल-आउट और कार्यान्वयन का अधिदेश दिया गया है।
- स्वास्थ्य डेटा एनालिटिक्स और मेडिकल रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए निजी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना
- निजी हितधारकों को इन भवन ब्लॉकों के साथ एकीकृत करने और बाजार के लिए अपने स्वयं के उत्पाद बनाने का समान अवसर मिलेगा।
- हालांकि, मुख्य गतिविधियां और सत्यापन, उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य आईडी का उत्पादन या डॉक्टर/सुविधा का अनुमोदन सरकार के पास रहेगा।
    - व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (PHR) और इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (IMR) समाधान जैसे अतिरिक्त घटकों को निजी कंपनियों द्वारा जारी किए जाने वाले दिशानिर्देशों के अनुरूप विकसित किया जा सकता है।

NDHM के गुण

- **डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाता है:** यह विभिन्न हितधारकों जैसे डॉक्टरों, अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच मौजूदा अंतर को एक साथ लाकर और उन्हें एक एकीकृत डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में जोड़ने से कम करेगा।
- **स्वैच्छिक योजना:** NDHM एक समग्र, स्वैच्छिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम है। जबकि डिजिटल हेल्थ आईडी का विकल्प होगा, यदि कोई व्यक्ति हेल्थ आईडी नहीं चाहता है, तो उपचार भी प्रदान करने की आवश्यकता है।
- **डेटा सुरक्षा:** निजी प्रतिभागियों द्वारा सभी उत्पाद NDHM पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा, गोपनीयता और मानकों का ख्याल रखते हुए आधिकारिक दिशानिर्देशों के अनुसार होंगे
- **स्वास्थ्य सेवा दक्षता में सुधार:** बनाया गया डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा उपयोगकर्ताओं को अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड का अनुदैर्ध्य दृष्टिकोण प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। इलेक्ट्रिक मेडिकल रिकॉर्ड जवाबदेही में वृद्धि, रोगी परिणामों में सुधार होगा, और अग्रिम सबूत आधारित नीति निर्माण।
- **स्वास्थ्य सेवाओं को चुनौती:** डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी सुविधाओं से बचाव योग्य चिकित्सा त्रुटियों का जोखिम काफी कम हो जाता है और देखभाल की गुणवत्ता में काफी वृद्धि होती है।
- **सूचना विषमता को कम करता है:** डिजिटल डेटा सभी भारतीयों को सही जानकारी और स्रोतों के साथ सशक्त करेगा ताकि वे सर्वोत्तम संभव स्वास्थ्य देखभाल का लाभ उठाने के लिए एक सूचित निर्णय ले सकें।

- **अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ गठबंधन:** NDHM वित्तीय जोखिम संरक्षण सहित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 3.8 की उपलब्धि की दिशा में एक बड़ी प्रगति होगी
- **अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ गठबंधन:** NDHM वित्तीय जोखिम संरक्षण सहित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 3.8 की उपलब्धि की दिशा में एक बड़ी प्रगति होगी।
- **डेटा स्वामित्व की समस्याओं को महत्व दिया गया:**
    - स्वास्थ्य डेटा एक संघीकृत वास्तुकला में व्यक्तिगत अस्पताल सर्वर पर रहते हैं।
    - नागरिक अपने स्वास्थ्य डेटा के मालिक होंगे और डेटा साझा करने के लिए सहमति की आवश्यकता होगी
    - डेटा साझा करने में सक्षम रोगियों/अस्पताल/चिकित्सा पेशेवरों की सभी बुनियादी रजिस्ट्रियां एक सरकारी इकाई के स्वामित्व में होंगी।

आगे की चुनौतियां

- **प्रतिस्थापन नहीं हो सकता:** डिजिटलीकरण स्वागत योग्य है लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र में अपर्याप्त मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे का कोई विकल्प नहीं है।
- **स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र की मुख्य चिंता का समाधान नहीं करता है:** भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में वास्तविक मुद्दा भारत के अधिकांश हिस्सों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की घोर कमी है।
- लाभार्थियों द्वारा इसके सफल गोद लेने के लिए योजना की उपयोगिता के बारे में डिजिटल जागरूकता की आवश्यकता है ताकि यह प्रक्रिया को आसान बना सके न कि
- निर्बाध डेटा एक्सचेंज को सक्षम करने के लिए, सभी उपयोगकर्ताओं (फार्मासिस्ट, प्रयोगशालाओं, रेडियोलॉजी क्लीनिक, बीमाकर्ताओं और अस्पतालों) को संचार की एक मानक भाषा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए

क्या आप ब्रिटेन द्वारा इसी तरह की परियोजना के बारे में पता है?

- 2005 में, ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (NHS) ने एक इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड की तैनाती शुरू की
- 2010 तक केंद्रीकृत इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड वाले सभी रोगियों को लक्ष्य के साथ तंत्र।
- जबकि कई अस्पतालों ने इस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में इलेक्ट्रॉनिक रोगी रिकॉर्ड तंत्र का अधिग्रहण किया, कोई राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल सूचना आदान-प्रदान नहीं था।
- यह परियोजना विनिर्देशों, तकनीकी चुनौतियों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ टकराव को बदलने से घिरा हुआ था, जिसने इसे लागत से अधिक समय और रास्ते से वर्षों पीछे छोड़ दिया।
- कार्यक्रम अंततः ब्रिटेन करदाता के लिए एक लागत के बाद खत्म हो गया था £12 बिलियन से अधिक था, और सबसे महंगी स्वास्थ्य सेवा IT विफलताओं में से एक माना जाता है।

सरकारी योजनाएं

भारत में अध्ययन करें- भारत में रहें, योजना शुरू होगी

GS-प्रीलिम्स और GS-II - योजनाओं का हिस्सा

समाचार में:

- केंद्र सरकार जल्द ही 'भारत में अध्ययन करें- भारत में रहें' नामक कार्यक्रम लेकर आएगी।

उद्देश्य:

- छात्रों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने से रोकने के लिए और
- विदेश में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को वापस लाने के लिए

विकलांगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 में शामिल करना

GS-प्रीलिम्स और GS-II - कल्याणकारी योजनाओं का हिस्सा

समाचार में:

- राज्य सरकारों/केंद्र सरकारों से कहा गया है कि वे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के तहत सभी पात्र निशक्तजनों को शामिल करना।
- **मंत्रालय:** उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

मुख्य बिन्दु

- निशक्तजनों को अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार एनएफएसए एवं प्रधानमंत्रिकगरीबल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के तहत खाद्यान्न का अपना हकदार कोटा मिलना चाहिए।
- पात्रता मापदंड के अनुसार कवर नहीं करने वालों के लिए नए सिरे से राशन कार्ड जारी किए जाएं।
- विकलांग व्यक्ति को प्राथमिकता वाले परिवारों के तहत राज्यों/केंद्रों द्वारा भी कवर किया जाना चाहिए ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- PMGKAY कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ने में गरीबों की मदद करने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज (PMGKP) का हिस्सा है ।
- **NFSA की धारा 10**: अंत्योदय अन्न योजना (AAY) के तहत व्यक्तियों की पहचान और कवरेज। विकलांगता AAY परिवारों के तहत लाभार्थियों को शामिल करने के मानदंडों में से एक है ।
- **NFSA की धारा 38:** केंद्र सरकार समय-समय पर राज्य सरकारों को अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निर्देश दे सकती है।
- इसलिए बिना राशन कार्ड के दिव्यांग भी अथिरभर भारत पैकेज के तहत लाभ पाने के पात्र हैं।

राज्यों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के बीच उप-समूह हो सकते हैं

GS-प्रीलिम्स और GS-II - कल्याणकारी योजनाएं का हिस्सा

समाचार में:

- हाल ही में, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि राज्य अनुसूचित जातियों (अनुसूचित जाति) और अनुसूचित जनजातियों (ST) को केंद्रीय सूची में उप-वर्गीकृत कर सकते हैं ।

न्यायधीश अरुण मिश्रा के फैसले से दूरियां:

- आरक्षण ने आरक्षित जातियों के भीतर ही असमानता पैदा कर दी है।
- आरक्षण का लाभ कुछ लोगों द्वारा किया जा रहा है।
- जाति, व्यवसाय और गरीबी आपस में गुत्थ दी जाती है।
- राज्य को विभिन्न वर्गों के बीच गुणात्मक और मात्रात्मक मतभेदों का ध्यान रखने की शक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता ।
- केंद्रीय सूची में ST और SC समरूप समूह का गठन नहीं करते हैं।

क्या आप जानते है?

- निर्णय महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए क्रीमी परत अवधारणा का विस्तार करने के लिए धक्का प्रदान करेगा।
- 2004 में, चिनैय्या के फैसले में यह बात रखी गई थी कि राज्यों को अनुसूचित जाति के सदस्यों के एक वर्ग के भीतर एक वर्ग बनाने की अनुमति देने से राष्ट्रपति की सूची में परिवर्तन होगा।
- अब इस मुद्दे को कोर्ट की सात न्यायधीश की पीठ के पास भेज दिया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की केंद्रीय सूची संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित की जाती है।
- जातियों को सूची में शामिल करने के लिए संसद की सहमति जरूरी है।
- इस प्रकार, राज्य जातियों को एकतरफा रूप से सूची से नहीं जोड़ सकते हैं या बाहर नहीं निकाल सकते हैं।
- उच्चतम न्यायालय ने तर्क दिया है कि राष्ट्रपति/केन्द्रीय सूची में उप-वर्गीकरण इसे बदलने के लिए अधिकार नहीं है। किसी भी जाति को सूची से बाहर नहीं किया गया है।

ई-संजीवनी मंच

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - सरकारी योजनाएं और पहल; स्वास्थ्य का हिस्सा

संदर्भ:

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने ई-संजीवनी और ई-संजीवनी OPD प्लेटफार्मों पर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।
- यह स्वास्थ्य मंत्रालय के टेली मेडिसिन सेवा प्लेटफार्मों पर 15 लाख टेली परामर्श के रूप में आयोजित किया गया था।

क्या आप जानते है?

- नवंबर 2019 में शुरू होने के बाद से थोड़े समय में, 23 राज्यों (जो 75% आबादी को कवर करता है) द्वारा ई-संजीवनी और ई-संजीवनी OPD द्वारा टेली-परामर्श लागू किया गया है और अन्य राज्य इसे लागू करने की प्रक्रिया में हैं।

ई-संजीवनी के बारे में

- यह एक राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा है जो टेली-परामर्श प्रदान करती है जो रोगी को अपने घर के दायरे से डॉक्टर परामर्श के साथ-साथ डॉक्टर परामर्श के लिए डॉक्टर को सक्षम करती है।
- इस ई-संजीवनी मंच ने दो प्रकार की टेलीमेडिसिन सेवाओं को सक्षम किया है। डॉक्टर-से-डॉक्टर (ई-संजीवनी) और रोगी-से-डॉक्टर (ई-संजीवनी OPD) टेली-परामर्श
- पूर्व में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (AB-HWCs) कार्यक्रम के तहत कार्यान्वित किया जा रहा है।
- टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म 40 से अधिक ऑनलाइन OPD की मेजबानी कर रहा है, इनमें से आधे से अधिक स्पेशिएलिटी OPD हैं जिनमें स्त्री रोग, मनोरोग, त्वचा विज्ञान, ENT, नेत्र विज्ञान, एड्स/HIV रोगियों के लिए एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (NRT), गैर-संचारी रोग (NCD) आदि शामिल हैं।

रक्षा का स्वदेशीकरण

GS मेन्स द्वितीय और तृतीय - सरकारी योजनाएं और नीतियां; रक्षा; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण का हिस्सा:

संदर्भ:

- रक्षा मंत्रालय ने रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए 101 आयात वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

क्या आप जानते है?

- रक्षा मंत्रालय ने घरेलू और विदेशी पूंजी खरीद मार्गों के बीच 2020-21 के लिए पूंजी खरीद बजट का बंटवारा किया था।
- सरकार ने स्वदेश निर्मित रक्षा उत्पादों के माध्यम से 2025 तक 25 अरब डॉलर के कारोबार तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है और 5 अरब डॉलर के उत्पादों के निर्यात की भी उम्मीद है।

रक्षा के स्वदेशीकरण के लाभ

- रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ा देता है
- राजकोषीय घाटे को कम करता है (भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक है)
- रक्षा में स्वदेशीकरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है
- भारत रक्षा उपकरणों का निर्यात करके विदेशी मुद्रा उत्पन्न कर सकता है
- इससे रक्षा क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान और विकास हो सकता है
- आत्मनिर्भरता लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम

उठाए गए कदम:

- 3 सुविधाओं का उद्घाटन किया गया - अपने बैंगलोर कॉम्प्लेक्स में आयुध निर्माणी बोर्ड (OFB) और BEML's (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) औद्योगिक डिजाइन केंद्र।
- तीन सुविधाओं में शामिल हैं -
    - ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री, देहरादून में T 90 टैंकों के लिए देखे जाने वाले उपकरणों के लिए विनिर्माण सुविधा
    - आयुध निर्माणी, चंद्रपुर में पिनाका रॉकेट के उत्पादन के लिए स्वचालित असेंबली लाइन और
    - आयुध निर्माणी, तिरुचिरापल्ली में स्थिर रिमोट कंट्रोल बंदूक (SRCG) की का निर्माण और परीक्षण सुविधा

कृषि मेघ (राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली-क्लाउड बुनियादी ढांचा और सेवा)

GS प्रीलिम्स और मेन्स IIऔर III- सरकारी योजनाएं और पहल; कौशल विकास; कृषि का हिस्सा

संदर्भ:

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने KVC ALUNET (कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमनी नेटवर्क) और उच्च कृषि शिक्षण संस्थानों (HEI) के लिए ऑनलाइन प्रत्यायन प्रणाली के साथ कृषि मेघ का शुभारंभ किया ।
- कृषि मेघ नए भारत की डिजिटल कृषि की दिशा में एक कदम आगे की ओर है।

कृषि मेघ के बारे में:

- कृषि मेघ राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली -क्लाउड बुनियादी ढांचा और सेवा है।
- इसका उद्देश्य सरकार की प्रमुख शोध संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बहुमूल्य आंकड़ों की रक्षा करना है।
- इसे हैदराबाद में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (NAARM) में स्थापित किया गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- कृषि मेघ की स्थापना राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (NAHEP) के तहत की गई है, जो सरकार और विश्व बैंक दोनों द्वारा वित्त पोषित है।
- NAARM में डाटा पुनर्प्राप्ति केंद्र है जो ICAR के साथ कार्य करता है, जो मुख्य डाटा केंद्र भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (IASRI) दिल्ली में है।
- भारत में कृषि के क्षेत्र में ई-गवर्नेंस, अनुसंधान, विस्तार और शिक्षा की गुणवत्ता, उपलब्धता और पहुंच को बढ़ाने, जोखिम को कम करने के लिए बनाया गया है।
- देश और दुनिया के किसी भी कोने में कहीं भी अपनी पहुंच को सक्षम करने के लिए एक त्वरित डीजीटलकृत रूप में महत्वपूर्ण अनुसंधान आधारित डेटा को बचाने और संरक्षित करने की आवश्यकता को पूरा करता है।

KVC ALUNET के बारे में:

- इसका विकास कृषि विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्रों के लिए सोशल नेटवर्किंग के विचार का परिणाम रहा है।
- यह सभी 74 कृषि विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्रों को एक दूसरे के साथ जोड़ने और इंटर्नशिप, प्लेसमेंट में छात्रों की सहायता करने और उनके अल्मामैटरों को सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।

नई शैक्षिक नीति: माता-पिता की भूमिका पर ध्यान नहीं देता

संदर्भ: NEP व्यापक प्रशंसा के साथ प्राप्त किया गया है।

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE) के सार्वभौमिकीकरण का लक्ष्य और सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक (FLN) प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना विशेष रूप से प्रशंसनीय है।

NEP के लिए आगे चुनौतियां

- **पैमाने पर जमीन पर कार्रवाई में नीति का स्थानातरण**
  - यह चुनौतीपूर्ण है क्योंकि अधिकांश नीतिगत सुझाव नए नहीं हैं-कई राज्य सरकारें ऐसे सुधारों को लागू करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं
  - हालांकि, लगातार राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने की धीमी गति ने इन प्रयासों को हैरान किया है।
- **माता-पिता शामिल नहीं हैं**
  - कम विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से माता-पिता को स्कूलों में पाठ्यक्रम ओवरहाल, शिक्षक-प्रशिक्षण या गतिविधि आधारित सीखने जैसे वर्तमान सुधारों के मूल्य को समझना मुश्किल लगता है
  - शिक्षकों के लिए 221 उल्लेखों की तुलना में माता-पिता केवल 25 बार उल्लेख कर रहे हैं।
- **तकनीकी पिछड़ेपन के कारण पब्लिक स्कूलों की खराब धारणा**
  - निजी स्कूल फैंसी विवरणिका या कंप्यूटर लैब के माध्यम से बच्चों के माता-पिता को आकर्षित करने के लिए तिकड़म करते है।
  - सरकारी शिक्षक प्रचार में कमजोर होते हैं।
  - नतीजतन, सरकारी-स्कूल प्रणाली निजी प्रणाली की तुलना में अनुभूति की भावना से पहले ही हार जाती है।
- **राजनीतिक प्रोत्साहन और दृश्यता की कमी**
  - बच्चे के सीखने के स्तर की प्रगति की अपारदर्शीता और घटकों (माता-पिता) द्वारा मूल्य प्राप्ति की कमी है

- यही कारण है कि बुनियादी ढांचे और कौशल प्रशिक्षण जैसे अन्य क्षेत्रों की तुलना में स्पेक्ट्रम के राजनेताओं ने शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया है।
- नतीजतन, इच्छा और अधिकारियों की कल्पनाओं और उनके अप्रत्याशित कार्यकाल के आधार पर शिक्षा सुधार के प्रयास आते है और जाते है।

आगे का मार्ग

- **माता-पिता के साथ नियमित बातचीत:** मॉडल को माता-पिता की बातचीत के लिए प्रमुख सुविधाओं के रूप में शिक्षकों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। यह शिक्षकों के लिए सामुदायिक सम्मान को बढ़ाता है और माता-पिता को बच्चे की शैक्षिक प्रगति में हितधारकों के रूप में भी बनाता है
- **प्रौद्योगिकी का लाभ:** माता-पिता की आकांक्षा, सूचना गेटवे और सामाजिक प्रेरणा के निर्माण के लिए सरकारी बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने के तकनीक और मीडिया-सक्षम मॉडल
- **राजनीतिक प्रोत्साहन बढ़ाएं:** हमें ऐसी पहलों और प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है जो शैक्षिक और राजनीतिक सफलता दोनों को प्राप्त करें, जैसा कि मध्याह्न भोजन योजना के मामले में था। पहल सरकारों के एक कलाप्रवीण चक्र के साथ माता पिता को आकर्षित करें एवं विलोमत: भी।

निष्कर्ष

- सरकारें कड़ी मेहनत तभी करेंगी जब उनके प्रयास माता-पिता के लिए दिखाई और प्रभावशाली हों, एक महत्वपूर्ण मतदान ब्लॉक।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- मध्याह्न भोजन योजना
- शिक्षा का अधिकार

PM-केयर

GS प्रीलिम्स और GS-II सरकार का हिस्सा

संदर्भ: PMO ने प्रधानमंत्री केयर के बारे में जानकारी मांगने की RTI याचिका से इनकार किया

PM-केयर के बारे में

- PM-केयर फंड को दान स्वीकार करने और कोविड-19 महामारी और इसी तरह की अन्य आपात स्थितियों के दौरान राहत प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था।

PM-केयर फंड

- PM-केयर की स्थापना 27 मार्च, 2020 को पंजीकृत न्यास विलेख के साथ एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के रूप में की गई थी।
- यह विदेशी अंशदान से दान ले सकता है और फंड के लिए दान भी 100% कर छूट का लाभ उठा सकता है।
- PM-केयर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से अलग है।

संरचना:

- अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री
- रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री

- प्रधानमंत्री द्वारा नामित तीन न्यासी "जो अनुसंधान, स्वास्थ्य, विज्ञान, सामाजिक कार्य, कानून, लोक प्रशासन और परोपकार के क्षेत्र में प्रख्यात व्यक्ति होंगे" ।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF)

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

- PM-केयर सार्वजनिक प्राधिकरण नहीं है: यह कहा गया है कि PM केयर फंड सूचना का अधिकार कानून, 2005 की धारा 2(h) के अधीन में सार्वजनिक प्राधिकरण नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय

युद्ध और वार्ता: तालिबान युद्धविराम पर

संदर्भ: तालिबान द्वारा बकरीद के दौरान तीन दिनों के लिए संघर्ष विराम का निर्णय लिया

युद्धविराम का महत्व: यह उन अफगानों के लिए एक राहत के रूप में फैसला है जिन्होंने विद्रोहियों और अमेरिका के बीच शांति समझौते के बावजूद निष्पक्ष हिंसा देखी है।

तालिबान संघर्ष विराम के संदर्भ में बुरी मिसाल

- जून 2018 और मई 2020 में, तालिबान ने रमजान के पवित्र महीने के अंतिम समय के लिए शत्रुता को समाप्त कर दिया था।
- दोनों अवसरों पर, युद्ध विराम का विस्तार करने से इनकार कर दिया, जैसे ही समारोह समाप्त हुआ वे युद्ध में लौट आए।

क्या यह उम्मीद क जा सकती है कि त्योहार के कारण युद्ध पर विराम लगेगा ?

इस बार, हालांकि, उम्मीदें अधिक हैं कि संघर्ष विराम को काबुल के रूप में बढ़ाया जा सकता है और विद्रोही अमेरिका-तालिबान सौदे (मार्च 2020 में शुरू होने वाले) में वादा किए गए अंतर-अफगान वार्ता शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं ।

मार्च 2020 में शुरू होने वाले अंतरा-अफगान वार्ता को क्या रोक दिया गया?

- **पूर्व शर्तें नहीं मानी गई:** दोनों पक्ष कैदी विनिमय पर एक समझौते पर पहुंचने में विफल रहे, जिसे अफगान सरकार में अमेरिका-तालिबान समझौते के अनुसार शुरू करने के लिए शांति वार्ता के लिए आवश्यक माना गया था
- अफगान सरकार में पारगमन
- 2019 के चुनाव परिणाम मुख्य विपक्षी उम्मीदवार, अब्दुल्ला अब्दुल्ला द्वारा लड़े गए, जिन्होंने विभाजित अफगान सरकार में एक समानांतर प्रशासन बनाया।
- अब्दुल्ला अब्दुल्ला अफगान सरकार के साथ वापस आए तभी राष्ट्रीय सुलह के लिए उच्च परिषद के प्रमुख नियुक्त किए गए जो तालिबान के साथ बातचीत का नेतृत्व करेंगे ।
- धीमी प्रगति का सौदा: अंत में, राष्ट्रपति गनी ने 5,000 तालिबान कैदियों को रिहा करने का फैसला किया, जिसके बाद तालिबान की संघर्ष विराम की घोषणा की गई।
- **अंतरा-अफगान वार्ता के लिए चुनौतियां**

US-तालिबान सौदे में विभिन्न खामियां हैं, जिससे विभिन्न हितधारकों के बीच सामंजस्य स्थापित करना कठिन हो जाता है

  - जब अमेरिकी विद्रोही समूह के साथ बातचीत में प्रवेश किया, तो यह युद्धविराम पर जोर नहीं दिया
  - इसलिए तालिबान युद्ध और बातचीत में एक साथ जुटे रहे।
  - अमेरिकियों ने बुरी तरह से संघर्ष से बाहर निकलने का रास्ता खोजा, अफगान सरकार को शांति प्रक्रिया से बाहर रखा, इस प्रकार उनकी स्थिति कमजोर हो गई

- तालिबान ने लगातार हमलों के बावजूद भी कमजोर अफगान सरकार से बातचीत शुरू कर दी।

निष्कर्ष

- तालिबान का संघर्ष विराम, अंतर-अफगान शांति वार्ता को शुरू करने का एक अवसर है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- एशिया का हृदय (मध्य)
- भारत के सुरक्षा हितों पर US-तालिबान समझौते के परिणाम

चीन रूस एक प्रमुख निर्धारक के रूप में संबंध रखता है

संदर्भ: जून 2019 में, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को "मेरा सबसे अच्छा दोस्त और सहयोगी" बताया।

ऐसा वर्णन क्यों महत्वपूर्ण है?

- कोई ऐतिहासिक प्राथमिकता नहीं: पिछले 70 वर्षों से रूस और चीन के नेताओं के बीच इस तरह के सार्वजनिक संबंध नहीं देखे गए हैं।
- **रिश्ते का अहसास:** इसने इस पर गहन चर्चा की है कि क्या वे एक औपचारिक गठबंधन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।
- बढ़ते सहयोग: बहुपक्षीय मंचों में समन्वित कार्रवाई, तेजी से परिष्कृत संयुक्त सैन्य अभ्यास, और ईरान जैसे तीसरे देशों के साथ गतिविधियों सहित, गठबंधन की संभावना के बारे में विश्वासों को सुदृढ़ करता है।

- **भारत की विदेश नीति पर प्रभाव:** चीन के बारे में साझा गलतफहमी के साथ राजनीतिक रूप से विश्वसनीय, भरोसेमंद रक्षा आपूर्तिकर्ता, जो कि यूएसएसआर था, लंबे समय से राजनीतिक रूप से अज्ञेय द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, व्यावसायिक रूप से रूस को प्रेरित करता है कि अब चीन के साथ हमारी चिंताओं को साझा नहीं करता है।

कैसे चीन दूसरे विश्व युद्ध के अंत के बाद से वैश्विक भू-राजनीति का एक प्रमुख हिस्सा रहा है?

- अमेरिका, चीन और रूस के बीच त्रिकोणीय संबंध, सबसे अधिक भाग के लिए, 1950 के बाद से वैश्विक राजनीति के आकार का है ।
- शीत युद्ध के दौरान अमेरिका ने चीन को अपनी विचारधारा की जीत और कम्युनिस्ट खेमे को तोड़ने के मार्ग के रूप में देखा
- शीत-युद्ध के बाद, रूस का मानना है कि रूसी शक्ति और प्रतिष्ठा को पुनर्जीवित करने का मार्ग चीन के माध्यम से आता है।
- तीन दशकों तक अमेरिकियों ने अन्य दो के साथ अपने संबंधों के संदर्भ में पसंदीदा स्थान पर कब्जा कर लिया था। लगता है चीन ने अब उस स्थिति को संभाल लिया है।

किन कारकों ने चीन-रूसी साझेदारी को मजबूत किया है?

- **शीत युद्ध का अंत:** सोवियत संघ के विघटन ने अनिवार्य रूप से चीनी आंखों में रूसी खतरे को नकार दिया जो दोनों देशों को करीब लाया ।
- **विवादों का समाधान:** एक शांतिपूर्ण सीमा उन स्तंभों में से एक है जिस पर चीन-रूसी साझेदारी वर्तमान में टिकी हुई है ।
- आम दुश्मन: दोनों "शासन परिवर्तन" के लिए अमेरिकी योजनाओं पर एक चिंता का हिस्सा है । अमेरिकी इरादों के एक साझा अविश्वास इस प्रकार करीब धुरी में चीन और रूस धक्का दिया है ।

- **बाहरी बल कारक:** पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस को चीन के करीब धकेल दिया है और इसने रणनीतिक त्रिकोण में चीन की स्थिति को मजबूत करने का काम किया है।
    - तेल की कीमतों में गिरावट और रूसी गैस की आपूर्ति पर नए प्रतिबंधों की आशंका यूरोप के लिए रूसी निर्यात के मूल को ध्वस्त कर रहे हैं, इस प्रकार रूस को चीन की तरह विकल्प के लिए देखने के लिए मजबूर
- पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद आर्थिक और औद्योगिक संबंधों में वृद्धि
    - चीन-रूस व्यापार दोगुने से अधिक बढ़कर $108 बिलियन हो गया है
    - रूस के केंद्रीय बैंक ने अपने चीनी मुद्रा भंडार को एक प्रतिशत से भी कम बढ़ाकर 13% से अधिक कर दिया है
    - चीन ने औद्योगिक संयंत्र और प्रौद्योगिकी के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है

रूस और चीन को औपचारिक गठबंधन बनाने से रोकने वाली चुनौतियां

- **बढ़ती विषमता:** बढ़ती शक्ति-अंतर अपने ' निकट विदेश ' में रूसी प्रभाव को और कम करने और रूस को वैश्विक शक्ति की परिधि तक सीमित रखने की धमकी दे रहा है, जिसके साथ रूस सहज नहीं है।
- **महत्वाकांक्षा का टकराव:** रूस अभी भी खुद को एक विश्व शक्ति मानता है और एक यूरेशियन व्यवस्था के केंद्र में होने की उम्मीद करता है जो प्रशांत से अटलांटिक तक फैला हुआ है। यह चीन के बेल्ट एंड रोड पहल के रणनीतिक उद्देश्यों के साथ सीधे नहीं है
- **चीन के लिए आर्थिक लाभ:** जबकि रूस वर्तमान में एक नाममात्र व्यापार अधिशेष प्राप्त है, चीन एक स्पष्ट लाभ आगे जा रहा है-
    - रूस को चीन का ज्यादातर निर्यात अब उच्च प्रौद्योगिकी स्तर पर है जबकि श्रम प्रधान वस्तुओं के हिस्से में गिरावट आई है।
    - स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, रूसी निर्यात कच्चे माल, विशेष रूप से तेल और गैस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जारी रखा है।
- **एक स्थिर सीमा नहीं:** चीनी सीमा मुद्दे के औपचारिक समाधान के बावजूद ऐतिहासिक शिकायतों को दर्ज करना जारी रखते हैं।
    - शी जिनपिंग की "चीनी राष्ट्र के कायाकल्प" की बात ने रूस में चीनी प्रतिकार के बारे में आशंका बढ़ा दी है
    - चीन अभी भी लगभग 600,000 वर्ग मील के चीनी क्षेत्र में महत्वपूर्ण संदर्भ देता है कि जिस पर रूस ने 19 वीं शताब्दी के अंत में कथित रूप से कब्जा कर लिया था।
    - रूसी सुदूर पूर्व में चीनी प्रवास पर रूस भी चिंतित है।

निष्कर्ष

- चीन-रूस संबंधों की नई वास्तविकता इस प्रकार है जहां द्विपक्षीय सहयोग का पर्याप्त विस्तार बढ़ती विषमता और चीन के पूर्व-प्रसार के साथ है।
- मॉस्को स्थायी रूप से 'छोटा साथी' बनने के वास्तविक खतरे में है।
- भारत और रूस की साझा धारणा है कि बहुपक्षीयता का कुछ रूप किसी भी प्रकार के चीन-.US. से बेहतर है। इसलिए, भारत-रूस संबंध दोनों ओर से अधिक ध्यान देने योग्य है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- साइबेरिया की शक्ति
- बेल्ट एंड रोड पहल

चीन ने पाकिस्तान नौसेना के लिए युद्धपोत की शुरूआत की

GS-प्रीलिम्स और GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; GS-III - सुरक्षा चुनौतियां का हिस्सा

समाचार में:

- चीन ने पाकिस्तान के लिए चार उन्नत नौसैनिक युद्धपोतों में से पहला प्रक्षेपण किया है।

- पहले युद्धपोत के लिए लॉन्चिंग समारोह शंघाई के हुडोंगझुआ शिपयार्ड में आयोजित किया गया था।
- पहला जहाज टाइप-054 क्लास फ्रिगेट का है।
- नवीनतम सतह, उपसतह, हवा विरोधी हथियार, लड़ाकू प्रबंधन प्रणाली, और सेंसर से लैस है।
- यह पाकिस्तान नौसेना के बेड़े के तकनीकी रूप से उन्नत सतह प्लेटफार्मों में से एक होगा।

राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) - एशिया के लिए परिवहन पहल (TIA)

GS-प्रीलिम्स और GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; अंतर्राष्ट्रीय समूहीकरण और GS-III - बुनियादी सुविधाओं का हिस्सा:

समाचार में:

- भारत घटक राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC)-एशिया के लिए परिवहन पहल (TIA) हाल ही में शुरू किया गया है। नीति आयोग द्वारा शुरू किया गया है।

उद्देश्य: भारत, वियतनाम और चीन में परिवहन को विकार्बनन करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।

मुख्य बिन्दु

- NDC-TIA एक संयुक्त कार्यक्रम है।
- पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण और परमाणु सुरक्षा (BMU) के लिए जर्मन मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय जलवायु पहल (IKI) द्वारा समर्थित।
- सात विभिन्न संगठनों के संघ द्वारा लागू
- NDC-TIA कार्यक्रम की अवधि 4 वर्ष है।
- NDC-TIA भारत घटक पर ध्यान केंद्रित करेंगे:
- GHG और परिवहन मॉडलिंग क्षमताओं को मजबूत करना
- GHG उत्सर्जन कटौती उपायों पर तकनीकी सहायता प्रदान करना
- परिवहन में जलवायु कार्यों का वित्तपोषण
- इलेक्ट्रिक वाहन (EV) मांग और आपूर्ति नीतियों आदि पर नीतिगत सिफारिशों की पेशकश करना।

श्रीलंका एक नए संविधान का मसौदा तैयार करेगा

GS-प्रीलिम्स और GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा

समाचार में:

- श्रीलंका नए संविधान का मसौदा तैयार करेगा और 19वें संशोधन को समाप्त करेगा।
- संशोधन ने राष्ट्रपति की शक्तियों में कटौती की और संसद की भूमिका को मजबूत किया।
- श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (SLPP) ने हाल ही में हुए संसदीय चुनाव (अगस्त 2020) में भारी जीत हासिल की है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

19वां संशोधन

- इसे 2015 में पारित किया गया था।
- इसमें राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों को कम करने की मांग की गई।
- इसने न्यायपालिका, जनसेवा और चुनाव जैसे प्रमुख स्तंभों की स्वतंत्रता को भी मजबूत किया
- nsIt ने राष्ट्रपति पद की दो कार्यकाल की सीमा को वापस लिया।
- इसका सिविल सोसाइटी के सदस्यों सहित कई लोगों ने प्रगतिशील कानून के रूप में स्वागत किया।
- श्रीलंका के संविधान को 1978 से 19 बार बदला गया है, जिससे काफी अनिश्चितताएं और भ्रम पैदा हो रहे हैं

सीमा कार्य समूह: भारत-नेपाल

GS-प्रीलिम्स और GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा

समाचार में:

- हाल ही में, यह बताया गया है कि नेपाल ने अगस्त अंत या सितंबर 2020 की शुरुआत में सीमा कार्य समूह (BWG) की बैठक का प्रस्ताव किया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- सीमा कार्य समूह (BWG)
- यह 2014 में भारत और नेपाल की सरकारों द्वारा गठित एक संयुक्त संस्था है।

उद्देश्य: 'मानव रहित भूमि' और अन्य तकनीकी कार्यों की मंजूरी सहित सीमा स्तंभों के निर्माण, जीर्णोद्धार और मरम्मत के क्षेत्रों में कार्य करना।

नेतृत्व: भारतीय सर्वेक्षण विभाग

- BWG विदेश सचिवों की बैठक से अलग है जिसमें कालापानी सीमा विवाद पर चर्चा की मांग की जा रही है।
- सीमा कार्य की समीक्षा करना एक महत्वपूर्ण तंत्र है।
- BWG की जानकारियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उन्हें क्षेत्र स्तर के सर्वे के आधार पर सरकारों को दिया जाता है ।

वैक्सीन राष्ट्रवाद

- अंतिम चरण के मानव परीक्षणों या नियामक अनुमोदन के अंत से पहले, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका जैसे कई अमीर देशों ने कोविड-19 वैक्सीन निर्माताओं के साथ खरीद पूर्व समझौतों में प्रवेश किया है
- जब कोई देश अपने नागरिकों या निवासियों के लिए टीकों की खुराक सुरक्षित करने का प्रबंधन करता है और अन्य देशों में उपलब्ध कराए जाने से पहले अपने घरेलू बाजारों को प्राथमिकता देता है तो इसे ' वैक्सीन राष्ट्रवाद ' के रूप में जाना जाता है ।
- देश पूर्व खरीद समझौतों के लिए जा रहे हैं क्योंकि कंपनियों द्वारा इस तरह के टीकों के निर्माण की लंबी अवधि के लिए है। यह अनुमान लगाया गया है कि 2022 की पहली तिमाही तक दुनिया भर में आपूर्ति 1 बिलियन खुराक तक नहीं पहुंच सकती है।

नैतिक पहेली: वैक्सीन राष्ट्रवाद वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य सिद्धांतों के खिलाफ चलाता है, वहां अंतरराष्ट्रीय कानूनों में कोई प्रावधान नहीं है कि पूर्व खरीद समझौतों को रोकने के हैं ।

इस तरह की गतिविधि का प्रभाव

- **असमान पहुंच:** इस तरह के अग्रिम समझौतों प्रारंभिक कुछ टीकों को अमीर देशों के अलावा हर किसी के लिए सस्ती और दुर्गम बना देगा
- **संकट को गहरा करती है:** राष्ट्र जिनके पास संभवत: Covid-19 का टीका है,उसकी जमाखोरी से अन्य देशों में महामारी घातक हो जाएगी।
- **वैश्विक आर्थिक सुधार धीमा होगा:** यदि बड़ी संख्या में मामलों वाले देश वैक्सीन प्राप्त करने में पिछड़ जाते हैं, तो यह बीमारी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करती रहेगी और नतीजतन, दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित होगी।

क्या वैक्सीन राष्ट्रवाद नया है?

- इसी तरह की स्थिति H1N1 फ्लू महामारी के दौरान 2009 में हुई थी ।
- ऑस्ट्रेलिया ने सबसे पहले टीका बनाया था एवं निर्यात को अवरुद्ध कर दिया था, जबकि कुछ सबसे धनी देशों ने कई दवा कंपनियों के साथ खरीद पूर्व-समझौतों कर लिया था।
- अकेले अमेरिका ने 600,000 खुराक खरीदने का अधिकार प्राप्त कर लिया।

- यह तभी हुआ जब H1N1 महामारी घटने लगी कि विकसित देशों ने गरीब अर्थव्यवस्थाओं को वैक्सीन की खुराक दान करने की पेशकश की।
- हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि H1N1 एक मामूली बीमारी थी और इसका प्रभाव Covid-19 से कहीं कम था

वैकल्पिक मार्ग: वैश्विक सहयोग-साझा परिमित आपूर्ति रणनीतिक और विश्व स्तर पर।

- WHO, महामारी तैयारी नवाचारों के लिए गठबंधन, और Gavi एक "Covax सुविधा" के रूप में जाना जाता पहल के साथ आए हैं।
- इस सुविधा का उद्देश्य मुख्य रूप से कम और मध्यम आय वाले देशों में तैनाती और वितरण के लिए अगले वर्ष के अंत तक कोविड-19 टीकों की कम से 2 बिलियन खुराकें खरीदना है।
- अब तक, 170 से अधिक देशों ने रुचि व्यक्त की है: लगभग 90 कम और मध्यम आय वाले देश और 80 पूरी तरह से स्व-वित्तपोषण देश।
- इस पहल में शामिल होने वाले देशों को जब भी सफल होते हैं तो टीकों की आपूर्ति का आश्वासन दिया जाता है।
- इसके अलावा, देशों को अपनी आबादी का कम से 20 प्रतिशत की रक्षा के लिए सुनिश्चित आपूर्ति मिलेगी।

आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल

संदर्भ: COVID-19 और चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच व्यापार तनाव के साथ आपूर्ति श्रृंखला की धमकी या वास्तव में बाधाओं के कारण, जापान ने आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (SCRI) को व्यापार के लिए एक त्रिपक्षीय दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत किया है, भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ अन्य दो भागीदारों के रूप में।

आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन का क्या मतलब है?

- जब समनुक्रम आपूर्ति के लिए एक देश पर निर्भर है, आयात राष्ट्रों पर प्रभाव गंभीर हो सकता है अगर वह स्रोत जानबूझकर उत्पादन बंद हो जाता है (आर्थिक मंजूरी) या अनजाने में (प्राकृतिक आपदा)।
- उदाहरण: जापान ने चीन से $169 बिलियन मूल्य का आयात किया, जो उसके कुल आयात का 24% है। चीन से जापान का आयात फरवरी 2020 में आधे से गिर गया जिससे जापान की आर्थिक गतिविधि प्रभावित हुई।
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन एक दृष्टिकोण है जो किसी देश को यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि उसने सिर्फ एक या कुछ पर निर्भर होने के बजाय आपूर्ति राष्ट्रों के एक समूह में अपनी आपूर्ति जोखिम को विविध किया है

SCRI का उद्देश्य क्या है?

- जापानी प्रस्ताव का दो गुना उद्देश्य हिंद-प्रशांत को आर्थिक महाशक्ति में बदलने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करना और साझेदार देशों के बीच पारस्परिक रूप से पूरक संबंध बनाना है।
- प्रस्ताव के तहत, इसका उद्देश्य मौजूदा द्विपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क पर निर्माण करने की योजना तैयार करना है।
- भारत और जापान के पास पहले से ही भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धा साझेदारी है जो भारत में जापानी फर्मों का पता लगाने से संबंधित है।
- भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक समझ उभरने के बाद आसियान देशों के लिए भी इस पहल को खुला रखा जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की स्थिति ?

- चीन ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और ऑस्ट्रेलिया के निर्यात का 32.6% है, जिसमें लौह अयस्क, कोयला और गैस हावी उत्पादों को भेज दिया गया है।
- लेकिन ऑस्ट्रेलिया और चीन के बीच व्यापारिक संबंधों सहित संबंध अब कुछ समय से खराब हो रहे हैं।

- चीन ने मई 2020 में चार ऑस्ट्रेलियाई फर्मों से बीफ आयात पर प्रतिबंध लगा दिया और ऑस्ट्रेलियाई जौ पर आयात शुल्क लगाया।
- जून 2020 में, चीन के शिक्षा मंत्रालय ने अपने छात्रों को चेतावनी दी कि वे ऑस्ट्रेलिया में अध्ययन करने या पहले से ही अध्ययन करने के इच्छुक हैं, उस देश में ' बढ़ती नस्लवाद ' की।
- ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत पहले से ही एक और अनौपचारिक समूह, चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता, या ट्रैक्टर, जो अमेरिका भी शामिल है का हिस्सा हैं

भारत किस स्थिति में है, लाभ या हानि

- यह महत्वपूर्ण है कि जापान ने भारत को शामिल करने की पहल की है, बावजूद इसके कि भारत ने RCEP से बाहर निकाला कि जापान ने एक साथ बांधने में मदद की
- भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव के बाद जापान जैसे साझेदारों ने यह महसूस किया है कि भारत वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर बातचीत के लिए तैयार हो सकता है।
- लेकिन एक आंतरिक धक्का अचानक चीन के साथ संबंधों में कटौती अव्यावहारिक होगा
  - 2018 में भारत में आयात का चीन का हिस्सा (चीन द्वारा आपूर्ति की गई शीर्ष 20 वस्तुओं को ध्यान में रखते हुए) 14.5% था,
  - चीनी आपूर्ति भारतीय अर्थव्यवस्था के खंडों पर हावी
  - पैरासिटामोल जैसी दवाओं के लिए सक्रिय फार्मास्यूटिकल सामग्री जैसे क्षेत्रों में भारत पूरी तरह से चीन पर निर्भर है।
  - इलेक्ट्रॉनिक्स में, चीन भारत के आयात का 45% है

आगे की दिशा

- SCRI पहल रणनीति के स्तर पर है और प्रतिभागियों को व्यापार लाभ का एहसास कर सकते है इससे पहले कि कुछ रास्ता तय करना है
- समय के साथ, यदि भारत आत्मनिर्भरता को बढ़ाता है या चीन के अलावा अन्य निर्यातक राष्ट्रों के साथ काम करता है, तो यह अर्थव्यवस्था के आपूर्ति नेटवर्क में लचीलापन बना सकता है।
- साथ ही, भारत को 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और स्किल बिल्डिंग (कौशल निर्माण) में प्रगति में तेजी लाने की जरूरत है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी
- अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध

तुर्की-ग्रीस गतिरोध

GS-प्रीलिम्स और GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा

समाचार में:

- हाल ही में फ्रांस ने इस क्षेत्र में हाल ही में खोजे गए गैस भंडारों को लेकर ग्रीस और तुर्की के बीच तनाव के बीच पूर्वी भूमध्य सागर में अपनी सेना तैनात की है।

मुख्य बिन्दु

- पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में यूरोपीय संघ और उसके सहयोगियों ने गैस के परिवहन के लिए भूमध्य सागर से यूरोप की मुख्य भूमि तक गैस पाइपलाइन बनाने की योजना बनाई।
- गैस परिवहन रूस पर यूरोपीय संघ की निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी।
- हालांकि उन्होंने तुर्की को इससे बाहर रखा है।
- तुर्की ने यूरोपीय संघ पाइपलाइन परियोजना को चुनौती दी है।

- यह लीबिया के साथ अपने दक्षिणी तटों से भूमध्य सागर के पार लीबिया के उत्तरी तट तक एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) बनाने के लिए एक समझौते पर पहुंच गया है।

ग्रीस का दावा:

- तुर्की क्षेत्र ने अपनी समुद्री संप्रभुता का उल्लंघन किया।
- इसने मिस्र के साथ अपने EEZ की घोषणा की है, जिसकी तुर्की के क्षेत्र के साथ झड़प हुई।
- इस सौदे पर प्रतिक्रिया के तौर पर तुर्की ने अपना सर्वे शिप कास्टेलोरिज़ो इलाके के द्वीप के पास भेजा है।
- इस क्षेत्र का उल्लेख ग्रीस-मिस्र समझौते में किया गया है।
- पिछले चार दशकों में ग्रीस और तुर्की कम से तीन बार युद्ध में गए हैं।
- वे हाइड्रोकार्बन संसाधनों के लिए ओवरलैपिंग दावों पर असहमत हैं।
- अब यूरोपीय संघ की सबसे ताकतवर सैन्य ताकत फ्रांस ने ग्रीस और साइप्रस के पीछे अपना वजन फेंक दिया है।
- ग्रीस, साइप्रस, इटली और फ्रांस के बीच भी एक गठबंधन उभर रहा है, जिसे मिस्र, इजराइल और UAE का समर्थन प्राप्त है
- तुर्की लगभग अलग खड़ा है, लेकिन भूमध्य सागर में एक महत्वपूर्ण शक्ति बनी हुई है।

UAE ने पहले अरब परमाणु संयंत्र को पावर ग्रिड से जोड़ा

GS-प्रीलिम्स और GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS-III - ऊर्जा संसाधन का हिस्सा

समाचार में:

- UAE ने हाल ही में अरब जगत के लिए एक नए पहले में अपने बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ा है।
- UAE परमाणु ऊर्जा से अपनी 25 फीसद बिजली की जरूरतों को पूरा कर सकेगा।
- संयुक्त अरब अमीरात के पास पर्याप्त तेल और गैस भंडार हैं। इसके साथ-साथ इसने सौर ऊर्जा सहित स्वच्छ विकल्प विकसित करने में भारी निवेश किया है।
- इसके अलावा दुनिया के शीर्ष तेल निर्यातक सऊदी अरब की 16 परमाणु रिएक्टरों तक बनाने की योजना है।

- बाराकाह को कोरिया इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के नेतृत्व में एक संघ द्वारा कुछ $24.4 बिलियन की लागत से बनाया गया था।

तीस्ता चुनौती में चीन ने नया मोड ला दिया

संदर्भ: बांग्लादेश तीस्ता नदी पर एक व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना के लिए चीन से लगभग $1 बिलियन ऋण पर चर्चा कर रहा है

तीस्ता नदी के बारे में

- तीस्ता नदी ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी है (जिसे बांग्लादेश में जमुना के नाम से जाना जाता है)
- यह सिक्किम में हिमालय में निकलती है और बांग्लादेश में प्रवेश करने से पहले पश्चिम बंगाल के माध्यम से दक्षिण में बहती है, जहां यह ब्रह्मपुत्र के साथ विलीन हो जाती है
- तीस्ता में पानी के बंटवारे को लेकर भारत और बांग्लादेश में लंबे समय से विवाद चल रहा है।
- दोनों देश सितंबर 2011 में जल बंटवारे के समझौते पर हस्ताक्षर करने की कगार पर थे, जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह बांग्लादेश दौरे पर जाने वाले थे। लेकिन, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने इस पर आपत्ति जताई और सौदा विफल हो गया।
- बांग्लादेश ने 1996 की गंगा जल संधि (अपनी आपसी सीमा के पास फरक्का बैराज पर सतही जल साझा करने का समझौता) की तर्ज पर भारत से तीस्ता जल के "न्यायसंगत" वितरण की मांग की है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश के साथ भारत के रिश्ते कैसे हुए है?

- नई दिल्ली ढाका के साथ एक मजबूत रिश्ता रहा है, 2008 के बाद से, विशेष रूप से शेख हसीना सरकार के साथ यह और फला फुला है।
- **सुरक्षा सहयोग:**भारत को बांग्लादेश के साथ अपने सुरक्षा संबंधों से लाभ हुआ है, जिसकी भारत विरोधी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई से भारत सरकार को पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में शांति बनाए रखने में मदद मिली है।
- **आर्थिक और विकास साझेदारी:** पिछले दशक में द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है: 2018-19 में बांग्लादेश को भारत का निर्यात 9.21 अरब डॉलर था, और बांग्लादेश से 1.04 अरब डॉलर का आयात हुआ था।
- **लोगों से लोगों के बीच संबंध:** भारत बांग्लादेश के नागरिकों को चिकित्सा उपचार, पर्यटन, काम और सिर्फ मनोरंजन के लिए हर साल 15 से 20 लाख वीजा देता है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में क्या अड़चनें हैं?

- **NRC और CAA**: बांग्लादेश ने मंत्रियों के दौरे रद्द कर दिए थे, और प्रधानमंत्री हसीना ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के बारे में आपत्ति व्यक्त की है।
- **व्यापार असंतुलन:** बांग्लादेश का भारत के साथ व्यापार घाटा (2018019 में 8.20 अरब डॉलर) है जिसे वह कम करना चाहता है।
- **चीन की बढ़ोतरी:** बांग्लादेश ने अपनी ढांचागत परियोजनाओं के लिए चीनी निवेश को प्रणय निवेदन किया है। भारत के दबाव के बावजूद बांग्लादेश ने चीन के राष्ट्रपति शी द्वारा आयोजित बेल्ट एंड रोड फोरम में भाग लिया

बांग्लादेश और चीन के बीच संबंध कैसे विकसित हो रहे हैं?

- चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आयात का सबसे प्रमुख स्रोत है।
- 2019 में दोनों देशों के बीच व्यापार 18 अरब डॉलर का था और चीन से आयात ने सिंह के हिस्से की कमान संभाली थी।

- हाल ही में चीन ने बांग्लादेश से आयात के 97 फीसद पर शून्य शुल्क घोषित किया था। यह रियायत सबसे कम विकसित देशों के लिए चीन के शुल्क मुक्त, कोटा मुक्त कार्यक्रम से प्रवाहित हुई ।
- बांग्लादेश में इस कदम का व्यापक रूप से स्वागत किया गया है, इस उम्मीद के साथ कि चीन को बांग्लादेश का निर्यात बढ़ेगा ।
- चीन ने बांग्लादेश को करीब 30 अरब डॉलर की आर्थिक मदद देने का वादा किया है।
- चीन बांग्लादेश के लिए सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है और यह एक विरासत का मुद्दा रहा है-मुक्ति के बाद, पाकिस्तान सेना के अधिकारी-जो चीनी हथियारों से अच्छी तरह वाकिफ थे-बांग्लादेश सेना में शामिल हो गए और इस तरह उन्होंने चीनी हथियारों को तरजीह दी

तीस्ता पर हाल के कदम के बारे में चिंता का कारण

- इस परियोजना का उद्देश्य नदी बेसिन को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करना, बाढ़ को नियंत्रित करना और ग्रीष्मकाल में जल संकट से निपटना है ।
- यह ऐसे समय में आया है जब लद्दाख में गतिरोध के बाद भारत चीन को लेकर विशेष रूप से सावधान है।
- इससे पता चलता है कि चीन उपमहाद्वीप में भारत के प्रमुख और रणनीतिक स्थान (नेपाल उठा कलापानी मुद्दा और पाकिस्तान नया नक्शा जारी करने) में बड़ी पैठ बना रहा है।

आगे का मार्ग

- हालांकि तीस्ता परियोजना भारत के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण और अत्यावश्यक है, लेकिन 2021 के कारण पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले इसका समाधान करना मुश्किल होगा।
- इस दौरान दिल्ली चिंता के अन्य मुद्दों जैसे समाधान कर सकती है
- घोषित परियोजनाओं का समयबद्ध तरीके से कार्यान्वयन
- बांग्लादेश ने भारत में लॉकडाउन से प्रभावित तबलीगी जमात के सदस्यों की वापसी की मांग की, जिसकी जांच की जा सकती है
- ढाका में भारतीय उच्चायोग से वीजा जारी करने को फिर से खोलना, जिससे कई बांग्लादेशी मरीजों को मेडिकल चेकअप के लिए भारत आने में मदद मिलती है ।
- बेनापोल-पेट्रापोल लैंड पोर्ट के माध्यम से यात्रा फिर से खोलें जिसे पश्चिम बंगाल सरकार ने महामारी के मद्देनजर रोक दिया है।
- एक Covid-19 वैक्सीन के विकास में सहयोग, इसके परीक्षण सहित ।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- BCIM कॉरिडोर
- मुहम्मद यूनुस द्वारा सूक्ष्म वित्त मॉडल

जरूर पढिए

लड़कियों की शादी की उम्र के बारे में: द हिंदू (Link)

अधिवास आधारित आरक्षण के बारे में: द हिंदू (Link)

बिहार 2020 चुनावों के बारे में ECI's की चुनौती: द इंडियन एक्सप्रेस (Link)

UNHRC सीट पर क्यूबा के खिलाफ अमेरिका

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - अंतर्राष्ट्रीय मामले; अंतरराष्ट्रीय मामले का हिस्सा:

बारे में:

- अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों से आग्रह किया कि वे संगठन के मानवाधिकार परिषद में शामिल होने के लिए क्यूबा के व्यक्तव्य का समर्थन न करें।
- अमेरिकी प्रशासन ने क्यूबा की चिकित्सा सेवाओं की बिक्री, हवाना के विदेशी मुद्रा के मुख्य स्रोत को मानव तस्करी के रूप में वर्णित किया।

क्या आप जानते है?

- HRC के खिलाफ मुख्य आलोचना यह है कि - यह उन राज्यों से बना है जो अपने मानव अधिकारों के रिकॉर्ड के लिए नहीं जाने जाते हैं। (जो मानवाधिकारों के बहुत खराब उल्लंघनकर्ता हैं - चीन, क्यूबा और जॉर्डन)
- मानव अधिकारों का घोर उल्लंघन करने वाले देश अभी भी निकाय के सदस्य के रूप में चुने जाते हैं।
- क्यूबा, जो 2014 -2016 और 2017- 2019 में UNHRC पर बैठा, ने 2021- 2023 के लिए क्षेत्रीय रिक्तियों में से एक को भरने के लिए आवेदन किया है।
- सीटों को भौगोलिक रूप से वितरित किया जाता है और तीन साल की अवधि के लिए सम्मानित किया जाता है। सदस्य लगातार दो कार्यकालों की सेवा के बाद फिर से चुनाव के लिए पात्र नहीं हैं।

UNHRC के बारे में

- UNHRC एक संयुक्त राष्ट्र संस्था है जिसका मिशन दुनिया भर में मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना है।
- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर एक अंतर-सरकारी निकाय है।
- यह संयुक्त राष्ट्र कार्यालय जिनेवा में मिलता है। UNHRC का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में है।
- UNHRC की स्थापना 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। यह 47 सदस्य देशों से बना है।

ओस्लो शांति समझौता

GS प्रीलिम्स और GS मेन्स III - अंतर्राष्ट्रीय मामले का हिस्सा:

संदर्भ: 1990 के दशक के ओस्लो शांति दूतों ने वेस्ट बैंक के कुछ हिस्सों में फिलिस्तीनियों को स्व-शासन दिया।

बारे में:

- ओस्लो समझौते 1990 के दशक में इजरायल और फिलिस्तीनियों के बीच हुए समझौतों की एक श्रृंखला है।
- ओस्लो I (1993) को औपचारिक रूप से सिद्धांतों की घोषणा के रूप में जाना जाता है (DOP) ने मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया के लिए एक समय सारिणी की स्थापना की। इसने वेस्ट बैंक में गाजा और जेरिको में एक अंतरिम फिलिस्तीनी सरकार के लिए योजना बनाई।
- ओस्लो द्वितीय ने आधिकारिक तौर पर वेस्ट बैंक और इजरायल-फिलिस्तीनी अंतरिम समझौते को वेस्ट बैंक और गाजा (1995) कहा, का विस्तार ओस्लो I पर किया गया।

ओस्लो II शामिल है -

- छह वेस्ट बैंक शहरों और लगभग 450 शहरों से इजरायली सैनिकों की पूर्ण वापसी के लिए प्रावधान।
- फिलिस्तीनी विधान परिषद के चुनाव के लिए समय सारिणी।

- अंतरिम संधि को केवल पिछले पांच वर्षों के लिए माना गया था जबकि एक स्थायी समझौते को अंतिम रूप दिया गया था, लेकिन यह दो दशकों से अधिक समय से शांति से लुढ़का हुआ है।
- यरूशलेम के सवाल को ओस्लो समझौते के तहत अनिर्णीत छोड़ दिया गया था

बाल श्रम पर ILO सम्मेलन

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - सामाजिक / बाल मुद्दा; अंतर्राष्ट्रीय संगठन और सम्मेलन का हिस्सा:

समाचार:

- सभी 187 देश जो संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के सदस्य हैं, ने अब बच्चों को गुलामी, वेश्यावृत्ति और तस्करी सहित बाल श्रम के सबसे बुरे रूपों से बचाने के लिए एक सम्मेलन संख्या 182 की पुष्टि की है। प्रशांत द्वीप राष्ट्र टोंगा संधि की पुष्टि करने वाला अंतिम देश बन गया।
- बाल श्रम पर दो ILO सम्मेलन न्यूनतम आयु पर सम्मेलन संख्या 18 और बाल श्रम के सबसे बुरे रूपों पर सम्मेलन संख्या 182 हैं।
  - न्यूनतम आयु पर ILO सम्मेलन संख्या 23 का उद्देश्य, देशों को आवश्यकता के अनुसार बाल श्रम का प्रभावी उन्मूलन है: 1) काम या रोजगार में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु स्थापित करना; और 2) बाल श्रम के उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय नीतियां स्थापित करना।
  - सिफारिश संख्या 146 जो सम्मेलन संख्या 138 के साथ होती है, उस पर जोर देती है कि राष्ट्रीय नीतियों और योजनाओं के लिए प्रदान करना चाहिए: गरीबी उन्मूलन और वयस्कों के लिए सभ्य नौकरियों का प्रचार, ताकि माता-पिता को बाल श्रम का सहारा लेने की आवश्यकता न हो; मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण का प्रावधान; जन्म पंजीकरण के लिए सामाजिक सुरक्षा और प्रणालियों का विस्तार; और बच्चों, और काम करने वाले किशोरों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त सुविधाएं।
  - सम्मेलन संख्या 182 देशों को तात्कालिक, प्रभावी और समयबद्ध उपाय करने के लिए देशों को तत्काल श्रम के सबसे खराब रूपों को समाप्त करने के लिए देशों की आवश्यकता होती है।
  - सिफारिश संख्या 190, जिसमें कन्वेंशन नंबर 182 शामिल है, की सिफारिश है कि "खतरनाक काम" की किसी भी परिभाषा में शामिल होना चाहिए: वह कार्य जो बच्चों को शारीरिक, मनोवैज्ञानिक या यौन शोषण के लिए उजागर करता है; खतरनाक ऊंचाइयों पर या सीमित स्थानों में भूमिगत, पानी के नीचे काम करते हैं; खतरनाक मशीनरी, उपकरण और उपकरण या भारी भार ले जाने के साथ काम करना; खतरनाक पदार्थों, एजेंटों या प्रक्रियाओं के संपर्क में, या तापमान, शोर के स्तर या स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कंपन; नियोक्ता के परिसर में लंबे समय तक काम करना, रात में काम करना, और अनुचित कारावास।

- **भारत द्वारा इन सम्मेलनों की पुष्टि की गई है**
  - ILO के मुख्य सम्मेलन: - ILO के आठ मुख्य सम्मेलन (जिसे मौलिक / मानवाधिकार सम्मेलन भी कहा जाता है):
  - मजबूर श्रम सम्मेलन (संख्या 29)
  - मजबूर श्रम सम्मेलन का उन्मूलन (संख्या 105)
  - समान पारिश्रमिक सम्मेलन (संख्या 100)
  - भेदभाव (रोजगार पर कब्जा) सम्मेलन (संख्या 111)
  - न्यूनतम आयु सम्मेलन (संख्या 138)
  - बाल श्रम सम्मेलन का सबसे खराब रूप (संख्या 182)
  - भारत द्वारा इन सम्मेलनों की पुष्टि नहीं की गई है

- संघ की स्वतंत्रता और संगठित कन्वेंशन का अधिकार संरक्षण (संख्या 87)
- संगठित और सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार (संख्या 98)

UAE, इज़राइल सौदे के बाद सीधे फोन सेवा स्थापित करते हैं

GS प्रीलिम्स और GS - II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध; द्विपक्षीय समझौते का हिस्सा:

संदर्भ:अमीरात के एक अधिकारी ने कहा, इजरायल और UAE के विदेश मंत्रियों ने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए शांति समझौते के बाद अपने पहले घोषित आह्वान में दोनों देशों के बीच रविवार को सीधी फोन सेवाओं का उद्घाटन किया।

- UAE ऐसा करने वाला पहला खाड़ी अरब राज्य बन गया है और केवल तीसरे अरब राष्ट्र के पास इजरायल के साथ सक्रिय राजनयिक संबंध हैं।

संयुक्त अरब अमीरात पर प्रभाव:

- सौदा UAE के अंतर्राष्ट्रीय अभियान को एक सहिष्णुता के प्रकाशस्तम्भ के रूप में देखा जा सकता है
- मध्य पूर्व निरंकुश शासकों द्वारा शासित होने के बावजूद।
- यह संयुक्त अरब अमीरात को पड़ोसी खाड़ी अरब राज्यों में एक क्षेत्रीय मान्यता दौड़ में प्रथम स्थान पर रखता है।

इज़राइल पर प्रभाव:

- यह घोषणा इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साल भर के दावों को सही ठहराती है कि उनकी सरकार अरब देशों के साथ सार्वजनिक रूप से स्वीकार किए जाने के करीब है।
- यह सौदा नेतन्याहू को एक ऐसे समय में एक घरेलू बढ़ावा देता है जब इजरायल की गठबंधन सरकार का सामना करना पड़ रहा है और जल्दी चुनाव की संभावना है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

- सौदे के तहत, इज़राइल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बड़े हिस्से को हटाने की अपनी योजना को निलंबित कर दिया।
- वेस्ट बैंक इजरायल और जॉर्डन के बीच स्थित है। इसके प्रमुख शहरों में से एक, फिलिस्तीन की प्रशासनिक राजधानी, रामल्लाह है।
- इज़राइल ने छह-दिवसीय अरब-इज़राइली युद्ध, 1967 में इसे अपने नियंत्रण में ले लिया था और वर्षों में वहाँ बस्तियाँ स्थापित की थीं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और इज़राइल का एक संयुक्त बयान जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि आने वाले हफ्तों में प्रतिनिधिमंडल सीधी उड़ानों, सुरक्षा, दूरसंचार, ऊर्जा, पर्यटन और स्वास्थ्य देखभाल पर सौदों पर हस्ताक्षर करेगा।
- दोनों राष्ट्र एक साथ कोविद -19 महामारी से लड़ने पर भी भागीदार होंगे।
- यह स्पष्ट नहीं है कि इजरायल और यूएई ने अब घोषणा करने के लिए क्या संकेत दिया।

- जून 2020 में, संयुक्त राज्य अमेरिका में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत ने चेतावनी दी कि जॉर्डन घाटी और कब्जे वाले वेस्ट बैंक के अन्य हिस्सों को रद्द करने की इसराइल की योजना अरब राष्ट्रों के साथ संबंधों में सुधार के लिए इसराइल के प्रयासों को बढ़ाएगी।

अब्राहम समझौता: UAE-इजरायल शांति समझौता

संदर्भ: अमेरिका, इजरायल और UAE द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में, तीन देशों के नेताओं ने इजरायल और UAE के बीच संबंधों के पूर्ण सामान्यीकरण पर सहमति व्यक्त की।

- इस समझौते को अब्राहम समझौता कहा जाएगा, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने करवाया है।

इस समझौते के खंड क्या हैं?

- इस सौदे में कहा गया है कि यूएई इजरायल राज्य को मान्यता देगा और उसके साथ औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित करेगा, जबकि इजरायल फिलिस्तीनी वेस्ट बैंक के स्वैच्छिक अनुबंध की अपनी विवादास्पद योजना को रोक देगा।
- अगले कुछ हफ्तों में, इजरायल और UAE सहयोग के अन्य क्षेत्रों के अलावा, द्विपक्षीय संबंधों और निवेश, पर्यटन, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, पर्यावरण के मुद्दों और दूतावासों की स्थापना के क्षेत्रों को कवर करेंगे।
- संयुक्त बयान में उल्लेख किया गया है कि इजरायल और यूएई भी "लोगों के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करेंगे"।
- बयान में यह भी कहा गया है कि इज़राइल अब अरब और मुस्लिम दुनिया के अन्य देशों के साथ संबंधों के विस्तार पर अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करेगा, और अमेरिका और यूएई उस लक्ष्य को प्राप्त करने में उसकी सहायता करेंगे।

क्या आप जानते है?

- जॉर्डन और मिस्र को छोड़कर, इजरायल के फिलिस्तीनियों के साथ लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष के कारण खाड़ी अरब राज्यों के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं
- इजरायल ने 1979 में मिस्र के साथ और 1994 में जॉर्डन के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- हालांकि, आधिकारिक राजनयिक संबंधों की अनुपस्थिति के बावजूद, इजरायल व्यापार जैसे मुद्दों के संबंध में अपने पड़ोसियों के साथ उलझता रहा है।

इस समझौते के पीछे क्या राजनीति हैं?

- **इज़राइल की घरेलू राजनीति**: पीएम नेतन्याहू, जो कोरोनोवायरस के प्रकोप का सामना कर रहे हैं और भ्रष्टाचार के मुकदमे में हैं, उनकी छवि को पुनर्जीवित करने के लिए इस समझौते पर बैंकिंग हो सकता है।
- **USA की घरेलू राजनीति:** अमेरिका द्वारा बीचोलिए किए गए इस समझौते को नवंबर के चुनावों से पहले राष्ट्रपति ट्रम्प की कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जाता है, जहां वह फिर से चुनाव चाहता है। उनकी अन्य विदेश नीति के दांव - ईरान, उत्तर कोरिया या अफगानिस्तान - विनाशकारी या अनिर्णायक थे।
- **UAE की राजनीति:** इस समझौते ने अपने अंतर्राष्ट्रीय अभियान को निरंकुश शासकों द्वारा शासित होने के बावजूद पश्चिम एशिया में सहिष्णुता के बीकन के रूप में देखा जाता है।
- **ईरान को अलग-थलग करने के लिए:** इस समझौते से क्षेत्र के सुन्नी अरब राज्यों और यहूदी-बहुल इज़राइल के लिए अपने सामान्य दुश्मन शिया ईरान के खिलाफ क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

फ़लस्तीनी इस बारे में क्या सोचते हैं?

- फिलिस्तीनियों ने लंबे समय तक स्वतंत्रता के लिए अपने संघर्ष में अरब पर भरोसा किया है। इस घोषणा ने एक जीत और झटका दोनों को चिह्नित किया।
- यह एक जीत है क्योंकि सौदा इजरायल के विनाश की योजना को रोक देता है।
- यह एक झटका है क्योंकि फिलिस्तीनियों ने बार-बार अरब सरकारों से इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य नहीं करने का आग्रह किया है जब तक कि एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए शांति समझौता नहीं हुआ है।
- फिलिस्तीन का कहना है कि संयुक्त अरब अमीरात अरब शांति पहल से दूर चला गया है:
- यह एक सऊदी अरब अरब अरब लीग द्वारा समर्थन पहल है कि कब्जे वाले क्षेत्रों से अपनी पूरी वापसी के बदले में इसराइल को मान्यता की पेशकश की है (1967 से पूर्व सीमाओं पर लौटने)

समझौते का महत्व

- इस समझौते से पता चलता है कि कैसे अरब देश धीरे से फिलिस्तीन के सवाल से खुद को अलग कर रहे हैं
- यह सौदा संयुक्त अरब अमीरात को अमेरिका में काफी सद्भावना खरीदता है, जहां यमन युद्ध में उसकी संलिप्तता से उसकी छवि धूमिल हुई है।
- बहरीन और ओमान जैसे क्षेत्र के अन्य खाड़ी राज्य सूट का पालन कर सकते हैं और इसराइल के साथ इसी तरह के समझौतों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं
- यदि अरब राज्यों लाइन में गिर करते हैं, यह नाटकीय रूप से इसराइल के साथ एक विरोधी ईरान गठबंधन में इस क्षेत्र में सभी सुन्नी देशों लाएगा
- दक्षिण एशिया में, यह पाकिस्तान को एक बांध में डाल देगा, चाहे संयुक्त अरब अमीरात के कदमों का पालन किया जाए (फिलिस्तीन के इस्लामी कारण को देने के रूप में देखा जाएगा) या संयुक्त अरब अमीरात का पालन नहीं करना (चूंकि यह पहले से ही कश्मीर मामले को नहीं लेने पर सउदी के साथ विवाद में है, पाकिस्तान एक और शत्रुतापूर्ण इस्लामी देश का जोखिम नहीं उठा सकता)

निष्कर्ष

- फिलिस्तीनी नेतृत्व को अपनी ओर से पश्चिम एशिया में उभरती वास्तविकता को समझना चाहिए-अरब-इजरायल संघर्ष करीब आ रहा है, लेकिन फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष बिना किसी राहत के जारी रहना है।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- इसराइल-फिलिस्तीन संघर्ष
- संयुक्त राज्य अमेरिका की पश्चिम एशिया शांति योजना

भारत और दुनिया

14 वीं भारत-सिंगापुर रक्षा नीति वार्ता आयोजित

GS-प्रीलिम्स और GS- II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध का हिस्सा

समाचार में:

- 14 वीं भारत-सिंगापुर रक्षा नीति वार्ता (DPD) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी।
- भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय रक्षा कार्यों के कई मुद्दों पर चर्चा हुई।
- भारत और सिंगापुर के बीच मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) पर कार्यान्वयन व्यवस्था पर भी हस्ताक्षर किए गए।

ASEAN-India नेटवर्क ऑफ थिंक टैंक (AINTT) ने आयोजित किया

GS-प्रीलिम्स और जीएस- II - वैश्विक समूह; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध का हिस्सा:

समाचार में:

- आसियान-भारत नेटवर्क ऑफ थिंक टैंक (AINTT) की 6 वीं गोल मेज हाल ही में आयोजित की गई थी।
- भारतीय विदेश मंत्रालय और थाईलैंड के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित
- विषय: आसियान-भारत: Covid के बाद के समय में सुदृढ़ भागीदारी '।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

आसियान-भारत गोलमेज

- 2009 में थाईलैंड में 7 वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन की स्थापना।
- **उद्देश्य:** सहयोग की भावी दिशा पर सरकारों को नीतिगत इनपुट प्रदान करना।
- थिंक टैंक, नीति निर्माता, विद्वान, मीडिया और व्यापार प्रतिनिधि का संकलन:

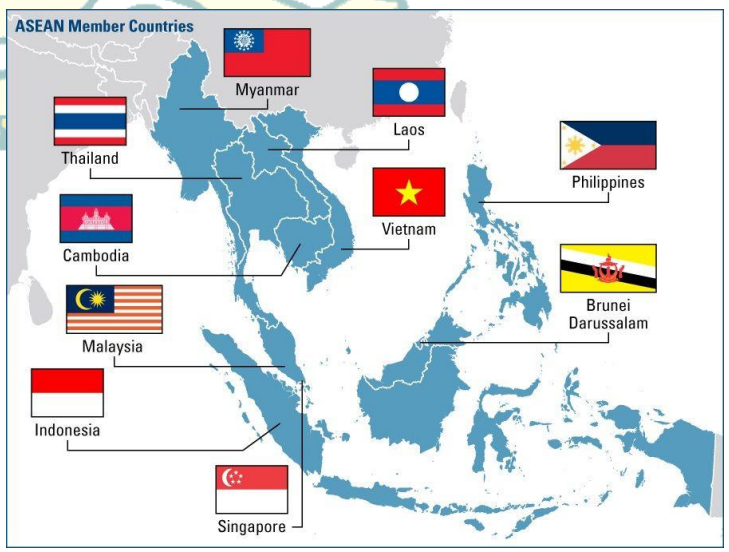

1947 समझौता त्रिपक्षीय समझौता

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - भारत-नेपाल संबंध; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध का हिस्सा

बारे में:

- यूनाइटेड किंगडम, भारत और नेपाल के बीच त्रिपक्षीय समझौता 1947 में सैन्य सेवा में गोरखाओं के अधिकारों से संबंधित एक संधि थी।
- 1947 में, भारत यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्र हो गया और ब्रिटिश और भारतीय सेनाओं के बीच गोरखा रेजिमेंट को विभाजित करने के लिए दोनों सरकारों के बीच निर्णय लिया गया - छह गोरखा इकाइयाँ नई भारतीय सेना का हिस्सा बन गईं, जबकि चार ब्रिटिश सेना में स्थानांतरित कर दी गईं ।
- इस व्यवस्था के एक भाग के रूप में, इस बात पर सहमति हुई कि ब्रिटिश और भारतीय सेवा में गोरखाओं को मोटे तौर पर सेवा की समान शर्तों का आनंद लेना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी न किसी या किसी न किसी में सेवा करने का कोई अनुचित लाभ हो, इस प्रकार गोरखा भर्ती क्षेत्रों में आर्थिक स्थिरता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखा जा सके ।
- इस प्रकार, यूनाइटेड किंगडम, भारत और नेपाल की सरकारें त्रिपक्षीय समझौते (TPA) पर हस्ताक्षर करने के लिए आई थीं।

खबरों में क्यों?

- नेपाल के मंत्री ने कहा कि गोरखा सैनिकों पर 1947 का समझौता निरर्थक हो गया है।
- गोरखा दिग्गजों का आरोप है कि यूनाइटेड किंगडम उनके साथ भेदभाव करता रहा है।

H -1 B वीजा का निलंबन और इसका प्रभाव

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - भारत के हितों को प्रभावित करने वाली विदेशी नीतियां; प्रवासी का हिस्सा

संदर्भ:

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने 23 जून को अमेरिकी कार्यकर्ता की सुरक्षा के लिए 2020 के अंत तक H1 B वीजा को अन्य प्रकार के विदेशी कार्य वीजा के साथ निलंबित कर दिया।
- ट्रम्प प्रशासन ने घोषणा की कि यह सस्ते विदेशी श्रम के लिए अमेरिकियों की गोलीबारी को बर्दाश्त नहीं करेगा।
- यह भारतीयों के लिए एक प्रमुख सेट होगा क्योंकि H-1 B वीजा के अधिकांश हिस्से भारतीयों को आवंटित किए गए थे।

भारतीयों पर प्रभाव

- H-1B और अन्य कार्य वीजा को निलंबित करने से कुशल पेशेवरों के आंदोलन को प्रभावित करने, और भारतीय नागरिकों और उद्योग पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- अमेरिका-भारत साझेदारी में लोगों का लोगों के साथ संबंध, साथ ही साथ प्रौद्योगिकी और नवाचार क्षेत्रों में व्यापार और आर्थिक सहयोग, एक महत्वपूर्ण आयाम है।

एक घरेलू रेटिंग एजेंसी के अनुसार –

- अमेरिका द्वारा H-1B वीजा के निलंबन से घरेलू IT फर्मों की कीमत 1,200 करोड़ रुपये होगी और उनके मुनाफे पर 0.25-0.30 प्रतिशत का मामूली असर पड़ेगा।

H-1B वीजा क्या है?

- H-1B आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत संयुक्त राज्य में एक वीजा है, जो अमेरिकी नियोक्ताओं को विशेष रूप से विदेशी कर्मचारियों को विशेष व्यवसायों में नियोजित करने की अनुमति देता है।

- एक विशेष व्यवसाय में एक विशेष ज्ञान और एक स्नातक की डिग्री या कार्य अनुभव के समकक्ष आवेदन की आवश्यकता होती है।
- रहने की अवधि तीन साल है और इसे छह साल तक बढ़ाया जा सकता है। एक बार यह अवधि समाप्त हो जाने के बाद, वीजा धारक को फिर से आवेदन करना होगा।

ऑपरेशन जिब्राल्टर

GS प्रीलिम्स और मेन्स II और III - भारत और पाकिस्तान संबंध; सुरक्षा मुद्दे का हिस्सा:

बारे में:

- ऑपरेशन जिब्राल्टर जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने और वहां भारतीय शासन के खिलाफ विद्रोह शुरू करने के लिए स्थानीय लोगों को उकसाने के लिए पाकिस्तान की रणनीति का दिया गया नाम था।
- पाकिस्तान ने विशेष रूप से इस नाम को स्पेन के मुस्लिम विजय के समानांतर खींचने के लिए चुना था जो जिब्राल्टर के बंदरगाह से लॉन्च किया गया था।

क्या आप जानते है?

- अगस्त 1965 में, पाकिस्तानी सेना के सैनिकों ने स्थानीय लोगों के रूप में प्रच्छन्न किया, कश्मीरी मुसलमानों के बीच उग्रवाद को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ जम्मू और कश्मीर से पाकिस्तान में प्रवेश किया। हालांकि
- खराब समन्वय के कारण रणनीति शुरू से ही खराब रही और घुसपैठियों को जल्द ही खोज लिया गया।
- ऑपरेशन ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध को छिड़ दिया, 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद से दोनों पड़ोसियों के बीच पहली बड़ी सगाई हुई।

भारत-पाकिस्तान: चिंताएँ

GS मेन्स II - भारत और उसके पड़ोसी; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध का हिस्सा

समाचार में:

- पाकिस्तान के प्रधान मंत्री ने पाकिस्तान के एक "नए राजनीतिक मानचित्र" का अनावरण किया जिसमें संपूर्ण जम्मू और कश्मीर के साथ-साथ गुजरात राज्य का जूनागढ़ शामिल हैं।
- भारत सरकार ने नए पाकिस्तान के नक्शे को "राजनीतिक गैरबराबरी" के रूप में खारिज कर दिया है।

क्या आप जानते है?

- ऐसे नक्शे 1947-48 में प्रकाशित हुए थे जब मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान के पहले जनरल गवर्नर थे

FATF की बैठक जल्द होगी

- पाकिस्तान की निष्क्रियता को उजागर करने के लिए अक्टूबर में भारत की महत्वपूर्ण वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) की बैठक।
- आतंक के खिलाफ कार्रवाई में पाकिस्तान के प्रदर्शन- वित्तपोषण के बुनियादी ढांचे का आकलन किया जाएगा।

भारत-चीन: चिंताएं

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - भारत और उसके पड़ोसी; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध का हिस्सा:

बारे में:

- भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में एक बंद दरवाजे की बैठक में कश्मीर मुद्दे पर चर्चा करने की चीनी पहल को खारिज कर दिया और दोहराया कि कश्मीर एक घरेलू मुद्दा है।
- चीन का प्रयास UNSC सदस्यों के पर्याप्त समर्थन को आकर्षित नहीं करता है।

क्या आप जानते है?

- चीन ने UNSC की बैठकों के दौरान कश्मीर मुद्दे को लाने का बार-बार प्रयास किया था।
- चीन द्वारा इस तरह के प्रयासों की आवृत्ति ने राजनयिकों को संयुक्त राष्ट्र के अंग की असमान प्रकृति को उजागर करने के लिए प्रेरित किया है, जहां एजेंडा यूएनएससी के स्थायी सदस्यों (P 5) द्वारा निर्धारित किया गया है।
- 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से पहले विश्व निकाय में कश्मीर मुद्दे को परिषद में नहीं रखा गया था।

पाकिस्तान के नए नक्शे पर

संदर्भ: 4 अगस्त 2020 को, पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान ने भारत के खिलाफ एक तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अपने देश के एक नए राजनीतिक मानचित्र का अनावरण किया।

पाकिस्तान के नए नक्शे में क्या बदलाव हैं?

- नए नक्शे में, पाकिस्तान जम्मू और कश्मीर के सभी का दावा करता है, इस प्रकार अब तक विवादित क्षेत्र के रूप में दिखाया गया है।
- नया नक्शा अपने नियंत्रण वाले कश्मीर के हिस्से से अलग गिलगित-बाल्टिस्तान का सीमांकन करने वाली रेखा खींचता है (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर)
- यह जम्मू और कश्मीर का नाम बदलकर "अवैध रूप से भारतीय अधिकृत जम्मू और कश्मीर" रख देता है।
- नया नक्शा लद्दाख पर अस्पष्ट है।
- यह सियाचिन और सर क्रीक पर भी दावा करता है
- जूनागढ़ (तटीय गुजरात का एक हिस्सा) पर एक नया और कुछ आश्चर्यजनक दावा किया गया

पाकिस्तान के नए नक्शे पर भारत की प्रतिक्रिया क्या है?

- भारत ने नक्शे को "गैरबराबरी की कवायद" के रूप में खारिज कर दिया है जिसने भारत में क्षेत्रों के लिए "अस्थिर दावे" किए हैं।
- भारत ने कहा कि इन हास्यास्पद दावों की न तो कानूनी वैधता है और न ही अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता।
- भारत ने यह भी कहा कि नए नक्शे के जारी होने से सीमा पार आतंकवाद द्वारा समर्थित पाकिस्तान के "क्षेत्रीय एकीकरण के साथ जुनून" की पुष्टि होती है

पाकिस्तान के नए मानचित्र पर भारत की प्रतिक्रिया:

- **उकसावे पर लक्षित:** नक्शा जारी करने के पाकिस्तान के फैसले को 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के भारत के फैसले के बदले में एक शीर्षक के लिए युद्धाभ्यास माना जाता है।
- **पिछले दशकों में हुई प्रगति का वर्णन:** नए दावे भारत के साथ कई समझौतों को वापस ले लेंगे जो पिछले 70 वर्षों में समेटे हुए हैं
- **लद्दाख का मुद्दा:** जम्मू-कश्मीर के सभी पर पाकिस्तान का दावा, लद्दाख नहीं, भारत के साथ तत्कालीन शाही राज्य जम्मू-कश्मीर (जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, पीओके और अक्साई चिन) के सभी छह हिस्सों के भविष्य का फैसला करने की अपनी प्रतिबद्धता के खिलाफ है ।
- **प्रतिगामी कदम:** जबकि दोनों पक्ष सियाचिन में गतिरोध पर पहुंच गए थे, सर क्रीक समझौते ने काफी प्रगति की थी, और 2007 में एक राजनीतिक घोषणा को लंबित करते हुए कथित रूप से हल भी किया गया था।
- **भविष्य के प्रस्तावों के लिए अनुकूल नहीं:** सर क्रीक और सियाचिन विवादित क्षेत्रों के बिना थे, और उन पर पाकिस्तान का एकतरफा दावा भविष्य के संकल्प के लिए सहायक या अनुकूल नहीं है।

- **एक पूरे नए विवाद को खोलता है:** जबकि जूनागढ़ विभाजन के समय विवाद में था, एक जनमत संग्रह आयोजित होने के बाद यह मुद्दा सफलतापूर्वक हल हो गया था। इस सुलझे हुए मामले का नया दावा करने से विवाद के नए मोर्चे खुल गए हैं।
- **विवाद का अंतर्राष्ट्रीयकरण:** पाकिस्तान के नए नक्शे का उद्देश्य भारत को भड़काना और सीमा विवादों का अंतर्राष्ट्रीयकरण करना है।
- **त्रि-आयामी मानचित्र संबंधी चुनौती:** पाकिस्तान की कार्रवाइयाँ मानचित्र-संबंधित मुद्दों के साथ आती हैं, भारत आज दो अन्य मोर्चों पर सामना कर रहा है: लद्दाख पर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ, और कालापानी और लिंपियाधुरा में नेपाल के साथ

आगे का मार्ग

- यह कोई संयोग नहीं है कि सभी तीन देशों ने नई दिल्ली में नवंबर 2019 में जारी किए गए नक्शे पर आपत्ति जताई थी, अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। भारत को उनका सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- भारत-चीन सीमा पर झड़प
- हैदराबाद का अनुबंध (ऑपरेशन पोलो)

भारत और पाकिस्तान के मछुआरों का मुद्दा

संदर्भ: पाकिस्तान के जेलों में कई बार गुजरात के तटीय क्षेत्र में मछुआरे रहते हैं

क्या आप जानते है?

- भारत और पाकिस्तान के बीच बदले गए कैदियों की सूची के अनुसार, 270 भारतीय मछुआरे और 54 नागरिक कैदी पाकिस्तान की जेलों में हैं।
- इसी तरह, भारत की जेलों में 97 पाकिस्तानी मछुआरे और 265 नागरिक कैदी हैं।

मामला क्या है?

- चूंकि गुजरात में मछुआरों को पर्याप्त मछली नहीं मिलती है, इसलिए उनके पास समुद्र में दूर-दूर तक जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है।
- जब वे मध्य समुद्र में मछली पकड़ते हैं, तो वे पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित पानी में समाप्त हो जाते हैं और पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा उनके क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।
- कच्छ में सर क्रीक पर विवाद और आधिकारिक तौर पर दोनों राष्ट्रों के बीच समुद्री सीमा का निर्धारण करने में विफलता से समस्या बढ़ जाती है।

सर क्रीक विवाद क्या है?

- सर क्रीक भारत और पाकिस्तान की सीमा पर सिंधु नदी डेल्टा के निर्जन दलदलों में एक 96 किमी (60 मील) ज्वार का मुहाना है
- क्रीक अरब सागर में खुलता है और मोटे तौर पर गुजरात के कच्छ क्षेत्र को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से विभाजित करता है
- इसे मूल रूप से बान गंगा नाम दिया गया था, लेकिन बाद में एक ब्रिटिश प्रतिनिधि के नाम पर रखा गया था
- भारत और पाकिस्तान के बीच सर क्रीक विवाद कच्छ और सिंध के बीच समुद्री सीमा रेखा की व्याख्या में निहित है।
- भारत का दावा है कि सीमा अंतरराष्ट्रीय कानून और थाल्वेग सिद्धांत के अनुसार मध्य-चैनल है, जबकि पाकिस्तान का दावा है कि सीमा क्रीक के पूर्व में स्थित है
- थलवेग के अनुसार यदि जल-निकाय नौगम्य है, तो दो देशों के बीच नदी की सीमाएं मध्य-चैनल द्वारा विभाजित हो सकती हैं।

मछुआरों की गिरफ्तारी के परिणामी परिणाम हैं।

- **अबोधता का कार्य:** इन मछुआरों में से अधिकांश वे हैं जो अनजाने में देशों के बीच पानी में अदृश्य रेखा को पार कर गए थे।
- **आजीविका पर प्रभाव:** जब मछुआरों को गिरफ्तार किया जाता है, तो उनकी नौकाओं को भी जब्त कर लिया जाता है। यदि उन्हें रिहा किया जाता है, तो भी उनकी आजीविका कमजोर होती है, जब तक कि वे दूसरे देश से उनकी नौकाओं पर कब्जा नहीं कर लेते।
- **महिलाओं पर बोझ:** जब पुरुषों को दूसरे देश में कैद किया जाता है, तो महिलाएं भार का खामियाजा उठाती हैं, जबकि किसी तरह अपने परिवार को एक साथ रखती हैं।
- **मछुआरों के बच्चों पर प्रभाव:** गाँव भर में ऐसे कई उदाहरण हैं जहाँ गिरफ्तार मछुआरों के बच्चों ने अपना बचपन खो दिया है।
- **परिवारों के लिए भावनात्मक संकट:** परिवारों को जेल में बंद मछुआरों की स्थिति के बारे में मुश्किल से पता चलता है और जब तक वे वापस नहीं लौटते हैं, तब तक वे खुद को रोकते हैं, जो भावनात्मक संकट की ओर ले जाता है।
- **मानवाधिकारों का उल्लंघन:** औसतन, इन गिरफ्तार लोगों ने जेलों में डेढ़ साल बिताए होंगे। इन गिरफ्तार व्यक्तियों के लिए यह अस्तित्व का मुद्दा बन गया है।

जेल में बंद मछुआरों का क्या होगा?

- अधिक अनुकूल या कम विरोधी परिस्थितियों में, उन्हें यह जाँचने के लिए एक औपचारिक प्रक्रिया के बाद रिहा कर दिया जाता था कि वे वास्तव में मछुआरे थे और नहीं
- हालांकि, तनाव के समय के दौरान, उनके जीवन का मूल्य अधिकारियों की दया पर निहित है। वे अक्सर कारावास की सजा पूरी करने के बाद भी हिरासत में केंद्रों में वर्षों तक रहे।

क्या सरकार द्वारा इस आवर्ती मुद्दे को हल करने का कोई प्रयास किया गया है?

- इस मुद्दे के समाधान के लिए 2008 में भारत और पाकिस्तान ने एक न्यायिक समिति बनाई थी जिसमें प्रत्येक देश के चार सेवानिवृत्त न्यायाधीश शामिल थे।
- समिति विशेष रूप से कैदियों से मिलने, कांसुली पहुंच, उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जांच करने के लिए दूसरे देश की जेलों का दौरा करती थी, आदि ।
- इसमें सर्वसम्मति से मछुआरों और कुछ महिला कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी का सुझाव दिया गया था ।
- दोनों देशों की सरकारों ने उनके काम की तारीफ की लेकिन सिफारिशों को लागू नहीं किया।
- पिछली बैठक अक्टूबर 2013 में हुई थी। पांच साल बाद पैनल को पुनर्जीवित करने की चाल चली । भारत ने अपने चार सदस्यों को मनोनीत किया लेकिन पाकिस्तान ने ऐसा नहीं किया।

समस्या को दूर करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- भारत सरकार ने मछुआरों की जनगणना शुरू की है, जिसमें मछुआरों और उनकी नौकाओं के बारे में जानकारी का एक डाटाबेस तैयार किया गया है ताकि मछली पकड़ने की गतिविधियों की अधिक प्रभावी निगरानी के लिए इस्तेमाल किया जा सके ।
- भारतीय तटरक्षक बल ने पानी में सक्रिय मछली पकड़ने वाली नौकाओं में ट्रैकिंग उपकरणों को स्थापित करना भी शुरू कर दिया है, जिनमें अलर्ट आपदा भेजने की क्षमता है या जब नाव किसी अन्य देश द्वारा पकड़ी जाती है

आगे का मार्ग

दोनों देशों को इसे मानवीय मुद्दा मानते हैं और मछुआरों को उनकी नौकाओं के साथ रिहा करने और स्वदेश भेजने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए ।

यह भी समय है कि दोनों देश अब मछुआरों के मामले में गिरफ्तारी नहीं करने की नीति अपनाने पर विचार करें।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों का मुद्दा

सिंधु जल संधि

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - भारत और पाकिस्तान के संबंध का भाग

संदर्भ:

- सिंधु जल संधि (IWT) - 1960 में भारत और पाकिस्तान द्वारा हस्ताक्षरित
- संधि के तहत, भारत में तीन "पूर्वी" नदियों (ब्यास, रावी, सतलज) का पूरा उपयोग होता है, जबकि पाकिस्तान का तीन "पश्चिमी" नदियों (सिंधु, चिनाब, झेलम) पर नियंत्रण है, हालांकि भारत को इनका उपयोग करने का अधिकार दिया गया है आंशिक रूप से और साथ ही कुछ उद्देश्यों के लिए।

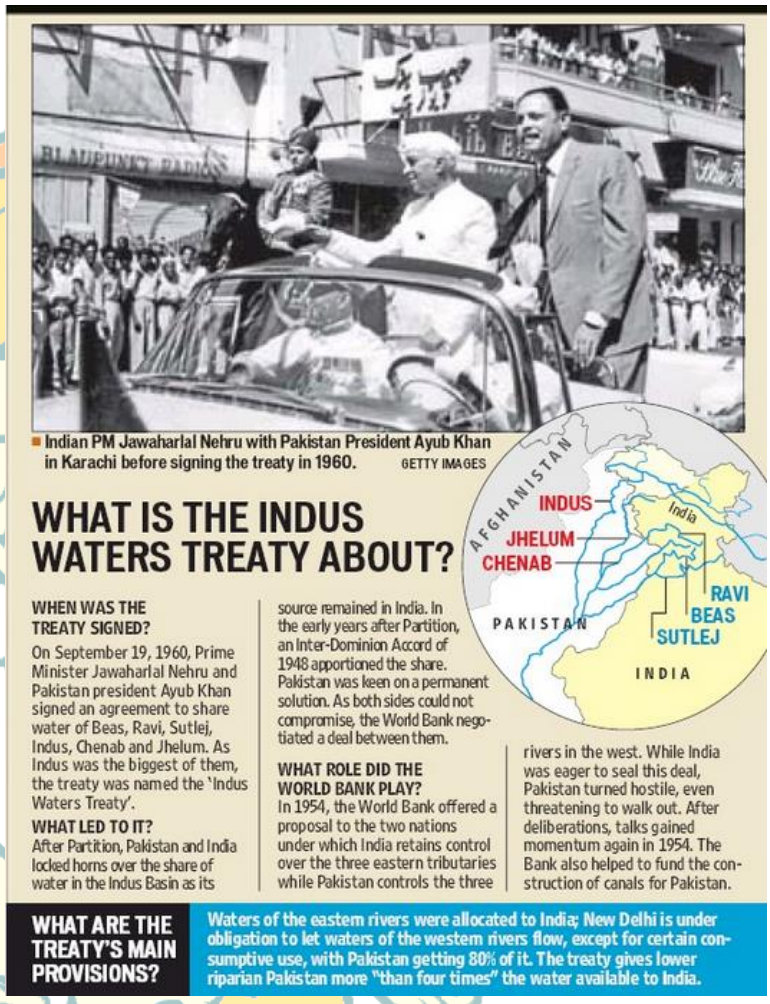

क्या आप जानते है?

- IWT की शर्तों के अनुसार, भारत को तीन 'पश्चिमी' नदियों - चिनाब, झेलम और सिंधु पर RoR परियोजनाओं के निर्माण का अधिकार है - बशर्ते कि ऐसा पाकिस्तान में नदी के बहाव में पानी के प्रवाह को बिना बाधित किए किया जाए।

चीन को अलग करना, प्रस्ताव और वास्तविकता के रूप में

संदर्भ: भारत और चीन के सैन्य कमांडरों के बीच 2 अगस्त 2020 को हुई वार्ता का नवीनतम दौर कोई सफलता नहीं पैदा कर सका।

हाल ही में भारत-चीन सीमा संघर्ष पर पृष्ठभूमि के लिए:

कूटनीति में सफलता क्यों नहीं मिली?

- चीन ने दोहराया कि उनके सैनिक "पारंपरिक प्रथागत सीमा रेखा के अपने पक्ष में थे" (जिसका भारत विरोध करता है)
- चीन ने यह भी आलोचना की कि अनिवार्य रूप से भारत का आंतरिक मामला क्या है, अर्थात, अगस्त 2019 में जम्मू और कश्मीर की स्थिति पर प्रभाव।
- भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि "सीमा की स्थिति और चीन के साथ भारत के संबंधों को अलग नहीं किया जा सकता है"।

इस गतिरोध का क्या अर्थ है?

- इस प्रकार लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के साथ स्थिति अनिवार्य रूप से अपरिवर्तित बनी हुई है।
- मई 2020 से पहले यथास्थिति में वापसी, कहीं नहीं है।

- सीमा पर तनाव लंबे समय तक जारी रहने वाला है जो अप्रैल-मई 2020 के महीनों के दौरान देखे जाने वाले तीव्र स्तर पर नहीं हो सकता है।

क्या आप जानते है?

- 1970 के दशक में, चीन ने वियतनाम से पेरासेल द्वीप समूह पर नियंत्रण हड़प लिया।
- 1990 के दशक में, इसने स्प्रैटली द्वीप समूह, दक्षिण चीन सागर के एक क्षेत्र में मिशीफ रीफ पर कब्जा कर लिया जिसे फिलीपींस ने हमेशा अपना क्षेत्र माना था।

हाल की चीनी कार्रवाइयों के बारे में वैश्विक धारणा क्या है?

चीनी इरादे उजागर: हांगकांग के बीजिंग के आभासी अधिग्रहण, दक्षिण चीन सागर में जमीन हड़पने और भारत की सीमा के साथ साहसिकता ने चीन की चीन साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं 'और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आधिकारिक विश्व दृष्टिकोण को उजागर किया।

चीनी एकपक्षीयता के बारे में बढ़ती आवाज: अपने छोटे पड़ोसियों के साथ व्यवहार करते समय चीन का दृष्टिकोण एकतरफा होने की बजाय एकतरफा रहा है। ताइवान, जापान, वियतनाम, इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया सभी ने अपने आसपास के क्षेत्र में चीन के खतरे वाले आसन के बारे में शिकायत की है

ग्लोबल जियोपॉलिटिक्स में अहसास: एक दूसरे के साथ सहयोग करने के वर्षों के बाद, यू.एस. और चीन वर्तमान में टकराव के चरण में हैं, दोनों अपनी सैन्य मांसपेशियों को मजबूत करने और सहयोगियों को अपने शिविरों में शामिल होने की मांग कर रहे हैं (शीत युद्ध के युग की याद)

गठबंधन बनाम गुटनिरपेक्षता: एक शीत युद्ध प्रकार की राजनीति कई देशों को रखती है, विशेष रूप से एशिया में, एक कठिन स्थिति में, क्योंकि उनमें से अधिकांश पक्ष लेने की इच्छा नहीं रखते हैं - विशेष रूप से पड़ोसी के रूप में एक युद्धरत चीन के साथ

अपनी शिकारी रणनीति के बावजूद चीन विश्व मामलों में अलग-थलग क्यों है?

भौगोलिक कैदी होने का एहसास:

- चीन हमेशा दक्षिण चीन सागर के अति-सुरक्षात्मक होने के लिए जाना जाता था, इसे बाहरी शक्तियों द्वारा संभावित शत्रुतापूर्ण हस्तक्षेप के खिलाफ एक प्राकृतिक ढाल मानता था।
- इस प्रकार, चीन अपने सीमा की रक्षा के बारे में आक्रामक होने के लिए मजबूर है।
- चीन के इस वास्तविक स्वरूप को एशियाई पड़ोसी समझ रहे हैं और इसलिए खुले तौर पर इस मोड़ पर अमरीका के साथ गठबंधन नहीं कर रहे हैं।

आर्थिक लाभ का लाभ उठाना:

- चीन को भरोसा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उसका गला घोंटना सुनिश्चित करता है कि उसे किसी वास्तविक चुनौती का सामना नहीं करना पड़ता है
- आसियान देशों के अधिकांश देशों को चीन की शिकारी रणनीति के बारे में गंभीर चिंताएं हैं, लेकिन आसियान चीन के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक बन गया है, यह एक डिफ़ॉल्ट स्थिति को अपनाता है। अर्थात, "पक्ष लेने के लिए नहीं"

निष्कर्ष

- चीन के नुकसान के लिए भू-संतुलन नहीं हो रहा है। इस सबक को अच्छी तरह से समझना चाहिए, जब भारत जैसे देश अपनी भविष्य की रणनीति की योजना बनाते हैं।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- मोती रणनीति की स्ट्रिंग
- बेल्ट एंड रोड पहल

एक आत्मनिर्भर विदेश नीति

संदर्भ: आत्मनिर्भरता भारत के 74 वें स्वतंत्रता दिवस का विषय है।

आत्मनिर्भरता के विषय में

- **आर्थिक रूप से:** इसका अर्थ है देश के भीतर प्रमुख वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन। दूसरे शब्दों में, लक्ष्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की आयात निर्भरता को कम करना है, विशेष रूप से महामारी की वजह से वैश्विक 'आपूर्ति झटका' की पृष्ठभूमि में।
- **विदेश नीति:** विदेश नीति का परिणाम अंतरराष्ट्रीय मामलों में ' रणनीतिक स्वायत्तता ' को बनाए रखना है यानी बड़ी शक्तियों के दबाव से आदेश नहीं लेना या झुकना । इसका मतलब विदेशी आधिपत्य के अधीनस्थ नहीं होना है ।

दशकों से विश्व व्यवस्था में बदलाव के बावजूद विदेश नीति के विकल्प बनाने में स्वायत्तता (और गुटनिरपेक्षता) के लिए भारत की वकालत लगातार बनी हुई है ।

- 1947 से 1991 तक द्विध्रुवीय- शीत युद्ध का युग जहां दुनिया दो खेमों में बंटी हुई थी, जिसकी अध्यक्षता अमेरिका और अन्य की अध्यक्षता में की गई थी।
- 1991 से 2008 तक एकध्रुवीय - USSR के विघटन के साथ, USA एकमात्र महाशक्ति बन गया, जबकि चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ समग्र शक्ति में शामिल हो गया।
- वर्तमान समय में बहुध्रुवीय जहां बड़ी शक्तियां और कई मध्य शक्तियां हैं

इसके साथ ही भारत ने विदेश नीति में लचीलापन दिखाया है

- बदलती स्थितियों के अनुसार भारत के इतिहास में रणनीतिक स्वायत्तता को अक्सर समायोजित किया गया है
- संकट के क्षणों में भारत ने स्वतंत्रता की पुनर्व्याख्या की है और अस्तित्व के लिए लचीलापन दिखाया है । उदाहरण के लिए
- चीन के साथ 1962 युद्ध के दौरान, गुटनिरपेक्षता के सबसे बड़े वकील, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भारतीय सीमाओं पर चीनी आक्रामकता को दूर करने के लिए आपात सैन्य सहायता के लिए अमेरिका से अपील करनी पड़ी
- पाकिस्तान के साथ 1971 युद्ध के निर्माण में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चीन और अमेरिका दोनों को भगाने के लिए सोवियत संघ के साथ शांति, मित्रता और सहयोग की संधि में प्रवेश करना पड़ा था ।
- 1999 में कारगिल में भारत ने पाकिस्तान को पीछे हटने के लिए मजबूर करने के लिए अमेरिका के सीधे हस्तक्षेप का स्वागत किया

क्या उपरोक्त उदाहरणों से पता चलता है कि भारत ने स्वायत्तता (या गुटनिरपेक्षता) को छोड़ दिया?

- उपरोक्त सभी उदाहरणों में, भारत तब कम स्वायत्त नहीं हो पाया जब भू-राजनीतिक परिस्थितियों ने उसे प्रमुख शक्तियों के साथ वास्तविक गठबंधन जैसे सहयोग में प्रवेश करने के लिए मजबूर किया ।
- बल्कि, भारत ने महान शक्ति समीकरणों को युद्धाभ्यास और राजनीतिक खेल खेलकर अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता हासिल की ।

क्या भारत को सामरिक स्वायत्तता के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है?

- सामरिक स्वायत्तता को लेकर भारत एक मोड़ पर है। चीन और अमेरिका एक नए शीत युद्ध में फिसलने हैं, भारत की सुरक्षा और संप्रभुता के साथ मुख्य रूप से पूर्व द्वारा चुनौती दी जा रही है
- परमाणु पड़ोसी (चीन) से एक खतरे के माहौल में गैर सरेखण २.० थोड़ा समझ में आता है, खासकर जब अमेरिका के क्षेत्र में भागीदारों के लिए देख रहा है चीन को नियंत्रित
- इस प्रकार, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साझेदारी की तरह एक गठबंधन के लिए मजबूत वकालत है

अमेरिका से भारत की करीबी निकटता से जुड़ी आशंकाएं क्या हैं?

- **बढ़ते जोखिम:** भारत के लिए, जो स्वतंत्रता मूल्यों, अमेरिका की टोकरी में अपने सभी अंडे रखने के लिए चीन प्रतिसंतुलित एक त्रुटि होगी।
- **भारत के लिए कम जगह:** इसका मतलब यह होगा कि भारत अमेरिकी हितों के दबाव में आ रहा है जो भारत को उसकी रणनीतिक स्वायत्तता खर्च कर सकता है।
- **अन्य हितों पर प्रभाव:** मजबूत भारत-अमेरिका गठबंधन राष्ट्रीय हित के अन्य सिनेमाघरों में भारत के विकल्पों को संकुचित कर सकता है जैसे ईरान और रूस के साथ उसके संबंध
- **घरेलू लक्ष्यों के लिए चुनौतियां:** यह स्वदेशी रक्षा आधुनिकीकरण में सुधार के प्रयासों को भी धीमा कर सकता है (चीन का मुकाबला करने के लिए भारत को समर्थन के बदले में अपने हथियार खरीदने का अमेरिकी दबाव)

आगे का मार्ग

- भारत को एशिया और दुनिया भर में मध्य शक्तियों के साथ सहयोग तेज करने के माध्यम से एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में रहना चाहिए।
- विविधीकरण स्वावलंबन का सार है।
- चीन को विवश करने पर तेज ध्यान देने के साथ अमेरिका सहित रणनीतिक भागीदारों की एक विस्तृत टोकरी, वर्तमान उभरती बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में एक व्यवहार्य कूटनीतिक तरीका है।

बिन्दुओ को जोड़ने पर:

- USSR का विघटन - भारत पर कारण और प्रभाव
- वैश्वीकरण और विदेश नीति का आपस में जुड़ाव

भारत-ऑस्ट्रेलिया सुरक्षा सहयोग

GS मेन्स द्वितीय और तृतीय - भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध; अंतर्राष्ट्रीय संबंध; साइबर सुरक्षा का हिस्सा:

संदर्भ:

- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 5जी नेटवर्क सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा पर अनुभव साझा किए।
- दोनों देश साइबर सुरक्षा सहयोग पर काम कर रहे हैं।
- एक अन्य क्षेत्र जिसका दोनों देश तलाश कर रहे थे, वह विनियामक स्थान का था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया का कूटलेखन कानून भी शामिल था और साइबर-सक्षम अपराध को रोकने के लिए इसका इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है।

क्या आप जानते है

- जून में दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी (CSP) के साथ साइबर और साइबर-सक्षम महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए

भारत-मालदीव: mn पैकेज

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - भारत-मालदीव द्विपक्षीय संबंध; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध का हिस्सा:

संदर्भ:

- भारत ने मालदीव के लिए नए कनेक्टिविटी उपायों की एक घोषणा की - जिसमें वायु, समुद्र, अंतरा द्वीप और दूरसंचार शामिल हैं।

- उपरोक्त कदम COVID-19 महामारी के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए हिंद महासागर द्वीप समूह की मदद करने का एक प्रयास है।

प्रस्तावित पहल

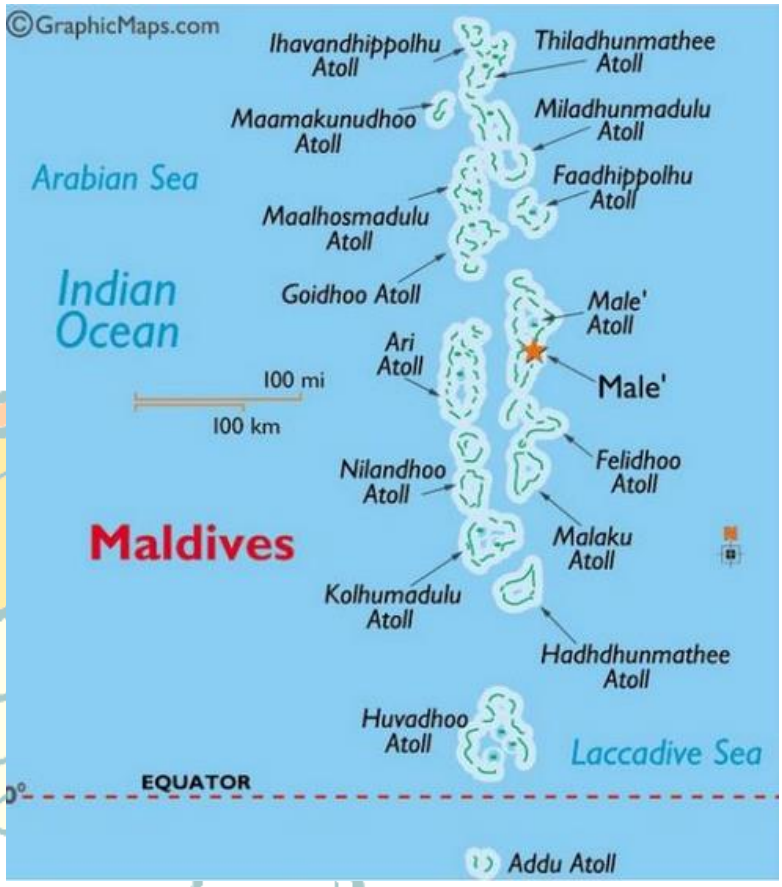

- हवाई संपर्क "बबल (गुब्बारा)" यात्रा के लिए
- प्रत्यक्ष नौका सेवा
- ग्रेटर माले संपर्क परियोजना (GMCP) के लिए
- दूरसंचार संपर्क सहायता के लिए सबमरीन केबल

वर्तमान में, इस क्षेत्र में भारत-सहायता प्राप्त परियोजनाओं में 34 द्वीपों पर पानी और सीवरेज परियोजनाएं, एडल द्वीप के लिए पुनर्ग्रहण परियोजना, गुलहिफलहु पर एक बंदरगाह, हनीमाधू में हवाई अड्डा पुनर्विकास, और हुलहुमले में एक अस्पताल और एक क्रिकेट स्टेडियम शामिल हैं।

क्या आप जानते है?

- मालदीव में ग्रेटर माले संपर्क परियोजन (GMCP) के कार्यान्वयन के लिए एमएन पैकेज के साथ भारत।
- GMCP में माले को विलिंगिली, थिलाफुशी और गुलिफाहु द्वीपों से जोड़ने के लिए कई पुल और कारण शामिल होंगे जो 6.7 km की दूरी पर हैं।
- यह वाणिज्यिक और आवासीय प्रयोजनों के लिए माले के मुख्य राजधानी द्वीप के दबाव को बहुत कम कर देगा।

अर्थव्यवस्था

कोर क्षेत्र का आउटपुट सिकुड़ गया है

GS प्रीलिम्स और मेन्स II - अर्थशास्त्र - विकास और विकास का हिस्सा

संदर्भ:

- आठ कोर क्षेत्र के उद्योगों का उत्पादन और बढ़ गया।
- अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि ऋणात्मक रुझान कम से कम दो महीने तक जारी रहेगा।

- अप्रैल-जून 202021 के दौरान, पिछले वर्ष की समान अवधि में 3.4% की सकारात्मक वृद्धि की तुलना में इस क्षेत्र का उत्पादन 24.6% घटा।

क्या आप जानते है?

- आठ प्रमुख क्षेत्रों में से, उर्वरक उद्योग केवल एक ही था जिसने वास्तविक वृद्धि देखी।
- यह कृषि क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है जहां एक सामान्य मानसून बम्पर खरीफ की फसल की अपेक्षा करता है।
- शेष उद्योगों ने संकुचन दिखाया, इस्पात क्षेत्र में सबसे खराब प्रदर्शन जारी रहा।

भारत एयर फाइबर सेवा: BSNL ने महाराष्ट्र में सेवा शुरू की

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा

संदर्भ:

- भारत एयर फाइबर सेवाओं को BSNL द्वारा पेश किया जाता है क्योंकि डिजिटल इंडिया का हिस्सा भारत सरकार द्वारा शुरू किया जाता है।
- इन सेवाओं का उद्देश्य बीएसएनएल स्थानों से 20 किमी की सीमा में वायरलेस संपर्क प्रदान करना है, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को लाभ होगा।
- यह रेडियो तरंगों के माध्यम से अंतिम-मील कनेक्टिविटी के अंतर को पाटने के द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों के ग्राहकों को उच्च गति वाला ब्रॉडबैंड प्रदान करता है।
- राज्य द्वारा संचालित टेल्को 100 mbps तक की डेटा स्पीड के साथ भारत एयर फाइबर कनेक्टिविटी के साथ मुफ्त वॉयस कॉलिंग की भी पेशकश करेगा।
- BSNL भारत एयर फाइबर सेवाओं को स्थानीय व्यापार भागीदारों के माध्यम से प्रदान करेगा।
- इस प्रकार सेवा का उद्देश्य BSNL के रूप में इस प्रकार आत्म भारत अभियान को गति प्रदान करना है, जो स्थानीय निवासियों को 1 लाख रुपये की मासिक आय प्रदान करेगा, जो टेलीकॉम बुनियादी ढांचे सहयोगी के रूप में नामांकन करते हैं।

Covid और खाद्य सुरक्षा

संदर्भ: Covid -19 और आगामी वैश्विक आर्थिक संकट ने प्रदर्शित किया है कि दुनिया खाद्य सुरक्षा के लिए अप्रयुक्त है।

क्या आप जानते है?

- संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2020' ने अनुमान लगाया कि 2030 तक जीरो हंगर का SDG पूरा नहीं होगा।

- AFO द्वारा विश्व 2019 की रिपोर्ट में खाद्य सुरक्षा और पोषण राज्य के अनुसार, भारत में लगभग 194.4 मिलियन लोग कुपोषित हैं।

खाद्य सुरक्षा के चार स्तंभ कौन से हैं?

- खाद्य और कृषि संगठन (AFO) बताता है कि खाद्य सुरक्षा के चार स्तंभ हैं-
  - उपलब्धता
  - पहुंच
  - स्थिरता
  - उपयोग

भविष्य में खाद्य असुरक्षा से निपटने के लिए सरकार ने क्या कार्रवाई की?

- केंद्र सरकार ने प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्ना योजना (PMGKAY) को नवंबर तक विस्तारित करने की घोषणा की।
- गरीबों को भूखा न छोड़ा जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए योजना के तहत मुफ्त अनाज वितरित किया जा रहा है।
- इस योजना के तहत सरकारी खजाने को 1.7 लाख करोड़ रुपये की लागत आने वाली है।

PMGKAY के समक्ष चुनौतियां

- राज्यों द्वारा गरीब वितरण: मार्च में योजना के तहत लगभग 8 लाख टन खाद्यान्न वितरण के लिए आवंटित किया गया था, लेकिन राज्य मई तक केवल 1.07 लाख टन ही वितरित कर पाए थे।
- खाद्य सुरक्षा के सभी चार स्तंभों पर अपर्याप्त ध्यान केंद्रित करना: जबकि सरकार उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है, खाद्यान्न की उपलब्धता और उपयोग ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें सरकार ने कमजोर कर दिया है और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

यदि वितरण में कमियां पता नहीं हैं तो परिणाम क्या होंगे?

- **खराब शासन:** यह मुख्य रूप से मानव और प्रशासनिक अक्षमता के कारण संसाधनों के अपव्यय को बढ़ावा देगा। यह महामारी के दौरान लोगों को तनाव में डाल देगा
- **कमजोर पर असमान प्रभाव:** खाद्य सुरक्षा और SC/ ST/ गरीब जैसे सबसे कमजोर आबादी समूहों की पोषण स्थिति और खराब होने की संभावना है
- **हार का सामना करना पड़ेगा:** खाद्यान्नों तक पहुँचने में व्यवधान का अर्थ यह भी हो सकता है कि भारत ने महिलाओं और बच्चों जैसे कमजोर समूहों के बीच कुपोषण के खिलाफ अपनी लड़ाई में जो लाभ हासिल किया है वह खो सकता है

आगे का मार्ग

- AFO वितरण की समस्याओं को हल करने के लिए बेहतर सूचना प्रणाली और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करने की सिफारिश करता है।
- समेकित बाल विकास सेवा (ICDS) और मध्यान्ह भोजन जैसे पोषण केन्द्रित कार्यक्रमों को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता है, भले ही आंगनवाड़ी केंद्र और स्कूल (योजनाओं के लिए नोडल एजेंसियां) जल्द ही नहीं खुलें।
- अंतर-राज्य सहयोग और सीखना भारत के मामले में एक व्यवहार्य समाधान हो सकता है। पूर्व के लिए: केरल, तमिलनाडु और ओडिशा जैसे राज्यों ने दरवाजे से दरवाजे से इन योजनाओं के तहत सूखा राशन प्रदान करके लॉकडाउन समय के दौरान भी अच्छी प्रतिक्रिया दी है।
- पात्र लाभार्थियों के खातों में सीधे नकद हस्तांतरण राजस्थान जैसे राज्यों में स्टंटिंग, बर्बादी और कम वजन वाले बच्चों के बीच काम किया है और राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्च किया जा सकता है।

निष्कर्ष

- शून्य भूख को सुनिश्चित करने के लिए - लचीला और मजबूत सिस्टम उत्पन्न हुए

बिंदुओं को जोड़ने पर

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम
- आत्मानिर्भर भारत अभियान

हथकरघा क्षेत्र

संदर्भ: राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का छठा संस्करण 7 अगस्त 2020 को मनाया गया जिसे कपड़ा मंत्रालय द्वारा घोषणाओं द्वारा चिह्नित किया गया था।

कुछ घोषणाएँ थीं-

- हथकरघा, मशीनकरघा, ऊन, जूट और रेशम बोर्ड की समाप्ति - नौकरशाही लाल फीताशाही को कम करने के लिए
- पर्यटन, संस्कृति, महिला और बाल विकास जैसे अन्य मंत्रालयों के साथ क्षेत्र के लिए योजनाओं का एकीकरण - कई मंत्रालयों के प्रयासों को समन्वित करना
- राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्र और संकाय नौ बुनकर सेवा केंद्रों का मार्गदर्शन करते हैं। यह उनके पुनरुद्धार के लिए एक अच्छा कदम है क्योंकि कई में बुनकरों में ज्ञान और कौशल का समावेश है

क्या आप जानते है?

- 7 अगस्त को ब्रिटिश सरकार द्वारा बंगाल के विभाजन के विरोध में 1905 में कलकत्ता टाउन हॉल में शुरू किए गए स्वदेशी आंदोलन को मनाने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में चुना गया था।

हथकरघा का महत्व

- **भारतीय संस्कृति की एक पहचान:** भारत के लगभग हर राज्य में पंजाब से फूलकर, मध्य प्रदेश से चंदेरी, आंध्र प्रदेश से इकट् ठा, पश्चिम बंगाल से डक्की, बनारस से ब्रोकेड जैसे अनूठे हैंडलूम उत्पाद हैं।
- **वैश्विक मान्यता:** भारतीय हथकरघा विविधता में समृद्ध है और इसकी शिल्प कौशल और डिजाइन की गहनता के लिए दुनिया भर में सराहना की जाती है और इस प्रकार वैश्विक कपड़ा बाजार में बहुत संभावनाएं हैं।
- **रोजगार प्रदाता:** हथकरघा उद्योग भारत में आर्थिक गतिविधियों के सबसे बड़े असंगठित क्षेत्रों में से एक है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के 43.31 लाख बुनकरों को रोजगार प्रदान करता है।
- **ग्रामीण केंद्रित उद्योग:** चौथी अखिल भारतीय हथकरघा जनगणना 2019-20 के अनुसार, 31.45 लाख परिवार हथकरघा, बुनाई और संबद्ध गतिविधियों में लगे हुए हैं, जिनमें से 87% ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और शेष 13% शहरी क्षेत्रों में हैं।
- **बड़ी महिला कार्यबल:** अधिकांश बुनकर महिलाएं हैं और आर्थिक रूप से वंचित समूहों के लोग हैं और 77% वयस्क बुनकर महिलाएं हैं।
- आरंभ करना आसान है क्योंकि यह पूंजी और बिजली का न्यूनतम उपयोग करता है
- पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन प्रक्रियाओं के कारण सतत विकास के साथ संरेखित
- स्थान, जलवायु और सांस्कृतिक प्रभावों के आधार पर विकसित किए गए प्रत्येक क्षेत्र में वस्त्रों की बुनाई में विशेषता के कारण नवाचार करने का लचीलापन।
- समाज के कमजोर वर्गों के लिए आजीविका: हथकरघा श्रमिकों का लगभग 68% अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समूहों के हैं

क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकारी हस्तक्षेप

- राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम जो रियायती ऋण प्रदान करता है, कई ब्लॉक स्तरीय क्लस्टर परियोजनाओं, विपणन सहायता को सहायता प्रदान करता है।
- सरकार के पास धागा आपूर्ति योजनाएं, निर्यात प्रोत्साहन, वस्तुओं के भौगोलिक संकेत, ई-धागा ऐप और कई अन्य योजनाएं और पहल भी हैं।

हथकरघा क्षेत्र के साथ चुनौतियां

- राज्य हथकरघा बोर्ड (जहां भी वे मौजूद हैं) पर्याप्त नहीं हैं क्योंकि उनकी पहुँच और दृष्टि राज्य तक सीमित हैं और प्रतिक्रियाएं अक्सर वोट शेयरों पर निर्भर करती हैं।
- **अप्रभावी कार्यान्वयन:** हथकरघा चिह्न (प्रमाणन मार्क) पर जोर दिया गया है, लेकिन इसकी शुद्धता सुनिश्चित करने के तरीके स्पष्ट नहीं हैं।
- **IT बुनियादी ढांचे तक पहुंचने के लिए कौशल अंतराल:** यदि बुनकरों को विशेष हथकरघा पोर्टल से सभी ज्ञान प्राप्त करना है, तो उन्हें कनेक्टिविटी, कंप्यूटर और डिजिटल ज्ञान की आवश्यकता होती है, जो कि अधिकतर बुनकरों को नहीं है।
- **गांधी-विरोधी दृष्टिकोण:** हालिया घोषणा के इरादे की घोषणा हथकरघा को "उच्चतम स्तर पर उच्चतम मूल्य" पर बेचना है। महंगे कपड़े को धनी को बेचना कम हो जाएगा, बाजार का विस्तार नहीं होगा। गरीब आदमी के कपड़े पर मशीन करघा का कब्जा हो जाएगा।
- **कच्चे माल की लागत में वृद्धि:** कपास, रेशम, और ऊनी यार्न से लेकर रंजक तक, लागत में वृद्धि हुई है और इसकी कमी है।
- **सरकारी वित्तीय सहायता कम:** कपड़ा एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा कि कपड़ा क्षेत्र के लिए बजट आवंटन पिछले वित्त वर्ष में 6,943 रुपये से घटकर 4,831 करोड़ रुपये (2019-2020) हो गया।
- **अभिगम्यता के मुद्दे:** गरीब बुनियादी ढांचे, पुराने करघों और प्रमुख बाजारों तक पहुंचने की अयोग्यता ने हथकरघा बुनकरों के जीवन को और अधिक कठिन बना दिया है।

आगे का मार्ग

- स्थानीय बाजारों के लिए स्थानीय उत्पादन एक शानदार रणनीति है और इसे प्रोत्साहन की आवश्यकता है।
- सत्यम और अजय शंकर समिति की सिफारिशों को लागू करने की आवश्यकता है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- कस्तूरीरंगन की रिपोर्ट जिसने नई शिक्षा नीति 2020 का आधार बनाया।

वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीति (NSFE): 2020-2025 जारी की गई

GS-प्रीलिम्स और GS- II - शिक्षा; GS- III - RBI का हिस्सा:

समाचार में:

- वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीति (NSFE): 2020-2025 दस्तावेज़ जारी किया गया था।
- RBI द्वारा जारी

मुख्य बिन्दु

- यह NSFE 2013-18 NSFE के बाद दूसरा है।
- राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र (NCFE) द्वारा तैयार

परामर्श लिया गया है:

- सभी वित्तीय क्षेत्र नियामक (RBI, SEBI, IRDAI और PFRDA),

- विभिन्न भारतीय केंद्रीय मंत्रालय
- वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता पर तकनीकी समूह के तत्वावधान में हितधारक।

अनुशंसाएँ:

- स्कूलों, कॉलेजों और प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में पाठ्यक्रम में प्रासंगिक सामग्री का विकास
- वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में शामिल बिचौलियों के बीच क्षमता का विकास करना
- उपयुक्त संचार रणनीति के माध्यम से वित्तीय साक्षरता के लिए समुदाय के नेतृत्व वाले मॉडल के सकारात्मक प्रभाव का लाभ उठाना
- विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाना

NBFC-MFIs को संरचित वित्त और आंशिक गारंटी कार्यक्रम शुरू किया गया

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा

समाचार में:

- राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) ने NBFC-MFI के लिए संरचित वित्त और आंशिक गारंटी कार्यक्रम को पेश किया है।
- कार्यक्रम गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) और सूक्ष्म वित संस्थाएं (MFI) के लिए है।

मुख्य बिन्दु

- यह एक समर्पित ऋण और ऋण गारंटी कार्यक्रम है।
- **उद्देश्य:** COVID-19 से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम मील तक ऋण का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करना।
- NABARD छोटे और मध्यम आकार के MFI को दिए गए ऋण पर आंशिक गारंटी प्रदान करेगा।
- यह प्रारंभिक चरण में 2,500 करोड़ रुपये के वित्त पोषण की सुविधा प्रदान करेगा।
- NABARD ने हाल ही में पहल करने के लिए विवरिती कैपिटल और उज्जीवन लघु वित्त बैंक के साथ समझौते किए हैं।

2019-20 के लिए RBI की वार्षिक रिपोर्ट जारी

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा

समाचार में:

- 2019-20 के लिए RBI की वार्षिक रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई थी।

रिपोर्ट के मुख्य अंश

- COVID-19 महामारी से उत्पन्न आर्थिक संकुचन दूसरी तिमाही में बढ़ेगा।
- खपत को गहरा झटका लगा है।
- सरकारी खपत मांग के पुनरुद्धार के लिए महत्वपूर्ण होगी।
- उच्च आवृत्ति संकेतक खर्च में कमी को इंगित करते हैं जो अब तक कभी नहीं देखा गया था।
- जुलाई महीने के लिए RBI के सर्वेक्षण ने संकेत दिया कि उपभोक्ता का विश्वास सर्वकालिक कम हो गया।
- अधिकांश उत्तरदाताओं ने सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार, मुद्रास्फीति और आय से संबंधित निराशावाद की सूचना दी।

विनिर्माण के लिए चुंबक बनना (आकर्षित करना)

संदर्भ: महामारी के बाद में, चीन से संचालित होने वाली कई विनिर्माण कंपनियों को अपने व्यवसाय को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने की भविष्यवाणी की जाती है

- चीन में स्थित कई अमेरिकी, जापानी और दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने भारत सरकार से अपने संयंत्रों को भारत में स्थानांतरित करने के लिए चर्चा शुरू की है।

कंपनियां चीन से बाहर निकलने की उम्मीद क्यों कर रही है?

- पहला अहसास है कि COVID-19 की वजह से देश में आपूर्ति शृंखला की गड़बड़ी के कारण क्षमता निर्माण और सामानों की सोर्सिंग के लिए चीन पर बहुत अधिक निर्भरता एक आदर्श व्यवसाय रणनीति नहीं है।
- दूसरा आवश्यक औद्योगिक वस्तुओं की आपूर्ति पर चीनी प्रभुत्व का डर है।
- तीसरा यह है कि चीन और अमरीका के बीच भू-राजनीतिक और व्यापारिक संघर्षों के मद्देनजर चीन के साथ काम करने या उससे निपटने में बढ़ते जोखिम और अनिश्चितता शामिल है।

विनिर्माण क्षेत्र में भारत की स्थिति

भारत विनिर्माण में चीन से बहुत पीछे है।

- **रैंकिंग:** चीन विश्व विनिर्माण उत्पादन में योगदान में पहले स्थान पर है, जबकि भारत छठे स्थान पर है।
- लापता लक्ष्य की संभावना: 2022 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का हिस्सा 25% तक खींचने के लक्ष्य के खिलाफ, 2018 में इसका हिस्सा 15% था, जो चीन के आंकड़े का केवल आधा था।
- **धीमी विकास दर:** चीन में 1978 में अपनी अर्थव्यवस्था के खुलने के बाद उद्योग मूल्य औसतन 10.68% की दर से बढ़ा। इसके विपरीत, 12% के लक्ष्य के मुकाबले, भारत द्वारा अपनी अर्थव्यवस्था को खोलने के बाद विनिर्माण क्षेत्र 7% की दर से बढ़ा है।
- **विश्व बाजार में हिस्सेदारी:** यूरोपीय संघ के बगल में, चीन 2018 में 18% विश्व हिस्सेदारी के साथ निर्मित सामानों का सबसे बड़ा निर्यातक था। भारत उन शीर्ष 10 निर्यातकों में शामिल नहीं है, जिन्होंने 2018 में विश्व विनिर्माण निर्यात का 83% हिस्सा लिया था।

विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देते समय भारत किन बाधाओं का सामना करता है?

- अधोसंरचना उच्च लॉजिस्टिक लागत के लिए अग्रणी बाधा
- एक प्रतिकूल कर नीति वातावरण
- एक गैर-अनुकूल नियामक वातावरण
- औद्योगिक ऋण की उच्च लागत
- कर्मचारियों की खराब गुणवत्ता
- कठोर श्रम कानून
- प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियां
- भूमि अधिग्रहण में देरी और बाधाएं
- विनिर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने में असमर्थता।

आगे का मार्ग

- राज्य सरकारों की सक्रियता और केंद्र और राज्यों के बीच प्रभावी नीति समन्वय के बिना इन बाधाओं का स्थायी समाधान संभव नहीं हो सकता है।
- राज्य-विशिष्ट औद्योगीकरण रणनीतियों को केंद्र सरकार द्वारा सक्रिय हाथ से मिशन मोड में तैयार और कार्यान्वित करने की आवश्यकता है
- इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने एक रणनीति समूह बनाने का सुझाव दिया जिसमें शीर्ष उद्योग के अधिकारियों के साथ केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि शामिल हों।
- इस रणनीति समूह का उद्देश्य केंद्र और राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के माध्यम से टीम वर्क और विचारों का लाभ उठाना है।
- पूरे विनिर्माण क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक समान दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- मेक इन इंडिया योजना
- महामारी के मद्देनजर पड़ोस (चीन पर लक्षित) के लिए FDI नियम

RBI की वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 पर अधिक जानकारी

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में, RBI ने 2019-2020 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है।

मुख्य बिन्दु

- ऋण की किस्तों पर अस्थायी रोक, ब्याज भुगतान को स्थगित करना और कोविद -19 महामारी के दौरान आरबीआई द्वारा की गई पुनर्गठन पहल ने अब तक NPA में एक बड़ी वृद्धि को रोका है।
- RBI द्वारा बैंकिंग प्रणाली में नकदी को कम करने के प्रयासों के बावजूद बैंक ऋण वृद्धि 2020 में काफी धीमी हो गई है।
- 1,00,000 रुपये और उससे अधिक मूल्य के बैंकों द्वारा बताए गए धोखाधड़ी में वित्त वर्ष 2019-2020 में दोगुना (28% वृद्धि) से अधिक है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इनमें से अधिकांश धोखाधड़ी (80%) के लिए जिम्मेदार हैं।
- खरीफ बुवाई की बढ़ती गति के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर मांग रही।
- आतिथ्य, होटल और रेस्तरां, एयरलाइंस और पर्यटन क्षेत्रों में, रोजगार के नुकसान अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक गंभीर हैं।
- 2020-21 की दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति अधिक रह सकती है।
- 2019-20 में ₹2,000 मूल्य वर्ग के नोट नहीं छापे गए और साल भर में इन नोटों के प्रचलन में गिरावट आई है।
- पिछले वर्ष की तुलना में, 10, ₹50, ₹200 और ₹500 के मूल्यवर्ग में नकली नोटों में वृद्धि हुई थी।
- ₹20, ₹100 और ₹2,000 के मूल्यवर्ग में पाए गए नकली नोटों में गिरावट आई।

RBI द्वारा सुझाए गए सुझाव:

- परिसंपत्ति मुद्रीकरण और प्रमुख बंदरगाहों के निजीकरण के साथ सार्वजनिक निवेश को लक्षित किया।
- शीर्ष अधिकारियों ने संरचनात्मक सुधारों और इंफ्रा परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन को चलाने के लिए।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पुनर्पूंजीकरण,।
- घाटे को फिर से हासिल करने के लिए गहरे बैठे और व्यापक सुधार।

RBI ने 20,000 करोड़ रुपये के विशेष OMO की घोषणा की

GS-प्रीलिम्स और जीएस- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा

समाचार में:

- RBI एक साथ दो ट्रेंच में 20,000 करोड़ की कुल राशि के लिए खुला बाजार परिचालन (OMO) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री का संचालन करेगा।
- इसमें लंबी परिपक्वताओं की सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदना और छोटी परिपक्वताओं की प्रतिभूतियों की समान मात्रा को बेचना शामिल है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

खुला बाजार परिचालन

- यह RBI द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों और निधि बिलों की बिक्री और खरीद है।
- उद्देश्य: अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को विनियमित करना।

- जब RBI अर्थव्यवस्था में धन की आपूर्ति बढ़ाना चाहता है, तो वह बाजार से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करता है।
- यह प्रणाली से नकदी को लेने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है।
- OMO के तहत, RBI सीधे जनता के साथ व्यवहार नहीं करता है।

वैश्विक पर्यटन ने पांच महीनों में $ 320 बिलियन का नुकसान उठाया है: UN

GS-प्रीलिम्स और GS-तृतीय - अर्थव्यवस्था; रोज़गार का हिस्सा

समाचार में:

- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पिछले पांच महीनों में वैश्विक पर्यटन उद्योग को निर्यात में $ 320 बिलियन का नुकसान हुआ है और 120 मिलियन से अधिक नौकरियों को खतरा है।

मुख्य बिन्दु

- पर्यटन से निर्यात राजस्व 2020 में $ 910 बिलियन से 1.2 ट्रिलियन डॉलर तक गिर सकता है।
- यह वैश्विक GDP को 1.5% से 2.8% तक कम कर सकता है।
- खाद्य सेवा सहित संबद्ध क्षेत्रों में नौकरियां, जो दुनिया भर में 144 मिलियन श्रमिकों को रोजगार प्रदान करती हैं, जोखिम में भी हैं।
- ईंधन और रसायनों के पीछे पर्यटन वैश्विक अर्थव्यवस्था का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र है।
- यह विशेष रूप से कई छोटे द्वीप विकासशील राज्यों और अफ्रीकी देशों के लिए एक आपातकालीन स्थिति है।

निर्यात तत्परता सूचकांक (EPI) 2020 जारी किया गया

GS-प्रीलिम्स और GS- III - व्यापार का हिस्सा

समाचार में:

- नीती आयोग और प्रतिस्पर्धा संस्थान द्वारा जारी
- यह निर्यात की तैयारियों और भारतीय राज्यों के प्रदर्शन की जांच करने वाली पहली रिपोर्ट है।
- उद्देश्य: चुनौतियों और अवसरों की पहचान करना; सरकारी नीतियों की प्रभावशीलता में वृद्धि; और एक सुविधा नियामक ढांचे को प्रोत्साहित करना।
- EPI की संरचना में 4 स्तंभ शामिल हैं: नीति; व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र; निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र; निर्यात प्रदर्शन।

मुख्य बिन्दु

- भारतीय राज्यों ने निर्यात विविधता, परिवहन संपर्क और बुनियादी सुविधाओं के उप-स्तंभों में औसत 50% का स्कोर किया।
- कुल मिलाकर, अधिकांश तटीय राज्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता हैं।
- शीर्ष तटीय राज्य: गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु
- शीर्ष भूमि वाले राज्य: राजस्थान, तेलंगाना और हरियाणा।
- शीर्ष हिमालयी राज्य: उत्तराखंड, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश।
- शीर्ष केंद्र शासित प्रदेश: दिल्ली, गोवा और चंडीगढ़।

P-नोट्स के माध्यम से निवेश में वृद्धि

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा

समाचार में:

- SEBI के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय पूंजी बाजारों में भागीदारी नोट (P-नोट) निवेश का मूल्य बढ़कर जुलाई 2020 के अंत तक 63,288 करोड़ रुपये होगा।
- P-नोट्स के माध्यम से निवेश में यह लगातार चौथी मासिक वृद्धि है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

भागीदारी नोट (P-नोट)

- P-नोट अपतटीय व्युत्पन्न उपकरण (ODI) हैं
- वे SEBI के साथ पंजीकृत दलालों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) द्वारा जारी किए जाते हैं।
- भारत में पहले से पंजीकृत ब्रोकरों द्वारा विदेशी निवेशकों की ओर से निवेश किया जाता है, जो सीधे पंजीकरण के बिना भारतीय शेयर बाजारों का हिस्सा बनना चाहते हैं।
- P-नोट में उनकी अंतर्निहित संपत्ति के रूप में भारतीय शेयर हैं।
- इन उपकरणों का उपयोग शेयर बाजारों में निवेश करने के लिए किया जाता है।

क्या आप जानते है?

- देश के भीतर P-नोट का उपयोग नहीं किया जाता है।
- भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध शेयरों में निवेश करने के लिए उनका उपयोग भारत के बाहर किया जाता है।
- यही कारण है कि उन्हें अपतटीय व्युत्पन्न उपकरण कहा जाता है।
- उदाहरण के लिए, भारतीय-आधारित ब्रोकरेज भारत-आधारित प्रतिभूतियों को खरीदते हैं और फिर विदेशी निवेशकों को भागीदारी नोट जारी करते हैं।
- अंतर्निहित प्रतिभूतियों से एकत्र कोई भी लाभांश या पूंजीगत लाभ निवेशकों को वापस जाता है।

DSGE मॉडल द्वारा कोविड -19 के आर्थिक प्रभाव का आकलन

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में:

- भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड -19 के प्रभाव और उसके बाद के लॉकडाउन के आकलन के लिए RBI गतिशील प्रसंभाव्य सामान्य संतुलन (DSGE) मॉडल का उपयोग कर रहा है।
- DSGE मॉडलिंग सूक्ष्म अर्थव्यवस्था में एक विधि है जो आर्थिक घटना (आर्थिक विकास और व्यापार चक्र) और आर्थिक नीति के प्रभावों को समझाने के लिए, सामान्य सामान्य सिद्धांत और आर्थिक सिद्धांतों के आधार पर अर्थमितीय मॉडल के माध्यम से प्रयास करती है।
- RBI ने मूल्यांकन के लिए तीन मुख्य आर्थिक कारकों , अर्थात, घरों, संस्थाओं और सरकार पर विचार किया है।

जम्मू और कश्मीर के लिए बांस के क्लस्टर (समूह)

GS-प्रीलिम्स और GS-तृतीय - अर्थव्यवस्था; रोजगार; औद्योगिक पार्क का हिस्सा:

समाचार में:

- जम्मू और कश्मीर के जम्मू, कटरा और सांबा क्षेत्रों में तीन बांस क्लस्टर विकसित किए जाएंगे।
- मंत्रालय: उत्तर पूर्वी क्षेत्र का विकास मंत्रालय (DoNER)

- उद्देश्य: बांस की टोकरी, अगरबत्ती और बांस चारकोल बनाना।
- जम्मू के पास घाटी में एक मेगा बांस औद्योगिक पार्क और क्षेत्र में बांस प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण केंद्र भी आएगा।
- यह लगभग 25 हजार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगा।

सतत वित्त सहयोग शुरू किया

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में:

- सतत वित्त सहयोग हाल ही में शुरू किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम भारत के सहयोग से आर्थिक मामलों का विभाग (DEA), वित्त मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया:

मुख्य बिन्दु

इसमें निम्नलिखित संवाद शामिल थे:

- निवेश को प्रभावित करने वाले नए और अभिनव वित्तपोषण को तैनात करने में बाधाएं
- मिश्रित वित्त साधनों की भूमिका
- सतत विकास के लिए हरित वित्त साधन
- पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी गतिविधियों के वर्गीकरण की आवश्यकता

ट्रैक्टर उद्योग

संदर्भ: जुलाई 2020 में ट्रैक्टर की बिक्री में 38.5% की वृद्धि हुई है, जिससे बाजार में काफी चर्चा हुई है।

भारत में ट्रैक्टर उद्योग का विकास:

- भारतीय कृषि में ट्रैक्टरों का इतिहास 1914 में पंजाब में बंजर भूमि की पुनर्स्थापना के लिए भाप ट्रैक्टरों की शुरुआत से शुरू हुआ।
- आजादी के बाद, कृषि में ट्रैक्टरों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय ट्रैक्टर संगठन (सीटीओ) की स्थापना की गई थी।
- 1951 में, ट्रैक्टर उद्योग को नियोजित आर्थिक विकास के "कोर क्षेत्र" में शामिल किया गया था, और इसे "लाइसेंस राज" के तहत रखा गया था।
- दिलचस्प बात यह है कि 1960 तक भी ट्रैक्टरों की मांग पूरी तरह से आयात के जरिए पूरी हो रही थी।
- यह केवल 1961 में था कि दो कंपनियों, आयशर ट्रैक्टर्स लिमिटेड (जर्मन कंपनी के सहयोग से) और ट्रैक्टर और कृषि उपकरण लिमिटेड (TAFE) (UK कंपनी के सहयोग से) ने भारत में ट्रैक्टर का निर्माण शुरू किया।
- 1965 में, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भारत की अंतर्राष्ट्रीय ट्रैक्टर कंपनी के सहयोग से मैदान में कूद गए।
- नतीजतन, ट्रैक्टरों का घरेलू उत्पादन 1961-62 में 880 इकाइयों से बढ़कर 1965-66 में 5,000 इकाइयों तक आ गया।
- हरित क्रांति ने कृषि में समय पर काम पूरा करने की दबाव की जरूरत को पूरा करने के लिए ट्रैक्टरों की मांग को भरा। इसलिए, सरकार ने 1968 में ट्रैक्टर निर्माण में अतिरिक्त उद्यमियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया।
- 1974 में, पंजाब ट्रैक्टर्स लिमिटेड स्वदेशी तकनीक से ट्रैक्टर बनाने वाली पहली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बन गई। 1982 में, ट्रैक्टरों का स्वदेशी महिंद्रा ब्रांड भी लॉन्च किया गया।
- हालांकि, यह केवल 1991 में था कि भारत में ट्रैक्टर विनिर्माण पूरी तरह से लाइसेंस प्राप्त था। इसने प्रतिस्पर्धा में सुधार किया, गुणवत्ता में सुधार किया और किसानों को अधिक विकल्प प्रदान किए

ट्रैक्टर उद्योग की स्थिति:

- भारत चीन में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टरों (सब 20 हॉर्स पावर (hp) बेल्ट चालित ट्रैक्टरों को छोड़कर) का सबसे बड़ा निर्माता है, जिसके बाद अमेरिका और चीन हैं।
- भारत में ट्रैक्टर का उत्पादन 1991 में 139 हजार से बढ़कर 2018-19 में लगभग 900 हजार इकाई हो गया
- भारतीय कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (M & M) बाजार के 40 प्रतिशत शेयर (FY 2019) के साथ सबसे बड़ी कंपनी बनकर उभरी है।
- 2018-19 में, भारत ने अमेरिका से अफ्रीकी देशों तक विभिन्न देशों में लगभग 90,000 ट्रैक्टरों का निर्यात किया।
- यह एक "आत्मनिर्भर" और प्रतिस्पर्धी उद्योग की बात करता है।

ट्रैक्टर उद्योग की इस सफलता में किसने योगदान दिया?

- सबसे पहले, 1991 का अन-लाइसेंसिंग उद्योग में एक बड़ा बदलाव था।
- दूसरा, ट्रैक्टर खरीदने के लिए बैंक ऋण की उपलब्धता ने बाजार को बढ़ने में मदद की। लगभग 95% ट्रैक्टर बैंक ऋण पर खरीदे जाते हैं।

इस क्षेत्र के सामने चुनौतियां:

- **अक्षम्य उपयोग:** कुशल उपयोग के लिए 800-1,000 घंटे के बेंचमार्क आंकड़े की तुलना में अधिकांश राज्यों में ट्रैक्टर का उपयोग प्रति वर्ष लगभग 500-600 घंटे तक होता है।
- यह भारत के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से पंजाब / हरियाणा बेल्ट के "खेतों के पूंजीकरण' के लिए अग्रणी है
- लघु और सीमांत किसान द्वारा दुर्गम: आर्थिक संपत्ति की कमी के कारण, छोटे और सीमांत किसान अभी भी कृषि गतिविधियों के लिए बैलगाड़ियों पर निर्भर हैं।

आगे का मार्ग - नवीनीकरण

- भारत को "ट्रैक्टर सेवाओं के उन्नयन" जैसे नवीनीकरण उपाय करने हैं।
- "उबेरीकरण मॉडल" मशीन के मालिक के बिना छोटे धारकों द्वारा भी ट्रैक्टर सेवाओं को पूरी तरह से अदृश्य, सुलभ और सस्ती बना सकता है।
- अलग-अलग किसान, जिनके पास ट्रैक्टर हैं, वे भी दूसरों को ट्रैक्टर सेवाएं प्रदान करने और कुछ पैसे कमाने के लिए इस मंच का लाभ उठा सकते हैं
- कृषि जगत के कृषि स्टार्ट-अप और नवप्रवर्तनकर्ताओं को इस क्षेत्र में प्रवेश करने और कृषि मशीनरी के कुशल उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।
- ट्रैक्टर उद्योग के भविष्य में जल्द ही जुताई और बुवाई के लिए ट्रैक्टर सेवाओं के संयोजन में सेंसर, क्लाउड कंप्यूटिंग और सटीक खेती के लिए कृत्रिम बुद्धि का उपयोग करना शामिल होगा।

निष्कर्ष

- फार्म मशीनरी के साथ डिजिटल क्रांति को प्रतिष्ठित करना अमेरिका और यूरोप में शुरू हो चुका है, जो कि हावर्थ बफेट (एक किसान और अरबपति वारेन बफेट के भाई) ने "भूरी क्रांति" कहा है।

- भारत की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था लागत में कटौती, खेती की लाभप्रदता बढ़ाने और इस तरह न केवल ट्रैक्टर बाजार का विस्तार करने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि कृषि कार्यों में भी कम कर देती है

बिंदुओं को जोड़ने पर

- 1991 का आर्थिक सुधार
- हरित क्रांति 2.0

केरल का सोना तस्करी का मामला

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - समानांतर अर्थव्यवस्था; अर्थव्यवस्था और इससे जुड़े मुद्दे का हिस्सा:

विषय में:

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की जांच में पता चला है कि सोना प्राप्त करने के लिए शुरुआती धन संदिग्ध व्यक्तियों के साथ उठाया गया था और धन हवाला चैनल के माध्यम से विदेशों में भेजा गया था।

काले धन को वैध बनाना

- मनी लॉन्ड्रिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा अवैध रूप से प्राप्त की जाने वाली बड़ी मात्रा को वैध स्रोत से उत्पन्न होने का आभास दिया जाता है।
- अवैध हथियारों की बिक्री, आतंकी फंडिंग, तस्करी, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी और कर चोरी सहित संगठित अपराध की गतिविधियों जैसे कुछ अपराध भारी धन का उत्पादन करते हैं, जिसे स्वच्छ दिखने के लिए उसको 'काले से सफेद' किया जाना आवश्यक है।

भारत में मनी लॉन्ड्रिंग (काले धन को वैध करना) के आम रास्ते है:

- **हवाला:** हवाला एक वैकल्पिक या समानांतर प्रेषण प्रणाली है। हवाला नेटवर्क में पैसा शारीरिक रूप से नहीं ले जाया जाता है। उदाहरण के लिए: एक विशिष्ट हवाला लेनदेन संयुक्त राज्य अमेरिका के भारतीय मूल के निवासी की तरह होगा, जो कुछ व्यवसाय करना चाहता है, भारत में अपने रिश्तेदारों को कुछ पैसे भेजना चाहता है। व्यक्ति के पास या तो बैंकिंग प्रणाली के औपचारिक माध्यम से या हवाला प्रणाली के माध्यम से धन भेजने का विकल्प होता है। हवाला में कमीशन बैंक के लागत से कम है और खाता खोलने या बैंक का दौरा करने के लिए किसी भी जटिलताओं के बिना है, आदि पैसा व्यक्ति के रिश्तेदार के दरवाजे तक पहुंचता है और प्रक्रिया तेज और सस्ती होती है।
- **शेल कंपनियाँ:** ये नकली कंपनियाँ हैं जो धन को लूटने के अलावा किसी अन्य कारण से मौजूद नहीं हैं। वे कथित माल या सेवाओं के लिए "भुगतान" के रूप में काले पैसे लेते हैं लेकिन वास्तव में कोई सामान या सेवाएं प्रदान नहीं करते हैं; वे बस नकली चालान और बैलेंस शीट के माध्यम से वैध लेनदेन की उपस्थिति बनाते हैं।
- **संरचना जमा:** जिसे स्मर्फिंग के रूप में भी जाना जाता है, यह विधि बड़ी मात्रा में पैसे को छोटी, कम-संदिग्ध मात्रा में तोड़ने पर मजबूर करती है। पैसा तब एक या अधिक बैंक खातों में या तो कई लोगों (स्मर्फ) द्वारा या एक व्यक्ति द्वारा एक विस्तारित अवधि में जमा किया जाता है
- **थर्ड-पार्टी चेक:** काउंटर चेक या बैंकर के ड्राफ़्ट का उपयोग अलग-अलग
- विभिन्न तृतीय-पक्ष खातों के माध्यम से संस्थान और उन्हें साफ़ करना। चूंकि ये कई देशों में परक्राम्य हैं, इसलिए स्रोत धन के साथ सांठगांठ स्थापित करना मुश्किल है।
- **क्रेडिट कार्ड:** विभिन्न बैंकों के काउंटरों पर क्रेडिट और चार्ज कार्ड बैलेंस का भुगतान करना ।

- **बीमा क्षेत्र:** मनी लॉन्ड्रिंग के आंतरिक चैनल एजेंट / ब्रोकर प्रीमियम डायवर्सन, पुनर्बीमा धोखाधड़ी और किराए की संपत्ति योजनाएं आदि हैं। बीमा कंपनियां, अपतटीय / बिना लाइसेंस वाली इंटरनेट कंपनियां, ऑटो दुर्घटनाएं, ऊर्ध्वाधर और वरिष्ठ निपटान धोखाधड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के बाहरी चैनल हैं।
- **खुले प्रतिभूति बाजार:** प्रतिभूति बाजार, जो अपनी नकदी के लिए जाना जाता है, को भी अवैध फंड को छिपाने और अस्पष्ट धन की तलाश करने वालों द्वारा लक्षित किया जा सकता है।
- **साइबर अपराध:** पहचान की चोरी, ई-मेल तक अवैध पहुंच और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी गतिविधियों के साथ आ रहे हैं। बड़ी मात्रा में पैसा अब डिजिटल रूप में संग्रहीत किया जाता है।
- **अवैध स्टॉक विकल्प:** उदाहरण: एक निवेशक A पर विचार कीजिए, जिसने एक वर्ष में महत्वपूर्ण पूंजीगत लाभ प्राप्त किया है। इन लाभों को ऑफसेट करने के लिए, वे घाटे को बुक करने के लिए अनूठे स्टॉक विकल्पों का उपयोग करते हैं। इन अनुबंधों के प्रतिपक्ष, निवेशक 'B' कहते हैं, इन विकल्पों में पुस्तकों का लाभ होता है। B के पास पहले से ही A के साथ एक व्यवस्था है, जिसमें वह किए गए मुनाफे का लगभग 10-15 प्रतिशत बरकरार रखता है और शेष धनराशि को गैर-बैंकिंग चैनलों के माध्यम से 'A' में स्थानांतरित करता है।

सरकार द्वारा कानूनी खामियों को दूर करने के उपाय:

- आयकर अधिनियम, 1961
- विदेशी मुद्रा का संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम, 1974 (COFEPOSA)
- तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेर अधिनियम, 1976 (SAFEMA)
- मादक ड्रग्स तथा साइकोट्रॉपिक पदार्थ अधिनियम
- बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988
- मादक ड्रग्स तथा साइकोट्रॉपिक पदार्थ अधिनियम, 1988 में अवैध यातायात की रोकथाम।
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 2000 (FEMA)
- धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002
- वित्तीय खुफिया इकाई - भारत (FIUIND)
- भारत वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) का पूर्णकालिक सदस्य भी है, जो धन-शोधन और गैरकानूनी गतिविधियों के वित्तपोषण से निपटने के लिए वैश्विक मानकों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार है।
- बैंकों द्वारा KYC नीतियों का पालन।

शराब पर कर

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - अर्थव्यवस्था और कराधान का हिस्सा:

बारे में:

- शराब, बीयर और स्प्रिट पर COVID19 कर के 19 अवैज्ञानिक 'परिचय ने सभी हितधारकों को प्रभावित किया था।
- उपभोक्ता मूल्य में भारी वृद्धि ने कई उपभोक्ताओं को निम्न- मूल्य, निम्न- गुणवत्ता वाले उत्पादों, और यहां तक कि चांदनी में स्थानांतरित कर दिया, जिनमें से सभी के पास विशाल स्वास्थ्य और सामाजिक आर्थिक प्रभाव हैं।
- महामारी उपकर ने राज्यों के राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाला है क्योंकि उपकर ने बिक्री की मात्रा को प्रभावित किया था।

कोविड और दुग्ध क्षेत्र

संदर्भ: कोविड-19 द्वारा जारी आर्थिक संकट ने भी दुग्ध क्षेत्र को प्रभावित किया था।

दूध क्षेत्र कितना अनोखा है?

- **नियमित आय:** दूध एक अनोखी "फसल" है जिसे किसान रोजाना काटते हैं।
- **मांग संतुलन:** चूंकि इसका रोजाना सेवन किया जाता है, इसलिए आपूर्ति-माग संतुलन करना उतना मुश्किल नहीं है, जितना, 2-3 महीने में गेहूं की कटाई
- **संस्थागत क्षमताओं का निर्माण:** जबकि दूध का उत्पादन मौसमी उतार-चढ़ाव के अधीन होता है - पशु, विशेषकर भैंस, सर्दी-वसंत के दौरान अधिक उत्पादन करती हैं और गर्मियों में कम - डेयरी इसे प्रबंधित करना जानती हैं
- **संतुलित मॉडल:** "फ्लश" मौसम के अधिशेष दूध आमतौर पर "दुबला" महीनों में पुनर्गठन के लिए मलाई उतारे हुए दूध का पावडर (SMP) और घी/मक्खन में परिवर्तित हो जाता है, जब दही, लस्सी और आइसक्रीम की मांग भी बढ़ जाती है
- **तेज खपत:** चीनी मिलों या भारतीय खाद्य निगम के विपरीत, डेयरियों को बिना बिके हुए माल की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पिछले 15 वर्षों में भारत का दूध उत्पादन दोगुना से अधिक हो गया है, इसलिए बढ़ती आय के कारण इसकी खपत भी बहुत अधिक है।

COVID-19 के कारण सेक्टर को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है?

- **मौजूदा मॉडल का विघटन:** उपरोक्त संतुलन मॉडल को होटल, रेस्तरां आदि के COVID शटडाउन द्वारा किए गए मांग विनाश द्वारा खराब किया जा रहा है।
- **उत्पादन का संचय:** संस्थागत बिक्री के पतन के साथ - ये दूध और दूध उत्पादों के लिए देश के बाजार का एक चौथाई हिस्सा बनाते हैं - डेयरियां गर्मी और मानसून के महीनों के माध्यम से पाउडर और वसा स्टॉक जमा करती रही हैं।
- **भविष्य के खतरे:** न केवल मांग में गिरावट अभूतपूर्व है, आने वाले महीनों में चारे की उपलब्धता, भैंस की कटाई और तापमान में गिरावट के साथ उत्पादन में वृद्धि होगी।
- **कीमतों में गिरावट:** केवल वस्तुएं (एसएमपी और घी) बेचने वाली डेयरियां पहले ही 25 मार्च को बंद हो चुकी हैं, दूध की कीमतों में 10-13 रुपये प्रति लीटर की गिरावट आई है। यहां तक कि बड़े पैमाने पर तरल दूध के विपणन में 3-5 रुपये / लीटर की कटौती हुई है।

आगे का मार्ग - सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था:

- सरकार को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को निर्देश देना चाहिए कि वह लगभग 60,000 टन SMP और 30,000 टन मक्खन का सुरक्षित भंडार बनाए
- इसकी लागत - SMP के लिए 200 रुपये/ किग्रा और मक्खन के लिए 300 रुपये / किग्रा, रु 25 / लीटर गाय के दूध की खरीद मूल्य के अनुसार - लगभग 2,100 करोड़ रूपए आ सकते हैं, जिसे प्रबंधित किया जा सकता है।
- सुरक्षित भंडारण के लिए धन अगले "क्षीण" गर्मियों के मौसम में, जब कुछ किया जा सकता है
- सामान्य स्थिति की मांग भी लौट आएगी

निष्कर्ष

अब हस्तक्षेप नहीं करने से किसानों को नुकसान होगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- श्वेत क्रांति
- RCEP जैसी बहुपक्षीय व्यापार संधियों से डेयरी क्षेत्र को खतरे

RBI मौद्रिक नीति के मुख्य बिन्दु

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - भारतीय अर्थव्यवस्था - मौद्रिक नीति; RBI और बैंकिंग का हिस्सा

संदर्भ:

- RBI गवर्नर शक्तिकांत दास ने देश में COVID 19 महामारी फैलने के बाद से मौद्रिक नीति की तीसरी समीक्षा के दौरान प्रमुख नीतिगत निर्णयों की घोषणा की।

क्या आप जानते है?

- मौद्रिक नीति वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा RBI पैसे की आपूर्ति को नियंत्रित करता है, अक्सर मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मुद्रास्फीति दर या ब्याज दर को लक्षित करता है।
- RBI हर दो महीने में अपनी मौद्रिक नीति की समीक्षा करता है।

मुख्य बिन्दु:

- RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने निर्णय लिया
  - रेपो दर को 4 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखें (सबसे कम है क्योंकि इसे 2000 में पेश किया गया था)
  - मौद्रिक नीति का समायोजित रुख जारी रखें जब तक कि विकास को पुनर्जीवित करना और महामारी के प्रभाव को कम करना आवश्यक है
- RBI गवर्नर ने प्रोत्साहन उपायों की घोषणा की, जिसमें नाबार्ड और NHB को रेपो दर पर 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त विशेष नकदी शामिल है।
- चेक भुगतान की सुरक्षा बढ़ाने के लिए, सकारात्मक वेतन का एक तंत्र शुरू करने का निर्णय लिया गया है
- मूल्य 50,000 और उससे अधिक के सभी चेक के लिए।
- RBI नवीनीकरण हब स्थापित करेगा
- स्टार्टअप्स को भी प्राथमिकता दी जा रही है
- स्टार्टअप्स को भी दिया जाएगा प्राथमिकता क्षेत्र ऋण
- संकुचित MSME उधारकर्ता ऋण पुनर्गठन के लिए पात्र होंगे
- RBI नकदी समर्थन बढ़ाने, वित्तीय तनाव कम करने, ऋण प्रवाह में सुधार करने और डिजिटल भुगतान प्रणाली को गहरा करने के लिए अतिरिक्त उपायों की घोषणा करता है।

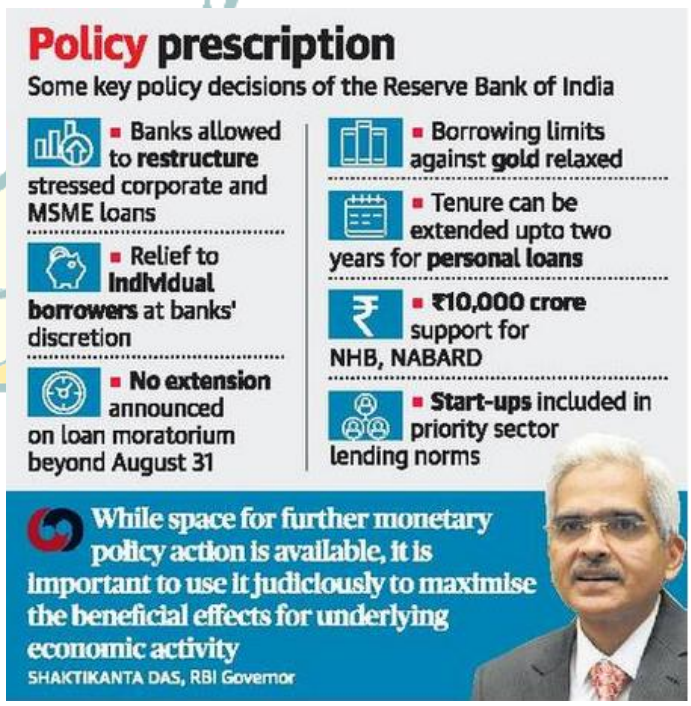

RBI के अनुसार अर्थव्यवस्था की स्थिति:

- फ्रैंकलिन टेम्पलटन प्रकरण के बाद से म्यूचुअल फंड स्थिर हो गए हैं
- आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान बनी रहती है; मुद्रास्फीति पूरे खंडों में स्पष्ट है
- आर्थिक गतिविधि ठीक होने लगी थी, लेकिन संक्रमण में वृद्धि ने लॉकडाउन को लागू करने के लिए मजबूर किया

- वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 2020-21 के लिए नकारात्मक होने का अनुमान है
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार मजबूत होने की उम्मीद है
- वैश्विक आर्थिक गतिविधि नाजुक बनी हुई है।

उत्तेजना का वित्तपोषण कैसे करें: ऋण वित्तपोषण बनाम घाटे का मुद्रीकरण

संदर्भ: आर्थिक मंदी COVID-19 महामारी के हमले से बढ़ी है

मंदी के इस मोड़ पर सरकार को क्या करना चाहिए?

- सरकार को अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए (कीनेसियन अर्थशास्त्र)
- इसके लिए, सरकार द्वारा अधिक से अधिक सार्वजनिक व्यय को इस तरह के पुनरुद्धार के साइन योग्यता के रूप में माना जाता है

बढ़े हुए सरकार के खर्च की चुनौती क्या है?

- अधिक सार्वजनिक खर्च से राजकोषीय घाटा बढ़ेगा और इस विस्तार का वित्तपोषण किया जाना है।
- राजकोषीय घाटा सरकार के खर्च और राजस्व के बीच के अंतर को पाटने के लिए आवश्यक उधार की कुल राशि है

विस्तार के वित्तपोषण के विभिन्न तरीके हैं

- **राजस्व बढ़ाना:** सैद्धांतिक रूप से राजकोषीय घाटे को उच्च करों द्वारा वित्तपोषित किया जा सकता है, लेकिन जब अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है तो यह अलोकप्रिय है और लोगों द्वारा आगे के खर्च को रोकता है
- **ऋण वित्तपोषण:** यह सार्वजनिक (बांड जारी करने), विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) जैसे बाहरी स्रोतों उधार लेने से उधार शामिल है
- **प्रत्यक्ष मुद्रीकरण की कमी:** इसमें भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) को सरकारी खजाने को बेचना शामिल है

ऋण वित्तपोषण में क्या चुनौतियां हैं?

- **परिवर्तन का प्रभाव:** विश्व बैंक और आईएमएफ से उधार आमतौर पर आर्थिक पुनर्गठन पर शर्त के साथ आता है (1991 के सुधारों को याद करें जो बेलआउट (खैरात) पैकेज का हिस्सा था)
- **अंतर-पीढ़ीगत साम्यता में गड़बड़ी:** अब बढ़ी हुई उधारी का अर्थ है भावी पीढ़ी के लिए ब्याज भुगतान में वृद्धि और उधार लेने की गुंजाइश कम होना
- **चुकौती का बोझ:** न केवल चुकाने के लिए पैसे हैं, उन्हें कठिन मुद्रा में वापस भुगतान करना होगा।
- इसमें भारत को निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मुद्रा अर्जित करना शामिल होगा, जो संरक्षणवाद के वर्तमान वैश्विक मूड के तहत एक महत्वपूर्ण कार्य है।
- **पूर्व के लिए:** यदि जीडीपी के लगभग 10% की प्रोत्साहन की परिकल्पना जीडीपी के 25% निर्यात के साथ की जाती है, तो इससे निर्यात में 50% की वृद्धि होगी।
- **COVID-19 के खिलाफ सरकार की लड़ाई से ध्यान आकर्षित करता है:** COVID-19 के साथ दिन-ब-दिन लड़ाई में शामिल होने वाली सरकार की ऊर्जाओं पर कर लगाने के लिए कुछ समय के लिए कर्ज लेने के लिए बाध्य होना पड़ता है।

प्रत्यक्ष मुद्रीकरण या धन वित्तपोषण क्या है?

- आम आदमी की भाषा में, घाटे के मुद्रीकरण का अर्थ है अधिक धन छापना।
- प्रत्यक्ष मुद्रीकरण में, सरकार RBI को नए बांडों के बदले में नई मुद्रा मुद्रित करने के लिए कहती है जो सरकार RBI को देती है।

- नई नकदी को प्रिंट करने के एवज में, जो कि RBI के लिए देयता है (क्योंकि, प्रत्येक मुद्रा नोट में RBI के गवर्नर को निर्धारित राशि का भुगतान करने का वादा करता है), RBI को सरकारी बॉन्ड मिलते हैं, जो RBI के लिए एक परिसंपत्ति हैं।
- सरकारी बांड RBI के लिए परिसंपत्ति हैं क्योंकि वे एक निर्धारित तिथि पर निर्धारित राशि का भुगतान करने का सरकार का वादा करते हैं।
- अब, सरकार के पास खर्च करने के लिए नकदी होगी और अर्थव्यवस्था में तनाव को कम करने के लिए
- ध्यान दें कि यह "अप्रत्यक्ष विमुद्रीकरण" से अलग है जो RBI खुले बाजार संचालन (OMO) का संचालन करता है और द्वितीयक बाजार में बांड खरीदता है।

क्या भारत में प्रत्यक्ष मुद्रीकरण का प्रचलन है?

- घाटे का मुद्रीकरण 1997 तक भारत में चलन में था, जिससे केंद्रीय बैंक ने एड-हॉक ट्रेजरी बिल जारी करने के माध्यम से सरकारी घाटे का स्वचालित रूप से विमुद्रीकरण कर दिया।
- 1994 और 1997 में सरकार और RBI के बीच दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे ताकि एड-हॉक ट्रेजरी बिल के माध्यम से फंडिंग पूरी तरह से समाप्त हो सके।
- और बाद में, एफआरबीएम अधिनियम, 2003 के अधिनियमन के साथ, आरबीआई को 1,2006 अप्रैल से सरकार के प्राथमिक निर्गमों की सदस्यता से पूरी तरह से रोक दिया गया था
- यह सहमति हुई कि इसके बाद, RBI केवल OMO (खुले बाजार परिचालन) मार्ग यानी अप्रत्यक्ष मुद्रीकरण के माध्यम से द्वितीयक बाजार में काम करेगा।
- OMO में रुपये की नकदी की स्थिति को समायोजित करने के लिए RBI द्वारा द्वितीयक बाजार से सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री और खरीद शामिल है
- निहित समझ यह थी कि RBI सरकारी उधार लेने के लिए OMO मार्ग का उपयोग नहीं करेगा, लेकिन इसका उपयोग नकदी साधन के रूप में किया जाएगा।

प्रत्यक्ष मुद्रीकरण के क्या नुकसान हैं जो इसके विच्छेदन का कारण बनते हैं?

- **उच्च मुद्रास्फीति:** मुद्रीकरण में मुद्रा आपूर्ति का विस्तार शामिल है जो संभावित रूप से मुद्रास्फीति का परिणाम हो सकता है
- **कुशल खर्च के लिए प्रोत्साहन कम करता है:** प्रत्यक्ष मुद्रीकरण मार्ग की उपलब्धता का मतलब है कि सरकार के लिए प्रोत्साहन को कम करके अनुशासित रूप से अनुशासित किया जाए।
- **लोकलुभावनवाद को बढ़ावा देता है:** सरकारें आमतौर पर दीर्घकालिक संरचनात्मक उपायों के बजाय लोकलुभावन उपायों पर खर्च करती हैं, यह पूरी तरह से जानते हुए कि वे राजकोषीय घाटे को बढ़ाने के लिए एक रास्ता है।
- **विगत पाठ:** प्रत्यक्ष विमुद्रीकरण मार्ग के उपयोग ने राजकोषीय अनुशासनहीनता का कारण बना जिससे अंततः 1991 में भुगतान संकट का संतुलन बिगड़ गया।
- **रुपया मूल्यह्रास:** जब नई मुद्रा की छपाई के कारण मुद्रा की अतिरिक्त आपूर्ति होती है, तो यह रुपये के मूल्य में गिरावट का कारण बन सकता है, जिससे इसकी मूल्यह्रास हो सकती है।
- **निवेशकों का विश्वास कम करता है:** बाजार/निवेशकों को डर होगा कि राजकोषीय नीति पर बाधाओं को छोड़ दिया जा रहा है, जब प्रत्यक्ष मुद्रीकरण पथ अपनाया जाता है। वे सरकार को अपने ऋण को दूर करके अपनी राजकोषीय समस्याओं को हल करने की योजना के रूप में देख सकते हैं।

क्या अप्रत्यक्ष मुद्रीकरण (OMO के माध्यम से) मुद्रास्फीति का कारण नहीं बनेगा?

- मुद्रीकरण और OMO दोनों में धन की आपूर्ति का विस्तार शामिल है जिसके परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति संभावित रूप से हो सकती है ।
- हालांकि, मुद्रास्फीति का खतरा है कि दोनों ले अलग है ।
- OMO एक मौद्रिक नीति उपकरण है जिसमें RBI नकदी की मात्रा पर निर्णय लेता है।
- इसके विपरीत, प्रत्यक्ष मुद्रीकरण में, धन की आपूर्ति की मात्रा और समय द्वारा निर्धारित किया जाता है
- राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण के लिए RBI की मौद्रिक नीति के बजाय सरकार की उधारी।
- अगर RBI को मौद्रिक नीति पर नियंत्रण खोने के रूप में देखा जाता है, तो यह मुद्रास्फीति और मुद्रा आपूर्ति के प्रबंधन के लिए RBI की विश्वसनीयता के बारे में चिंताएं बढ़ाएगा।
- इसलिए, भारतीय रिजर्व बैंक की विश्वसनीयता को कम और दीर्घकालिक दोनों रूपों में अर्थव्यवस्था के लिए व्यापक निहितार्थ के साथ महंगा किया जा सकता है ।

क्या प्रत्यक्ष मुद्रीकरण का उपयोग कोविड के बाद की अवधि में घाटे के वित्तपोषण के लिए किया जा सकता है?

- आर्थिक स्थिति में बदलाव के लिए नीतियों में बदलाव का आह्वान किया गया ।
- प्रत्यक्ष मुद्रीकरण का मुद्रास्फीति प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था की मांग में मंदी के कारण प्रत्यक्ष मुद्रीकरण का इस समय बहुत अधिक नहीं हो सकता है क्योंकि अर्थव्यवस्था का अनुभव हो रहा है ।
- बढ़ी हुई धन आपूर्ति मंदी की मांग को पुनर्जीवित करेगी और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने वाले उत्पादन को आरंभ करेगी ।
- हालांकि, जब अर्थव्यवस्था वसूली के रास्ते में प्रवेश करती है, पैसे की आपूर्ति में वृद्धि आनुपातिक रूप से एक उच्च मुद्रास्फीति की दर के लिए नेतृत्व कर सकता है ।

निष्कर्ष

- धन पोषण हमें उत्पादन के पूर्व-COVID-19 स्तरों पर वापस ले जाने के लिए एक व्यवहार्य मार्ग है

बिन्दुओ को जोड़ने पर

- 1991 का भुगतान संकट का संतुलन

सरकार और RBI को PSBs के बारे में एक तीन आयामी चुनाव का सामना करना पड़ता है।

संदर्भ: RBI के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल ने अपनी नई पुस्तक Overdraft—Saving the Indian Saver में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग के संबंध में भारतीय केंद्रीय बैंक और सरकार के सामने एक त्रिआयामी चयन के बारे में बात की है

त्रिआयामी चयन क्या है?

RBI के साथ सरकार एक ही समय में तीन अंक से नीचे हासिल करने की उम्मीद नहीं कर सकती:

- बैंकिंग क्षेत्र में सरकारी बैंकों (सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों) का प्रभुत्व है
- स्वतंत्र नियमन बनाए रखना
- सार्वजनिक ऋण-सकल घरेलू उत्पाद (GDP) लक्ष्यों का पालन करें ।

तीन में से केवल दो ही प्राप्त किए जा सकते हैं।

- उदाहरण के लिए: सरकार चाहती है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (PSBs) बैंकिंग प्रणाली से अधिक प्रभावी हो और साथ ही यह सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक ऋण ऊपर न जाए ।

ऐसी परिस्थिति में क्या होगा?

- इस परिदृश्य में RBI को स्वतंत्र नियमन पर समझौता करना होगा।
- बैंकिंग प्रणाली पर हावी होने के लिए PSBs को तेज गति से कर्ज बढ़ाना होगा।
- आखिरकार, इस बढ़े हुए ऋण से बुरे ऋण या ऋणों का संचय हो जाएगा जो 90 दिनों या उससे अधिक के लिए चुकाए नहीं गए हैं।
- यह देखते हुए कि खराब ऋणों की वसूली कम है, सरकार को, मालिक के रूप में, उन्हें जारी रखने के लिए PSB में अधिक धन निवेश करना होगा ।
- अगर सरकार PSB में ज्यादा पैसा लगाती है तो उसका खर्च बढ़ जाएगा।
- इसके लिए अधिक धन उधार लेना होगा और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में सार्वजनिक ऋण में काफी वृद्धि होगी

सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में सार्वजनिक ऋण को बढ़ने से कैसे बचाया जा सकता है?

- केंद्रीय बैंक को खराब ऋणों को पहचानने में पीएस की मदद करने के लिए कुछ विनियमों को कमजोर करना होगा ऐसे में सरकार को तुरंत PSB में निवेश करने की जरूरत नहीं है।
- PSB का बाजार में अधिक हिस्सा होगा और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में सार्वजनिक ऋण अभी नहीं बढ़ेगा
- हालांकि RBI को बैंकिंग नियमों को कमजोर करना होगा। RBI के मानदंडों को कमजोर करने के साथ क्या मुद्दा है?
- जब RBI नियमों को कमजोर करता है, तो बैंक खराब ऋणों को लात मारते हैं जो सड़क पर उतर सकते हैं । इस स्थगन से एक बड़ी समस्या पैदा हो जाती है, जो बैंकों को तुरंत नहीं, बल्कि कुछ साल बाद निष्क्रिय करती है ।
- यह ठीक है कि PSB ने मार्च 2018 तक ₹ 8.96 ट्रिलियन के पीक खराब ऋण जमा किए।
- इसके बाद सरकार को आने वाले सालों में बैंकों का पुनर्पूंजीकरण करना है। इस प्रक्रिया में, यह सार्वजनिक ऋण को सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में धकेलता है ।
- यह एक ऐसी स्थिति है जिसे बचाने के लिए सरकार कड़ी मेहनत कर रही है ।

RBI, सरकार के लिए अंतिम रास्ता क्या है?

- बैंकिंग क्षेत्र में सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी में गिरावट का विरोध नहीं किया जाना चाहिए (PSB का कम प्रभुत्व)
- वर्तमान रुझानों से मोटे तौर पर पता चलता है कि बैंकिंग क्षेत्र का तेजी से निजीकरण हो रहा है, चुपके से, दूरसंचार क्षेत्र की तरह । पूर्व के लिए: पिछले दशक में, समग्र ऋण में पीएसबी की हिस्सेदारी वर्तमान में 75.1% से 57.5% तक तेजी से गिर गई है।
- चूंकि PSB शेयर खोते रहते हैं, इसलिए आने वाले दशकों में वे सरकार और केंद्रीय बैंक के लिए कम सिर दर्द का कारण बनेंगे ।

बिंदुओं को जोड़ने पर:

- नकदी का प्रभाव बल और उसके मुद्दे
- दोहरी बैलेंस शीट समस्या

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा आर्थिक सुधार के लिए तीन कदम

संदर्भ: धीमा भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद 2019-20 में 4.2% की दर से बढ़ी) महामारी से और तबाह हो गया था।

भारत में वर्तमान आर्थिक परिदृश्य

- लॉकडाउन और वायरस के बारे में बढ़ती जनता की चिंता के कारण भारत में आर्थिक गतिविधियों में तेजी से गिरावट आई ।
- लॉकडाउन उठाने के बाद, अर्थव्यवस्था के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न गति से हिट से उबरने की संभावना है ।
- औद्योगिक गतिविधि संभवतः सामान्य हो सकती है, विशेष रूप से विनिर्माण में जहां वायरस को नियंत्रित करना आसान हो सकता है ।

- हालांकि, जिन उद्योगों में यह कठिन है-यात्रा या उदाहरण के लिए मनोरंजन-अभी भी एक क्रमिक सामान्यीकरण प्रक्रिया में होगा, और शायद पूरी तरह से खुशहाली लौटने लगी जब तक एक टीका उपलब्ध है नहीं होगा

क्या आप जानते है?

- कुछ अर्थशास्त्रियों ने वित्त वर्ष 21 में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद को 4.4% तक अनुबंधित करने की परियोजना दी; यह भारत ने 1980 के बाद से सबसे गहरी मंदी देखी है।
- वैश्विक GDP को 2020 में 3.5% तक अनुबंधित करने का अनुमान है, जिसे कम से कम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की सबसे गहरी मंदी माना जा सकता है।

वर्तमान आर्थिक आघात पिछले संकट (जैसे 1991) से कैसे अलग है?

- **पूरी दुनिया प्रभावित:** 1991संकट एक घरेलू वैश्विक कारकों से प्रेरित संकट था, लेकिन आज की आर्थिक स्थिति अपनी सर्वव्यापकता, पैमाने और गहराई में अभूतपूर्व है
- **प्रभाव व्यवहार मानसिकता:** नागरिकों के बीच भय और डराने का कारक पिछले मंदी में से किसी के दौरान प्रचलित नहीं था।
- **अद्वितीय प्रतिक्रिया:** COVID-19 सदमे भी इस अनूठी विशेषता है जो सदमे के लिए ही प्रतिक्रिया है, कि है, वायरस नियंत्रण और सोशल डिस्टेंसिंग उपायों आर्थिक गतिविधि पर एक शारीरिक बाधा का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **घरेलू और वैश्विक आर्थिक वसूली आपस में जुड़ी:** भारत अब बाकी दुनिया के साथ बहुत अधिक एकीकृत है। इस महामारी में वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह से गड्ढा है और यह भारत के लिए चिंता का एक बड़ा कारण होगा

आर्थिक संकट को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जाने की जरूरत है?

- पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भारत के आर्थिक संकट को रोकने के लिए ' तीन कदम ' का प्रावधान
- पहला, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोगों की आजीविका की रक्षा की जाए और उनके पास एक महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष नकद सहायता के माध्यम से खर्च करने की शक्ति हो।
- दूसरा, इसे सरकार समर्थित ऋण गारंटी कार्यक्रमों के माध्यम से व्यवसायों के लिए पर्याप्त पूंजी उपलब्ध करानी चाहिए।
- तीसरा, यह संस्थागत स्वायत्तता और प्रक्रियाओं के माध्यम से वित्तीय क्षेत्र को ठीक करना चाहिए

उपरोक्त चरणों के साथ चुनौतियां क्या हैं?

- कर प्राप्तियों के साथ, नकदी की तंगी वाली सरकार के लिए यह मुश्किल होगा कि वह प्रत्यक्ष हस्तांतरण के वित्तपोषण के लिए धन प्राप्त कर सके और बीमार बैंकों को अधिक पूंजी प्रदान कर सके और व्यवसायों को ऋण प्रदान कर सके।
- इस चुनौती से उबरने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उच्च उधारी (विश्व बैंक और IMF जैसे बाहरी स्रोतों से) सलाह दी
- उनका कहना है कि भले ही भारत को सैन्य, स्वास्थ्य और आर्थिक चुनौतियों को पूरा करने के लिए जीडीपी का अतिरिक्त 10 फीसद खर्च करना हो, लेकिन ऐसा जरूर किया जाना चाहिए।
- अधिक उधार लेने के साथ समस्या यह है कि इससे भारत का ऋण जीडीपी अनुपात में वृद्धि होगी। चूंकि यह संकट की अवधि है, पूर्व प्रधानमंत्री का कहना है कि इस अनुपात में वृद्धि इसके लायक होगी क्योंकि इससे जीवन बचाया जा सकता है और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है।

क्या वैश्विक संस्थानों से कर्ज लेना भारत की आर्थिक कमजोरियों का संकेत माना जाता है?

- अतीत (1991 BOP संकट) में IMF और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं से कर्ज लेना भारत की आर्थिक कमजोरियों के संकेत के तौर पर लिया गया है।

- लेकिन अब भारत अन्य विकासशील राष्ट्रों की तुलना में ताकत की स्थिति से उधार ले सकता है
- इसका कारण यह है कि बहुपक्षीय संस्थानों से कर्जदार के रूप में भारत का ट्रैक रिकॉर्ड त्रुटिहीन है। इसलिए उधार लेना कमजोरी का संकेत नहीं है
- इसलिए, भारत सरकार को उधार लेने में शर्म नहीं होनी चाहिए लेकिन यह समझदारी होनी चाहिए कि उस उधार का उपयोग कैसे किया जाए

निष्कर्ष

- पिछले संकट वृहद आर्थिक संकट थे जिसके लिए सिद्ध आर्थिक औजार थे। वर्तमान संकट ने समाज में भय और अनिश्चितता को प्रेरित किया है, और इस संकट का मुकाबला करने के लिए एक आर्थिक उपकरण के रूप में अकेले मौद्रिक नीति कुंद साबित हो रही है।

बिंदुओं को जोडने पर:

घाटे का प्रत्यक्ष मुद्रीकरण: गुण और अवगुण

RBI की ऋण पुनर्निर्माण योजना

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - अर्थव्यवस्था और संबंधित मुद्दे; बैंकिंग का हिस्सा

समाचार में:

- RBI ने उन कर्जदारों के लिए ऋण पुनर्निर्माण योजना को मंजूरी दे दी, जो महामारी की वजह से तनाव में हैं।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), आतिथ्य, विमानन, खुदरा, अचल संपत्ति और ऑटो जैसे प्रमुख क्षेत्र, जो नकदी की कमी का सामना कर रहे हैं, इस योजना से लाभान्वित होंगे।

क्या आप जानते है?

- एक बार ऋण पुनर्गठन बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता पर COVID19 महामारी के प्रभाव को मृदु करने में मदद मिलेगी
- तनावपूर्ण संपत्ति के प्रस्ताव पर विवेकपूर्ण फ्रेमवर्क के तहत RBI के नियमों से अधिकांश श्रेणियों में उधारकर्ताओं को लाभ होगा।

"पारदर्शी कराधान-ईमानदार का सम्मान" मंच

GS प्रीलिम्स और मेन्स II और III - सरकार की नीतियां और पहल; अर्थव्यवस्था - कराधान का हिस्सा:

समाचार में:

- "पारदर्शी कराधान-ईमानदार का सम्मान" मंच हाल ही में शुरू किया गया था।
- मंच अनाम मूल्यांकन, अनाम अपील और एक करदाताओं के चार्टर प्रदान करता है।

अंकित मूल्यांकन:

- अनाम (फेसलेस) मूल्यांकन के तहत, करदाता के वापसी की जांच यादृच्छिक तरीके से चुने गए कर अधिकारी द्वारा की जाएगी और जरूरी नहीं कि उसी क्षेत्राधिकार से हो।
- इससे करदाता और कर अधिकारी के बीच किसी भी आमने-सामने संपर्क की आवश्यकता दूर हो जाएगी, जिससे दबाव और किराए की मांग की संभावना कम हो जाएगी।
- इस कदम से मूल्यांकन के लिए अनुपालन बोझ को कम करने और "ईमानदार करदाता" को पुरस्कृत करने की उम्मीद है, जो राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभाता है।
- एक अनाम कर प्रणाली करदाता को निष्पक्षता और निर्भयता पर विश्वास देगी।

- यह आय करदाताओं की गोपनीयता और गोपनीयता बनाए रखने में मदद करता है।
- मूल्यांकन प्रणाली में आयकर कार्यालयों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार को समाप्त करके भ्रष्ट प्रथाओं को समाप्त करने का प्रयास किया गया है ।

अनाम अपील सुविधा:

- यह सुविधा 25 सितंबर (दीनदयाल उपाध्याय की जयंती) से सभी नागरिकों को उपलब्ध होगी।
- एक अनाम अपील प्रणाली करदाता एक भौतिक प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता के बिना एक कर अधिकारी के फैसले के खिलाफ अपील करने की अनुमति होगी ।

करदाताओं का चार्टर

- वित्त मंत्री द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 के केंद्रीय बजट में करदाताओं के चार्टर की घोषणा की गई थी।
- चार्टर एक ईमानदार करदाता के अधिकारों और कर्तव्यों की रूपरेखा ।
- यह कर विभाग की प्रतिबद्धता और करदाताओं से अपेक्षाओं को भी परिभाषित करता है ।
- यह करदाता के अधिकारों और कर्तव्यों को एक साथ लाने और करदाता के प्रति सरकार की जिम्मेदारियों को तय करने की दिशा में एक कदम है

क्या आप जानते है?

- इन सभी उपरोक्त सुधारों से आयकर विभाग द्वारा समयबद्ध सेवाएं सुनिश्चित करके नागरिकों को सशक्त बनाने की संभावना है ।
- PM ने क्षमता होने के बावजूद करों का भुगतान नहीं करने वालों से अपील की कि वे आगे आएं और देश को आत्मनिर्भर बनाने के मकसद से खुद को प्रतिबद्ध करें।

MSMEs पर COVID-19 प्रभाव

GS मेन्स III - भारतीय अर्थव्यवस्था और इससे संबंधित मुद्दे; विकास और विकास का हिस्सा

विषय में:

COVID-19 के बाद आर्थिक और औद्योगिक पुनरुद्धार पर विशेषज्ञों के एक समूह से एक रिपोर्ट के अनुसार-

- लगभग 20-40% MSMEs बंद होने का सामना कर रहे हैं
- MSMEs क्षेत्र की छोटी इकाइयों को 2016 में नोटबंदी के प्रभाव से और 2017 में GST लागू होने से भी नुकसान हुआ

- MSMEs को तीन महीने के लॉकडाउन से फिर से नुकसान पहुँचा है और उगाही की गति को लेकर अनिश्चितता के कारण।

क्या आप जानते है?

- MSMEs के बंद होने से रोजगार की गंभीर समस्या पैदा हो सकती है, जो आगे सामाजिक संकट का कारण बन सकती है।

उपाय कार्यवाही:

- वैश्विक उद्यमिता के लिए वैश्विक गठबंधन (GAME) द्वारा MSMEs के लिए राष्ट्रीय रिपोर्ट एक तीन-चरण दृष्टिकोण से बची हुई है, जिसमें जीवित, पुनर्जीवित और कामयाब करना शामिल हैं।
- अस्तित्व पहली प्राथमिकता है और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि बड़ी संख्या में MSMEs का तत्काल सफाया न हो।
- हालांकि, जो जीवित रहते हैं, उन्हें पुनर्जीवित करने में मदद करने की आवश्यकता होगी क्योंकि अर्थव्यवस्था वापस सामान्य हो जाती है।
- इस बात का समाधान करने की आवश्यकता है कि एमएसएमई वास्तव में कैसे पनप सकते हैं और उद्योग के लिए तेज विकास दर का समर्थन कर सकते हैं।

आंशिक ऋण गारंटी योजना 2.0

GS पेपर - II GS पेपर - III सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप विकास एवं विकास बैंकिंग क्षेत्र और NBFCs का हिस्सा

- सरकार ने राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) के बॉन्ड और वाणिज्यिक पत्रों (CPs) में अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए आंशिक क्रेडिट गारंटी योजना (PCGS) 2.0 का दायरा बढ़ाया है।

पृष्ठभूमि:

- PCGS की घोषणा जुलाई 2019 में की गई थी, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को आर्थिक रूप से मजबूत NBFC और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (HFCs) से उच्च रेट के (BBB+ या उससे ऊपर) एकत्रित परिसंपत्तियों को खरीदने की अनुमति दी गई थी।
- परिसंपत्तियों का एक पूल मूल रूप से ऋण पोर्टफोलियो का एक प्रतिभूतिकरण है यानी ऋण को विपणन योग्य सुरक्षा में परिवर्तित करना, आमतौर पर उन्हें अन्य निवेशकों को बेचकर नकदी जुटाने के उद्देश्य से।
- इन्हें NBFCs/HFCs द्वारा अग्रिम भुगतान के बदले में बैंकों को बेचा जाता है। NBFCs/HFCs को बहुत जरूरी पैसा मिलता है और बैंकों को ब्याज देने वाली परिसंपत्तियां मिलती हैं।
- क्रेडिट रेटिंग किसी वित्तीय साधन या वित्तीय इकाई से जुड़े क्रेडिट जोखिम का विश्लेषण है। ये AAA से लेकर C और D तक हैं।
- आत्मनिर्भर पहल के एक भाग के रूप में, इस योजना को मई 2020 (PCGS 2.0) में बढ़ाया गया था ताकि NBFCs, HFCs और सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFIs) द्वारा कम क्रेडिट रेटिंग के साथ बांड/CP जारी करने को कवर किया जा सके।
- केंद्र ने बांड/CP की खरीद के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को 20 प्रतिशत पहले नुकसान की संप्रभु गारंटी प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप इस प्रणाली में 45,000 करोड़ रुपये की नकदी का निवेश हुआ।
- इस योजना में AA और नीचे की रेटिंग वाले कागजात शामिल थे, जिनमें बिना रेट के कागजात शामिल हैं, जिसका उद्देश्य गैर-बैंक उधारदाताओं को ताजा नकदी सहायता प्रदान करना है।

हाल ही में विस्तार:

- इस योजना को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों से अपने बांड और CPS के पोर्टफोलियो बनाने के लिए 19 नवंबर 2020 तक का समय दिया गया है।
- इसके अलावा, सरकार ने बैंकों को AA और AA-रेट बांड में योजना के तहत कुल निवेश का 50% तक निवेश करने की अनुमति दी है।

- यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि 25% पर ऐसे निवेशों के लिए पहले की सीमा लगभग पूरी हो गई थी।

प्रीलिम्स के लिए:

- **बांड:** उधारकर्ताओं बांड जारी करने के लिए निवेशकों को उंहें पैसे उधार देने को तैयार से पैसे जुटाने ।
- **वाणिज्यिक कागज:** यह निगमों द्वारा जारी असुरक्षित, अल्पकालिक ऋण साधन का एक आमतौर पर उपयोग किया जाने वाला प्रकार है, जिसका उपयोग आमतौर पर अल्पकालिक देनदारियों को पूरा करने के लिए किया जाता है।
- **प्राथमिक बाजार:** प्राथमिक बाजार वह जगह है जहां कंपनियां एक नई सुरक्षा जारी करते हैं, जो पहले किसी भी स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार नहीं करते थे। प्राथमिक बाजार के माध्यम से जारी प्रतिभूतियों में स्टॉक, कॉर्पोरेट या सरकारी बांड, नोट और बिल शामिल हो सकते हैं।
- द्वितीयक बाजार वह जगह है जहां निवेशक पहले से ही प्रतिभूतियों को खरीदते और बेचते हैं।

Covid-19 संकट: 5 मिलियन वेतनभोगी भारतीयों को जुलाई में नौकरी गंवानी पड़ी

GS-प्रीलिम्स और GS-III - रोजगार का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था की निगरानी के लिए केंद्र (CMIE) ने कोविड-19 लॉकडाउन अवधि (अप्रैल-जुलाई 2020) के दौरान प्राप्त या खोई गई नौकरियों से संबंधित आंकड़े जारी किए हैं।

मुख्य बिन्दु

वेतनभोगी नौकरियां:

- अप्रैल-जुलाई 2020 के दौरान उन्हें कुल 18.9 मिलियन का नुकसान होने का अनुमान था।
- जून में 3.9 मिलियन नौकरियां हासिल करने के बाद, जुलाई में 5 मिलियन नौकरियां फिर से खो गईं।
- इस तरह की नौकरियां आर्थिक झटकों के लिए अधिक लचीला । हालांकि, एक बार खो दिया है वे कहीं अधिक प्राप्त करने के लिए मुश्किल है ।
- भारत में सभी रोजगारों में से केवल 21% वेतनभोगी रोजगार के रूप में है।
- शहरी वेतनभोगी नौकरियों के नुकसान से अर्थव्यवस्था पर विशेष दुर्बल प्रभाव पड़ने की संभावना है, इसके अलावा मध्यम वर्गीय परिवारों को तत्काल कठिनाई हो रही है ।

अनौपचारिक और गैर-वेतनभोगी नौकरियां:

- अप्रैल-जुलाई 2020 के दौरान नौकरी की इस श्रेणी में सुधार हुआ है जो जुलाई 2020 में बढ़कर 325.6 मिलियन हो गया है, जो 2019 में 317.6 मिलियन था, जो 2.5% की वृद्धि है।
- इसकी वजह चरणबद्ध तरीके से देश का खुलता है।
- लॉकडाउन की सबसे ज्यादा मार छोटे व्यापारी, फेरीवाले और दिहाड़ी मजदूर हुए।

कृषि नौकरियां:

- गैर-कृषि क्षेत्रों में खोई हुई नौकरियों के परिणामस्वरूप लोग कृषि रोजगार की ओर बढ़ रहे हैं।
- कृषि क्षेत्र ने अप्रैल-जुलाई 2020 की अवधि में 14.9 मिलियन नौकरियां प्राप्त कीं।
- 2019 में, भारत में 42.39% कार्यबल कृषि में नियोजित था

कृषि

कृषि बाजार सुधारों को सफल बनाना

संदर्भ: कृषि और कृषि विपणन में हाल के सुधारों में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने की क्षमता है।

प्रमुख नीतिगत बदलावों में शामिल हैं

- आवश्यक वस्तु अधिनियम (ECA) के तहत प्रतिबंधों को हटाने से कृषि में निजी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलनी चाहिए
- दो नए अध्यादेशों से अंतरराज्यीय व्यापार और अनुबंध खेती को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे किसानों को बड़ी संख्या में विकल्प उपलब्ध हो सकेंगे।

हालांकि, इन नीतियों का पूरा लाभ महसूस होने से पहले कई कठिनाइयों को दूर करने की जरूरत है। इनमें से कुछ हैं:

- ' समय-असंगतता ' समस्या, या सरल शब्दों में, नीति विश्वसनीयता समस्या।
- यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब एक निर्णय निर्माता की प्राथमिकताएं समय के साथ इस तरह से बदलती हैं कि प्राथमिकताएं समय में विभिन्न बिंदुओं पर असंगत होती हैं।
- यह वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में नीतिगत संकेत बहुत स्पष्ट नहीं हैं जैसा कि कृषि विपणन से संबंधित है, जैसा कि हम नीचे देखेंगे।

पिछले कुछ वर्षों में कृषि विपणन नीति कैसे बदली है?

1. **2016 में, इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-NAM) लॉन्च किया गया था**
    - ई-गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्देश्य किसानों द्वारा कुशल मूल्य खोज के लिए बाजार आधारित तंत्र होना था।
    - पहले चरण में 16 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 585 बाजारों को शामिल किया गया था।
    - राज्यों को इस कार्यक्रम की सफलता के लिए तीन आवश्यकताएं डालने के लिए अपने संबंधित कृषि उपज बाजार समिति (APMC) अधिनियमों में संशोधन करने की आवश्यकता थी-
        - राज्य भर में एक ही लाइसेंस;
        - बाजार शुल्क का एक बिंदु उगाही ;
        - सभी बाजारों में इलेक्ट्रॉनिक नीलामी।
    - ई-NAM की विफलता का कारण: कई राज्य इन संशोधनों को पूरा नहीं कर सके या नहीं कर सके और ई-गुटनिरपेक्ष आंदोलन वांछित से कहीं कम प्रभावी साबित हुआ।
2. **सितंबर 2018 में, सरकार ने PM-AASHA लॉन्च किया**
    - चूंकि ई-गुटनिरपेक्ष आंदोलन के अपेक्षित परिणाम नहीं निकले, इसलिए सरकार ने पीएम-आशा के माध्यम से सार्वजनिक मूल्य समर्थन उपायों पर वापस लौट आए
    - इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को एक सुनिश्चित मूल्य प्रदान करना था जिसने खेती की लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक की वापसी सुनिश्चित की।

- यह कार्यक्रम राजकोषीय लागत को सीमित करने के लिए दलहन और तिलहन तक सीमित था, हालांकि कई अन्य फसलें, जिन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य-खरीद प्रणाली का लाभ नहीं मिला, को भी इस कवरेज की जरूरत थी।
- सार्वजनिक खरीद, कमी भुगतान और निजी खरीद इस कार्यक्रम के मुख्य तख्ते थे
- प्रधानमंत्री- आशा के अप्रेरक प्रदर्शन का कारण:
  - केवल सार्वजनिक खरीद सार्थक तरीके से की गई।
  - कमी भुगतान केवल मध्य प्रदेश में एक प्रायोगिक आधार पर लागू किया गया
  - किसी भी राज्य में प्रायोगिक आधार पर भी निजी खरीद शुरू नहीं की गई थी।
  - बजटीय आवंटन बहुत कम था: 2020-2021 में केवल 500 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

3. 2019 में, प्रधानमंत्री-किसान योजना

- पीएम-आषाढ़ के अप्रेरक प्रदर्शन के लिए पीएम-किसान योजना में विकसित होने वाले अधिक कट्टरपंथी और प्रत्यक्ष दृष्टिकोण की जरूरत थी।
- इस कार्यक्रम में प्रत्येक कृषि परिवार को 75,000 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ प्रति वर्ष 6,000 रुपये का निश्चित भुगतान शामिल था।
- इस कार्यक्रम ने अब तक काफी अच्छी तरह से काम किया है और कई राज्यों ने अपने अंत में राशि को टॉपिंग किया है।

निष्कर्ष/आगे का रास्ता

- कृषि नीति में लगातार फ्लिप-फ्लॉप-बाजार आधारित ई-गुटनिरपेक्ष आंदोलन से लेकर सार्वजनिक वित्त पोषित पीएम-आसा और अब बाजार आधारित उपायों से बचने की जरूरत है क्योंकि यह निजी निवेशक के मन में ज्यादा विश्वास को प्रेरित नहीं करता है
- केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय और विभिन्न राज्यों के बीच भी किसी भी नीतिगत सुधारों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है
- ऋण और बीमा बाजारों की अनुपस्थिति या विफलता एक किसान को अपनी खेती की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय इनपुट डीलर या बिचौलिए पर निर्भर करने का नेतृत्व कर सकती है। यह, बदले में, उसे इन बिचौलियों के लिए टाई और उत्पादन बाजार की अपनी पसंद विवश कर सकते हैं।
- कई राज्यों में भूमि पट्टे पर देने पर प्रतिबंध से उत्पादन का अकुशल पैमाना होता है। केवल उत्पादन बाजार में सुधार पर्याप्त नहीं हैं और पट्टा बाजार के उदारीकरण के साथ पूरक और पूरित किया जाना चाहिए

बिंदुओं को जोड़ना

- अनुबंध खेती
- जैविक खेती

बासमती चावल

संदर्भ: बासमती के लिए GI टैग

- मध्यप्रदेश ने मप्र के 13 जिलों में उत्पादित बासमती के लिए GI टैग मांगा है।
- हालांकि, अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ (AIREA) का तर्क है कि अगर मप्र को बासमती फसल की GI सूची में शामिल किया जाता है तो इससे न केवल भारतीय बासमती की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि राष्ट्रहित को भी नुकसान होगा।

क्या आप जानते है?

- भारत प्रीमियम बासमती के एकमात्र उत्पादक के रूप में वैश्विक क्षेत्र में लंबा खड़ा है।
- कोई भी अन्य देश (पाकिस्तान के 18 जिलों के अलावा) अपने किसी भी चावल को बासमती नहीं कह सकता।
- मई 2010 में, बासमती चावल को हिमालय की तलहटी के नीचे भारत-गंगा मैदानों (IGP) में स्थित क्षेत्र के लिए जीआई प्रमाणन मिला, जो सात राज्यों-हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश (26 जिलों) और दिल्ली में फैला हुआ था।

चिंता:

- GI टैग मूल रूप से एक आश्वासन है कि उत्पाद उस विशिष्ट क्षेत्र से आ रहा है। यह एक तरह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ट्रेडमार्क है।
- AIREA ने कहा कि WTO के TRIPs (बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार से संबंधित पहलुओं) समझौते के तहत, शारीरिक गुण एक उत्पाद के लिए जीआई टैग अर्जित करने के लिए पर्याप्त नहीं है और भौगोलिक क्षेत्र से जुड़ी प्रतिष्ठा आवश्यक और जरूरी है।
- 2003 में माल के GI (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम के अनुसार, भौगोलिक क्षेत्र के लिए 'प्रतिष्ठा' एक GI उत्पाद की मान्यता के लिए केंद्रीय है और केवल सात राज्यों में ही यह प्रतिष्ठा है।
- यहां तक कि अगर MP में उगाए जाने वाले चावल में सभी आवश्यक विशेषताएं हैं (या शायद पारंपरिक बढ़ते क्षेत्रों में उगाए जाने वाले बासमती चावल से भी बेहतर), तो वही अभी भी बासमती के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए ऐसे चावल का हकदार नहीं होगा।
- APEDA के अनुसार, IGP से ' लंबे अनाज, सुगंधित चावल ' के रूप में बासमती चावल की उत्पत्ति और प्रतिष्ठा परंपरा, लोककथाओं, वैज्ञानिक और पाक साहित्य और राजनीतिक और ऐतिहासिक अभिलेखों में पाई जाती है।
- निर्यातकों का कहना है कि मप्र को शामिल करने के साथ ही इसका असर विनाशकारी होगा। बासमती नाम को विभिन्न राष्ट्रों के अतिक्रमण से बचाने के लिए देश के लिए यह कड़ा मुकाबला रहा था, जो सभी बासमती के अपने संस्करणों के साथ सामने आए थे।
- यदि MP को शामिल करने की अनुमति दी जाती है, तो यह सभी महाद्वीपों में फैले लगभग 50 देशों में 1,000 से अधिक कानूनी कार्रवाई करने के बाद 1995 से भारतीय बासमती को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए किए गए APEDA के प्रयासों को शून्य कर देगा।

पोकली चावल

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - कृषि; विज्ञान और तकनीक; अनुसंधान का हिस्सा

विषय में:

- पोकली किस्म केरल के तटीय जिलों के धान के खेतों में अपने खारे पानी के प्रतिरोध और पनपने की क्षमता के लिए जानी जाती है।
- चावल की विशिष्टता ने इसे भौगोलिक संकेत (GI) टैग लाया है और यह सतत अनुसंधान का विषय है।
- अब सुंदरवन के किसान पोकली बीजों का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि सुंदरवन में लगभग 80 प्रतिशत चावल के पैडियों को खारे पानी की घुसपैठ की समस्या का सामना करना पड़ा।
- यदि पोकली चावल की पौध सफल होती है, तो यह किसानों की किस्मत को बदलने के लिए एक अच्छा कदम होगा।

व्याटिला-11 किस्म

- सुंदरवन में पांच किलो व्याटिला-11 किस्म की पोकली रोपण भेजा गया।
- केरल कृषि विश्वविद्यालय से बाहर आने के लिए व्याटिला-11 नवीनतम विविधता है।
- व्याटिला-11 पिछले किस्मों की तुलना में लगभग 5 टन प्रति हेक्टेयर की बेहतर उपज का वादा किया है, और केरल में लोकप्रिय चावल की ज्योति किस्म के साथ पार कर रहा है। फसल की अवधि लगभग 110 दिनों की है।

किसान रेल

GS प्रीलिम्स और मेन्स III-किसान/कृषि; बुनियादी सुविधाओं का हिस्सा

विषय में:

- भारतीय रेलवे ने कहा कि वह किसान रेल चलाना शुरू कर देगी।
- पहली ऐसी ट्रेन देवलाली (महाराष्ट्र) से दानापुर (बिहार) के बीच साप्ताहिक चलेगी।

किसान रेल के बारे में

- केंद्रीय बजट 2020-21 में इसकी घोषणा की गई थी
- यह ट्रेन कम समय में सब्जियों और फलों जैसे खराब कृषि उत्पादों को बाजार में लाने में मदद करेगी ।
- जमे हुए कंटेनरों के साथ ट्रेन नाशपाती के लिए एक निर्बाध राष्ट्रीय शीत आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करने की उम्मीद है
- यह ट्रेन 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक कदम है (किसानों की आय दोगुनी करने पर अशोक दलवाई समिति।

कृषि बुनियादी सुविधा फंड के तहत वित्तीय सुविधा

GS प्रीलिम्स और मेन्स द्वितीय और तृतीय - सरकारी योजनाएं और पहल; कृषि; बुनियादी सुविधाओं का हिस्सा:

संदर्भ:

- प्रधानमंत्री मोदी ने 1 लाख करोड़ रुपये के कृषि अवसंरचना कोष के तहत वित्तपोषण की एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना शुरू की ।

मुख्य बिन्दु:

- 2,280 से अधिक किसान समितियों को 1000 करोड़ रुपये से अधिक की पहली मंजूरी दी गई थी।
- इस योजना में किसानों, प्राथमिक कृषि ऋण सोसायटी (PACS), किसान उत्पादक संगठन (FPOs), कृषि उद्यमियों आदि को सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों और फसल के बाद कृषि अवसंरचना के निर्माण में सहायता मिलेगी ।
- इससे किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य मिल सकेगा।
- वे अधिक कीमतों पर स्टोर और बिक्री करने, बर्बादी को कम करने और प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन में वृद्धि करने में सक्षम होंगे।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

कृषि बुनियादी ढांचा कोष के बारे में:

- कृषि अवसंरचना निधि एक माध्यम है- दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण सुविधा।
- यह ब्याज अनुदान और ऋण गारंटी के माध्यम से फसल के बाद प्रबंधन बुनियादी ढांचे और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के लिए निवेश की सुविधा है ।
- योजना की अवधि वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2029 (10 वर्ष) तक होगी।
- इस योजना के तहत बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण के रूप में 1 लाख करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे।
- ऋणों में 2 करोड़ रुपये तक के ऋणों के लिए क्रेडिट गारंटी सूक्ष्म और लघु उद्योग के लिए फंड ट्रस्ट (CGTMSE) योजना के तहत प्रतिवर्ष 3 प्रतिशत की ब्याज छूट और क्रेडिट गारंटी कवरेज होगा।

लाभार्थियों को लक्षित करना:

- किसान, PACS, विपणन सहकारी समितियां, एफपीओ, एसएचजी, संयुक्त देयता समूह (JLG), बहुउद्देशीय सहकारी समितियां, कृषि उद्यमी, स्टार्टअप, और केंद्रीय/राज्य एजेंसी या स्थानीय निकाय प्रायोजित सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाएं ।

PM-किसान के बारे में:

- यह योजना दिसंबर 2018 में शुरू की गई थी ताकि सभी भूमिजोत किसानों (कुछ बहिष्कार मानदंडों के अधीन) को नकद लाभ के माध्यम से आय सहायता प्रदान की जा सके।
- नकद प्रोत्साहन का उद्देश्य उन्हें अपनी कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने और उनके परिवारों का समर्थन करने में सक्षम बनाना था।
- इस योजना के तहत पात्र लाभार्थी किसानों को प्रति वर्ष 6000 रुपये का वित्तीय लाभ तीन समान किस्तों में प्रदान किया जाता है।
- प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) मोड के माध्यम से राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाती है।
- जुलाई 2019 तक, PM-किसान योजना के तहत लगभग 8.5 करोड़ किसानों को 17,000 करोड़ रुपये जारी किए गए।

नया कृषि अवसंरचना कोष (NAIF)

संदर्भ: किसान संकट से पहले की कृषि संकट और किसानों की आय दोगुनी करने का सरकार का दृष्टिकोण (अशोक दलवई समिति)

कृषि बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए पिछली सरकार के कदम

- राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड पूर्व-शीतलन इकाइयों, नियंत्रित / संशोधित वातावरण ठंडा भंडार, रीफर वैन, पकने वाले कक्षों और इस तरह के अन्य फसल उपरांत अवसंरचना में पूंजी निवेश पर क्रेडिट-लिंक सब्सिडी प्रदान करता है।
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत प्याज के लिए कम लागत में वैज्ञानिक रूप से निर्मित कृषि संरचनाओं सहित काफी भंडारण क्षमता बनाई गई है।

NAI फंड के बारे में

- यह भंडारण, शीतलन शृंखला, प्रसंस्करण और अन्य फसल के बाद प्रबंधन बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए वित्तपोषण सुविधा है
- यह अधिकतम सात साल की अवधि के लिए 2 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर 3 प्रतिशत की ब्याज छूट प्रदान करता है।
- निधि को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए और आदेश में यह बैंकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए, ऋण भी चूक के खिलाफ सरकार समर्थित क्रेडिट कवरेज होगा
- उधारकर्ताओं को मुख्य रूप से एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां बनानी हैं
- इसमें मौजूदा और अगले तीन वित्त वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपये के वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

NAI फंड का महत्व

- कृषि प्रसंस्करण को बढ़ावा देता है: NAI फंड का मतलब है उत्पादन शेल्फ जीवन विस्तार और मूल्य वर्धन में निवेश में वृद्धि (अप्रत्यक्ष रूप से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को प्रोत्साहित करता है)
- बर्बादी कम करता है: अपर्याप्त फसल के बाद के बुनियादी ढांचे के कारण देश में 16% फल और सब्जियां और 10% तक अनाज, तिलहन और दालें बर्बाद हो जाती हैं।
- हाल के सुधारों के पूरक: सरकार ने प्रमुख खाद्य पदार्थों पर स्टॉकहोल्डिंग प्रतिबंधों को हटाने और कृषि उपज के व्यापार में विनियमित मंडियों के एकाधिकार को खत्म करने के लिए अध्यादेश जारी किए थे।
- उपज का चरणबद्ध निपटान किसान को सशक्त बनाता है: अपनी उपज को संग्रहीत करने में सक्षम होने के नाते, किसानों को अपनी फसल की कटाई करने में सक्षम बनाता है, कहते हैं, मार्च में और नवंबर तक कंपित बिक्री करने के लिए उच्च ऑफ सीजन दरों का लाभ लेने के लिए

आलोचनायें

- अतिरिक्त योजना: सभी मौजूदा योजनाओं को नए कोष में मर्ज करने का मतलब होगा ताकि सरकारी धन का बेहतर लाभ उठाना पड़े।
- इसके लाभ केवल मध्यम से दीर्घकालिक में प्राप्त होंगे। सरकार को विकास और आय बढ़ाने की तात्कालिक आर्थिक चुनौती की दृष्टि से ओझल नहीं होना चाहिए।
- **रामबाण नहीं:** कोल्ड चेन और कृषि प्रसंस्करण पूर्व के लिए सभी कृषि समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते: भारत की गन्ने की फसल का तीन चौथाई मिलों द्वारा "संसाधित" किया जाता है और गन्ना बकाया जारी करना अभी भी जारी है

अन्य बिन्दु

क्या आप जानते हैं कि आजादी के बाद से कृषि पर नीति का फोकस कैसे बदल गया है?

- स्वतंत्रता के बाद पहले 40 वर्षों के दौरान नीति निर्माताओं का ध्यान कृषि उत्पादन बढ़ा रहा था।
- इसके बाद के दो दशकों में उन्होंने कृषि अवसरंचना और कृषि प्रसंस्करण पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया।
- आत्मनिर्भरता और अधिशेष उत्पादों के आज के युग में, फसल नियोजन और सूचना प्रसार (डेटा विश्लेषण का लाभ उठाने) में ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए ताकि किसानों को बाजार की मांग के लिए अपने उत्पादन निर्णयों को बेहतरी से संरेखित करने में मदद मिल सके।

बिन्दुओ को जोड़ने पर:

- कृषि आय दोगुनी करने की अशोक दलवाई समिति
- आवश्यक वस्तु अधिनियम

पर्यावरण/प्रदूषण

EIA अधिसूचना 2020: प्रमुख परिवर्तन क्या हैं?

संदर्भ: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF और CC) ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत मौजूदा 2006 EIA अधिसूचना को बदलने के इरादे से EIA अधिसूचना 2020 का मसौदा प्रकाशित किया है।

EIA का क्या महत्व है?

- **सतत विकास:** एक EIA एक परियोजना के संभावित प्रभावों का वैज्ञानिक अनुमान लगाता है, जैसे कि खान, सिंचाई बांध, औद्योगिक इकाई या अपशिष्ट उपचार संयंत्र।
- **सार्वजनिक भागीदारी:** एक सार्वजनिक सुनवाई के लिए भी प्रावधान है, जिस पर स्थानीय समुदाय और इच्छुक व्यक्ति परियोजना के लिए विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई ईआईए रिपोर्ट के मसौदे के आधार पर राय और आपत्तियां दे सकते हैं।

कैसे मसौदा EIA अधिसूचना अब लागू होने वाले से अलग है?

- सार्वजनिक परामर्श के दायरे से कई गतिविधियों को हटाना:
  - श्रेणी B 2 के तहत परियोजनाओं की एक सूची शामिल की गई है, स्पष्ट रूप से एक EIA की आवश्यकता से छूट दी गई है
  - इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं में अपतटीय और तटवर्ती तेल, गैस और शेल की खोज, 25 मेगावाट तक की पनबिजली परियोजना, 2,000 से 10,000 हेक्टेयर के बीच सिंचाई परियोजनाएँ, लघु और मध्यम खनिज लाभकारी इकाइयाँ, डाई उद्योग में MSMEs आदि शामिल हैं।
  - इसके अलावा, कोयला और गैर-कोयला खनिज पूर्वेक्षण और सौर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं को नई योजना में पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी या अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

- **सार्वजनिक परामर्श को विकृत करता है:** जन सुनवाई के लिए नोटिस की अवधि 30 दिन से 20 दिन तक काट दी गई है। इससे ईआईए रिपोर्ट के मसौदे का अध्ययन करना मुश्किल हो जाएगा, और अधिक तब जब यह क्षेत्रीय भाषा में व्यापक रूप से उपलब्ध या उपलब्ध नहीं हो।
- **पर्यावरणीय मंजूरी के बाद के लिए नया प्रावधान:** इसका मतलब है कि परियोजनाओं के लिए मंजूरी दी जा सकती है, भले ही उन्होंने पर्यावरणीय संतुलन को बनाए बिना निर्माण शुरू किया
- **विस्तार को बढ़ावा देता है:** परियोजना के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए, अधिसूचना 2020 में मानदंड उदार हैं, जिनमें केवल 25% से अधिक की वृद्धि शामिल है, जिसमें EIA की आवश्यकता होती है, और 50% से अधिक सार्वजनिक परामर्श को आकर्षित करता है।
- **पतला अनुपालन तंत्र:** परियोजना के प्रस्तावकों को मौजूदा दो की तुलना में शर्तों के अनुपालन पर केवल एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता है

आशंकाएँ क्या हैं?

- छूट पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी, क्योंकि इन्हें बिना किसी निगरानी के किया जाएगा
- इस कदम को प्रतिगामी के रूप में देखा जाता है, क्योंकि सीएजी ने 2016 में पाया कि अर्ध-वार्षिक अनुपालन रिपोर्टिंग में कमी 43% और 78% के बीच थी, जबकि शर्तों का पालन करने में विफलता 5% से 57% तक थी
- मई 2020 में विशाखापत्तनम में LG पॉलिमर में गैस रिसाव के बाद, पर्यावरण मंत्रालय ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को बताया कि यूनिट में पर्यावरण मंजूरी की कमी थी, जिससे नियमों की कम प्रभावशीलता उजागर हुई।

मसौदा अधिसूचना वैश्विक मानदंडों के साथ कैसे तुलना करती है?

- EIA पर यूरोपीय संघ के निर्देश में जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता संबंधी चिंताएं शामिल हैं।
- यूरोपीय संघ ने भी आरहूस कन्वेंशन, 1998 के अनुसार अपनी प्रक्रियाओं को संशोधित किया है, जो इसे निर्धारित करता है-
    - पर्यावरण अधिकार और मानव अधिकार जुड़े हुए हैं
    - वर्तमान पीढ़ी भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक दायित्व है
    - सभी हितधारकों की भागीदारी के माध्यम से ही सतत विकास प्राप्त किया जा सकता है
    - सरकार की जवाबदेही और पर्यावरण संरक्षण जुड़ा हुआ है
    - जनता और सार्वजनिक प्राधिकरणों के बीच एक लोकतांत्रिक संदर्भ में बातचीत होनी चाहिए।

निष्कर्ष

- भारत में EIA नियम पर्यावरण की सुरक्षा के लिए परियोजना के समर्थकों के हितों को विशेषाधिकार देते हैं

बिंदुओं को जोड़ने पर

- प्रदूषण वेतन सिद्धांत
- सतत विकास लक्ष्य

खनन के लिए 'No -Go' वन स्वीकृत: CSE अनुसंधान

GS-प्रीलिम्स और जीएस- III - पर्यावरण का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में विज्ञान और पर्यावरण के लिए केंद्र (CSE) की जांच में पाया गया है कि कोयला ब्लॉक नीलामी के लिए घने जंगलों में ब्लॉक साफ़ करने के लिए सॉफ्टवेयर को सुधारा है।

- इन घने जंगलों को ''No-Go' क्षेत्र या जंगलों के रूप में जाना जाता है।

मुख्य बिन्दु

जांच विवरण:

- 2015 के बाद से, कोयला खनन के लिए क्लियर किए गए 49 में से 9 ब्लॉक No Go क्षेत्रों में थे, या ऐसे क्षेत्र जिन्हें कभी पर्यावरण और वन मंत्रालय और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वर्गीकृत किया गया था, जिसमें बहुत घने जंगल थे और इसलिए कोयला खनन के लिए बंद था।
- 2020 में, 41 ब्लॉकों को नीलामी के लिए रखा गया, 21 मूल No Go सूची में उपलब्ध था।
- इन खानों के आवंटन के लिए दो चरण की ई-नीलामी की जा रही है।
- यह आत्म निर्भर भारत अभियान का एक हिस्सा है।
- RTI के माध्यम से यह भी पता चला कि 2015 के बाद से नीलाम की गई 67% खदानें अभी तक चालू नहीं हुई हैं।
- 2015-2020 से, सरकार ने 112 खानों की नीलामी की कोशिश की, लेकिन केवल 42 मामलों में ही सफल रही।
- कई संभावित कोयला भंडार विशेष रूप से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में घने जंगलों में स्थित हैं।
- सरकार ने निर्धारित किया कि उनमें से कौन सा स्पर्श करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण था, और जो 'निर्णय समर्थन सॉफ्टवेयर' का उपयोग करके खोलने के लिए उत्तरदायी थे। '
- कुछ मामलों में, सॉफ़्टवेयर मूल्यांकन के परिणामों को 'गो-वन' में 'नो-गो' भूमि बनाने के लिए बदल दिया गया था।

अटलांटिक महासागर में मिलियन टन माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण

GS-प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरण का हिस्सा:

समाचार में:

- अटलांटिक महासागर में सूक्ष्म प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में 'प्रकृति संचार' में एक अध्ययन प्रकाशित हुआ था।
- प्रदूषण 11.6-21.1 मिलियन टन है।

मुख्य बिन्दु

- अटलांटिक के शीर्ष 200 मीटर को मापा गया था।
- तीन प्रकार के प्लास्टिक के कारण होने वाले प्रदूषण का अध्ययन किया गया - पॉलीइथाइलीन, पॉलीप्रोपाइलीन और पॉलीस्टीरिन।
- ये आमतौर पर पैकेजिंग के लिए उपयोग किए जाते हैं।
- महासागर प्लास्टिक के इनपुट और स्टॉक दोनों निर्धारित की तुलना में बहुत अधिक हो सकते हैं।
- प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे को निर्धारित करने के लिए सभी आकारों और बहुलक समूहों का मूल्यांकन महत्वपूर्ण है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

प्लास्टिक

यह पेट्रोलियम से बना एक सिंथेटिक कार्बनिक बहुलक है।

- **अनुप्रयोग:**
  - पैकेजिंग
  - भवन और निर्माण
  - घरेलू और खेल उपकरण
  - वाहन
  - इलेक्ट्रानिक्स
  - कृषि
- यह सस्ता, हल्का, मजबूत और निंदनीय है।

समुद्री प्लास्टिक के स्रोत:

- भूमि आधारित और तूफान अपवाह
- सीवर ओवरफ्लो हो जाता है
- बीच के आगंतुक
- अपर्याप्त अपशिष्ट निपटान

प्लास्टिक प्रदूषण का प्रभाव

- सैकड़ों समुद्री प्रजातियों का अंतर्ग्रहण, घुटन और उलझाव।
- समुद्री भोजन के माध्यम से समुद्री प्रजातियों और मनुष्यों के बीच दूषित पदार्थों का स्थानांतरण।
- ग्लोबल वार्मिंग में योगदान

व्यापक मानसर कायाकल्प और विकास योजना की समीक्षा

GS-प्रीलिम्स और GS-III - पर्यावरण का हिस्सा

समाचार में:

- 'व्यापक मानसर कायाकल्प और विकास योजना' की हाल ही में समीक्षा की गई थी।
- उद्देश्य: जम्मू-कश्मीर के मानसेर वेटलैंड्स के विकास, कायाकल्प और सौंदर्यीकरण के लिए प्रक्रिया शुरू करना।

मुख्य बिन्दु

- इस योजना का उद्देश्य पर्यटकों के आगमन को बढ़ाना और जम्मू क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
- सुरीनसर-मानसर झीलों को नवंबर 2005 में रामसर सम्मेलन के रूप में नामित किया गया था।

खलिहान उल्लू नारियल उपज को नुकसान को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है

GS-प्रीलिम्स और GS-III - जैव विविधता का हिस्सा:

समाचार में:

- लक्षद्वीप के कावरत्ती द्वीप में खलिहान उल्लू का उपयोग करके कृंतक (चूहों) के जैविक नियंत्रण पर पायलट परियोजना शुरू हो गई है।
- हाल के अध्ययनों से पता चला है कि द्वीप की नारियल की उपज और अर्थव्यवस्था के लिए चूहों की वजह से व्यापक नुकसान ।
- नारियल द्वीपों के लिए एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है, लेकिन कृंतक उपज हानि का 30 से 40% हिस्सा खाते हैं।
- 2017-18 में कुल उत्पादन 8.76 करोड़ था।

दिल्ली की ई-वाहन नीति

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - पर्यावरण और प्रदूषण; हरित पहल; सतत विकास का हिस्सा:

संदर्भ:

- दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन नीति शुरू की
- इसका उद्देश्य वर्ष 2024 तक दिल्ली में नए पंजीकृत वाहनों का 25% सुनिश्चित करना है।

लाभ:

- शहर की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दें
- प्रदूषण के स्तर को कम करता है
- परिवहन क्षेत्र में रोजगार पैदा करता है

किए गए उपाय -

- ई-वाहनों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन
- ई-वाहनों की खरीद के लिए कम ब्याज दरें
- नए पंजीकृत ई-वाहनों पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स माफ करना
- चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क का निर्माण
- ई-वाहनों के लिए सरकार द्वारा नीति धक्का (वाहनों के लिए जीएसटी दरों को 12% से घटाकर 5% और वाहन चार्जर के लिए 18% से 5% तक)
- ई-वाहनों को अपनाने के लिए राज्य सरकारों द्वारा पुश (उदाहरण के लिए) दिल्ली, केरल)
- प्रसिद्धि जैसी समर्पित योजनाएं; स्थानीय विनिर्माण और घरेलू प्रौद्योगिकी का विकास।

Think !

- FAME इंडिया - भारत योजना में (हाइब्रिड) इलेक्ट्रिक वाहनों का तेजी से आरंभ करना और विनिर्माण

सोननेरतिया अल्बा

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - पर्यावरण और जैव विविधता; संरक्षण; लुप्तप्राय प्रजातियां का हिस्सा:

संदर्भ:

- राज्य मैंग्रोव वृक्ष को संरक्षण का प्रतीक घोषित करने वाला महाराष्ट्र पहला भारतीय राज्य
- महाराष्ट्र राज्य वन्यजीव बोर्ड (SBWL) ने सोननेरतिया अल्बा को राज्य मैंग्रोव ट्री घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी और अरब सागर हम्पबैक व्हेल के लिए एक वसूली कार्यक्रम को मंजूरी दे दी।

लाभ:

- यह कदम नमक-सहिष्णु वनस्पति के संरक्षण को बढ़ाने में मदद करता है
- मैंग्रोव और जैव विविधता का पारिस्थितिक महत्व यह होस्ट करता है
- मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सौंदर्य मूल्य जोड़ता है

सोननेरतिया अल्बा के बारे में

- सोननेरतिया अल्बा या मैंग्रोव सेब एक सदाबहार मैंग्रोव प्रजाति है जो साथ में पाई जाती है
- महाराष्ट्र का समुद्र तट
- सोननेरतिया अल्बा पांच फीट तक बढ़ते हैं और गुलाबी आधार के साथ-साथ हरे फलों के साथ सफेद फूल सहन करते हैं, जो सेब के समान होते हैं और अचार बनाने के लिए उपयोग किए जाते हैं।
- रात में खिलने वाले फूल चमगादड़ जैसे रात्रि प्राणियों द्वारा परागण करते हैं।
- इस प्रजाति को महाराष्ट्र में पेश किया गया था और यह अंडमान द्वीप समूह के मूल निवासी हैं।

वितरण

- वे अक्सर नवगठित मडफ्लैट्स पर बढ़ते हैं और भूमि कटाव का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- वे पश्चिमी तट और उड़ीसा के कुछ हिस्सों तक सीमित हैं।
- यह ठाणे क्रीक, भंडार, वसई और डोंबिवली में प्रमुख मडफ्लैट्स के साथ आर्द्र भूमि के साथ पाया जाता है।
- सोननेरतिया अल्बा पूर्वी अफ्रीका से भारतीय उपमहाद्वीप, दक्षिणी चीन, र्युयु द्वीप समूह, इंडोचाइना, मालेसिया, पापुआसिया, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र तक कई

उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में स्वाभाविक रूप से बढ़ता है।

क्या आप जानते है?

- महाराष्ट्र में पहले से ही राज्य वृक्ष (आम), राज्य पशु (विशाल गिलहरी), राज्य पक्षी (हरा कबूतर), राज्य तितली (ब्लू मॉर्मन), और राज्य फूल (जारुल) हैं।

माथेरान में वैज्ञानिकों को 77 नई तितली प्रजातियाँ मिलीं

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - पर्यावरण और जैव विविधता; संरक्षण; विलुप्त होने वाली प्रजाति का हिस्सा:

संदर्भ:

- 125 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद, वैज्ञानिकों ने पाया है कि माथेरान में 77 नए लोगों सहित 140 तितलियों की प्रजातियां हैं।
- माथेरान महाराष्ट्र में स्थित एक पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र है।
- माथेरान हिल रेलवे, जिसे माथेरान लाइट रेलवे (MLR) के रूप में भी जाना जाता है, का निरीक्षण यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के अधिकारियों द्वारा किया गया था, लेकिन यह विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूची में जगह बनाने में विफल रहा।

नौ कृषि रसायनों के उपयोग और बिक्री पर प्रतिबंध

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - प्रदूषण का हिस्सा:

- पंजाब सरकार ने नौ कृषि-रसायनों की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया, कृषि विभाग ने पाया कि ये अभी भी किसानों द्वारा उपयोग किए जा रहे थे, हालांकि उन्होंने चावल की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला।
- प्रतिबंध का उद्देश्य धान की गुणवत्ता की रक्षा करना है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके निर्यात और पारिश्रमिक मूल्य के लिए महत्वपूर्ण है।
- जिन कृषि-रसायनों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें शामिल हैं - ऐसफेट, ट्रायजोफोस, थियामेथोक्साम, कार्बेन्डाजिम, ट्राईसाइक्लोजोल, बुप्रोफेजिन, कार्बोफ्यूरॉन, प्रोपिकोनाजोल और थायोफिनेट मिथाइल।

कीटनाशक अधिनियम, 1968

- इसे अगस्त 1971 से लागू किया गया था
- यह अधिनियम मनुष्यों और जानवरों के लिए जोखिम को रोकने के लिए कीटनाशकों के आयात, निर्माण, बिक्री, परिवहन, वितरण और उपयोग को नियंत्रित करता है।
- केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड अधिनियम की धारा 4 के तहत स्थापित किया गया था और यह कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत काम करता है।
- बोर्ड केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को अधिनियम के प्रशासन से उत्पन्न तकनीकी मामलों पर और उसे सौंपे गए अन्य कार्यों को करने की सलाह देता है।

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (AWBI)

GS प्रीलिम्स और जीएस- III - पर्यावरण का हिस्सा:

संदर्भ: दिल्ली उच्च न्यायालय ने पशु कल्याण बोर्ड ऑफ इंडिया (AWBI) को देश में सभी सर्कसों का भौतिक सर्वेक्षण करने के लिए कहा है ताकि वहां रखे जाने वाले जानवरों की स्थिति का सत्यापन किया जा सके।

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (AWBI)

- यह एक वैधानिक निकाय है

- यह पशु कल्याण कानूनों पर भारत सरकार को सलाह देने वाला एक सलाहकार निकाय है, और भारत देश में पशु कल्याण को बढ़ावा देता है।
- भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 4 के तहत की गई थी।
- बोर्ड में 28 सदस्य होते हैं, जो 3 साल की अवधि के लिए सेवा करते हैं।
- यह सुनिश्चित करने के लिए काम करता है कि देश में पशु कल्याण कानूनों का पालन किया जाता है और पशु कल्याण संगठनों को अनुदान प्रदान करता है।
- बोर्ड शुरू में भारत सरकार के खाद्य और कृषि मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में था। 1990 में, प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स का विषय पर्यावरण और वन मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया, जहां अब यह निवास करता है।
- यह नियमों की एक सीमा तय करता है कि कैसे जानवरों को हर जगह मानवीय व्यवहार करना चाहिए। यह भी अक्सर यह सुनिश्चित करने के लिए कठोर कानून बनाए जाते हैं कि जानवरों को अनुचित रूप से परेशान या प्रताड़ित नहीं किया गया था।
- मुख्यालय चेन्नई, तमिलनाडु से हरियाणा के फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ में स्थानांतरित हो गया

यमुना नदी

- यमुना नदी गंगा नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है, जबकि बांग्लादेश की जमुना नदी ब्रह्मपुत्र नदी का सबसे बड़ा वितरण चैनल है। यमुना भारत की एक और पवित्र नदी है जो यमुनोत्री से निकलती है
- उत्तराखंड से, यमुना नदी निचले हिमालय और शिवालिक रेंज में लगभग 200 किलोमीटर तक बहती है।
- इसकी सबसे बड़ी उपनदी टोंस नदी उत्तराखंड में गढ़वाल क्षेत्र से होकर बहती है, और देहरादून के पास यमुना से मिलती है।
- गंगा के साथ-साथ जो भारत-गंगा के मैदान को छूने के बाद लगभग समानांतर चलती है और गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र बनाती है।

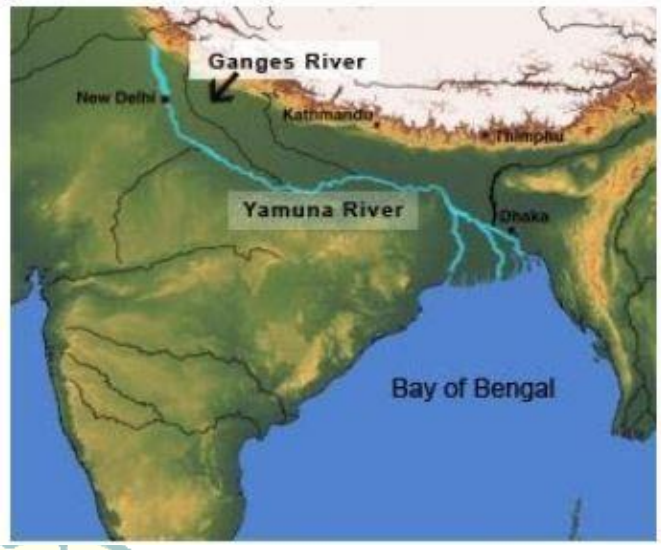

विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन: ISA

GS प्रीलिम्स और जीएस- III - संरक्षण; वातावरण का हिस्सा:

संदर्भ: अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) एक आभासी मंच पर 8 सितंबर, 2020 को प्रथम विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन का आयोजन करने के लिए।

विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के बारे में

- इस आयोजन का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीकों के साथ-साथ अगली पीढ़ी की तकनीकों को सुर्खियों में लाना है जो सौर ऊर्जा का अधिक कुशलता से उपयोग करने की दिशा में प्रयासों को गति प्रदान करेंगे।
- **चार सत्र:** यह आयोजन चार तकनीकी सत्र आयोजित करेगा जो प्रतिभागियों को विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध होंगे, जैसे कि अंग्रेजी, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी।

I JOSE:

- ISA सौर ऊर्जा (I JOSE) पर ISA जर्नल भी लॉन्च करेगा जो दुनिया भर के लेखकों को सौर ऊर्जा पर अपने लेख प्रकाशित करने में मदद करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के शुभारंभ की घोषणा भारत के प्रधान मंत्री (नरेंद्र मोदी) और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति (फ्रेंकोइस हॉलैंड) ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के 21 वें सत्र में 30 नवंबर 2015 को पेरिस, फ्रांस में की थी (COP-21)।
- इसकी कल्पना सौर-संसाधन संपन्न देशों के गठबंधन के रूप में अपनी विशेष ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी (जो कि पूरी तरह से या आंशिक रूप से कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच में है)।
- ISA फ्रेमवर्क समझौते पर 67 देशों ने हस्ताक्षर किए और पुष्टि की।
- ISA की सभा सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है जिसमें प्रत्येक सदस्य देश के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी और वित्त की लागत को कम करना है और इस तरह सौर ऊर्जा की 1,000 से अधिक जीडब्ल्यू की तैनाती की सुविधा है और सदस्य देशों में 2030 तक 1,000 अरब डॉलर से अधिक सौर ऊर्जा में जुटाना है।
- सौर सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है, इस प्रकार यह सार्वभौमिक ऊर्जा पहुंच लक्ष्य (SDG7) को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- भारत सरकार ने राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (NISE) परिसर, गुरुग्राम में आईएसए को 5 एकड़ भूमि आवंटित की है और रुपये की राशि जारी की है। वर्ष 2021-22 तक आईएसए के आवर्ती व्यय के लिए संग्रह फंड बनाने, बुनियादी ढांचे के निर्माण और बैठक के दिन के लिए 160 करोड़।

पेट्रोल की बायोएथेनॉल सम्मिश्रण

GS पेपर - III विकास और विकास; संरक्षण पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट का हिस्सा

संदर्भ:

- सरकार ने 2022 तक पेट्रोल के 10% बायोएथेनॉल सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा है और इसे इथेनॉल मिश्रित कार्यक्रम (IBP) के तहत 2030 तक बढ़ाकर 20% करने का लक्ष्य रखा है।
- IBP को राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति, 2018 के अनुरूप लॉन्च किया गया था।

इथेनॉल सम्मिश्रण के कारण:

- यह अनुमान है कि 5% सम्मिश्रण के परिणामस्वरूप लगभग 1.8 मिलियन बैरल कच्चे तेल के प्रतिस्थापन हो सकते हैं।
- चूंकि इथेनॉल अणु में ऑक्सीजन होता है, यह इंजन को ईंधन को पूरी तरह से दहन करने की अनुमति देता है, जिसके परिणामस्वरूप कम उत्सर्जन होता है और जिससे पर्यावरण प्रदूषण की घटना कम होती है।
- अक्षय इथेनॉल सामग्री, जो चीनी उद्योग का एक उप-उत्पाद है, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) और हाइड्रोकार्बन (एचसी) के उत्सर्जन में शुद्ध कमी के परिणामस्वरूप होने की उम्मीद है।

इथेनॉल सम्मिश्रण में चुनौतियां:

- **कम उत्पादन**: वर्तमान में, दो ओएमसी में पेट्रोल के साथ सम्मिश्रण के लिए जैव इथेनॉल की मांग को पूरा करने के लिए बायोएथेनॉल का घरेलू उत्पादन पर्याप्त नहीं है।
- चीनी मिलें, जो ओएमसी को जैव-इथेनॉल के प्रमुख घरेलू आपूर्तिकर्ता हैं, कुल मांग का केवल 57.6% आपूर्ति करने में सक्षम थीं।
- चीनी मिलों के पास जैव ईंधन संयंत्रों में निवेश करने के लिए वित्तीय स्थिरता नहीं है।
- भविष्य में बायोइथेनॉल की कीमत पर अनिश्चितता को लेकर निवेशकों में भी चिंता है क्योंकि गन्ना और बायो-इथेनॉल दोनों की कीमतें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

- **जल पदचिह्न:** जबकि भारत इथेनॉल के शीर्ष उत्पादकों में से एक बन गया है, लेकिन यह शीर्ष उत्पादकों, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील को भारी अंतर से पीछे छोड़ देता है और पानी के उपयोग के मामले में अक्षम है।
- इथेनॉल के उत्पादन के लिए भारत की पानी की जरूरतें वर्षा के पानी के माध्यम से पूरी नहीं होती हैं और भूजल का उपयोग पीने और अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है।
- जल फुटप्रिंट, जो कि एक लीटर इथेनॉल का उत्पादन करने के लिए आवश्यक पानी होता है, में इथेनॉल उत्पादक संयंत्रों जैसे गन्ना, और सतह, भूजल, और प्रदूषक धोने के लिए आवश्यक ताजे पानी द्वारा उपयोग किए जाने वाले जड़ क्षेत्र में वर्षा जल शामिल है।
- **सीमित गन्ना उपलब्धता:** गन्ना एक और सीमित संसाधन है जो देश में इथेनॉल सम्मिश्रण को प्रभावित करता है।
- 20% मिश्रण दर प्राप्त करने के लिए, मौजूदा शुद्ध बोए गए क्षेत्र के लगभग दसवें हिस्से को गन्ना उत्पादन के लिए मोड़ना होगा। ऐसी किसी भी भूमि की आवश्यकता को अन्य फसलों पर जोर देने की संभावना है और खाद्य कीमतों को बढ़ाने की क्षमता है।

- भारत की जैव ईंधन नीति यह बताती है कि ईंधन की आवश्यकताओं को खाद्य आवश्यकताओं के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करनी चाहिए और अगर ईंधन उत्पादन के लिए केवल अधिशेष खाद्य फसलों का उपयोग किया जाना चाहिए।
- **विकल्प का अभाव:** फसल अवशेष से इथेनॉल का उत्पादन एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन 5% पेट्रोल-इथेनॉल सम्मिश्रण की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जैव ईंधन की वार्षिक क्षमता अभी भी पर्याप्त नहीं है।
- जेट्रोफा जैसे अन्य जैव ईंधन अक्सर व्यावसायिक रूप से अविभाज्य साबित हुए हैं।

गंगा कायाकल्प निगरानी

GS प्रीलिम्स और GS- III - संरक्षण; वातावरण का हिस्सा:

संदर्भ: हाल ही में, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने देखा है कि प्रदूषक विभिन्न अदालतों के कई निर्देशों के बावजूद गंगा नदी में बह रहे हैं।

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ:

- **संवैधानिक अधिकार:** प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार और राज्यों का संवैधानिक दायित्व है। हालाँकि, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल प्रदूषण मुक्त गंगा प्रदान करने में निश्चित रूप से विफल हो रहे हैं।
- **निगरानी:** NGT ने उपरोक्त राज्यों को समय-समय पर गंगा के कायाकल्प की निगरानी करने का निर्देश दिया है।
- **संयुक्त बैठकें:** मानव संसाधन के पूलिंग और गंगा के कायाकल्प के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करने के लिए उपरोक्त राज्यों की आवधिक संयुक्त बैठकों का भी आह्वान किया है।
- बैठकें गंगा में सीवेज और अन्य प्रदूषकों के निर्वहन को रोकने के लिए या इसके सहायक नदियों या नालियों के माध्यम से जुड़े होने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

गंगा को स्वच्छ बनाने की पहल:

- **गंगा एक्शन प्लान:** यह पहली नदी कार्य योजना थी, जिसे 1985 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लिया गया था, ताकि पानी की गुणवत्ता में सुधार, अवरोधन और घरेलू सीवेज का उपचार किया जा सके।
- राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना गंगा एक्शन प्लान का विस्तार है। इसका उद्देश्य गंगा एक्शन प्लान चरण -2 के तहत गंगा नदी की सफाई करना है।
- राष्ट्रीय नदी गंगा बेसिन प्राधिकरण (NRGBA): इसका गठन भारत सरकार ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा -3 के तहत वर्ष 2009 में किया था।

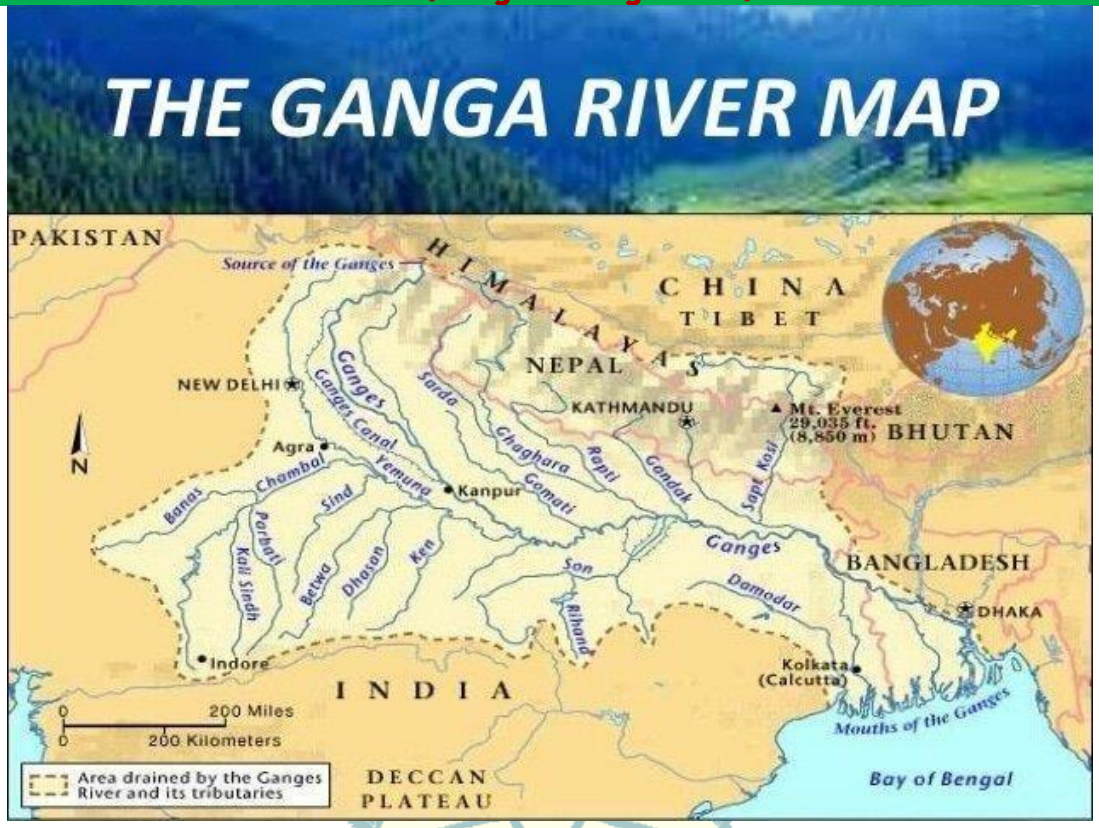

पशु / राष्ट्रीय उद्यान समाचार में

ढोल (एशियाई जंगली कुत्ता)

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - पर्यावरण का हिस्सा

समाचार में: एक नए अध्ययन के अनुसार, कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश भारत में ढोल के संरक्षण में उच्च स्थान पर हैं।

ढोल

- ढोल मध्य, दक्षिण, पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया का एक मूल निवासी है।
- भारत संभवत: तीन भू-भागों में पाई जाने वाली प्रमुख आबादी - पश्चिमी घाट, मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत के साथ, ढोल की सबसे बड़ी संख्या का समर्थन करता है।

IUCN स्थिति: संकटग्रस्त

- वन पारिस्थितिक तंत्र में शीर्ष शिकारी के रूप में ढोल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- बाघ के अलावा, भारत में एकमात्र बड़ा मांसाहारी है जो IUCN के 'लुप्तप्राय' श्रेणी के अंतर्गत आता है।
- इस गिरावट में योगदान देने वाले कारकों में निवास स्थान की हानि, शिकार की हानि, अन्य प्रजातियों के साथ प्रतिस्पर्धा, पशुधन की भविष्यवाणी और घरेलू कुत्तों से रोग हस्तांतरण के कारण उत्पीड़न शामिल हैं।

क्या आप जानते है?

- 2014 में, भारत सरकार ने विशाखापत्तनम में इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान (IGZP) में अपना पहला ढोल संरक्षण प्रजनन केंद्र स्वीकृत किया।
- भारत में, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची 2 के तहत धौल की रक्षा की जाती है।

श्वेत उल्लू

वैज्ञानिक नाम: टायटोल्बा

- **वितरण:** यह ध्रुवीय और रेगिस्तानी क्षेत्रों, हिमालय के उत्तर, इंडोनेशिया के अधिकांश और कुछ प्रशांत द्वीपों को छोड़कर उल्लू की सबसे व्यापक रूप से वितरित प्रजाति है।
- उनके भोजन में लगभग सभी छोटे स्तनपायी होते हैं, जिन्हें वे ध्वनि द्वारा ढूँढते हैं।

IUCN स्थिति: कम से कम चिंता।

- **सांस्कृतिक महत्व:** कर्नाटक में देवी चामुंडा के अनुचर के रूप में बार्न (श्वेत) उल्लू का सम्मान किया जाता है। बंगाल में, यह धन के देवता, लक्ष्मी के वाहक के रूप में प्रतिष्ठित है।
- बार्न उल्लुओं को बिल्लियों या चूहे साँपों के बजाय भर्ती किया गया है क्योंकि लक्षद्वीप द्वीप में चूहों व्यावहारिक रूप से ट्रीटॉप्स पर रहते हैं।
- रासायनिक एजेंटों का उपयोग करना असंभव है क्योंकि लक्षद्वीप जैविक कृषि का अभ्यास करता है

भारतीय पैंगोलिन

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - संरक्षण; विलुप्त होने वाली प्रजाति का हिस्सा

समाचार में:

- तेलंगाना वन विभाग ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जंगलों में पैंगोलिन के अवैध शिकार को उजागर किया है।
- गिरोह से जब्त करने के लिए, तीन से चार किलोग्राम पैंगोलिन तराजू को जब्त किया गया था, जिसके लिए तीन से पांच जानवर मारे गए होंगे।

क्या आप जानते है?

- हाल ही में, चीन ने COVID 19 प्रसार के संदर्भ में वन्यजीव के मांस पर प्रतिबंध लगाने और अनुमोदित पारंपरिक चिकित्सा की अपनी सूची से पैंगोलिन तराजू को हटाने की सूचना दी है।
- पैंगोलिन दुनिया के सबसे तस्करी वाले स्तनधारियों में से हैं।

प्रीलिम्स बिंदु से:

- भारतीय पैंगोलिन:
- मोटी पपड़ीदार त्वचा है
- मांस के लिए शिकार किया जाता है और पारंपरिक चीनी चिकित्सा में उपयोग किया जाता है।
- पैंगोलिन दुनिया में सबसे अधिक अवैध वन्यजीव प्रजातियों में से हैं।
- पैंगोलिन की आठ प्रजातियों में से, भारतीय और चीनी पैंगोलिन भारत में पाए जाते हैं।
- इन दोनों प्रजातियों को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I भाग I के तहत सूचीबद्ध किया गया है
- IUCN लाल सूची
- इंडियन पैंगोलिन: लुप्तप्राय
- चीनी पैंगोलिन: गंभीर रूप से लुप्तप्राय

तेंदुए का अवैध शिकार

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - पर्यावरण और जैव विविधता; संरक्षण; विलुप्त होने वाली प्रजाति का हिस्सा:

बुनियादी जानकारी:

TRAFFIC इंडिया के अध्ययन के अनुसार -

- भारत में 2015- 2019 के बीच कुल 747 तेंदुओं की मौत में से 596 अवैध वन्यजीव व्यापार और अवैध शिकार से जुड़ी गतिविधियों से जुड़े थे।
- उत्तराखंड, महाराष्ट्र में तेंदुए का सबसे ज्यादा शिकार

TRAFFIC के बारे में

- यह दुनिया भर में एक प्रमुख वन्यजीव व्यापार निगरानी नेटवर्क है।
- NGO जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास दोनों के संदर्भ में जंगली जानवरों और पौधों में व्यापार पर विश्व स्तर पर काम कर रहा है।
- TRAFFIC की स्थापना 1976 में IUCN और WWF द्वारा अवैध वन्यजीव व्यापार और अतिउत्पादकता से उत्पन्न बढ़ते खतरों का जवाब देने के लिए की गई थी।
- 1991 में भारत इस कार्यक्रम का सदस्य बना।

अरब सागर हंपबैक व्हेल

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - पर्यावरण और जैव विविधता; संरक्षण; विलुप्त होने वाली प्रजाति का हिस्सा:

बुनियादी जानकारी:

- **IUCN स्थिति** - कम से कम चिंता
- दुनिया भर में पाई जाती है
- हंपबैक व्हेल भारतीय जल में होने वाली बलेन व्हेल की चार प्रजातियों में से एक है और यह भारत में सबसे कम अध्ययन की जाने वाली प्रजातियों में से एक है।

क्या आप जानते है?

- हंपबैक व्हेल यौन रूप से मंद होती हैं, जिसमें महिलाएं पुरुषों की तुलना में थोड़ी लंबी होती हैं।
- उनकी चप्पलें बेहद लंबी होती हैं, उनके शरीर की कुल लंबाई का लगभग एक-तिहाई।
- इन व्हेलों का एक छोटा पृष्ठीय पंख होता है जिसे छोटे कूबड़ या त्रिकोणीय आकार के पंख के आकार का बनाया जा सकता है।
- हंपबैक व्हेल फ्लेक्स में एक चर रंग होता है और एक दाँतेदार या दांतेदार किनारा होता है।

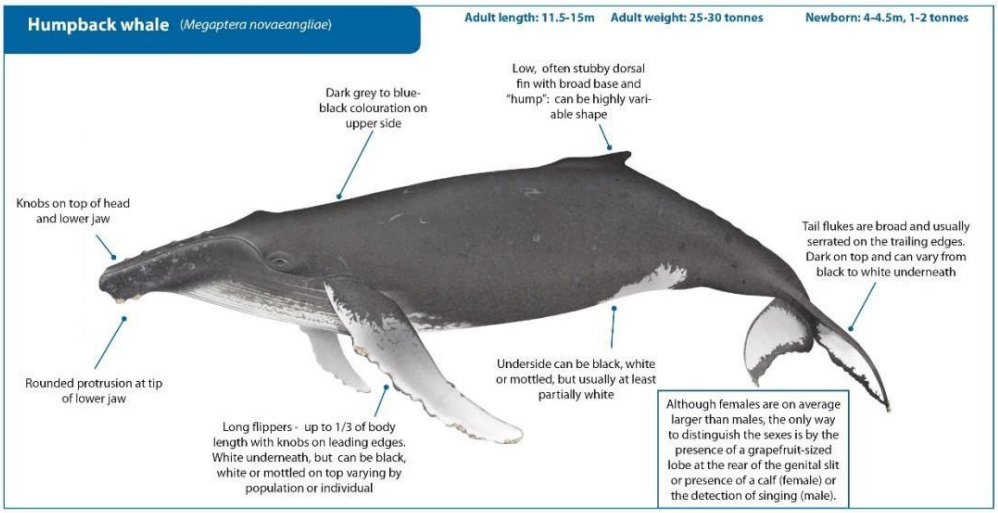

- उनके सिर और निचले जबड़े पर धक्कों होते हैं जिनमें छोटे कड़े बाल होते हैं।

समाचार में लुप्तप्राय प्रजाति: हॉर्नबिल्स

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - संरक्षण; विलुप्त होने वाली प्रजाति; संरक्षित क्षेत्र का हिस्सा:

संदर्भ:

- उपग्रह डेटा पर आधारित एक अध्ययन ने अरुणाचल प्रदेश में एक प्रमुख हॉर्नबिल निवास स्थान में वनों की कटाई की उच्च दर को दिखाया है।
- उपग्रह डेटा में 1,064 वर्ग किमी के वन आवरण में परिवर्तन का पता चला। पापुम रिज़र्व फॉरेस्ट (RF) पक्के टाइगर रिज़र्व से सटे हुए और असम का एक हिस्सा जो अवैध कटाई और जातीय संघर्ष से प्रभावित है।

क्या आप जानते है?

- पापुम RF बड़ी, रंगीन फल खाने वाली हॉर्नबिल की तीन प्रजातियों का एक घोंसला बनाने वाला निवास स्थान है: ग्रेट, पुष्पांजलि और पूर्वी चितकबरा
- 862 वर्ग किमी पक्के रिजर्व में एक चौथी प्रजाति है, रुफस गर्दन ।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

हॉर्नबिल:

- भारत हॉर्नबिल की नौ प्रजातियों का घर है: उनमें से तीन, पुष्पांजलि हॉर्नबिल (एसीरोस अनदुलटस), ब्राउन हॉर्नबिल (एनोरहिनस ऑस्टेनी) और रुफस गर्दन वाले हॉर्नबिल (एसीरोस निपालेंसिस) ग्रेट हॉर्नबिल अरुणाचल प्रदेश और केरल का राज्य पक्षी है। भारत में भी नार्कोंडैम हॉर्नबिल है, जो केवल नार्कोंडैम द्वीप पर पाया जाता है।
- नागालैंड में मनाए जाने वाले हॉर्नबिल महोत्सव का नाम पक्षी के नाम पर रखा गया है - हॉर्नबिल जो नागाओं के लिए सबसे पूजनीय और प्रशंसित पक्षी है।

क्या आप जानते है?

- हॉर्नबिल पूर्वोत्तर में कुछ जातीय समुदायों, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के न्याशी के सांस्कृतिक प्रतीक होने के बावजूद हेडगियर के लिए अपने कैस्क्स-ऊपरी चोंच के लिए शिकार किया करते थे ।
- लेकिन फाइबर ग्लास चोंच के उपयोग को आकर्षित करने वाले 20 साल पुराने संरक्षण कार्यक्रम ने पक्षियों के लिए खतरे को काफी हद तक कम कर दिया ।

हॉर्नबिल प्रजातियां:

- **ग्रेट हॉर्नबिल:**
  - **IUCN लाल सूची:** निकट की चेतावनी ।
  - भारत में सभी हॉर्नबिल का सबसे बड़ा क्षेत्र।
  - पश्चिमी घाट और हिमालय के साथ जंगलों में कुछ वन क्षेत्रों में पाया जाता है।
- **रुफस-गर्दन वाले हॉर्नबिल:**
  - IUCN लाल सूची: कमजोर
  - उत्तर-पूर्वी भारत से लेकर पश्चिम बंगाल के महानंदा वन्यजीव अभयारण्य तक उत्तरी-सबसे हद तक है।
- **पुष्पांजलि हॉर्नबिल:**
  - IUCN लाल सूची: सबसे कम चिंता
  - सुदूर पूर्वोत्तर भारत के जंगलों में पाया जाता है।
- **नार्कोंडैम हॉर्नबिल:**
  - IUCN लाल सूची: लुप्तप्राय
  - अंडमान में भारतीय द्वीप नारकंडम के लिए स्थानिक।

- एशियाई हॉर्नबिल की सभी प्रजातियों में से सबसे छोटा घर है।

➢ **मालाबार चितकबरा हॉर्नबिल:**

- IUCN लाल सूची: निकट की चेतावनी
- भारत और श्रीलंका में आम निवासी प्रजनक
- **आवास:** सदाबहार और नम पर्णपाती जंगल अक्सर मानव बस्तियों के पास।

➢ **पूर्वी चितकबरा हॉर्नबिल:**

- IUCN लाल सूची: सबसे कम चिंता
- सबसे बड़ा वितरण, भारतीय उपमहाद्वीप में और पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है।
- **आवास:** उपोष्णकटिबंधीय या उष्णकटिबंधीय नम तराई जंगल।

➢ **सफेद गले वाले ब्राउन हॉर्नबिल:**

- IUCN लाल सूची: निकट की चेतावनी
- पूर्वोत्तर भारत के जंगलों में पाया जाता है।
- **आम आवास:** नामदाफा नेशनल पार्क, चांगलांग जिला, अरुणाचल प्रदेश।

➢ **मालाबार ग्रे हॉर्नबिल:**

- IUCN लाल सूची: सबसे कम चिंता
- दक्षिण भारत के पश्चिमी घाट और संबद्ध पहाड़ियों में आम।

➢ **भारतीय ग्रे हॉर्नबिल:**

- IUCN लाल सूची: सबसे कम चिंता
- **आवास:** मुख्य रूप से लगभग 2000 फीट तक मैदानों पर, हिमालय की तलहटी दक्षिण की ओर, सिंधु प्रणाली द्वारा पश्चिम और गंगा डेल्टा द्वारा पूर्व में घिरा हुआ है।

लुप्तप्राय प्रजातियाँ: फिशिंग कैट

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - संरक्षण; विलुप्त होने वाली प्रजाति; जैव विविधता का हिस्सा

संदर्भ:

- देश में 10 मछली पकड़ने वाली बिल्लियों को मारने की देश की पहली कवायद शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है
- कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य, आंध्र प्रदेश में स्थित है।
- विशेषज्ञ प्रजातियों की पारिस्थितिकी, होम रेंज, विभिन्न मौसमों में व्यवहार, भोजन की आदतों, खतरों, आंदोलनों और अंतरिक्ष के उपयोग का अध्ययन करने के लिए।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

फिशिंग कैट

- फिश कैट (प्रियोनेलुरस विवर्रिनस) स्तनधारी घरेलू बिल्ली के आकार से दोगुना है, जो आर्द्रभूमि, दलदली और दलदली क्षेत्रों की मूल निवासी है।
- आर्द्रभूमि का तेजी से क्षरण वैश्विक स्तर पर पशु के लिए खतरा पैदा कर रहा है और भारत इसका अपवाद नहीं है।
- फिश कैट को प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) की लाल सूची में 'असुरक्षित' के रूप में नामित किया गया है।

कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य:

- यह आंध्र प्रदेश में स्थित एक वन्यजीव अभयारण्य और मुहाना है।
- अभयारण्य गोदावरी मुहाना का एक हिस्सा है और इसमें व्यापक मैंग्रोव और शुष्क पर्णपाती उष्णकटिबंधीय वन हैं।
- यह भारत में (सुंदरवन के बाद) मैंग्रोव वनों का दूसरा सबसे बड़ा खंड है।
- यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय सफेद पीठ वाले गिद्ध और लंबे समय तक बिल वाले गिद्ध का घर है।
- इसके मुख्य वन्यजीव आकर्षण हैं गोल्डन जैकाल, सी कछुआ, फिशिंग कैट, एस्टुरीन क्रोकोडाइल, स्मॉल ब्लू किंगफिशर, कैटल एग्रेट।
- होप आइलैंड और सैक्रामेंटो द्वीप मैंग्रोव क्षेत्र में स्थित लुप्तप्राय ओलिव रिडले कछुओं के लिए दो महत्वपूर्ण घोंसले के शिकार स्थल हैं।

क्या आप जानते है?

- आंध्र प्रदेश सरकार ने कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य में गोदावरी मैंग्रोव के लिए यूनेस्को को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दक्षिण अफ्रीका से अफ्रीकी चीता भारत लाया गया

GS-प्रीलिम्स और GS-तृतीय - जैव विविधता; वातावरण का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में, मैसूरू चिड़ियाघर अफ्रीकी चीता को घर देने वाला दूसरा भारतीय चिड़ियाघर बन गया है।
- एक पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत दक्षिण अफ्रीका के चीता संरक्षण केंद्र से एक नर और दो मादा को भारत लाया गया।
- यह देश का पहला अंतर्राष्ट्रीय पशु विनिमय पोस्ट- COVID-19 था।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

चीता

- यह सबसे तेज़ जमीन वाला जानवर है।
- दक्षिण पूर्व अफ्रीकी चीता पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका का मूल निवासी है।
- यह मुख्य रूप से कालाहारी के तराई क्षेत्रों और रेगिस्तानों, ओकावांगो डेल्टा के सवाना और दक्षिण अफ्रीका में ट्रांसवाल क्षेत्र के घास के मैदानों में रहता है।
- नामीबिया में, चीता ज्यादातर खेतों में पाए जाते हैं।
- यह एक कमजोर उप-प्रजाति (IUCN स्थिति) है, अवैध शिकार, निवास स्थान की हानि और शिकार की कमी के कारण।

अवसंरचना /ऊर्जा

भारतीय रासायनिक उद्योग की कमियां: TIFAC

GS-प्रीलिम्स और GS-III - इंडस्ट्रीज का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (TIFAC) की एक रिपोर्ट जारी की गई थी।
- TIFAC एक स्वायत्त संगठन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रबुद्ध मंडल (थिंक टैंक) है ।
- इसने भारतीय रासायनिक उद्योग की कमियों को उजागर किया है जो चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में बाधाएं साबित होते हैं ।

मुख्य बिन्दु

- भारत में लागत प्रभावी और कम प्रदूषणकारी तरीके से प्रमुख रसायनों के निर्माण के लिए पर्याप्त प्रौद्योगिकी, संयंत्रों और बुनियादी ढांचे का अभाव है।
- कई प्रमुख सक्रिय फार्मास्यूटिकल सामग्री (API) का निर्माण लगभग बंद कर दिया गया है।
- भारत रासायनिक मध्यवर्ती और API के 67% और लगभग पूरी तरह से क्लोरोक्वीन और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (HCQ) के लिए चीन पर निर्भर करता है।
- निर्माता उस कीमत को पूरा करने में असमर्थ हैं जिस पर चीन द्वारा रसायनों का उत्पादन किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

सक्रिय फार्मास्यूटिकल सामग्री

- ये दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण तत्व हैं और इन्हें थोक दवाएं भी कहा जाता है।
- चीन का हुबेई प्रांत API निर्माण उद्योग का हब है।

हरित पथ नामक मोबाइल ऐप विकसित

GS-प्रीलिम्स और GS-III - अवसंरचना:रोडवेज; पर्यावरण; सतत विकास का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में 'हरित पथ' नामक एक मोबाइल ऐप विकसित किया गया है।
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHIA) द्वारा विकसित
- उद्देश्य: निगरानी करने के लिए-
  - स्थान
  - विकास
  - प्रजातियों का विवरण,
  - रखरखाव गतिविधियों,
  - लक्ष्य और उपलब्धियां
- इसमें सभी वृक्षारोपण परियोजनाओं के तहत प्रत्येक संयंत्र के लिए प्रत्येक फील्ड इकाइयों को शामिल किया जाएगा।
- इस प्रक्षेपण से पूरे भारत में हरित राजमार्गों के निर्माण में और सुविधा होगी।
- NHIA ने भी हाल ही में 'हरित भारत संकल्प' शुरू किया है।
- यह पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रव्यापी पौधरोपण अभियान है।
  - इस पहल के तहत NHIA ने 21 जुलाई से 15 अगस्त 2020 के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों के हिस्सों के साथ 25 दिनों में 25 लाख से अधिक पौधे लगाए।

पेयजल के लिए BIS ड्राफ्ट मानक

GS -प्रीलिम्स और GS -III - इंफ्रास्ट्रक्चर: संसाधन का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने पाइप से पेयजल की आपूर्ति व्यवस्था के लिए मानक का मसौदा तैयार किया है।
- शीर्षक: 'पेयजल आपूर्ति गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली - पाइप पेयजल आपूर्ति सेवा के लिए आवश्यकताएं'।

मुख्य बिंदु

- इसमें जलापूर्ति की प्रक्रिया, कच्चे जल स्रोतों से लेकर घरेलू नलों तक की रूपरेखा तैयार की गई है।
- मानक के मसौदे में पाइप से जलापूर्ति की प्रक्रिया को और अधिक एक समान बनाने की उम्मीद है।
- इसे केंद्र के जलजीवन मिशन को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

महत्वपूर्ण मूल्य वर्धन

जलजीवन मिशन

- इसका उद्देश्य नल कनेक्शन के माध्यम से 2024 तक सभी ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है।
- मंत्रालय: जल शक्ति मंत्रालय

भारतीय मानक ब्यूरो

- यह भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है।
- मंत्रालय: उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
- अधिनियम: भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986

अंडमान निकोबार बनेगा समुद्री हब

GS मेन्स III - बुनियादी ढांचा; रक्षा; सुरक्षा का हिस्सा:

संदर्भ:

- PM ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एक "समुद्री और स्टार्ट-अप हब" के रूप में विकसित होने जा रहा है और इसके लिए अपनी सरकार की विकास पहल पर प्रकाश डाला है।
- प्रधानमंत्री चेन्नई और द्वीपों के बीच पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर केबल का उद्घाटन करेंगे

लाभ:

- यह द्वीपों को "डिजिटल रूप से स्वतंत्र" करने में मदद करता है।
- द्वीपसमूह के 12 द्वीपों को उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं के लिए चुना गया है, जिसमें इस क्षेत्र के समुद्र आधारित, कार्बनिक और नारियल आधारित उत्पादों के व्यापार को बढ़ाने पर जोर दिया गया है ।
- यह द्वीपों के समूह को नीली अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने में मदद करता है ।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए पनडुब्बी केबल कनेक्टिविटी

GS प्रीलिम्स और मेन्स II और III - सरकार की नीतियां और पहल; बुनियादी ढांचा; का हिस्सा:

संदर्भ:

- प्रधानमंत्री ने पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर केबल (OFC) का शुभारंभ किया जो अंडमान निकोबार द्वीप समूह को मुख्य भूमि से जोड़ता है।

- यह परियोजना 2300 किलोमीटर पनडुब्बी केबल बिछेगी, जो चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर, पोर्ट ब्लेयर से लिटिल अंडमान और पोर्ट ब्लेयर से स्वराज द्वीप तक द्वीपों के प्रमुख हिस्से को जोड़ती है।

लाभ:

- कनेक्टिविटी अब द्वीपों में अंतहीन अवसरों को सक्षम करेगा
- हर नागरिक और हर क्षेत्र को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना
- सुधार करने के लिए जीने की आसानी
- राष्ट्रीय सुरक्षा का तेजी से विकास
- सस्ती और बेहतर कनेक्टिविटी
- डिजिटल इंडिया के सभी लाभों का आनंद लें - ऑनलाइन शिक्षा, टेली-मेडिसिन, बैंकिंग प्रणाली, ऑनलाइन व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देने में सुधार
- एक्ट-ईस्ट नीति और भारत के आर्थिक-रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देगा

मानचित्र गतिविधि -

- महत्वपूर्ण स्थानों का पता लगाएं - कार निकोबार; कैंपबेल - बे; पोर्ट ब्लेयर; स्वराज द्वीप; स्वराज डीवीप, शहीद डीवीप और लांग आईलैंड आदि।

अन्य कदम:

- बेहतर इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान करने के अलावा, सड़क, वायु और पानी के माध्यम से भौतिक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।
- पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे की क्षमता बढ़ाना
- जलीय हवाई अड्डा अवसरंचना
- 4 जल संयोजकता में सुधार के लिए कोच्चि शिपयार्ड में बनाए जा रहे जहाज
- पोर्ट आधारित विकास
- गहरा मसौदा भीतरी बंदरगाह का तेजी से निर्माण और ग्रेट निकोबार में पोतांतरण पोर्ट के निर्माण का प्रस्ताव
- मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर और सीवेड खेती जैसी नीली अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास

रेलवे ने निगरानी के लिए 'निंजा' तैनात की

GS-प्रीलिम्स और GS-III - अवसरंचना- रेलवे का हिस्सा

- हाल ही में रेलवे स्टेशनों, पटरियों और कार्यशालाओं में सुरक्षा बढ़ाने के लिए ड्रोन आधारित निगरानी प्रणाली लगाई गई है।

मुख्य बिन्दु

- भारतीय रेलवे ने हाल ही में निंजा मानवरहित हवाई वाहन[UAV] की खरीद की।

सुविधाऐं:

- वास्तविक समय ट्रैकिंग
- वीडियो स्ट्रीमिंग
- स्वचालित असफल सुरक्षित मोड,

लाभ:

- रेलवे परिसंपत्तियों की बढ़ी हुई निगरानी
- यात्रियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा।

उपयोग:

- रेलवे परिसर में जुआ, कचरा फेंकने, हॉकिंग आदि आपराधिक व असामाजिक गतिविधियों पर निगरानी रखना।
- एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण जो कमजोर वर्गों में उपयोगी होगा
- आपदा स्थलों पर अतिक्रमण का आकलन करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के बचाव, वसूली, बहाली और समन्वय प्रयास और रेलवे परिसंपत्तियों की मैपिंग।
- एक ड्रोन कैमरा एक बड़े क्षेत्र को कवर कर सकता है जिसके लिए 8-10 आरपीएफ कर्मियों की आवश्यकता होती है

भभोट परियोजना

GS पेपर - I और II जल संसाधन और सरकारी नीतियां का हिस्सा:

संदर्भ: हाल ही में गुजरात सरकार ने भरूच में भभोट परियोजना के लिए ठेका दिया है।

भभोट परियोजना की विशेषताएं:

- यह नर्मदा नदी के पार, भभोट गांव से 5 किमी और नदी के मुहाने से 25 किमी दूर स्थित है, जहां यह खंभात की खाड़ी में बहती है।
- यह परियोजना बड़ी कल्पसर परियोजना का हिस्सा है, जिसमें भरूच और भावनगर जिलों के बीच खामभाट की खाड़ी में 30 किलोमीटर बांध का निर्माण करना आवश्यक है।
- कल्पसार परियोजना का उद्देश्य गुजरात के 25% औसत वार्षिक सतही जल संसाधनों को संग्रहित करना है।
- यह जलाशय सतही जल के लगभग 8,000 मिलियन घन मीटर (MCM) का भंडारण करेगा और समुद्र में दुनिया के सबसे बड़े मीठे पानी के जलाशयों में से एक होगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

नासा के चालक दल के साथ SpaceX घर वापस आ गया है

GS प्रीलिम्स - विज्ञान और प्रौद्योगिकी - अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा:

समाचार में:

- नासा के दो अंतरिक्ष यात्री दो महीने के सफल मिशन के बाद एंडेवर नाम के अपने SpaceX ड्रैगन कैप्सूल में पृथ्वी पर लौटे।
- यह 45 साल में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा पहली समुद्र में अन्तरिक्षयान अवतरण था, पहले व्यावसायिक रूप से निर्मित और संचालित अंतरिक्ष यान के साथ और कक्षा से लोगों को ले जाने के लिए।

क्या आप जानते है?

- SpaceX' के क्रू ड्रैगन क्राफ्ट ने नासा के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) में पहुंचा दिया था और निजी सहयोग से पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान बन गई थी।

विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप के खिलाफ अदृश्य शील्ड डिजाइन

GS-प्रीलिम्स और जीएस-III - वैज्ञानिक नवाचार और खोज का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में नैनो और शीतल पदार्थ विज्ञान केंद्र (CeNS), बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरसेंस (CeNS) के खिलाफ अदृश्य ढाल बनाने के लिए धातु की जाली संरचना तैयार की है।

मुख्य बिन्दु

धातु जाल संरचना:

- पॉलीथीन टेरेफ्थेलेट (PET) शीट पर एक तांबे धातु की जाली विकसित की जाती है जो लगभग 85% के दृश्य संचारण को प्रदर्शित करती है।
- संचरण दर्शाता है कि एक नमूने से कितना प्रकाश गुजरता है।
- धातु जाल निरंतर धातु फिल्म की उसी मोटाई की तुलना में बेहतर विद्युत चुम्बकीय परिरक्षण प्रदान करता है जहां पारदर्शिता से समझौता किया जा सकता है।

लाभ:

- यह एक उपकरण की ऊर्जा को अलग कर देगा ताकि यह किसी और चीज को प्रभावित न करे और बाहरी ऊर्जा को अंदर जाने से रोकता है।
- इस 'अदृश्य' ढाल का उपयोग विभिन्न सैन्य चुपके अनुप्रयोगों में किया जा सकता है।
- यह सौंदर्यशास्त्र से समझौता किए बिना विद्युत चुम्बकीय तरंग उत्सर्जक या अवशोषक उपकरणों को कवर कर सकता है।
- यह एक हथियार मंच की चुपके क्षमता को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व है

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

विद्युत चुम्बकीय व्यतिकरण

- यह एक विद्युत चुम्बकीय उत्सर्जन है जो विद्युत उपकरणों के दूसरे टुकड़े में अशांति का कारण बनता है।
- विद्युत परिपथ वाले किसी भी उपकरण को EMI के लिए अतिसंवेदनशील किया जा सकता है।
- यह डेटा को बाधित और ग्रेड कम करने के द्वारा विद्युत उपकरणों के प्रदर्शन से समझौता करता है, कभी-कभी पूरी तरह से डेटा खो भी देता है।
- EMI को रेडियो और माइक्रोवेव आवृत्तियों सहित विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम की एक विस्तृत अवधि के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

हीलियम-ओमेगा सेंटौरी के बीच बढ़ाया शांत उज्ज्वल सितारों की खोज की

GS-प्रीलिम्स और जीएस-III - अंतरिक्ष का हिस्सा:

समाचार में:

- ओमेगा सेंटौरी गोलाकार क्लस्टर के धातु से भरपूर हिस्सों के बीच हीलियम-बढ़ाया शांत उज्ज्वल सितारों को हाल ही में खोजा गया है।
- ओमेगा सेंटौरी में हीलियम-बहुतायत का यह पहला स्पेक्ट्रोस्कोपिक दृढ़ निश्चय है।
- ओमेगा सेंटौरी: आकाशगंगा में सबसे प्रतिभाशाली और सबसे बड़ा गोलाकार क्लस्टर।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

वैश्विक समूह:

- ये एक ही गैसीय बादल से बनने वाले लाखों सितारों के साथ तारकीय सिस्टम हैं।
- बनने वाले तारे उनकी रासायनिक संरचना में सजातीय होंगे।
- हालांकि, ओमेगा सेंटौरी के विभिन्न सितारों में एक ही धातु सामग्री नहीं दिखाई जाती है

चुंबकीय हाइपरथर्मिया-मध्यस्थता कैंसर थेरेपी (MHCT)

GS-प्रीलिम्स और GS -III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में:

- चुंबकीय हाइपरथर्मिया-मध्यस्थता कैंसर चिकित्सा को अनुपयोगी ट्यूमर के लिए वांछित चिकित्सा के रूप में बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

चुंबकीय हाइपरथर्मिया-मध्यस्थता कैंसर थेरेपी (MHCT)

- यह कैंसर का गैर-आक्रमणकारी इलाज है।
- **तकनीक:** लक्षित ट्यूमर साइट के भीतर चुंबकीय सामग्रियों का वितरण और स्थानीयकरण एक बारी चुंबकीय क्षेत्र (AM) के बाद के आवेदन के बाद, जिससे ट्यूमर साइट पर गर्मी पैदा होती है।
- यह ग्लियोब्लास्टोमा (मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी में हो सकता है कि कैंसर के आक्रामक प्रकार) की तरह गहरे बैठे दुर्गम ठोस ट्यूमर के खिलाफ कुशलता से कार्य कर सकते हैं
- यह स्वस्थ समकक्षों के खिलाफ न्यूनतम विषाक्तता के साथ सामान्य कोशिकाओं के प्रति अत्यधिक थर्मो-संवेदनशील है।
- वैज्ञानिक नई सामग्रियों की तलाश में हैं जो इस उपचार को और अधिक कुशल बना सकते हैं।

DNA विधेयक का दुरुपयोग किया जा सकता है: ड्राफ्ट रिपोर्ट

GS-प्रीलिम्स और GS-II - कानून; GS-तृतीय - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में:

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति की मसौदा रिपोर्ट में DNA विधेयक को हरी झंडी दी गई है।
- **अध्यक्षता:** जयराम रमेश
- रिपोर्ट को अभी अंतिम रूप दिया जाना है।

मुख्य बिन्दु

समिति के अनुसार:

- इस विधेयक का दुरुपयोग जाति या समुदाय आधारित प्रोफाइलिंग के लिए किया जा सकता है।
- DNA प्रोफाइल किसी व्यक्ति की अत्यंत संवेदनशील जानकारी जैसे वंशावली, त्वचा का रंग, स्वास्थ्य स्थिति और रोगों के प्रति संवेदनशीलता प्रकट कर सकता है।
- किसी व्यक्ति की निजता और अन्य सुरक्षा उपायों की अवहेलना एक और चिंता का विषय है।
- सहमति प्रावधान आसानी से एक मजिस्ट्रेट द्वारा अभिभूत किया जा सकता है, जिससे सहमति बेपरवाह (कोई वास्तविक प्रयास) बना रही है।
- विधेयक में कोई मार्गदर्शन नहीं है कि मजिस्ट्रेट कब सहमति को अधिलेखित कर सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

DNA बिल

- इसमें अपराध के आरोपी या लापता होने के आरोपी भारतीय नागरिकों के DNA सैंपलिंग और प्रोफाइलिंग का प्रस्ताव है।
- यह प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उनकी अनूठी आनुवंशिक जानकारी संग्रहीत करेगा।
- लगभग 60 देशों ने इसी तरह का कानून बनाया है, जिसमें 1994 में एक कानून लाया गया था

टाटा समूह सुपर ऐप लॉन्च करने की योजना बना रहा है

GS-प्रीलिम्स और GS-III - प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में:

- टाटा समूह 2021 की शुरुआत में एक ऑल-इन-वन सुपर ऐप लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

मुख्य बिन्दु

- डिजिटल प्लेटफॉर्म से समूह के सभी उपभोक्ता-सामना करने वाले व्यवसायों को एक साथ लाने की उम्मीद है।
- इसे नवगठित इकाई टाटा डिजिटल द्वारा विकसित किए जाने की संभावना है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

सुपर ऐप

- यह एक छाता के नीचे विभिन्न सेवाओं की पेशकश करने वाली कंपनी द्वारा विकसित एक मंच है।
- उदाहरण के लिए, चीन का WeChat, यह एक मैसेजिंग ऐप के रूप में शुरू हुआ और बाद में सुपर ऐप बनने के लिए भुगतान, कैब, खरीद दारी, भोजन का ऑर्डर देना और कैब सेवाओं में विस्तारित हुआ।
- सुपर ऐप की तुलना भौतिक दुनिया के एक मॉल से की जा सकती है।

ब्रिक्स 5G नवाचार बेस

GS-प्रीलिम्स और GS-II - अंतर्राष्ट्रीय संबंध और GS-III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी; कृत्रिम बुद्धिमत्ता का हिस्सा:

समाचार में:

- ब्रिक्स 5G नवाचार बेस का प्रस्ताव चीन ने किया है।
- **उद्देश्य:** 5G और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) सहयोग ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) को आगे ले जाने के लिए।

मुख्य बिन्दु

- भारत और चीन के बीच चल रहे तनावों के कारण भारत इस कार्यक्रम में शामिल होने से कतरा रहा है जबकि अन्य देश अपने 5जी नेटवर्क में चीन की भागीदारी की अनुमति देने को तैयार हैं।
- भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि सामान्य स्थिति की वापसी संभव नहीं हो सकती जबकि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव अनसुलझा है।
- भारत हाल ही में एक संस्थापक सदस्य के रूप में 'ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPI) ' में भी शामिल हुआ है।
- रूस 5G पर चीन के साथ काम करने के लिए राजी हो गया है।
- दक्षिण अफ्रीका में हुआवेई 5जी नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए सेवाएं दे रहा है।
- ब्राजील ने 5G परीक्षणों में हुआवेई की भागीदारी की अनुमति दी है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

ब्रिक्स के बारे में

- ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक संघ है।
- सभी G-20 के सदस्य हैं।
- 3.1 अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, दुनिया की आबादी का 41%।
- 2018 तक, ब्रिक्स के पास 40.55 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (दुनिया की GDP PPP का 32%) है।
- ब्रिक्स देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध हस्तक्षेप न करने, समानता और पारस्परिक लाभ के आधार पर किए जाते हैं।
- ब्रिक्स के वित्तीय वास्तुकला को बनाने वाले दो घटक हैं:
    - न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) (ब्रिक्स विकास बैंक)
    - आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था (CRA)

बाहरी अंतरिक्ष का अज्ञात क्षेत्र

संदर्भ: आज, बाहरी अंतरिक्ष अब जिस तरह से साइबर स्पेस करता है में हमारे मन अंतरिक्ष कब्जा।

क्या COVID-19 की योजना बनाई अंतरिक्ष गतिविधियों को प्रभावित?

- कई अंतरिक्ष घटनाओं की योजना बनाई अच्छी तरह से पहले से ही COVID-19 महामारी के बीच भी आगे बढ़े, जिनमें से कुछ कर रहे हैं:

- चीन और अमेरिका और यूएई के मार्स ऑर्बिटर मिशन द्वारा मंगल ग्रह के लिए मिशन का शुभारंभ
- अंतरिक्ष एक्स द्वारा निर्मित एक वाणिज्यिक उद्यम पर कक्षा के लिए पहली अंतरिक्ष यात्री यात्रा
- चीनी ' BeiDou ' उपग्रह नेविगेशन प्रणाली का पूरा होना
- अमेरिकी अंतरिक्ष कमान
- रूस ने "अंतरिक्ष आधारित एंटी-सैटेलाइट हथियार का गैर-विनाशकारी परीक्षण" किया

अंतरिक्ष उद्योग पिछले कुछ वर्षों में कैसे विकसित हुआ है?

- **प्रौद्योगिकी ने लागत में कमी ला दी है:** एक दशक में 20 पृथ्वी के कारक से कम पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचने के लिए मूल्य टैग में गिरावट आई है। नासा के अंतरिक्ष शटल की कीमत लगभग $ 54,500 प्रति किलोग्राम है; अब, SpaceX के फाल्कन 9 की कीमत 2,720 डॉलर प्रति किलोग्राम है।
- **बढ़ा बाजार:** एक बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के अनुसार, आज $ 350 बिलियन अंतरिक्ष बाजार 2050 तक $ 2.7 ट्रिलियन को छू लेगा। एक दशक में, 80,000 ऐसे उपग्रह वर्तमान में 3,000 से कम की तुलना में अंतरिक्ष में हो सकते हैं
- तेज गति नवाचार के लिए अग्रणी निजी खिलाड़ियों द्वारा भागीदारी में वृद्धि
- स्टारलिंक, वैश्विक इंटरनेट का उपयोग प्रदान करने के लिए SpaceX द्वारा निर्मित किया जा रहा नक्षत्र, कम पृथ्वी की कक्षा में 10,000 से अधिक बड़े पैमाने पर उत्पादित छोटे उपग्रहों की योजना बना रहा है ।
- अमेज़न की परियोजना कुलिपर 3,000 से अधिक सूक्ष्म उपग्रहों के लिए अमेरिकी संघीय संचार आयोग की मंजूरी प्राप्त की ।
- इन मिशनों को डिजिटल विभाजन को पार करने और हर किसी को प्रदान करने की उम्मीद है, हर जगह दूरस्थ शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी सेवाओं तक पहुंच ।
- प्लेनेट, स्पायर ग्लोबल और आइस जैसी कंपनियां मौसम की भविष्यवाणी, वैश्विक रसद, फसल कटाई और आपदा प्रतिक्रिया में ताजा जानकारी देने के लिए डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने के लिए कक्षीय सहूलियत बिंदुओं का उपयोग कर रही हैं।

अंतरिक्ष की क्षमता को पूरा करने के लिए क्या चुनौतियां हैं?

- **वर्तमान संदर्भ के लिए अंतरिक्ष शासन के लिए बहुपक्षीय ढांचा पुराना हो रहा है**
  - 1967 की बाहरी अंतरिक्ष संधि इस विचार को पुष्ट करती है कि अंतरिक्ष को "सभी मानव जाति का प्रांत" होना चाहिए और "संप्रभुता के दावों द्वारा राष्ट्रीय विनियोग के अधीन नहीं होना चाहिए"।
  - बचाव समझौते, अंतरिक्ष देयता सम्मेलन, और अंतरिक्ष पंजीकरण कन्वेंशन ने बाहरी अंतरिक्ष संधि के प्रावधानों का विस्तार किया ।
  - अंतरिक्ष कानूनों में अंतराल शामिल हैं-
    - 1979 की चंद्रमा संधि को प्रमुख अंतरिक्ष-फ़ार्मिंग देशों द्वारा पुष्टि नहीं की गई थी।

- अंतरिक्ष कानून में विवाद निपटान तंत्र नहीं है
- अंतरिक्ष कानून टकराव और मलबे पर चुप है
- वे दूसरों की अंतरिक्ष संपत्ति के साथ हस्तक्षेप पर अपर्याप्त मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

➢ **अंतरिक्ष कानूनों का कानूनी ढांचा राज्य-केंद्रित है, अकेले राज्यों पर जिम्मेदारी डालता है**

- हालांकि, वाणिज्यिक स्थान की खोज और उपयोग के लिए गैर-राज्य इकाइयां अब मैदान में हैं।
- अमेरिका जैसे कुछ राज्य इस धारणा के आधार पर निजी उद्यमों के माध्यम से संसाधन वसूली के लिए रूपरेखा प्रदान कर रहे हैं कि यह गैर-राज्य अभिनेताओं के लिए स्पष्ट रूप से निषिद्ध नहीं है।
- कुछ विद्वानों और सरकारों ने इसे राष्ट्रीय गैर-विनियोजन के सिद्धांत से छेड़छाड़ के रूप में देखा, यदि मौजूदा अंतरिक्ष कानून का पत्र नहीं है तो यह भावना का उल्लंघन है।
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मानक ढांचे के संरेखण की कमी अंतरिक्ष ढांचे के बाहर अभिनेताओं को शामिल करने के लिए आकाशीय संसाधनों के लिए एक हानिकारक मुक्त-सभी प्रतियोगिता के लिए जोखिम है।

➢ **अंतरिक्ष हथियारों की दौड़ और बढ़ते सैन्यीकरण**

- राज्य संचार, नेविगेशन और टोही उद्देश्यों के लिए सैन्य अंतरिक्ष प्रणालियों में निवेश कर रहे हैं, ताकि क्षमताओं की एक सीमा को सुनिश्चित किया जा सके।
- सैटेलाइट सिस्टम पर रिलायंस के मिलिट्री का मतलब है कि अंतरिक्ष परिसंपत्तियां संभावित लक्ष्य बन जाती हैं। इसलिए अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं को बाधित या नष्ट करने वाली प्रौद्योगिकियों में निवेश जारी है।
- अंतरिक्ष हथियारों की दौड़ पर अंकुश लगाना मुश्किल है, खासकर जब से लगभग सभी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में सैन्य अनुप्रयोग हैं

आगे का मार्ग

- तकनीकी, कानूनी, वाणिज्यिक, राजनयिक और रक्षा लक्ष्यों के बीच तालमेल को सक्षम करने के लिए अंतरिक्ष कानून की आवश्यकता है।
- भारत की अंतरिक्ष दृष्टि को वैश्विक शासन, नियामक और हथियार नियंत्रण मुद्दों को भी संबोधित करना होगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- IN-SPACe (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र)
- भारत की भविष्य की अंतरिक्ष योजनाएँ - चंद्रमा पर उतरना; सौर वेधशाला; दलित अंतरिक्ष यान मिशन; और 2030 में एक मॉड्यूलर अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना।

DoPPW डिजी लॉकर के साथ ई-पेंशन भुगतान आदेश को एकीकृत करने के लिए

GS-प्रीलिम्स और GS- II - नीतियां और हस्तक्षेप; जीएस- III - प्रौद्योगिकी; IT का हिस्सा

समाचार में:

- पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (DoPPW), कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, ने डिजी लॉकर के साथ इलेक्ट्रॉनिक पेंशन भुगतान आदेश (ई-PPO) को एकीकृत करने का निर्णय लिया है।
- **उद्देश्य:** केंद्र सरकार के सिविल पेंशनरों की आसानी को बढ़ाने के लिए।

मुख्य बिन्दु

- यह किसी भी पेंशनभोगी को उनके डिजी लॉकर खाते से उनकी PPO की नवीनतम प्रति का तत्काल प्रिंट-आउट प्राप्त करने में सक्षम करेगा।
- उनके डिजी लॉकर में उनके संबंधित PPO का एक स्थायी रिकॉर्ड बनाया जाएगा।
- नए पेंशनभोगियों को PPO तक पहुंचने में देरी और एक भौतिक प्रति सौंपने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया जाएगा।
- सुविधा बनाने के लिए भाव्या 'सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया था।
- यह पेंशनरों के लिए एकल विंडो प्लेटफॉर्म है जो उनके पेंशन प्रसंस्करण के शुरू से अंत तक है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

डिजिटल लॉकर

- यह एक सुरक्षित ऑनलाइन लॉकर भंडार है।
- यह एक ही स्थान पर सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जमा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- यह एक सरकारी वेबसाइट है।
- आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस और स्कूल और कॉलेज प्रमाण पत्र संग्रहीत किए जा सकते हैं।

सिंथेटिक फ्लेवोनोइड्स का विकास

GS-प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी; विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में, पुणे के अघारकर अनुसंधान संस्थान (ARI) के वैज्ञानिकों ने तपेदिक और चिकनगुनिया के उपचार से संबंधित फ्लेवोनोइड अणुओं के उत्पादन के लिए पहला सिंथेटिक मार्ग प्राप्त किया है।

मुख्य बिन्दु

- यह पहली बार है कि रवासा फ्लेवोनोइड्स, पॉडोकेरे फ्लेवोन और आइसोफ्लेवोनहवे जैसे फ्लेवोनोइड अणुओं को एक प्रयोगशाला में संश्लेषित किया गया है।
- इन तीन अणुओं को अब तक केवल पौधों से अलग किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

फ्लेवोनोइड्स

- ये लगभग सभी फलों और सब्जियों में पाए जाने वाले फाइटोन्यूट्रिएंट्स (पादप रसायनों) के पॉलीफेनोल वर्ग का हिस्सा हैं।

- वे कार्बनिक रंजक और फलों और सब्जियों में ज्वलंत रंगों के लिए जिम्मेदार हैं।
- ये विरोधी भड़काऊ और प्रतिरक्षा प्रणाली लाभ के साथ शक्तिशाली प्रतिउपचायक हैं।
- फ्लेवोनॉयड्स से भरपूर आहार हृदय, लीवर, किडनी, मस्तिष्क और अन्य संक्रामक रोगों से संबंधित बीमारियों से बचा सकता है।

आरोग्यसेतु app में खुली API सेवा

GS-प्रीलिम्स और GS- III - प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में:

- सरकार ने आरोग्यसेतु ऐप के लिए एक नई सुविधा 'ओपन एपीआई सेवा' की घोषणा की है।

मुख्य बिन्दु

- नई सुविधा के माध्यम से, संगठन कार्यालय में कर्मचारियों की उपस्थिति और घर से काम का पता लगाने की आवश्यकता के बारे में सूचित निर्णय ले सकते हैं।
- इस प्रकार, संकुचन का जोखिम कम हो जाता है।
- भारत में पंजीकृत संस्थाएं और 50 से अधिक कर्मचारी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।
- API के माध्यम से उपयोगकर्ता के नाम और स्थिति को छोड़कर कोई अन्य व्यक्तिगत डेटा प्रदान नहीं किया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

अनुप्रयोग प्रोग्रामन अंतराफलक (API)

- यह एक इंटरफ़ेस है जिसका उपयोग प्रोग्राम सॉफ्टवेयर के लिए किया जा सकता है जो मौजूदा एप्लिकेशन के साथ प्रतिक्रिया करता है।
- खुला स्रोत API को सॉफ्टवेयर डेवलपर के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

APIs और वेब सेवाएं

- हर वेब सेवा एक एपीआई है लेकिन हर API एक वेब सेवा नहीं है।
- जबकि API ऑनलाइन या ऑफलाइन हो सकते हैं, वेब सेवाओं को एक नेटवर्क का उपयोग करना चाहिए।
- जबकि API किसी भी प्रोटोकॉल या डिजाइन शैलियों का उपयोग कर सकते हैं, वेब सेवाएं आमतौर पर विशिष्ट प्रोटोकॉल का उपयोग करती हैं।
- API की तुलना में वेब सेवाओं के हैक होने का खतरा कम होता है।

निजी फर्म R & D: STI में अधिक महिलाओं को रोजगार देती हैं

GS-प्रीलिम्स और GS- III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

समाचार में:

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकेतक (STI), 2018, भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थिति का एक आवधिक संकलन हाल ही में जारी किया गया था।
- राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रबंधन सूचना प्रणाली (विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग का विभाजन) द्वारा तैयार:
- **इसके आधार पर:** पूरे भारत में कई वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों द्वारा उपलब्ध कराया गया डेटा।

जाँच - परिणाम:

- भारत की निजी क्षेत्र की अनुसंधान कंपनियां सरकार द्वारा वित्तपोषित प्रमुख वैज्ञानिक एजेंसियों की तुलना में मुख्य अनुसंधान और विकास गतिविधियों में महिलाओं के एक बड़े हिस्से को रोजगार देती दिखाई देती हैं।
- डॉक्टरेट और पेशेवर चरणों के बीच महिलाओं की संख्या में बड़ी गिरावट निम्न कारणों से हो सकती है:
- महिलाओं पर सामाजिक दबाव एक परिवार है और पेशेवर कैरियर का त्याग करना है।
- पितृसत्तात्मक प्रथाओं को काम पर रखने में दृष्टिकोण।

COVID-19 परीक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'मेगा लैब'

GS प्रीलिम्स और मेन्स II और III - सरकार की नीतियां और पहल; सामाजिक / स्वास्थ्य मुद्दा; विज्ञान और तकनीक का हिस्सा:

संदर्भ:

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) COVID-19 के परीक्षण के लिए रैंप को "मेगा लैब" विकसित करने के लिए
- प्रयोगशालाएँ अगली पीढ़ी की अनुक्रमण मशीनों (NGS) नामक बड़ी मशीनों के पुनरुत्थान का उपयोग करेंगी।

अगली पीढ़ी की अनुक्रमण मशीनों (NGS) के बारे में

- वे आम तौर पर मानव जीनोम या DNA अनुक्रमण अनुक्रमण के लिए उपयोग किया जाता है।
- अगली पीढ़ी के अनुक्रमण मशीनों या उपकरणों को DNA सूक्ष्म सरणियों, वास्तविक समय पीसीआर और DNA चिप और अभिकर्मकों के रूप में उल्लिखित किया जाता है।
- ये मशीनें कई उदाहरणों में भी COVID वायरस की मौजूदगी का पता लगा सकती हैं, जहां पारंपरिक RT-PCR (पश्च प्रतिलेखन पॉलीमरेज शृंखला प्रतिक्रिया) परीक्षण असफल हो जाते हैं।

क्या आप जानते है?

- अगली पीढ़ी की अनुक्रमण, जिसे उच्च प्रवाह अनुक्रमण के रूप में भी जाना जाता है, का उपयोग इलुमिना (सोलेक्सा) अनुक्रमण, रोच 454 अनुक्रमण, आयन टोरेंट: प्रोटॉन / पीजीएम अनुक्रमण, ठोस अनुक्रमण सहित विभिन्न आधुनिक अनुक्रमण तकनीकों का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

जीनोम अनुक्रमण के बारे में:

- जीनोम अनुक्रमण एक जीनोम में DNA न्यूक्लियोटाइड या ठिकानों के क्रम का पता लगाने की एक प्रक्रिया है।
- इसका अर्थ है As, Cs, Gs, और Ts का क्रम है, जिसका एक अनूठा संयोजन एक जीव का DNA बनाता है।
- जीनोम अनुक्रम होने के बाद, डेटा का विश्लेषण संपूर्ण प्रजातियों की आनुवंशिक जानकारी को समझने के लिए किया जाता है।

अगली पीढ़ी की अनुक्रमण मशीनें (NGS) और RT-PCR परीक्षण में अंतर

- RT-PCR परीक्षण केवल विशिष्ट वर्गों की खोज करके SARS CoV 2 वायरस की पहचान करता है, जबकि जीनोम विधि वायरस के जीनोम के एक बड़े हिस्से को पढ़ सकती है और इस तरह अधिक निश्चितता प्रदान करती है कि प्रश्न में वायरस वास्तव में ब्याज का विशेष कोरोनावायरस है।
- NGS परीक्षण वायरस के विकास के इतिहास का पता लगा सकता है और उत्परिवर्तन को अधिक मज़बूती से ट्रैक कर सकता है।
- RT-PCR के विपरीत, जिन्हें प्राइमरों और जांच की आवश्यकता होती है - महामारी पर जल्द ही बड़े पैमाने पर ऐसे परीक्षणों के संचालन में एक महत्वपूर्ण बाधा- NGS को केवल कस्टम अभिकर्मकों की आवश्यकता होती है।

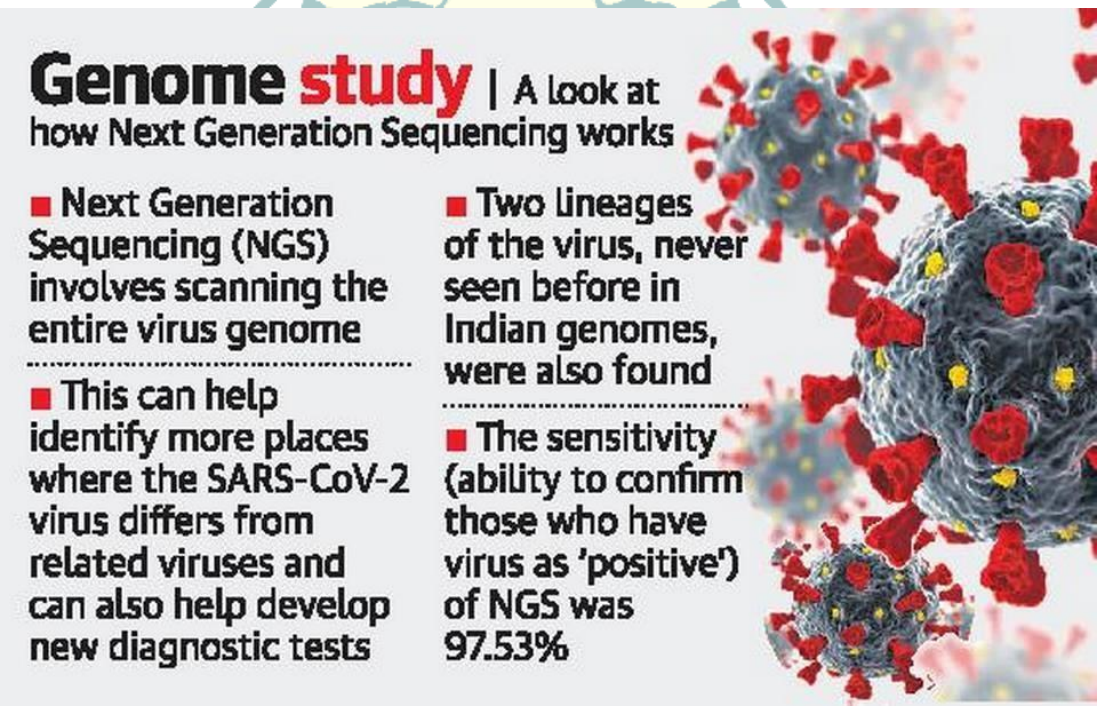

एब्सिसिक अम्ल (एसिड) (ABA)

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी; जीवविज्ञान; कृषि अनुसंधान का हिस्सा:

एब्सिसिक एसिड क्या है?

- मनुष्य के पास ऐसी ग्रंथियां होती हैं जो शरीर की प्रक्रियाओं जैसे वृद्धि, विकास और शर्करा के टूटने को प्रोत्साहित करने के लिए अलग-अलग समय में हार्मोन का स्राव करती हैं।
- पौधों में भी हार्मोन होते हैं जो उन प्रक्रियाओं को उत्तेजित करते हैं जो उनके जीने के लिए आवश्यक हैं।
- एब्सिसिक एसिड एक वनस्पति हार्मोन है जो कई विकास संबंधी पौधों की प्रक्रियाओं में शामिल है, जैसे कि डॉर्मेंसी और पर्यावरण तनाव प्रतिक्रिया।
- एब्सिसिक एसिड का उत्पादन पौधे की जड़ों के साथ-साथ टर्मिनल कलियों के पौधे के शीर्ष पर होता है।

एब्सिसिक एसिड का कार्य

- एब्सिसिक एसिड कई पौधे की क्रियाओं में शामिल है।
- पौधों के पत्तों के नीचे की तरफ खुलते हैं, जिन्हें रंध्र के रूप में जाना जाता है। स्टोमेटा कार्बन डाइऑक्साइड में लेते हैं और पानी की मात्रा को नियंत्रित करते हैं। इन रंध्रों के बंद होने के दौरान एब्सिसिक एसिड पाया जाता है, जब पौधे को अधिक कार्बन डाइऑक्साइड या सूखे के समय की आवश्यकता नहीं होती है जब संयंत्र वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से बहुत अधिक पानी खोने का जोखिम नहीं उठा सकता है।
- एब्सिसिक एसिड के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक बीज अंकुरण को रोकना है। एक बीज को तुरंत मिट्टी में डालने से अंकुरित होने से रोकने के लिए एब्सिसिक एसिड पाया गया है। यह वास्तव में बीज को निष्क्रियता की अवधि में प्रवेश करने का कारण बनता है।
- यह पौधों के लिए बहुत लाभकारी है क्योंकि ज्यादातर बीज बढ़ते मौसम के अंत में बनते हैं, जब नए पौधे अंकुरित होने के लिए अनुकूल नहीं होंगे। एब्सिसिक एसिड बीज को उस समय तक इंतजार करने का कारण बनता है जब स्थिति बढ़ने के लिए अधिक अनुकूल होती है। यह पौधे की सफलतापूर्वक बढ़ने और प्रजनन करने की क्षमता में अधिक सफलता सुनिश्चित करता है।
- एबीए कई पौधों के विकास की प्रक्रियाओं में कार्य करता है, जिसमें बीज और कली की सुस्ती, अंग के आकार का नियंत्रण और पेट का बंद होना शामिल है। यह पर्यावरणीय तनावों की प्रतिक्रिया में पौधों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिसमें सूखा, मिट्टी की लवणता, ठंड सहिष्णुता, ठंड सहनशीलता, गर्मी तनाव और भारी धातु आयन सहिष्णुता शामिल हैं।

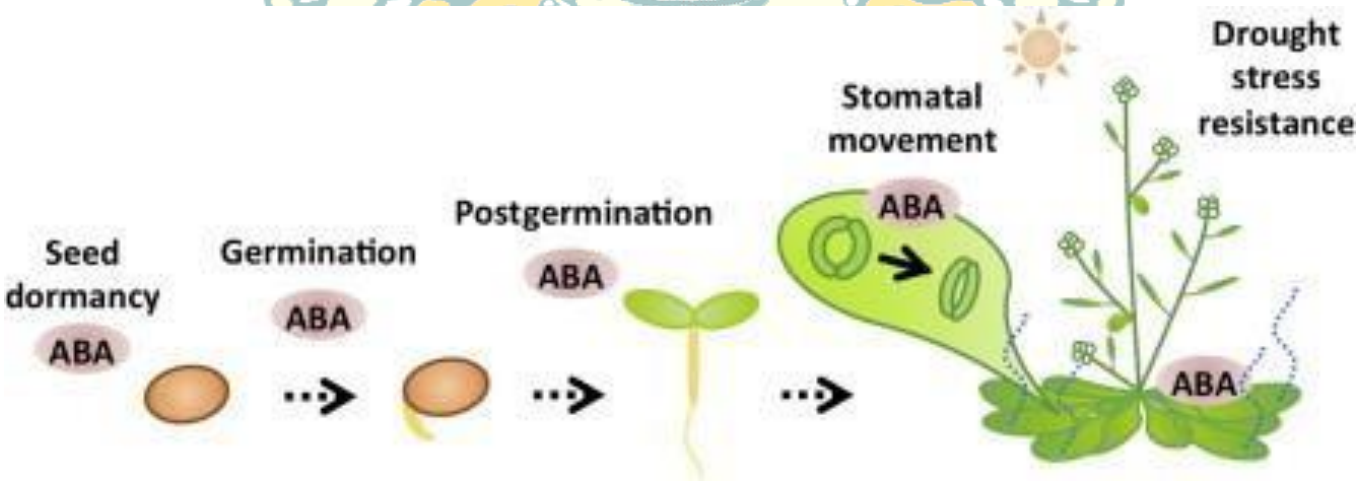

ABA खबरों में क्यों है?

- IISER भोपाल के वैज्ञानिक बीज अंकुरण में ABA की महत्वपूर्ण भूमिका का अध्ययन कर रहे हैं, जिससे फसल में सुधार हो सकता है।
- उनके अध्ययन ने यह साबित कर दिया कि एबीए द्वारा अंकुर विकास को रोकना प्रकाश की स्थिति की तुलना में अंधेरे में बहुत मजबूत है

हुआवे (Huawei) के लिए दरवाजे बंद

संदर्भ: U.K का चीनी कंपनी हुआवे पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय, जो 2020 के बाद अपने मोबाइल प्रदाताओं को नए हुआवे 5G उपकरण खरीदने से रोकने के साथ-साथ 2027 तक हुआवे के सभी 5G किट को अपने नेटवर्क से हटाने के लिए बाध्य करता है।

5G क्या है?

- 5G पांचवीं पीढ़ी की सेलुलर तकनीक है जो मोबाइल नेटवर्क पर डाउनलोडिंग और अपलोडिंग की गति (1 Gbps की गति) को बढ़ाने के अलावा, विलंबता को भी कम कर देती है यानी प्रतिक्रिया देने के लिए नेटवर्क द्वारा लिया गया समय।
- यह ऊर्जा दक्षता भी बढ़ाता है और अधिक स्थिर नेटवर्क कनेक्शन प्रदान करता है।
- 5G भी पहले सेलुलर नेटवर्क की तुलना में अधिक विश्वसनीय तरीके से संकेत देने के लिए डिज़ाइन किया गया है
- 5 G में आवृति स्पेक्ट्रम (आवृति की रेंज) में एक व्यापक क्षेत्र होगा जो किसी भी नेटवर्क की भीड़ को सुनिश्चित नहीं करेगा।
- इसके अलावा, यह एक पूर्ण चक्कर से कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित करेगा यानी हर चीज हर दूसरी चीज से जुड़ी है।
- 5G इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को सुविधाजनक बनाने और हमारे दैनिक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को शामिल करने में मदद करेगा और
- 5G का लाभ पाने के लिए, उपयोगकर्ताओं को नए फोन खरीदने होंगे, जबकि वाहक को तेज सेवा की पेशकश करने के लिए नए संचरण उपकरण स्थापित करने की आवश्यकता होगी।

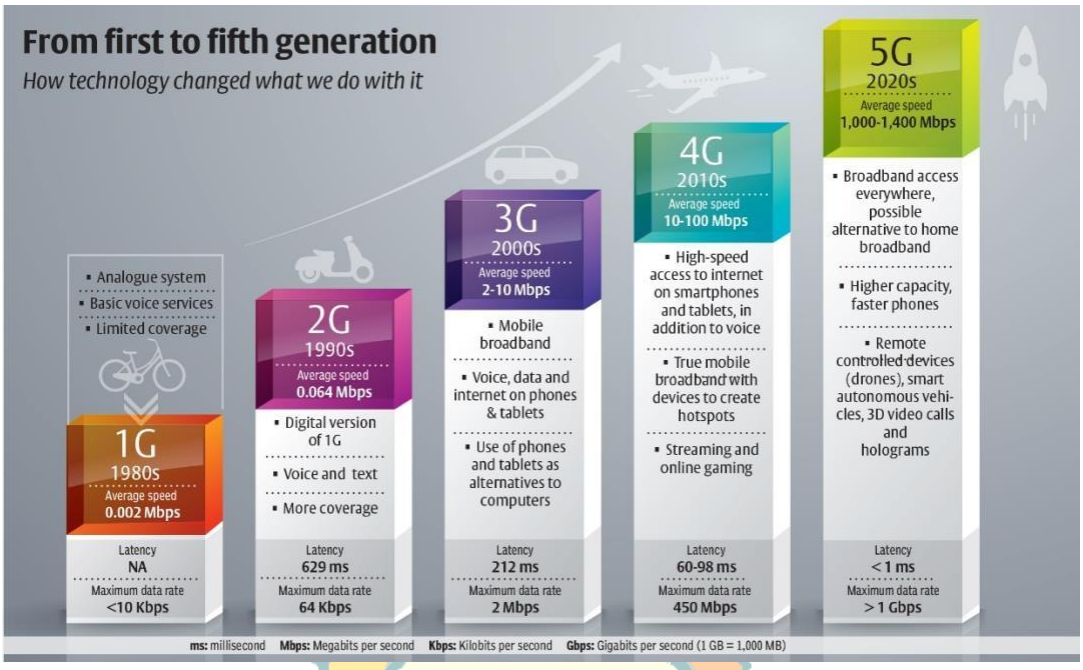

हुआवे पर प्रतिबंध लगाने के लिए ब्रिटेन ने क्या किया?

- यह मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव के कारण था
- अमेरिकी प्रौद्योगिकी और व्यापार के क्षेत्र में अपने स्वयं के प्रभुत्व के लिए चीनी कंपनी द्वारा की गई तकनीकी प्रगति को देखते हैं
- साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के आधार पर, अमेरिका ने 2019 में हुआवेई कंपनी को अपनी अर्थव्यवस्था से प्रतिबंधित कर दिया था
- अमेरिका ने हुआवेई पर प्रतिबंध भी लगाए जिससे हुआवे की आपूर्ति श्रृंखला के आसपास अनिश्चितताएं पैदा हुईं, जो उसके वैश्विक व्यापार को प्रभावित करती हैं।
- US-चीन संबंध शीत युद्ध 2.0 के एक चरण में प्रवेश कर रहा है, ट्रम्प प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया था कि यदि UK हुआवे पर प्रतिबंध नहीं लगाता है तो अमेरिका के साथ अमेरिका के "विशेष संबंध" खतरे में पड़ जाएंगे।

चीन की प्रतिक्रिया क्या रही है?

- चीन ने UK के प्रतिबंध का कड़ा विरोध किया और चेतावनी दी कि वह चीनी कंपनियों के वैध हितों की रक्षा के लिए उपाय करेगा

ब्रिटेन के निर्णय का परिणाम

- **संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए जीत:** UK का रुख बदलना USA के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है क्योंकि यह अंतिम निर्णय लेने के लिए तटस्थ देशों को भी मना सकता है।
- **दूरगामी प्रभाव:** यूरोप के अन्य देश भी इसी तरह के फैसले लेने के लिए दबाव में आएंगे
- फ्रांस ने भी सीमित अवधि के लाइसेंस जारी करके हुआवे के 5G किट के उपयोग को सीमित करने का निर्णय लिया।
- जर्मनी भी हुआवे पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है क्योंकि चीन के खिलाफ पूरे यूरोप में मूड खराब हो गया है।

- **भू-राजनीतिक परिवर्तन:** चीनियों के साथ निकट संबंध के वर्षों के बाद, यूरोपीय संघ चुनौतीपूर्ण चीन में पहले से कहीं अधिक स्पष्ट होता जा रहा है।
- **चीन की धारणा:** चीन की प्रतिक्रिया ने देशों को चीन को एक "प्रणालीगत प्रतिद्वंद्वी" के रूप में देखने के लिए बनाया है, जो वर्तमान वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देने पर आमादा है
- **राजनीतिक लड़ाई:** क्या एक बार एक लड़ाई की तरह लग रहा था जो US अपने दम पर लड़ रहा था अचानक कई अन्य खिलाड़ियों द्वारा शामिल हो गया है। हुआवे पर निर्णय केवल एक तकनीकी या आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि अधिकांश देशों के लिए एक मौलिक राजनीतिक निर्णय है।

भारत और हुआवे

- भारत ने हुआवे को 5G परीक्षणों में भाग लेने की अनुमति दी थी जो महामारी के कारण उत्पन्न व्यवधानों के कारण नहीं हो सकता था।
- आज सीमा संकट और भारतीय चिंताओं के प्रति चीनी असंवेदनशीलता के कारण भारत-चीन संबंध बदल गए हैं।
- नई दिल्ली में चीन के खिलाफ अपनी मुद्रा को सख्त करने के साथ, यह संभावना नहीं दिखती है कि हुआवे को भारत में 5G नेटवर्क रोल-आउट में भाग लेना होगा।
- भारत संकेत दे रहा है कि वह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में चीनी भागीदारी को सीमित करने पर आर्थिक और तकनीकी लागत वहन करने को तैयार है।

निष्कर्ष

- व्यापार और प्रौद्योगिकी संबंधों को हथियार बनाने का चीन का निर्णय अब इसे वापस करने के लिए आ सकता है क्योंकि अन्य राष्ट्र एक ही सिक्के में वापस भुगतान करना शुरू करते हैं

बिंदुओं को जोड़ने पर

- एजे पॉलराज की अध्यक्षता में 5 G पर संचालन समिति
- AI - इसकी योग्यता और चुनौतियां

लोकतंत्र को इंटरनेट लोकपाल की जरूरत है

संदर्भ: बड़े डेटा के लिए सरकार, कंपनियों और नागरिकों के बीच बढ़ती हुई परस्पर क्रिया।

वर्तमान इंटरनेट संरचना की आलोचना के कुछ क्या हैं?

- सूचना विषमता इतनी विशाल हो गई है कि इसने विचारों के निष्पक्ष संचार को सीमित करके लोकतंत्र की भावना को नष्ट कर दिया है
- डेटा का उपयोग नियंत्रण और निगरानी के साधन के रूप में किया जाता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सरकार की शक्तियों और धोखाधड़ी का पता लगाने का राजनीतिक निगरानी के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है
- **बढ़ी हुई अनिश्चितता:** नागरिकों को अनफ़िल्टर्ड जानकारी की बाढ़ प्राप्त होती है, जिसे सोशल मीडिया के नेटवर्क में फिर से प्रसारित किया जाता है जिससे बहुत अधिक अराजकता होती है

- **बढ़ती रूढ़िवादिता:** लोकतंत्र में सूचना सुपरहाइवेज राजनीति की "पुनः आदिवासीकरण" के लिए अग्रणी हैं क्योंकि राजनेता राजनीतिक लाभ के लिए जुनून और समाज को टुकड़े टुकड़े करने के लिए इंटरनेट का दुरुपयोग करने में सक्षम हैं
- **राजनीतिक मैसेजिंग में निजी खिलाड़ियों को बढ़ाना:** जबकि राजनीतिक मैसेजिंग का अनुकूलन प्रति अवैध नहीं है, यह निश्चित रूप से उद्योग द्वारा अनधिकृत डेटा खनन और संग्रह में लिप्त होने के लिए गैरकानूनी है।
- **संतुलित होने के लिए नए रुख:** डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और सूचना के प्रवाह के बीच एक त्रिकोणीय अंतराल है, जो 21 वीं सदी की सार्वजनिक नीति की चिंताएं हैं, जहां सरकारों को इनसे निपटने का ज्यादा अनुभव नहीं है
- **प्रतिक्रियाशील सरकारी नीतियां:** भारत सरकार ने सीमा पर तनाव की पृष्ठभूमि में 59 चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, फेसबुक और अमेज़ॅन पर इसका रुख स्पष्ट नहीं है कि वे अपनी डेटा खनन नीतियों के लिए अपनी धरती पर जांच का सामना कर रहे हैं
- **आलोचना के तहत शासन उपकरण:** आधार अधिनियम को and गोपनीयता ’के कमजोर होने और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित आनुपातिकता परीक्षण के मानक के रूप में आरोपित किया गया है। इसी तरह की चिंता आरोग्य सेतु ऐप द्वारा भी उठाई गई है
- व्यक्तियों की डेटा गोपनीयता पर एक राष्ट्रीय नीति अभी भी एक गैर-स्टार्टर है। व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2018 में गर्भाधान के बावजूद संसद में पैदा होने के लिए संघर्ष कर रहा है
- **बढ़ते डेटा की चोरी:** भारत की साइबर सुरक्षा चौकी CERT-In ने पिछले साल दुर्भावनापूर्ण तृतीय पक्ष ऐप द्वारा फेसबुक और ट्विटर उपयोगकर्ताओं की भारी डेटा चोरी की सूचना दी थी
- कथित तौर पर, भारतीय बैंकों से 1.3 मिलियन से अधिक क्रेडिट और डेबिट कार्ड विवरण और एक भारतीय स्वास्थ्य देखभाल वेबसाइट से 6.8 मिलियन उपयोगकर्ताओं का डेटा एक ही वर्ष में चोरी हो गया।
- **युद्ध के नए रूप:** संगठनों, सरकारों के समर्पित IT सेल हैं जो प्रचार और नकली समाचारों के साथ युद्ध का एक डिजिटल रूप लेते हैं

आगे का मार्ग - क्या इंटरनेट का विनियमन होना चाहिए?

- प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और गोपनीयता के लिए भूख को संतुलित करने के लिए एक द्वारपाल (नियामक) होना चाहिए। गेट कीपर नियमन के लिए है, निगरानी के लिए नहीं
- इस तरह के एक नियामक को पूरी तरह से और वास्तव में स्वतंत्र होना चाहिए। अन्यथा यह अस्वीकार्य वैधीकरण कार्य करेगा।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी (सेवानिवृत्त) बनाम भारत संघ मामला
- न्यायमूर्ति बी एन श्रीकृष्ण समिति डेटा सुरक्षा की रिपोर्ट

स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर चैलेंज लॉन्च किया

GS-प्रीलिम्स और GS- III - नवाचार का हिस्सा:

- **ख़बरों में:** हाल ही में, "स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर चैलेंज- #आत्मनिर्भर भारत के लिए नवाचार हल लॉन्च किया गया

मुख्य बिन्दु

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा लॉन्च किया गया:
- उद्देश्य: देश में स्टार्ट-अप, नवाचार और अनुसंधान के मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र को और गति प्रदान करना।
- आत्मनिर्भरता की महत्वाकांक्षा को साकार करना।
- स्वदेशी रूप से विकसित माइक्रोप्रोसेसर SHAKTI और VEGA को भी इसके अंतर्गत लाया गया है

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु

माइक्रोप्रोसेसर विकास कार्यक्रम

- **उद्देश्य:** भारत की रणनीतिक और औद्योगिक क्षेत्रों की भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करना।
- सुरक्षा, लाइसेंसिंग, प्रौद्योगिकी अप्रचलन और आयात पर निर्भरता के मुद्दों को कम करने के लिए।
- यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण के जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक सफल कदम है।

RBI द्वारा अनावरण खुदरा भुगतान के लिए छाता इकाई

GS-प्रीलिम्स और GS- III - अर्थव्यवस्था का हिस्सा:

समाचार में: खुदरा भुगतान के लिए छाता इकाई का हाल ही में RBI द्वारा अनावरण किया गया है।

मुख्य बिन्दु

- **पात्रता:** 500 करोड़ रुपये से अधिक की निवल संपत्ति वाली कंपनियां।
- ऐसी कंपनियां एक छाता इकाई स्थापित करेंगी, जिसके माध्यम से ATM, व्हाइट लेबल PoS, आधार-आधारित भुगतानों में नई भुगतान प्रणाली सेटअप और प्रबंधित की जाएंगी।
- यह निकाय झटके और धोखाधड़ी से बचने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों की निगरानी करेगी ।
- छाता इकाई के प्रमोटर समूह का स्वामित्व और नियंत्रण निवासी भारतीय नागरिकों द्वारा किया जाएगा।

डेटा, AI 2025 तक GDP में $ 500 बिलियन तक जोड़ सकता है

GS-प्रीलिम्स और GS- III - कृत्रिम बुद्धिमत्ता ; प्रौद्योगिकी का हिस्सा:

खबरों में: हाल ही में, नैसकॉम की रिपोर्ट 'डेटा & AI: द इंडियन अपॉर्चुनिटी' से अनलॉक वैल्यू जारी की गई थी।

- संबंधित मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स और IT मंत्रालय
- रिपोर्ट के अनुसार, डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) भारत में $ 450- $ 500 बिलियन जोड़ सकता है
- 2025 तक GDP और देश की आर्थिक सुधार और वृद्धि में योगदान।
- इन वर्षों में, AI राष्ट्रों में आर्थिक विकास के लिए एक रणनीतिक लीवर बन गया है और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक बना रहेगा।

आपदा प्रबंधन

महाराष्ट्र में रेड अलर्ट जारी

GS प्रीलिम्स और मेन्स I और III - जलवायु; आपदा और प्राकृतिक खतरों; आपदा प्रबंधन का हिस्सा:

समाचार में:

- मुंबई में भारी बारिश हुई, जिससे व्यापक नुकसान हुआ।
- IMD ने मुंबई और राज्य के कई हिस्सों में 'बेहद भारी' बारिश के लिए 'रेड' अलर्ट जारी किया है।
- शहर और उपनगरों के निचले इलाकों में भारी बाढ़ आई।

कारण:

- पिछले 16 घंटों में लगातार कम वर्षा के कारण मुंबई को अगस्त की औसत वर्षा का 50 प्रतिशत प्राप्त हुआ है।
- IMD के अनुसार, बंगाल की उत्तरी खाड़ी के ऊपर कम दबाव वाली मौसम प्रणाली के प्रभाव के कारण मंदी का सामना करना पड़ा है।
- अरब सागर पर सक्रिय मानसून की स्थिति, उच्च संवहन और स्थानीय संचलन के कारण, जिसने वर्षा गतिविधि, गरज और रात भर चलने वाली हवाओं को बढ़ाया।

इडुक्की भूस्खलन

GS प्रीलिम्स और मेन्स II और III - प्राकृतिक खतरे और आपदा; आपदा प्रबंधन का हिस्सा:

संदर्भ:

- केरल में लगातार तीसरे वर्ष बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है।
- कई अन्य क्षेत्रों में भारी या बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी के बीच केरल के कई हिस्सों में लगातार बारिश और तेज हवाएं चलीं।

नोट: एराविकुलम नेशनल पार्क, नईमक्कड़ चाय की संपत्ति, नदियों और केरल में मौजूद प्रमुख बांधों जैसे स्थानों को जानने और उनका पता लगाने की कोशिश करें।

मुख्य तथ्य:

- भारत में, लगभग 0.42 मिलियन वर्ग किमी या 12.6% भूमि क्षेत्र, बर्फ से ढके क्षेत्र को छोड़कर, भूस्खलन के खतरे से ग्रस्त है।
- इसमें से 0.18 मिलियन वर्ग किमी उत्तर पूर्व हिमालय में पड़ता है, जिसमें दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय शामिल हैं; 0.14 मिलियन वर्ग किमी उत्तर पश्चिम हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर) में पड़ता है; पश्चिमी

घाट और कोंकण पहाड़ियों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र) में 0.09 मिलियन वर्ग किमी और आंध्र प्रदेश में अरुकु क्षेत्र के पूर्वी घाट में 0.01 मिलियन वर्ग किमी।

बेरुत विस्फोट

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - विज्ञान; आपदा और खतरा का हिस्सा:

समाचार में:

- लेबनान की राजधानी बेरूत में एक बड़े विस्फोट में कम से कम 100 लोग मारे गए और लगभग 4,000 लोग घायल हो गए
- विस्फोट बंदरगाह में एक गोदाम में छह साल के लिए संग्रहीत 2700 टन से अधिक अमोनियम नाइट्रेट का था।

क्या आप जानते है?

- हादसा देश के लिए सबसे बुरे समय में से एक है।
- हाल के दिनों में पश्चिमी एशियाई देश गंभीर आर्थिक संकट से घिर गए हैं।
- इसने बड़े पैमाने पर व्यवसायों को बंद कर दिया और बुनियादी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के कारण सामाजिक अशांति पैदा हुई।
- देश भी सदियों पुरानी शिया-सुन्नी दरार से जूझ रहा है।

अमोनियम नाइट्रेट

- अपने शुद्ध रूप में, अमोनियम नाइट्रेट (NH_4NO_3) एक सफेद, क्रिस्टलीय रसायन है जो पानी में घुलनशील है।
- यह खनन और निर्माण में उपयोग किए जाने वाले वाणिज्यिक विस्फोटकों के निर्माण में मुख्य घटक है।

विनियम:

- भारत में, विस्फोटक अधिनियम, 1884 के तहत अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012, अमोनियम नाइट्रेट को "NH_4NO_3 के फार्मूले के साथ यौगिक" के रूप में परिभाषित करता है, जिसमें किसी भी मिश्रण या यौगिक में 45 प्रतिशत से अधिक अमोनियम नाइट्रेट होता है जिसमें पायस, निलंबन, पिघल या जैल शामिल हैं। लेकिन पायस या घोल विस्फोटक और गैर विस्फोटक पायस मैट्रिक्स और को छोड़कर
- उर्वरक जिनसे अमोनियम नाइट्रेट को अलग नहीं किया जा सकता है "।
- शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट अपने आप में विस्फोटक नहीं है। इसे खतरनाक सामानों के संयुक्त राष्ट्र वर्गीकरण के तहत ऑक्सीडाइज़र (ग्रेड 5.1) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अगर ईंधन या कुछ अन्य संदूषक जैसे अवयवों के साथ मिलाया जाता है, या कुछ अन्य बाहरी कारकों के कारण, यह बहुत विस्फोटक हो सकता है।

संग्रहित अमोनियम नाइट्रेट एक प्रमुख अग्नि खतरा है

- संग्रहीत अमोनियम नाइट्रेट की बड़ी मात्रा को दुनिया भर में कई रिपोर्ट किए गए मामलों के साथ एक प्रमुख अग्नि खतरा माना जाता है।

- अमोनियम नाइट्रेट के बड़े भंडार दो संभावित तरीकों से फट सकते हैं।
- एक किसी प्रकार के विस्फोट या दीक्षा द्वारा होता है क्योंकि भंडारण विस्फोटक मिश्रण या ऊर्जा के बाहरी स्रोत के संपर्क में आता है।
- दूसरा, विस्फोट के कारण आग लग सकती है जो बड़े पैमाने पर ऑक्सीकरण प्रक्रिया के कारण उत्पन्न गर्मी के कारण अमोनियम नाइट्रेट भंडारण में शुरू होती है।
- अतीत में घातक अमोनियम नाइट्रेट आग और विस्फोट की घटनाओं के कई प्रलेखित उदाहरण हैं, जिनमें कुछ बड़ी संख्या में हैं जैसे कि 2015 में चीन में और 1947 में टेक्सास में।
- विशेषज्ञों का कहना है कि दुनिया भर में, अमोनियम नाइट्रेट को विनियमित करने में मुख्य बाधाएं उद्योग और कृषि में इसका व्यापक उपयोग है।
- जबकि एक विधायी ढांचा मौजूद है, बार-बार दुरुपयोग और दुर्घटना के उदाहरण बताते हैं कि बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण (NLSM) कार्यक्रम

GS प्रीलिम्स और मेन्स II और III - प्राकृतिक खतरे और आपदा; आपदा प्रबंधन का हिस्सा:

NLSM के बारे में

- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने देश के 0.42 मिलियन वर्ग किलोमीटर भूस्खलन प्रवण क्षेत्रों को कवर करने के उद्देश्य से भूस्खलन की संवेदनशीलता मानचित्रण - मैक्रो स्केल (1: 50,000) राष्ट्रीय भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण (NSLM) पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू और शुरू किया है। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम औपचारिक रूप से 2014 में शुरू किया गया था।

अभिप्राय और उद्देष्य

- भारत के लिए एक गतिशील राष्ट्रीय भूस्खलन संवेदनशीलता भू डेटाबेस बनाने के लिए
- 1: 50,000 के पैमाने पर भारत के GIS आधारित सहज भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्र तैयार करना
- GIS आधारित भूस्खलन सूची पर एक देशव्यापी भंडार तैयार करना

मॉरीशस में भारतीय सैनिकों ने तेल रिसाव से लड़ने में मदद की

GS-प्रीलिम्स और GS- III - पर्यावरणीय गिरावट का हिस्सा:

समाचार में:

- स्वदेशी रूप से विकसित हेलीकॉप्टर - ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (ALH) और चेतक हेलीकॉप्टरों का उपयोग मॉरीशस में बड़े पैमाने पर निस्तारण और बचाव मिशन के लिए किया जा रहा है ताकि तेल रिसाव को रोका जा सके
- स्पेल (गिरावट) तब हुआ जब एक जापानी स्वामित्व वाली मालवाहक जहाज MV वाकासियो राजधानी पोर्ट लुई से 40 किमी दूर घिर गई।

मुख्य बिन्दु

- MV वकासियो जो चीन से ब्राज़ील के रास्ते में था, पाइंटे डी'एट्सनी पर रीफ पर घिर गया,
- यह मॉरीशस दक्षिण पूर्वी समुद्र तट पर एक पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है।
- पोइंटे वेटलैंड्स पोइंटे को वेटलैंड्स पर सम्मेलन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में नामित किया गया है।
- वाहक के पास कम सल्फर ईंधन तेल, डीजल और चिकनाई तेल का टन था।

गिरावट के प्रभाव:

- यह मॉरीशस के समुद्र तट की पारिस्थितिकी और हिंद महासागर में समुद्री जीवन के लिए खतरा है।
- यह पहले से ही लुप्तप्राय प्रवाल भित्तियों, उथले पानी में समुद्री घास, मैंग्रोव, मछलियों और अन्य जलीय जीवों को खतरे में डालता है।
- विशाल कछुए, लुप्तप्राय हरे कछुए, और गंभीर रूप से लुप्तप्राय पिंक कबूतर खतरे में हैं।
- तेल रिसाव की भयावहता को देखते हुए, मॉरीशस ने पर्यावरणीय आपातकाल की स्थिति घोषित की थी।

रक्षा/आंतरिक सुरक्षा/सुरक्षा

रक्षा उत्पादन एवं निर्यात संवर्धन नीति (DPEPP) 2020 का मसौदा

GS मेन्स द्वितीय और तृतीय - सरकार की नीतियां और योजनाएं; रक्षा का हिस्सा:

विषय में:

- रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता को गति देने के लिए, 'अत्मानिरभर भारत पैकेज' के तहत कई घोषणाएं की गई।
- इस तरह के ढांचे को लागू करने और भारत को रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों में स्थान देने के लिए रक्षा मंत्रालय (रक्षा मंत्रालय) ने रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति 2020 (DPEPP 2020) का मसौदा तैयार किया है।

नीति ने निम्नलिखित लक्ष्यों और उद्देश्यों को निर्धारित किया है:

- 2025 तक अंतरिक्ष और रक्षा वस्तुओं और सेवाओं में 35,000 करोड़ रुपये (5 अरब अमेरिकी डॉलर) के निर्यात सहित 1,75,000 करोड़ रुपये (US $ 25 बिलियन) का कारोबार हासिल करने के लिए।
- गुणवत्ता वाले उत्पादों के साथ सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एयरोस्पेस और नौसेना जहाज निर्माण उद्योग सहित एक गतिशील, मजबूत और प्रतिस्पर्धी रक्षा उद्योग विकसित करना ।
- आयात पर निर्भरता कम करना और घरेलू डिजाइन और विकास के माध्यम से "मेक इन इंडिया" पहलों को आगे ले जाना।
- रक्षा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना और वैश्विक रक्षा मूल्य श्रृंखलाओं का हिस्सा बनना।

- अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण बनाने के लिए, नवाचार को पुरस्कृत करता है, भारतीय आईपी स्वामित्व बनाता है और एक मजबूत और आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग को बढ़ावा देता है।

नीति निम्नलिखित फोकस क्षेत्रों के तहत कई रणनीतियां लाती है:

- खरीद सुधार
- MSMEs/स्टार्टअप्स को स्वदेशीकरण और सहायता
- संसाधन आवंटन का अनुकूलन करें
- निवेश संवर्धन, FDI और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस
- नवाचार और R & D
- DPSUऔर OFB
- गुणवत्ता आश्वासन और परीक्षण बुनियादी ढांचा
- निर्यात संवर्धन

अंडमान का सैन्यीकरण: लागत और लाभ

संदर्भ: चीन के साथ लद्दाख स्टैंड-ऑफ ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह (ANI) में अपनी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करने के भारत के प्रयासों को उत्प्रेरित किया है।

- अंडमान द्वीप समूह के सैन्यीकरण का विचार नया नहीं है।
- 1980 के दशक के बाद से, भारतीय टिप्पणीकारों और नीति निर्माताओं ने ANI की रणनीतिक स्थिति का पूरी तरह से फायदा उठाने के लिए ANI में रणनीतिक मांसपेशी के निर्माण की वकालत की है

ANI में भारत द्वारा हाल ही में उठाए गए कदम

- नई दिल्ली ने रणनीतिक रूप से स्थित अंडमान द्वीप समूह में अतिरिक्त युद्धपोतों, विमानों और इंफैंट्री सैनिकों के लिए सुविधाओं सहित अतिरिक्त सैन्य बलों को आधार बनाने की योजनाओं में तेजी लाने के लिए स्थानांतरित कर दिया है।
- नौसेना के एयर स्टेशनों शिबपुर में आईएनएस कोहसा और कैंपबेल बे में आईएनएस बाज बड़े विमानों द्वारा संचालन का समर्थन करने के लिए अपने रनवे का विस्तार कर रहे हैं
- 10 साल की बुनियादी ढांचा विकास "रोल-ऑन" योजना- 5,000 करोड़ रुपये आंकी गई है- तेजी से पटरी पर है।

ANI का रणनीतिक महत्व क्या है?

- **मलक्का खाड़ी के करीब:** ANI मोटे तौर पर उत्तर-दक्षिण विन्यास में 450 नॉटिकल मील तक फैला है और मलक्का स्ट्रेट के पश्चिमी प्रवेश द्वार से सटा हुआ है, जो एक प्रमुख हिंद महासागर चोक पॉइंट है
- **दो उपमहाद्वीपों को जोड़ता है:** भू-राजनीतिक रूप से, ANI दक्षिण एशिया को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ता है। द्वीपसमूह का उत्तरी बिंदु म्यांमार से मात्र 22 नॉटिकल मील की दूरी पर है, वहीं दक्षिणी बिंदु इंदिरा प्वाइंट इंडोनेशिया से महज 90 नॉटिकल मील की दूरी पर है।

- **हावी स्थिति:** द्वीप बंगाल की खाड़ी, छह डिग्री और दस डिग्री चैनलों पर हावी हैं जो हर साल साठ हज़ार से अधिक वाणिज्यिक जहाजों को पार करते हैं।
- **EEZ तक पहुंच:** एएनआई भारत के भूभाग का सिर्फ 0.2% है, लेकिन इसके अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) का लगभग 30% प्रदान करता है।
- **विदेशी राजनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ:** ANI भारत के पूर्व क्षेत्र के देशों के साथ जुड़ने की भारत की "एक्ट ईस्ट नीति" का एक महत्वपूर्ण तत्व भी बन सकता है।
- **वाणिज्यिक क्षमता:** कार निकोबार में ट्रांस-शिपमेंट हब, संभवतः एक रणनीतिक गेम-चेंजर हो सकता है, जो सिंगापुर या कोलंबो के बंदरगाहों की प्रतिद्वंद्विता है।
- **त्रि-सेवा सुरक्षा रणनीति:** चूंकि अंडमान निकोबार भारत में एकमात्र त्रि-कमान संरचना है, इसलिए एएनआई में सैन्य बुनियादी ढांचे का विकास भारत की सुरक्षा रणनीति में एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है
- **चीन से निपटना:** हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति के साथ, द्वीपों का सैन्यीकरण भारत को इस क्षेत्र पर हावी होने में पहला प्रस्तावक लाभ प्रदान करेगा

ANI के सैन्यीकरण में क्या चुनौतियां हैं?

- **भारत के पड़ोसियों के विरोध का डर**
  - भारत के राजनयिक समुदाय के एक वर्ग ने A&N के सैन्यीकरण का विरोध किया है जिससे हिंद महासागर शांति के क्षेत्र के रूप में बाधित होगा।
  - उन्होंने दलील दी कि एएंडएन द्वीपों का सैन्यीकरण करने से तटवर्ती लोगों का सैन्यीकरण होगा-एक ऐसा परिणाम जो दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया के देशों के साथ अच्छी तरह से नहीं बैठेगा।
  - जब भारत ने पहली बार 1980 के दशक के मध्य में ANI का विकास शुरू किया, तो पर्यवेक्षकों का कहना है कि मलेशिया और इंडोनेशिया को डर था कि भारत अपने क्षेत्र पर हावी होने के लिए एएनआई में अपनी सैन्य सुविधाओं का उपयोग करेगा, और मलक्का के पूर्व परियोजना शक्ति
- **ANI के सैन्यीकरण के लिए पारिस्थितिक पहलू**
  - हाल ही में बुनियादी सुविधाओं परियोजनाओं की घबराहट (किसी भी सैंय परियोजनाओं सहित), पर्यावरणविदों चेतावनी दी है, द्वीपों की नाजुक पारिस्थितिकी तबाह कर सकता है।
  - कई द्वीपों जलवायु संकट है, जो सैंय गतिविधियों के कारण ख़राब हो जाएगा से महत्वपूर्ण नुकसान का सामना कर रहे है
- **भारत के द्विपक्षीय रसद समझौतों में पारस्परिकता की कमी**
  - साझेदार नौसेनाओं को साजो-सामान की सहायता देने की भारतीय नौसेना की योजनाओं में उसकी एएनआई सुविधाएं शामिल नहीं हैं।

- अमेरिका के साथ लॉजिस्टिक्स पैक्ट पर हस्ताक्षर करने के चार साल बाद भी उसकी नौसेना के जहाजों के पास अभी भी एएनआई की पहुंच नहीं है। फ्रांस, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया - भारत के अन्य लॉजिस्टिक्स साझेदार - ने भी अपने युद्धपोतों की मरम्मत या भारतीय द्वीप सुविधाओं पर मंगाया नहीं था
- नतीजतन, ANI में रणनीतिक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए मित्र देशों से ज्यादा उत्साह नहीं रहा है

➢ **चीन से निपटने के लिए उल्टा**

- हालांकि हिंद महासागर में चीन की मौजूदगी बढ़ रही है, लेकिन उसने बंगाल की खाड़ी (हम्बनटोटा, चटगांव और क्याकपियु) में प्रमुख बेल्ट एंड रोड नवाचार (BRI) चौकियों का अब तक सैन्यीकरण नहीं किया है।
- यदि भारत ANI में अधिक सैन्य उपस्थिति के लिए धक्का देता है, तो चीन हिंद महासागर में अपने मित्र देशों में सैन्य पहुंच की तलाश कर सकता है।

आगे का मार्ग

- सैन्यीकरण ANI भारत की सामरिक क्षमताओं में सहायता करेगा, लेकिन इस तरह के विकास को जैव विविधता हॉटस्पॉट के निर्मम दोहन की कीमत पर नहीं आना चाहिए
- हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के विस्तार पदचिह्न का मुकाबला करने के लिए भारत एएनआई के सैन्य ठिकानों तक दोस्ताना विदेशी नौसेनाओं (क्वाड सदस्यों, फ्रांस आदि) की पहुंच की अनुमति देने पर विचार कर सकता है।

बिन्दुओ को जोड़ने पर:

- पर्ल रणनीति की स्ट्रिंग
- दक्षिण चीन सागर विवाद

हाल ही में आयोजित तीन दिवसीय नौसेना कमांडर सम्मेलन (NCC)

GS-प्रीलिम्स और GS-III - सुरक्षा का हिस्सा:

समाचार में:

- हाल ही में तीन दिवसीय नौसेना कमांडर सम्मेलन (NCC) का आयोजन किया गया था।

मुख्य बिन्दु

- भारतीय रक्षा मंत्री के अनुसार नौसेना ने मिशन आधारित तैनाती (MBD) को प्रभावी ढंग से अंजाम दिया है।
- इन्हें समुद्री हितों की रक्षा के लिए अंजाम दिया गया।
- MBD के तहत प्रमुख और संवेदनशील स्थानों पर जहाज और विमान तैनात किए गए थे।
- MBD अवधारणा के तहत, भारतीय जहाजों के लिए मिशन तैनात किया गया था:

चोरी विरोधी (एंटी-पायरेसी)

- फारस की खाड़ी में ऑपरेशन 'GULFDEP'
- केंद्रीय हिंद महासागर क्षेत्र में ऑपरेशन 'CENTDEP'
- बंगाल की उत्तरी खाड़ी में ऑपरेशन 'NORDEP'

- अंडमान सागर में ऑपरेशन 'मालदीव' और मलक्का जलडमरूमध्य के लिए दृष्टिकोण।

वी रामगोपाल राव समिति का गठन

GS-प्रीलिम्स और GS-III - रक्षा का हिस्सा:

समाचार में:

- DRDO के अध्यक्ष द्वारा पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है।
- **उद्देश्य:** रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) की सभी प्रयोगशालाओं के लिए कर्तव्यों के चार्टर की समीक्षा और पुनर्परिभाषित करना ।
- **फोकस:** भविष्य प्रौद्योगिकियों का स्वदेशी विकास।
- **समिति के प्रमुख:** प्रोफेसर वी रामगोपाल राव, निदेशक, IIT, दिल्ली।

परमाणु कमजोरियों को गंभीरता से लेना

संदर्भ: 75 साल पहले 5 अगस्त 1945 को, जापानी शहर हिरोशिमा एक परमाणु बम से नष्ट हो गया था। तीन दिन बाद, एक दूसरे बम ने नागासाकी को नष्ट कर दिया।

क्या आप जानते है?

- उन दो बमों में 2,00,000 से अधिक लोग मारे गए, उनमें से कुछ तुरंत, और दूसरों को पांच महीने के भीतर ।
- इन दोनों शहरों के बम विस्फोटों से बच गए अन्य 2,00,000 लोग या उससे अधिक विकिरण जोखिम के लंबे समय तक चलने वाले प्रभावों के कारण घायल हो गए ।

परमाणु हथियारों की बढ़ती असुरक्षा

- **बढ़ते परमाणु हथियार:** परमाणु युग की शुरुआत से 1,26,000 से अधिक परमाणु हथियार बनाए गए हैं ।
- **परमाणु हथियारों का रास्ता अपनाने वाले देशों की बढ़ती संख्या:** 1945 के बाद से अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस, चीन, इसराइल, भारत, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया ने खुद को परमाणु हथियारों से लैस किया है, जिनके पास हिरोशिमा और नागासाकी को नष्ट करने वालों की तुलना में बहुत अधिक विनाशकारी शक्ति है ।
- **परीक्षण के कारण पर्यावरण को नुकसान:** परमाणु हथियारों के 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षणों में इस्तेमाल किया गया है, ऊपर और जमीन के नीचे, अपनी विस्फोटक शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए, पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए लंबे समय तक स्थाई नुकसान के कारण ।
- 1950 के दशक के अंत में बैलिस्टिक मिसाइलों के आविष्कार ने परमाणु हथियारों को एक बार प्रक्षेपित करने के बाद उन्हें रोकना असंभव बना दिया है । न तो नतीजा आश्रयों और न ही बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली इस भेद्यता को नकारने में सफल रहे हैं ।
- **कोई सुरक्षा नहीं:** परमाणु हथियारों के खिलाफ की रक्षा करने का कोई यथार्थवादी तरीका नहीं है, चाहे वे जानबूझकर, अनजाने में, या गलती से इस्तेमाल किया जाता है ।

परमाणु युद्ध को किसने रोका है?

- परमाणु हथियार इतने विनाशकारी हैं कि कोई भी देश उनका उपयोग नहीं करेगा, क्योंकि इस तरह के उपयोग से प्रतिशोध की भावना पैदा होगी।
- साथ ही, कोई भी राजनीतिक नेता अपने लाखों नागरिकों की संभावित मौत के जोखिम के लिए तैयार नहीं होगा। यह विचार-विर्मश था।
- आपसी आश्वासन विनाश एक रणनीतिक सैन्य सिद्धांत है जिसमें पूर्ण पैमाने पर परमाणु हथियारों के उपयोग से सैद्धांतिक रूप से हमलावर और रक्षक दोनों का विनाश होगा।
- इसलिए, परमाणु हथियारों का उपयोग असंभव है क्योंकि यह कारण बनता है और इसने परमाणु युद्ध को रोका है
- निष्ठा के उत्साही लोगों का दावा है कि परमाणु हथियार केवल दूसरों द्वारा परमाणु हथियारों के उपयोग के खिलाफ देशों की रक्षा नहीं करते हैं, बल्कि युद्ध को भी रोकते हैं और स्थिरता को बढ़ावा देते हैं।

क्या समस्या का पता लगा रहे हैं?

- हर बार जासूस ने काम नहीं किया है
- परमाणु खतरों ने हमेशा डर पैदा नहीं किया है और बदले में, डर ने हमेशा सावधानी नहीं बरती है।
- इसके विपरीत, कुछ मामलों में परमाणु खतरों ने गुस्से का उत्पादन किया है, और क्रोध आगे बढ़ने के लिए एक ड्राइव को ट्रिगर कर सकता है, जैसा कि 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के दौरान हुआ था

युद्ध की मानसिकता को बढ़ावा देता है

- सभी परमाणु हथियार राज्यों ने इस संभावना को स्वीकार किया है कि निरोध विफल हो सकता है और परमाणु हथियारों का उपयोग करने की योजना बना सकता है, प्रभाव में, परमाणु युद्ध से लड़ने की तैयारी कर रहा है।

अति आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है जो खतरनाक है

- वास्तविक दुनिया में, योजनाकारों के लिए पूर्ण नियंत्रण रखना संभव नहीं है।
- परमाणु हथियारों की सही नियंत्रणीयता और सुरक्षा में विश्वास करने की इच्छा अति आत्मविश्वास पैदा करती है, जो खतरनाक है
- अति आत्मविश्वास, जैसा कि सुरक्षा का अध्ययन करने वाले कई विद्वानों का कहना है, दुर्घटनाओं की संभावना और परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना अधिक है।

निष्कर्ष

- कई ऐतिहासिक उदाहरणों में, परमाणु हथियारों के उपयोग को रोकने वाली प्रथाओं पर नियंत्रण नहीं था, लेकिन संस्थागत नियंत्रण के बाहर उनकी विफलता या कारक थे (Ex: क्यूबा मिसाइल संकट)। इस प्रकार, किसी को परमाणु हथियारों द्वारा बनाई गई निंदा के विचार पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

बिंदुओं को जोड़ने पर

- भारत का परमाणु सिद्धांत और प्रथम उपयोग नीति नहीं

कावकाज़ 2020

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - रक्षा; द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास का हिस्सा

बारे में:

- भारत रूसी कव्वाज़ 2020 रणनीतिक कमान बाद के अभ्यास में भाग लेने के लिए।
- आमंत्रितों में चीन और पाकिस्तान के अलावा शंघाई सहयोग संगठन के अन्य सदस्य राज्य शामिल हैं
- आस्थाखान (रूस) में कावकाज़ 2020 का आयोजन

भारतीय नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन (NIIO)

GS प्रीलिम्स और मेन्स III - रक्षा का हिस्सा:

बारे में:

- रक्षा मंत्री ने नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन (NIIO) का शुभारंभ किया।
- NIO ने उपयोगकर्ताओं को शिक्षा और उद्योग के साथ बातचीत करने और रक्षा में आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशीकरण के लिए शिक्षा और उद्योग के साथ बातचीत करने के लिए समर्पित संरचनाएं रखीं।
- NIIO एक तीन-स्तरीय संगठन है।
- नौसेना प्रौद्योगिकी त्वरण परिषद (NTAC) नवाचार और स्वदेशीकरण के जुड़वां पहलुओं को एक साथ लाएगा और सर्वोच्च निर्देश प्रदान करेगा।

क्या आप जानते है?

- रक्षा मंत्रालय द्वारा पिछले महीने रक्षा अधिग्रहण नीति का मसौदा 2020 (DAP 20) को रोलआउट किया गया और सेवा मुख्यालय द्वारा नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन की स्थापना की परिकल्पना की गई।
- भारतीय नौसेना के पास पहले से ही स्वदेशीकरण का एक कार्यात्मक निदेशालय है और बनाई गई नई संरचनाएं चल रही स्वदेशीकरण पहलों के साथ-साथ नवाचार पर ध्यान केंद्रित करेंगी।
- स्वावलंबन 'शीर्षक से भारतीय नौसेना के स्वदेशीकरण परिप्रेक्ष्य की एक योजना भी जारी की गई।
- त्वरित समय सीमा में उभरती हुई विघटनकारी प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए एक प्रौद्योगिकी विकास त्वरण सेल (TDAC) भी बनाया गया है।

खबरों में हस्ती

खबरों में हस्ती	खबर
1.महात्मा अय्यनकली: जयंती मनाई	अय्यंकाली (1863 - 1941)

	• वह एक समाज सुधारक थे। • उन्होंने ब्रिटिश भारत की त्रावणकोर रियासत में वंचित अछूत लोगों की उन्नति के लिए काम किया। • वह अछूत लोगों के पुलयार समुदाय के थे। • उन्होंने साधु जन परिपालनसंगम (SJPS) (गरीबों की सुरक्षा के लिए संगठन) की स्थापना की • संगठन ने स्कूलों तक पहुंच के लिए अभियान चलाया और अंतरिम में पुलयार संचालित स्कूलों की स्थापना के लिए धन जुटाया।
2. मनोज सिन्हा और मुर्मू	• पूर्व रेल राज्य मंत्री, मनोज सिन्हा को जी.सी. मुर्मू , पूर्व IAS अधिकारी ने इस्तीफा देने के बाद जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया था। मुर्मू को भारत का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक नियुक्त किया गया।
3. राहत इंदौरी	• प्रख्यात उर्दू कवि राहत इंदौरी, जिन्होंने कोरोनोवायरस को सक्रिय (positive) दर्शाया , उनका निधन हो गया। • उन्होंने पीढ़ियों के लिए 'मुशायरा' (कविता संगोष्ठी) को जीवित रखा। • वह "भारतीय साहित्य जगत के रॉकस्टार", "लोक कवि" और "मुशायरा" परंपरा के राजकुमार के रूप में जाने जाते थे। • कवि की सबसे शक्तिशाली पंक्तियों में से हैं ‘‘सभी का खून शामिल है इस मिट्टी में, किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है’ मुशायरा के बारे में • मुशायरा एक काव्य संगोष्ठी है। यह एक ऐसी घटना है जहाँ कवि अपने काम करने के लिए इकट्ठा होते हैं। एक मुशायरा उत्तर भारत, पाकिस्तान और दक्कन की संस्कृति का एक प्रिय हिस्सा है, विशेष रूप से हैदराबादी मुसलमानों के बीच, और यह प्रतिभागियों द्वारा मुक्त आत्म-अभिव्यक्ति के लिए एक मंच के रूप में बहुत प्रशंसा करता है।
4. कमला हैरिस	खबरों में क्यों? • कमला हैरिस को प्रकल्पित डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बिडेन का साथी माना जाता है। • सुश्री हैरिस भारतीय मूल की पहली महिला और अश्वेत महिला हैं, जो अमेरिका में एक प्रमुख राजनीतिक दल के राष्ट्रपति पद के टिकट पर हैं। • इस कदम ने सुश्री हैरिस को निकट भविष्य में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व करने के लिए एक शक्तिशाली स्थिति में डाल दिया और चार से आठ वर्षों में राष्ट्रपति पद पर एक शॉट के साथ
5.IAS आशीष चौहान	• स्पेन की पर्वत चोटी वर्जिन का नाम उतराखंड के IAS अफसर डॉक्टर आशीष के नाम पर रखा गया है। • स्पैनिश पर्वतारोही एंटोनियो ने स्पेन में वर्जिन चोटी का नाम 'मजिस्ट्रेट प्वाइंट' के नाम पर रखा है

	स्पेनिश पर्वतारोही शिखर सम्मेलन • एंटोनियो ने 2018 में माउंट सतोपंथ के शिखर सम्मेलन के दौरान उनकी मदद करने के लिए उनके सम्मान के लिए पूर्व उत्तरकाशी कलेक्टर को उपलब्धि समर्पित की है, जहां वह चोटी पर चढ़ने के बीच फंस गए थे
6.पंडित जसराज	संदर्भ: हाल ही में, दुनिया के सबसे प्रमुख भारतीय शास्त्रीय गायक पंडित जसराज का निधन हो गया। मुख्य बिन्दु: • पंडित जसराज संगीत के मेवाती घराने से जुड़े थे। • उन्हें भक्ति रस के तत्वों के साथ खयाल के अपरंपरागत मिश्रण के लिए जाना जाता है, हर्कट्स और मुर्की को रोजगार देते हैं जो पारंपरिक रूप से हल्के शास्त्रीय संगीत में उपयोग किए जाते थे। • खयाल एक संगीतमय रूप है, जो राग के विस्तार पर आधारित है, जिसमें दो छंदों से युक्त गेय रचना शामिल है। • उन्होंने हवेली संगीत जैसे अर्ध-शास्त्रीय पुराने संगीत रूपों का भी प्रदर्शन किया। • हवेली संगीत मंदिरों में प्रदर्शन किए जाते हैं और रचनाएँ भगवान कृष्ण की प्रशंसा में गाई जाती हैं। • वह प्रतिष्ठित पद्म विभूषण और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों, सम्मानों और खिताबों के प्राप्तकर्ता हैं। • हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU) ने उनके बाद एक क्षुद्रग्रह का नाम पंडित जसराज दिया, जिसे औपचारिक रूप से 2006 VP32 के रूप में जाना जाता है, • यह सम्मान पाने वाले वे पहले भारतीय संगीतकार थे।

विविध

खबरों में	विवरण
1. करिय संग्रहालय	• तुर्की ने हागिया सोफिया के बाद एक और चर्च को मुखौटा में बदलने का फैसला किया है • यह एक प्राचीन रूढ़िवादी चर्च था जो एक मस्जिद और फिर एक लोकप्रिय इस्तांबुल संग्रहालय बन गया।
2. श्रीशैलम बांध	• आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम पनबिजली संयंत्र में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। • डैम का निर्माण श्रीशैलम मंदिर शहर के पास कृष्णा नदी, आंध्र प्रदेश में किया गया है।

	• यह भारत में दूसरा सबसे बड़ा क्षमता वाला पनबिजली स्टेशन है। • इसका निर्माण कुर्नूल और महबूबनगर जिलों के बीच नल्लामाला पहाड़ियों में एक गहरी खाई में किया गया है।
3.पेर्सेइड उल्कावर्षा	• उल्कावर्षा 17-26 अगस्त से सक्रिय है। • पेर्सेइड वर्ष के उज्जवल उल्कावर्षा में से एक है। • वे हर साल जुलाई और अगस्त के बीच होते हैं। • वे धूमकेतु स्विफ्ट-टटल से छोटे अंतरिक्ष मलबे से बने हैं। • इनका नाम नक्षत्र परसियस के नाम पर रखा गया है। • वे उत्तरी गोलार्ध में दिखाई देते हैं और पूरे आसमान में देखे जा सकते हैं।
4.थंबी महोत्सव 2020	• थंबि महोत्सव २०२० पहली प्रकार का राज्य व्याध-पतंग महोत्सव है, जो केरल में आयोजित किया जाएगा। • 'पन्तालु' त्योहार का आधिकारिक शुभंकर है। • द्वारा आयोजित: WWF-India (केरल इकाई), ओडोनेट अध्ययन के लिए सोसायटी (SOS) और थंबीपुरम • एक व्याध-पतंग एक कीट है जो ओडोनाटा क्रम से संबंधित है।
5. 2018VP1	• यह एक क्षुद्रग्रह है जो नासा के जेट प्रोपल्सन प्रयोगशाला के अनुसार पृथ्वी के साथ टकराव के पाठ्यक्रम पर है। • यह पहली बार कैलिफोर्निया के सैन डिएगो काउंटी में पालोमर वेधशाला में दो साल पहले खोजा गया था। • नासा ने कहा है कि 0.41 प्रतिशत या 240 में से 1 मौका है कि 2018VP1 पृथ्वी को प्रभावित करेगा। • यदि क्षुद्रग्रह हमारे ग्रह के वायुमंडल में प्रवेश करता है, तो इससे कोई नुकसान होने की संभावना नहीं है। • जमीन पर पहुंचने से पहले पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद यह एक प्रभावशाली आग के गोले में जलने की संभावना है। • इस तरह की घटना हर साल लगभग एक बार होती है। • 140 मीटर या उससे बड़े क्षुद्रग्रह तबाही के स्तर के कारण "सबसे बड़ी चिंता" हैं, उनके प्रभाव का कारण हो सकता है।
6.WHO अफ्रीका को पोलियो मुक्त घोषित करता है	• WHO ने अफ्रीका को हाल ही में पोलियो मुक्त घोषित किया है। • WHO के एक आयोग ने प्रमाणित किया है कि पिछले चार वर्षों से महाद्वीप पर कोई भी मामला नहीं हुआ है, पोलियो वायरस के उन्मूलन की दहलीज।

	• पोलियो वायरस अब वायरस की सूची में चेचक में शामिल हो गया है जो अफ्रीका में मिटा दिए गए हैं।
7.भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नए क्षेत्रों की घोषणा की	• भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के 7 नए क्षेत्रों की घोषणा की गई है। • मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय। • नए वृत्त: त्रिची (तमिलनाडु), रायगंज (पश्चिम बंगाल), राजकोट (गुजरात), जबलपुर (मध्य प्रदेश), झाँसी (उत्तर प्रदेश) और मेरठ (उत्तर प्रदेश)। • हम्पी मिनी सर्कल को पूर्ण विकसित सर्कल में बदल दिया गया है। • इससे पहले देश भर में 29 ASI क्षेत्र थे।
8. चुनौती	• "चुनौती" - अगली पीढ़ी के लिए स्टार्ट-अप चुनौती को आरंभ किया गया है। • मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय। • उद्देश्य: पहचान किए गए क्षेत्रों में काम करने वाले लगभग 300 स्टार्ट-अप्स की पहचान करना और उन्हें 25 लाख रुपये तक के बीज फंड उपलब्ध कराना। • उद्देश्य: भारत में टियर -2 शहरों पर विशेष ध्यान देने के साथ स्टार्ट-अप और सॉफ्टवेयर उत्पादों को और बढ़ावा देना। • इस कार्यक्रम के लिए तीन साल की अवधि में 95 करोड़ रुपये से अधिक का बजट रखा गया है।
9.विश्व उर्दू सम्मेलन	• विश्व उर्दू सम्मेलन का उद्घाटन हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा किया गया था। • द्वारा आयोजित: उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय परिषद (NCPUL) • जगह: नई दिल्ली।
10. DGNCC मोबाइल ट्रेनिंग ऐप लॉन्च किया	• महानिदेशक राष्ट्रीय कैडेट कोर (DGNCC) मोबाइल प्रशिक्षण ऐप को हाल ही में लॉन्च किया गया था। • मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय • ऐप NCC कैडेटों के देशव्यापी ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित करने में सहायता करेगा। • उद्देश्य: एक मंच पर NCC कैडेटों को संपूर्ण प्रशिक्षण सामग्री प्रदान करना।
11. हिजबुल्लाह	• हिज़्बुल्लाह एक शिया मुस्लिम राजनीतिक दल और लेबनान में स्थित आतंकवादी समूह है। • हिजबुल्लाह लेबनान के पंद्रह साल के गृहयुद्ध के दौरान उभरा, जो 1975 में तब टूटा जब देश में बड़े, सशस्त्र फिलिस्तीनी असंतोष पर लंबे समय तक असंतोष उबलते हुए बिंदु पर पहुंच गया।

	• ईरान समर्थित समूह इजरायल के विरोध और मध्य पूर्व में पश्चिमी प्रभाव के प्रतिरोध से प्रेरित है। • वैश्विक आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के अपने इतिहास के साथ, हिजबुल्लाह को संयुक्त राज्य अमेरिका और कई अन्य देशों द्वारा आतंकवादी समूह के रूप में नामित किया गया है।
12.परमाणु बम डोम	• यह जापान के हिरोशिमा में हिरोशिमा पीस मेमोरियल पार्क का हिस्सा है और 1996 में एक गैर-परमाणु दुनिया का आह्वान करने के लिए यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल नामित किया गया था। • हॉल का खंडहर 140,000 से अधिक लोगों के लिए एक स्मारक के रूप में कार्य करता है जो 6 अगस्त 1945 को हिरोशिमा के परमाणु बमबारी में मारे गए थे।
13.वैश्विक भूख सूचकांक (GHI)	• उच्च खाद्य उत्पादन के बावजूद भारत ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 102 वें स्थान पर है। • पोषण सुरक्षा में प्रोटीन और विटामिन की कमी को सुधारने के उपायों की आवश्यकता होती है। वैश्विक भूख सूचकांक (GHI) रिपोर्ट • 'Concern Worldwide' (एक आयरिश एजेंसी) और 'WeltHungerHilfe' (एक जर्मन संगठन) द्वारा तैयार • रिपोर्ट चार GHI संकेतकों पर आधारित है, जैसे कि अल्पपोषण, बाल स्टंटिंग, बच्चे को बर्बाद करना और बाल मृत्यु दर। • भारत का बाल बर्बाद करने की दर 20.8% से बहुत अधिक थी - उच्चतम • भारत की रैंक 95 वें स्थान (2010 में) से गिरकर 102 वें स्थान पर (2019 में) हो गई है बच्चा व्यर्थ करना • बाल व्यर्थ करना पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के हिस्से को संदर्भित करता है जो व्यर्थ हैं, यानी, उनकी ऊंचाई के संबंध में कम वजन है, तीव्र कुपोषण को दर्शाता है।
14. अमेरिका ने TikTok, WeChat के साथ लेनदेन पर प्रतिबंध लगाया	• अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीनी वीडियो शेयरिंग ऐप TiKTok और मैसेजिंग सर्विस WeChat के साथ लेनदेन को छोड़कर कार्यकारी आदेश (EO) पर हस्ताक्षर किए । • अमेरिका ने चिंताओं का हवाला दिया कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (CPC) इन एप्स और एप्स पर CPC सेंसरशिप से अमेरिकियों पर निजी डेटा पुनः प्राप्त कर सकती है • अमेरिकी शेयर बाजारों से चीनी कंपनियों को सूची से बाहर करने के प्रस्ताव की घोषणा की गई थी, अगर उन्होंने अमेरिकी लेखांकन मानकों का पालन नहीं किया ।

15. लोया जिरगा	• लोया जिरगा अफगानिस्तान का एक अत्यंत सम्मानित पारंपरिक परामर्शदात्री निकाय है और यह बैठक अफगानिस्तान के लिए आंतरिक मुद्दा है। • अफगानिस्तान में, लोया जिरगास को कथित तौर पर 18 वीं शताब्दी की शुरुआत में आयोजित किया गया था जब हॉटकी और दुर्रानी राजवंश सत्ता में आए थे।
16.तनावग्रस्त ऋण समाधान मानदंडों के लिए कामथ पैनल	• RBI ने अनुभवी बैंकर के.वी. की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति का गठन किया। कोविड -19 संबंधित तनावग्रस्त ऋणों के समाधान के लिए मानदंडों पर सिफारिशें करने के लिए कामथ।
17.COVID-19 लॉकडाउन का प्रभाव	• PMJAY योजना के तहत लॉकडाउन प्रभावित उपचार • प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY) के तहत दावा की मात्रा 50% तक गिर गई • बाल वितरण और अर्बुदविद्या के लिए प्रवेश में महत्वपूर्ण गिरावट • अस्पतालों में संक्रमण की आशंका के कारण PMJAY लाभार्थियों देरी या स्थगित उपचार • 78% ग्रामीण भारत ने काम बंद कर दिया • लगभग 80% ग्रामीण भारतीयों ने COVID 19 लॉकडाउन के दौरान अपने काम को ठप करते देखा • केंद्र की रोजगार गारंटी योजना के तहत केवल 20% काम मिला • उत्तरदाताओं के 68% से अधिक का सामना करना पड़ा "उच्च" मौद्रिक कठिनाइयों के लिए, 23% के साथ • लॉकडाउन के दौरान पैसे उधार लेने के लिए मजबूर • 71% राशन कार्ड धारकों को सरकार से अनाज मिला • 60% से अधिक कुशल श्रमिकों और मैनुअल श्रमिकों को पूरी तरह से बंद का सामना करना पड़ा। (रोजगार चला गया था)
18.मानव ATM संदर्भ	• डाक विभाग की नई सेवा पैसा घर पहुंचाने में - जहां डाकिया मानव ATM के रूप में काम करता है - देश भर में सबसे बड़ी चोट बन गया है। • दैनिक आधार पर पूरे भारत में एक लाख से अधिक लेनदेन दर्ज किए जा रहे हैं। यह कैसे काम करता है? • नि: शुल्क सेवा लोगों को पोस्टमैन के माध्यम से वापस लेने की अनुमति देती है -

	एक समय में to 10,000 तक • उनके किसी भी आधार-लिंक्ड बैंक खाते से। • डाकिया उंगलियों के निशान से मिलान करने के लिए एक पोर्टेबल बायोमेट्रिक डिवाइस लेता है। • सभी व्यक्ति को पोस्टइनफो ऐप का उपयोग करना है या बस स्थानीय डाकघर को फोन करना है या डाकिया को हाजिर करना है। लाभ: • COVID-19 को जबरन बंद करने के दौरान फंसे लोगों की मदद की • बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की मदद करता है • मासिक पेंशन वितरित करना
19.रूस COVID-19 वैक्सीन, स्पुतनिक V के लिए विनियामक अनुमोदन देने वाला पहला देश बन गया	• मानव परीक्षण के दो महीने से कम समय के बाद COVID-19 वैक्सीन को नियामक स्वीकृति देने वाला रूस पहला देश बन गया। • टीका का नाम रखा गया है - 'स्पुतनिक V' - सोवियत संघ द्वारा लॉन्च किए गए दुनिया के पहले उपग्रह के लिए श्रद्धांजलि। • स्पुतनिक V अभी तक अपने अंतिम परीक्षणों को पूरा करने के लिए। • रूस वर्ष के अंत तक बड़े पैमाने पर उत्पादन में टीके की उम्मीद करता है।
20.स्मार्ट कनेक्ट योजना	• पंजाब सरकार ने यह योजना शुरू की • इसका उद्देश्य राज्य भर के सरकारी स्कूलों में बारहवीं कक्षा के छात्रों को स्मार्टफोन वितरित करना है • वर्तमान महामारी की स्थिति में गरीब युवाओं को शिक्षा, कनेक्टिविटी और सशक्त बनाने के लिए
21.अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के बारे में	• 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में नामित करने के लिए विश्व के युवा मंत्रियों के सम्मेलन की सिफारिश को स्वीकार किया। • यह दुनिया की चुनौतियों और समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है इस उम्र में युवा • यह स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के जुड़ाव पर केंद्रित है। • इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का विषय ' वैश्विक कार्रवाई के लिए युवा को जोड़ना' है।
22.UAE, इजरायल राजनयिक संबंध स्थापित	• संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए

करने के लिए सहमत हैं	सहमत हुए हैं। • उपरोक्त कदम फिलिस्तीनियों द्वारा उनके भविष्य की स्थिति के लिए मांगी गई कब्जे वाली भूमि के कब्जे को रोकने के लिए एक सौदे का हिस्सा है। • यह घोषणा यूएई को करने वाला पहला खाड़ी अरब राज्य है और मिस्र और जॉर्डन के बाद इजरायल के साथ सक्रिय राजनयिक संबंध रखने वाला केवल तीसरा अरब राष्ट्र है।
23. "बहुसंख्यकवाद राष्ट्रवाद नहीं है"-रोमिला थापर के बारे में:	• प्राचीन भारत के प्रसिद्ध इतिहासकार प्रोफेसर रोमिला थापर के अनुसार - • "राष्ट्रवाद इस बात का प्रतिबिंब है कि समाज के लोग अपने सामूहिक स्व के बारे में कैसे सोचते हैं। सामूहिक का मतलब है कि राष्ट्र का गठन करने वाले सभी को समान नागरिक के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन जब राष्ट्रवाद को एक एकल पहचान से परिभाषित किया जाता है, जो या तो भाषा या धर्म या यहां तक कि जातीयता हो सकती है, तो राष्ट्रवाद प्रमुखतावाद में फंस जाता है। और प्रमुखतावाद राष्ट्रवाद नहीं है। " • थापर के अनुसार - स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में "ब्रिटिश शासन के विरोध में भारतीयों का समावेशी राष्ट्रवाद" था, हालांकि, अंग्रेजों द्वारा दो राष्ट्रों के आग्रह को धर्म द्वारा परिभाषित एक राष्ट्रवाद ने प्रेरित किया, जिसमें कुछ भारतीयों के बीच स्वीकृति मिली।
24.वाघा बॉर्डर	• यह ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रंक रोड पर स्थित है • इसकी स्थापना 11 अक्टूबर 1947 को ब्रिगेडियर मोहिंदर सिंह चोपड़ा द्वारा विभाजन के लगभग दो महीने बाद की गई थी।
25.फर्जी लेन-देन से खोया हुआ पैसा वापस मिल सकता है	इंटरपोल (अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन) के अनुसार - • ऑनलाइन घोटालों के लिए खो पैसे पकड़ा और बरामद किया जा सकता है, बशर्ते पीड़ितों समय पर प्रतिक्रिया और लेनदेन में शामिल बैंकों को सचेत । • धन को रोकना और इसे ठीक करना संभव है।
26.कोबोटिक्स	• प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग ने संस्थान में कोबोटिक्स पर प्रौद्योगिकी नवाचार हब स्थापित करने के लिए इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स पर राष्ट्रीय मिशन के तहत 170 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। • ध्यान उन प्रौद्योगिकियों का होगा जहां रोबोटों को रोबोटों की परिशुद्धता और एक ऐसे वातावरण में अथक परिश्रम करने की क्षमता के साथ मानव खुफिया के लाभ को अधिकतम करने के लिए मनुष्यों के साथ मिलकर काम करने में सक्षम होना चाहिए जहां मनुष्य काम नहीं कर सकते । कोबोटिक्स • कोबोट, या सहयोगी रोबोट, एक साझा अंतरिक्ष के भीतर प्रत्यक्ष मानव रोबोट

	बातचीत के लिए इरादा रोबोट हैं, या जहां मनुष्य और रोबोट निकटता में हैं। • कोबोट अनुप्रयोगों पारंपरिक औद्योगिक रोबोट अनुप्रयोगों जिसमें रोबोट मानव संपर्क से अलग कर रहे हैं के साथ इसके विपरीत। • •
27. अरकुनोमिक्स मॉडल	इसके बारे में: • हैदराबाद गैर-लाभकारी नंदी फाउंडेशन को फूड विजन 2050 पुरस्कार के लिए चुना गया है • मान्यता ने नंदी को 200,000 डॉलर की पुरस्कार राशि दी क्या आप जानते हैं? • खाद्य प्रणाली विजन पुरस्कार, पुनर्योजी और पौष्टिक खाद्य प्रणाली का एक विजन विकसित करने के लिए दुनिया भर के संगठनों के लिए एक निमंत्रण है जिसे वे वर्ष 2050 तक बनाने की इच्छा रखते हैं। अरकुनोमिक्स मॉडल • रॉकफेलर फाउंडेशन पुरस्कार ने अराकू, वर्धा और नई दिल्ली के क्षेत्रों में " अरकुनोमिक्स " मॉडल के अनुप्रयोग को मान्यता दी। • लगभग 20 वर्षों तक आंध्र प्रदेश के अराकू में आदिवासी किसानों के साथ काम करने पर आधारित 'अराकुनोमिक्स' नामक नंदी की दृष्टि। • अरकुनोमिक्स एक नया एकीकृत आर्थिक मॉडल है जो किसानों के लिए लाभ सुनिश्चित करता है, पुनर्योजी कृषि के माध्यम से उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्ता • मॉडल कृषि, जीव विज्ञान, खाद, विकेंद्रीकृत निर्णय लेने, उद्यमी, परिवार, वैश्विक बाजार, और " हेडस्टैंड " या उनके सिर पर वर्तमान दृष्टिकोणों पर केंद्रित "ABCDEFGH" ढाँचे का अनुसरण करता है। • आर्थिक मॉडल अराकू क्षेत्र के आदिवासी किसानों के लिए 2017 में पेरिस में उत्पादित और लॉन्च होने वाले विश्व स्तरीय कॉफी के लिए एक श्रद्धांजलि है और साथ ही 25 मिलियन पेड़ों को लगाकर उन्होंने 955 से अधिक गांवों में किया।

अपने ज्ञान का परीक्षण कीजिए

मॉडल प्रश्न: (उत्तर अंत में दिए गए हैं)

Q.1) निम्नलिखित में से कौन सा मुख्य उद्योगों का एक हिस्सा हैं?

1. उर्वरक
2. रिफाइनरी उत्पाद
3. प्राकृतिक गैस
4. सीमेंट
5. आयरन
6. बिजली

सही कथन का चयन कीजिए

(a). 1, 2, 4, 5 और 6

(b). 1, 2, 3, 4 और 6

(c). 1, 2, 3, 5 और 6

(d). 1, 2, 3, 4, 5 और 6

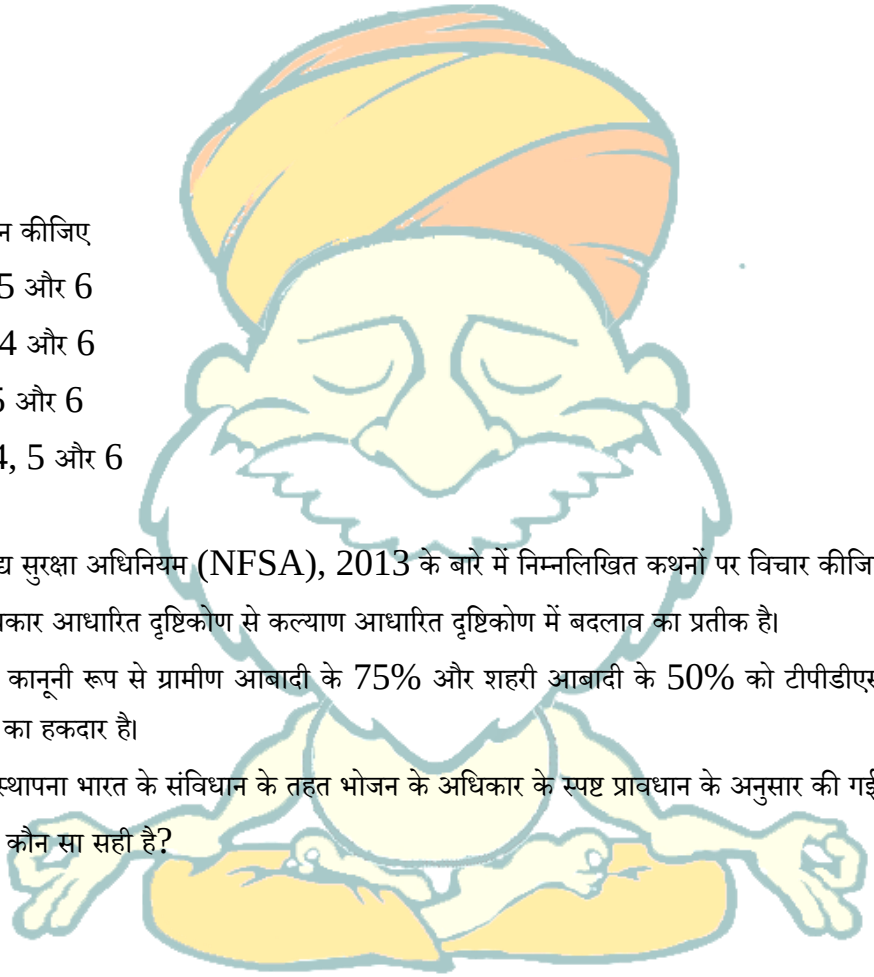

Q.2) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. NFSA अधिकार आधारित दृष्टिकोण से कल्याण आधारित दृष्टिकोण में बदलाव का प्रतीक है।
2. यह अधिनियम कानूनी रूप से ग्रामीण आबादी के 75% और शहरी आबादी के 50% को टीपीडीएस के तहत रियायती खाद्यान्न प्राप्त करने का हकदार है।
3. NFSA की स्थापना भारत के संविधान के तहत भोजन के अधिकार के स्पष्ट प्रावधान के अनुसार की गई है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है?

(a). केवल 2

(b). 1 और 2

(c). 2 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.3) भारतीय संविधान में महिलाओं के सम्मान के लिए 'अपमानजनक व्यवहार' को त्यागने के लिए प्रावधान किया गया है।

(a). प्रस्तावना

(b). मौलिक अधिकार

(c). मौलिक कर्तव्य

(d). DPSPs

Q.4) विश्व खाद्य दिवस पर भारत ने अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की शुरुआत की- 'शून्य भूख (zero hunger)' कार्यक्रम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए ?

1. यह कार्यक्रम सभी पूर्वोत्तर राज्यों में शुरू किया गया है।

2. यह 2030 तक भूख समाप्त करने के लिए भारत के SDG के साथ सिंक में एक समर्पित कृषि आधारित कार्यक्रम है।

3. इस कार्यक्रम में जैव-प्रमाणित पौधों/फसलों के लिए आनुवांशिक उद्यानों की स्थापना शामिल है ।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है?

(a). 1 और 2

(b). 2 और 3

(c). 1 और 3

(d). 1,2 और 3

Q.5) भारत सरकार की डिजिटल इंडिया योजना का उद्देश्य क्या है?

1. चीन जैसी भारत की अपनी इंटरनेट कंपनियों का गठन किया।

2. विदेशी बहुराष्ट्रीय निगमों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नीतिगत ढांचा स्थापित किया जो हमारी राष्ट्रीय भौगोलिक सीमाओं के भीतर अपने बड़े डेटा केंद्रों के निर्माण के लिए बड़े डेटा एकत्र करते हैं।

3. कई गांवों को इंटरनेट से जोड़ना और कई स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख पर्यटन केंद्रों में WIFI लगाई जाएगी।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(a). 1 और 2 ही

(b). केवल 3

(c). 2 और 3 ही

(d). 1, 2 और 3

Q.6) यदि कोई मलक्का के खाड़ी के माध्यम से यात्रा करता है तो निम्नलिखित में से कौन सा सामने आ सकता है?

(a). बाली

(b). ब्रुनेई

(c). जावा

(d). सिंगापुर

Q.7) ढोल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. भारत में, वे मुख्य रूप से पश्चिमी घाट, मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत में पाए जाते हैं
2. बाघ के अलावा, ढोल भारत में एकमात्र बड़ा मांसाहारी है जो IUCN की 'लुप्तप्राय' श्रेणी में है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.8) भारत एयर फाइबर सेवाओं के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. इसका उद्देश्य BSNL के डॉट्स ऑफ बिंग से 20 किमी की रेंज तक BSNL घर की ओर फाइबर (FTTH) वायरलेस कनेक्टिविटी प्रदान करना है।
2. इसे डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) द्वारा पेश किया गया है।

उपरोक्त वक्तव्य में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.9) ड्रैगन कैप्सूल द्वारा विकसित किया गया था

(a). स्पेस X

(b). मिशाल एयरोस्पेस

(c). वर्जिन गैलेक्टिक

(d). PLD स्पेस

प्रश्न-10 भारतीय नियोजन ने आवंटन आधारित योजनाओं से मनरेगा, खाद्य सुरक्षा अधिनियम आदि जैसी आधारित सही आधारित योजनाओं की मांग में स्थानांतरित कर दिया है। मांग आधारित योजनाओं के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से वक्तव्य सही हैं?

1. योजनाओं का कार्यान्वयन अत्यधिक केंद्रीकृत है।
2. राज्यों को अपनी परिप्रेक्ष्य योजनाओं को विकसित करने की छूट नहीं है।
3. यह एक तल - शीर्ष दृष्टिकोण।

निम्नलिखित में से सही कोड का चयन कीजिए:

(a). 1 और 2
(b). 2 और 3
(c). केवल 3
(d). 1, 2 और 3

Q.11) भारतीय अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्र की विशिष्ट विशेषताएं निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

1. संगठित क्षेत्र की तुलना में अधिक उत्पादकता।
2. संविदात्मक नौकरियां।
3. कम या कोई सामाजिक सुरक्षा।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a). 1 और 2
(b). 2 और 3
(c). 1 और 3
(d). 1, 2 और 3

Q.12) हाल ही में जीवन सूचकांक की डिजिटल गुणवत्ता 2020 जारी किया गया था। भारत की स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इंटरनेट की गुणवत्ता के मामले में भारत दुनिया में सबसे ज्यादा स्थान पर है।
2. यह इंटरनेट खरीदने की क्षमता के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे देशों को मात देता है ।

उपरोक्त में से कौन सा सही है/?

(a). केवल 1
(b). केवल 2
(c). 1 और 2
(d). न तो 1 और न ही 2

Q.13) इंटरनेट से संबंधित भारत सरकार की कौन सी पहल निम्नलिखित में से हैं?

1. डिजिलॉकर
2. भीम ऐप

3. प्रधानमंत्रीग्रामिन डिजिटल साक्षराअभियान

4. ई-क्रांति

सही कोड चुनें:

(a). 1 और 2

(b). केवल 2

(c). 3 और 4

(d). 1, 2, 3 और 4

Q.14) हाल ही में विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप के खिलाफ अदृश्य शील्ड डिजाइन किया गया था। डिजाइन के लाभों पर विचार कीजिए:

1. यह उपकरण की ऊर्जा को अलग करेगा ताकि यह किसी और चीज को प्रभावित न करे।

2. शील्ड सैन्य चुपके अनुप्रयोगों में इस्तेमाल किया जा सकता है।

3. यह सौंदर्यशास्त्र से समझौता किए बिना विद्युत चुम्बकीय तरंग उत्सर्जक को कवर कर सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है/?

(a). 1 और 2

(b). 1 और 3

(c). 2 केवल

(d). 1, 2 और 3

Q.15) हाल ही में घोषित राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा आयोजित की जाएगी ।

2. परीक्षा का परिणाम घोषित होने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए मान्य होगा।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.16) पोइंट डी'सनी, हाल ही में समाचार के अनुसार, एक पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र है यह निम्नलिखित देश में है?

(a). मॉरीशस

(b). मालदीव

(c). मलेशिया

(d). श्रीलंका

Q.17) समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के मुख्य स्रोत निम्नलिखित में से कौन से हैं?

1. तूफान अपवाह

2. सीवर अतिप्रवाह

3. समुद्र तट आगंतुक

4. अपर्याप्त अपशिष्ट निपटान

सही कोड चुनिये:

(a). 1 और 2

(b). 2 और 4

(c). केवल 1

(d). 1, 2, 3 और 4

Q.18) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. APIs दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण तत्व हैं।

2. भारत चीन को बड़ी मात्रा में APIs का निर्यात करता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है/?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.19) लिंगराज मंदिर भारत के निम्नलिखित राज्य में स्थित है?

(a). ओडिशा

(b). पश्चिम बंगाल

(c). गुजरात

(d). केरल

Q.20) नुआखाई जुहार भारत के निम्नलिखित राज्य का एक कृषि उत्सव है?

(a). ओडिशा

(b). झारखंड

(c). छत्तीसगढ़

(d). दोनों (क) और (ख)

Q.21) चुंबकीय हाइपरथर्मिया मध्यस्थता कैंसर थेरेपी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. यह गहरे दुर्गम ठोस ट्यूमर के खिलाफ कार्य नहीं कर सकता।

2. प्रत्यावर्ती चुंबकीय क्षेत्र लागू करके ट्यूमर की ओर गर्मी उत्पन्न होती है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है/?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.22) श्रीसेलम बांध, हाल ही में समाचारों में देखा गया, देश का दूसरा सबसे बड़ा क्षमता वाले पनबिजली स्टेशन है। यह कहां स्थित है?

(a). आंध्र प्रदेश

(b). कर्नाटक

(c). केरल

(d). तमिलनाडु

Q.23) भारत के निम्नलिखित राज्य में पहली बार राज्य व्याध-पतंग महोत्सव आयोजित होने जा रहा है?

(a). केरल

(b). हिमाचल प्रदेश

(c). राजस्थान

(d). दिल्ली

Q.24) वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीति (2020-2025) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह NCERT द्वारा जारी किया गया है।

2. इसे RBI द्वारा तैयार किया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है/?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.25) भारतीय नौसेना द्वारा मिशन आधारित तैनाती के तहत, भारतीय जहाजों को निम्नलिखित में से किस के लिए तैनात किया गया था?

1. फारस की खाड़ी के लिए ऑपरेशन GULFDEP

2. मध्य प्रशांत क्षेत्र के लिए ऑपरेशन CENTDEP

3. मालदीव के लिए ऑपरेशन MALDEP।

सही कोड चुनिये:

(a). 1 और 2 ही

(b). 2 और 3 ही

(c). केवल 1

(d). 1, 2 और 3

Q.26) ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय परिषद के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सामाजिक न्याय मंत्री इसके अध्यक्ष होंगे।

2. ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए परिषद का गठन (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के अधीन किया गया है।

3. यह ट्रांसजेंडर समुदाय से संबंधित नीतियों के निर्माण पर सरकार को सलाह देगा।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). 1 और 3 ही

(d). 1, 2 और 3

Q.27) बोंडास आदिवासी समुदाय, जो हाल ही में समाचारों में देखा गया है, भारत के निम्नलिखित राज्य से संबंधित है?

(a). ओडिशा

(b). पश्चिम बंगाल

(c). छत्तीसगढ़

(d). झारखंड

Q.28) हाल ही में NABARD ने NBFC-MFI को संरचित वित्त और आंशिक गारंटी कार्यक्रम पेश किया है। उसी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह केवल एक समर्पित ऋण गारंटी कार्यक्रम है।
2. NABARD ऋण पर पूरी गारंटी प्रदान करेगा।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1
(b). केवल 2
(c). 1 और 2
(d). न तो 1 और न ही 2

Q.29) हाल ही में सबसे लंबा नदी रज्जुपथ का निर्माण निम्नलिखित नदियों में से किस पर किया गया था?

(a). इंडस
(b). ब्रह्मपुत्र
(c). गंगा
(d). नर्मदा

Q.30) खुला बाजार परिचालन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें केवल सरकारी प्रतिभूतियों और निधि बिलों की खरीद शामिल है।
2. यह वाणिज्यिक बैंकों द्वारा स्वतंत्र रूप से शुरू किया गया एक परिचालन है।
3. परिचालन का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में धन की आपूर्ति को विनियमित करना है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). 1 और 3
(b). 2 और 3
(c). 1 और 2
(d). 1, 2 और 3

Q.31) एडक्कल गुफाएं कहां स्थित हैं?

(a). इलायची हिल्स

(b). पलनी हिल्स

(c). नीलगिरी पर्वत

(d). अंबुकुथी हिल्स

Q.32) नाममठ बसई के बारे में निम्नलिखित बयानों पर विचार कीजिए:

1. यह कार्यक्रम समग्रशिक्षा केरल द्वारा लागू किया जा रहा है।
2. कार्यक्रम के तहत आदिवासी बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता है।
3. भाषाएं इरुला, मुदुका और कुरुम्बा जनजातियों की हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). 1 और 3

(b). 2 और 3

(c). 1 और 2

(d). 1, 2 और 3

Q.33) पुलीकली कोविड-19 के कारण ऑनलाइन होगा। उसी के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. यह ओणम त्योहार का एक हिस्सा है।
2. यह बाघ शिकार के विषय के आसपास घूमती है।
3. ओणम तमिलनाडु में मनाया जाने वाला वार्षिक फसल उत्सव है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 1 और 2

(c). 1, 2 और 3

(d). केवल 2

Q.34) हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक पेंशन भुगतान आदेश डिजिलॉकर के साथ एकीकृत किया गया था। निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. सुविधा बनाने के लिए भविष्य सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया।
2. एकीकरण के माध्यम से पेंशन आदेश का प्रत्यक्ष प्रिंट आउट आसानी से लिया जा सकता है ।
3. डिजिलॉकर सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को एक ही स्थान पर संग्रह करने का मंच है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

a) 1 केवल
b) केवल 1 और 2
c) 1, 2 और 3
d) केवल 2

Q.35) निर्यात तैयारी सूचकांक 2020 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे हाल ही में नीति आयोग ने जारी किया था।
2. सरकारी नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सूचकांक के उद्देश्यों में से एक है ।
3. सूचकांक में तमिलनाडु शीर्ष तटीय राज्य है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

a) 1 केवल
b) केवल 1 और 2
c) 1, 2 और 3
d) केवल 2

Q.36) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा हाल ही में घोषित नए केंद्रों का हिस्सा निम्नलिखित में से कौन सा हिस्सा नहीं है?

(a)राजकोट
(b) जबलपुर
(c) मेरठ
(d) नाशिक

Q.37) निम्नलिखित बयानों पर विचार करें:

1. हाल ही में तपेदिक के उपचार से संबंधित फ्लेवोनॉइड अणुओं का भारत में संश्लेषण किया गया था ।
2. फ्लेवोनॉइड लगभग सभी फलों और सब्जियों में पाए जाते हैं।
3. ये फलों और सब्जियों को चटख रंग प्रदान करते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a)1 केवल
(b)1 और 2 केवल
(c)1, 2 और 3
(d) केवल 2

Q.38) SEBI के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई-2020 के अंत तक भारतीय पूंजी बाजारों में भागीदारी नोट (P-नोट) निवेश का मान बढ़ा। P नोट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. P-नोट विदेशी निवेशकों को विदेशी निवेशकों को विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा जारी किए गए उपकरण हैं।
2. इन उपकरण का इस्तेमाल भारतीय शेयर बाजारों में निवेश करने के लिए किया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

Q.39) हाल ही में समाचारों में देखे गए बेहरूपिया के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए ?

1. वे प्रतिरूपक हैं जो पूरे भारत में गांवों और बाजारों में प्रदर्शन करते हैं।

2. बहरूपिया महोत्सव गली मंचन की एक पारंपरिक भारतीय शैली है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.40) हाल ही में समाचारों में देखा गया गतिशील प्रसंभाव्य सामान्य संतुलन (DGSE) मॉडल निम्नलिखित में से किससे संबंधित है:

(a). RBI द्वारा कोविड-19 के आर्थिक प्रभाव का आकलन

बी. पृथ्वी के मैग्नेटोस्फेयर में चुंबकीय क्षेत्र की परिघटना का अध्ययन करने के लिए

सी. बौना आकाशगंगाओं के स्टार गठन का अध्ययन करने के लिए

(d). भारत के भीतर पलायन के कारणों का आकलन करने के लिए

Q.41) API और वेब सेवाओं के बीच निम्नलिखित मतभेदों पर विचार कीजिए:

1. हर API एक वेब सेवा है लेकिन हर वेब सेवा एक API नहीं है।

2. जबकि API ऑनलाइन या ऑफलाइन हो सकता है, वेब सेवाओं को एक नेटवर्क का उपयोग करना चाहिए।

3. जबकि API किसी भी प्रोटोकॉल या डिजाइन शैलियों का उपयोग कर सकते हैं, वेब सेवाएं आमतौर पर विशिष्ट प्रोटोकॉल का उपयोग करती हैं।

4 वेब सर्विसेज में API की तुलना में हैकिंग का खतरा कम होता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1 और 2

(b). केवल 2

(c). केवल 1,3 और 4

(d). केवल 2, 3 और 4

Q.42) भारतीय मानक ब्यूरो के लिए संबंधित मंत्रालय निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a). उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(b). रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(c). वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(d). जल मंत्रालय

Q.43) सतत वित्त सहयोगी हाल ही में निम्नलिखित में से किस के द्वारा शुरू किया गया था?

(a). भारतीय वित्त मंत्रालय

(b). संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

(c). संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

(d). दोनों (क) और (ख)

Q.44) अंडमान में रहने वाली निम्नलिखित जनजातियों पर विचार कीजिए:

1. ग्रेट अंडमानीज़

2. जारावास

3. ओंजेस

4. शोम्पेन्स

5. उत्तर प्रहरी

उपरोक्त में से कौन सा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह हैं?

(a). केवल 1 2 और 3

(b). केवल 3 और 4

(c). केवल 3 और 5

(d). 1 2 3 4 और 5

Q.45) तुर्की के बीच स्थित है:

(a). काला सागर और कैस्पियन सागर

(b). काला सागर और भूमध्य सागर

(c). स्वेज और भूमध्य सागर की खाड़ी

(d). अकाबा और मृत सागर की खाड़ी

Q.46) संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेद में से स्वप्रेरित अवमानना शक्तियां तैयार की जाती हैं?

(a). अनुच्छेद 120

(b). अनुच्छेद 127

(c). अनुच्छेद 128

(d). अनुच्छेद 129

Q.47) बारका परमाणु ऊर्जा संयंत्र हाल ही में समाचार में देखा गया है कि निम्नलिखित देश में से कौन सा स्थित है?

(a). सऊदी अरब

(b). ईरान

(c). इराक

(d). संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

Q.48) गोविंद सागर झील एक जलाशय है जो निम्नलिखित नदियों में से किस पर स्थित है?

(a). सतलुज

(b). इंडस

(c). ब्यास

(d). झेलम

Q.49) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. शराब 'राज्य सूची' के तहत एक विषय है

2. यह भारत के संविधान की आठ अनुसूची के तहत है

3. शराब की खपत और इसके प्रभाव भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 और 47 के साथ सीधे संघर्ष में आता है

सही कोड चुनिये

(a). केवल 3

(b). 1 और 3

(c). 2 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.50) भारत निम्नलिखित में से किस का सदस्य है?

1. आर्थिक सहयोग और विकास के लिए संगठन

2. मनी लॉन्ड्रिंग पर वित्तीय कार्रवाई कार्य बल

3. अंतर्राष्ट्रीय परिवहन मंच

4. परमाणु ऊर्जा एजेंसी

सही विवरण का चयन कीजिए

(a). केवल 2

(b). 2 और 3

(c). 2, 3 और 4

(d). 1, 2 और 4

Q.51) ऑपरेशन जिब्राल्टर किसके साथ जुड़ा हुआ है

(a). देश के सभी प्रमुख हवाई अड्डों को कार्बन न्यूट्रल चालू करने की पहल।

(b). वाष्पीकरण से जल संरक्षण के लिए प्रमुख नदी मार्गों पर सौर पैनल स्थापित करने की पहल और बिजली भी पैदा की।

(c). दुनिया के विभिन्न हिस्सों से फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए भारत का व्यापक स्वदेश वापसी अभियान।

(d). जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के लिए पाकिस्तान की रणनीति।

Q.52) हवाला लेनदेन भुगतान से संबंधित है

(a). विदेशी मुद्राओं के मुकाबले रुपये में प्राप्त हुआ और इसके विपरीत सरकारी चैनलों के माध्यम से जाने के बिना

(b). स्थापित स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से जाने के बिना शेयरों की बिक्री/हस्तांतरण के लिए प्राप्त

(c). विदेशी निवेशकों/खरीदारों/विक्रेताओं को लालफीताशाही से अधिक प्राप्त करने के लिए उनकी सहायता करने के लिए प्रदान की गई सेवाओं के लिए कमीशन के रूप में प्राप्त हुआ और/या तरजीही उपचार प्राप्त करने में

(d). चुनाव खर्च को पूरा करने के लिए राजनीतिक दलों या व्यक्तियों के लिए बनाया गया

Q.53 नीचे दिए गए वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) के बारे में कथन दिए गए हैं, उनके बीच गलत कथनों का चयन कीजिए।

1. यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा शासित एक निकाय है जो धन शोधन विरोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए मानक स्थापित करने में शामिल है।

2. भारत FATF का सदस्य पार्टी है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.54) अमोनियम नाइट्रेट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1 यह एक सफेद, क्रिस्टलीय रसायन है जो पानी में घुलनशील होता है।

2. यह खनन और निर्माण में इस्तेमाल वाणिज्यिक विस्फोटकों के निर्माण में मुख्य घटक है।

3. शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट को खतरनाक वस्तुओं के संयुक्त राष्ट्र वर्गीकरण के तहत ऑक्सीडाइजर के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

सही कोड चुनिये

(a). केवल 1

(b). 1 और 3

(c). 2 और 3

(d). 1, 2 और 3

प्रश्न 55) निम्नलिखित मौलिक अधिकारों में से कौन सा केवल भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध है?

1. सार्वजनिक रोजगार में समान अवसर।

2 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर कोई भेदभाव नहीं।

3. भाषा और लिपि की सुरक्षा

4. शिक्षण संस्थानों की स्थापना और प्रशासन का अधिकार

सही उत्तर चुनिये

(a). 1, 2 और 3

(b). 2 और 3

(c). 2, 3 और 4

(d). 1, 2, 3 और 4

Q.56) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना और उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाना एक प्रावधान है -

(a) FRs

(b). FDs

(c). DPSPs

(d). उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.57) 'रेपो रेट' के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a). यह केंद्रीय बैंक द्वारा वाणिज्यिक बैंकों को धन उधार देने के लिए वसूलने की दर है ।

(b). यह वह दर है जिस पर अनुसूचित बैंक सरकारी प्रतिभूतियों के खिलाफ आरबीआई से रातोंरात धन उधार ले सकते हैं।

(c). यह वह दर है जिस पर बैंक आरबीआई को फंड उधार देते हैं।

(d). यह वह दर है जिस पर आरबीआई अपने ग्राहकों से आम तौर पर सरकारी प्रतिभूतियों के खिलाफ उधार लेता है।

Q.58) निम्नलिखित बयानों मौद्रिक नीति समिति (MPC) पर विचार कीजिए

1. MPC मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक नीतिगत ब्याज दर निर्धारित करता है

2. इसमें 5 सदस्य होते हैं जिनमें से तीन RBI से हैं और शेष दो केंद्र सरकार द्वारा नामित किए जाते हैं।

ऊपर दिया गया कौन सा कथन सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.59) अशोक दलवाई किस समिति से जुड़े हैं

(a). किसानों की आय दोगुनी

(b). किसान आत्महत्या

(c). सिंचाई और जल निकासी

(d). शहरी बाढ़

Q.60) कड़े कानूनों के बावजूद, 'पैंगोलिन' का अवैध व्यापार प्रजातियों के अस्तित्व के लिए खतरा है। IUCN के तहत भारतीय पैंगोलिन की स्थिति क्या है?

(a). धमकी के पास

(b). सबसे कम चिंता

(c). लुप्तप्राय

(d). जंगली में विलुप्त

Q.61) विश्व भूख सूचकांक (GHI) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. यह संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (IFPRI) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

2. हाल के सूचकांक के अनुसार, भारत में 20% से अधिक बच्चे बर्बाद करने की व्यापकता है।

सही कथन का चयन कीजिए

(a). केवल 1

(b). 2 केवल

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

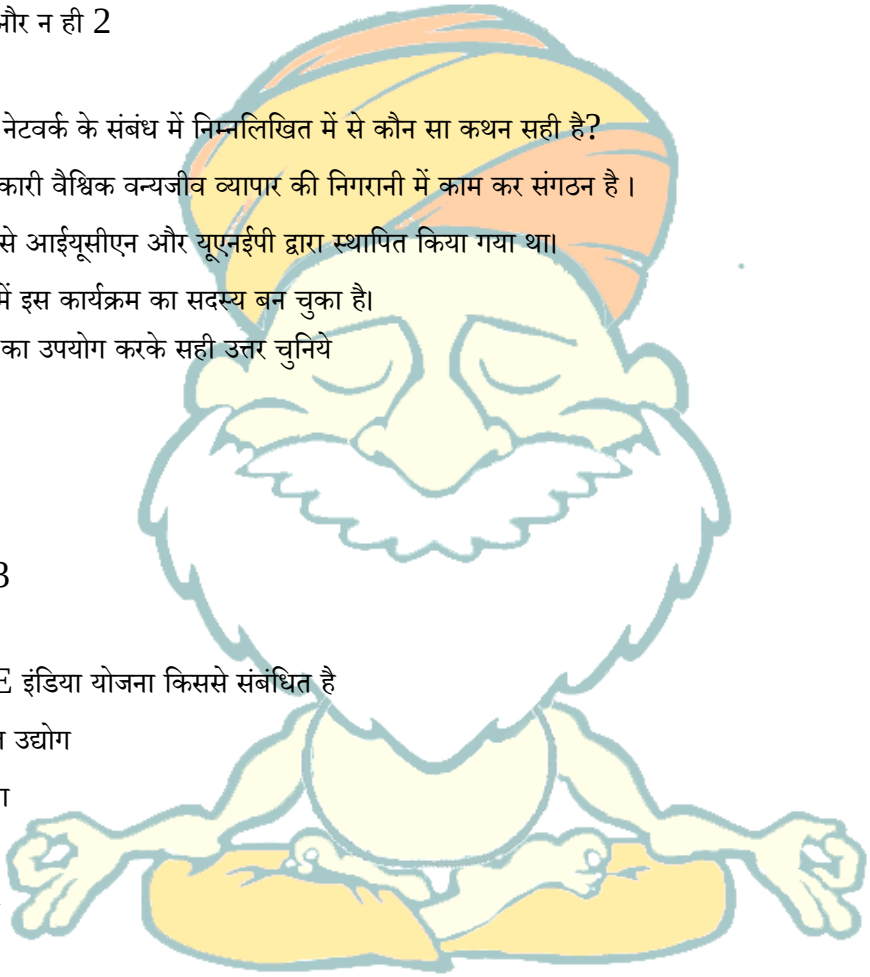

Q.62) यातायात नेटवर्क के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. यह एक गैर सरकारी वैश्विक वन्यजीव व्यापार की निगरानी में काम कर संगठन है ।

2. यह संयुक्त रूप से आईयूसीएन और यूएनईपी द्वारा स्थापित किया गया था।

3. भारत 2016 में इस कार्यक्रम का सदस्य बन चुका है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये

(a). केवल 1

(b). 1 और 2

(c). 2 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.63) FAME इंडिया योजना किससे संबंधित है

(a). ऑटोमोबाइल उद्योग

(b). कपड़ा उद्योग

(c). खाद्य उद्योग

(d). पर्यटन उद्योग

Q.64) निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है

1. हम्पबैक व्हेल बेलीन व्हेल की प्रजातियों में से एक हैं।

2. सभी हम्पबैक व्हेल उच्च अक्षांश ग्रीष्मकालीन भोजन के आधार और कम अक्षांश विंटरिंग ग्राउंड के बीच व्यापक मौसमी प्रवास करते हैं।

3. वे संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN लाल सूची पर 'गंभीर रूप से लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध हैं।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a). 1 और 2

(b). 1 और 3

(c). 2 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.65) अराकू घाटी निम्नलिखित राज्यों में से कौन सा स्थित है?

(a). तेलंगाना

(b). आंध्र प्रदेश

(c). तमिलनाडु

(d). कर्नाटक

Q.66) भूस्खलन के बारे में निम्नलिखित बयानों में से कौन सा गलत है

1. भूस्खलन में अलग द्रव्यमान का आकार और आकार केवल अपक्षय की डिग्री पर निर्भर करता है।

2. भूस्खलन में शामिल सामग्री अपेक्षाकृत शुष्क हैं।

सही कोड चुनिये:

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.67) एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है

(a). तमिलनाडु

(b). केरल

(c). तेलंगाना

(d). पुडुचेरी

Q.68) प्राथमिकता क्षेत्र ऋण की श्रेणियों का हिस्सा निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

1. कृषि अवसंरचना

2. दूरस्थ गांव विद्युतीकरण

3. अक्षय ऊर्जा

कोड:

(a). केवल 1 और 2

(b). केवल 2 और 3

(c). केवल 1

(d). 1, 2 और 3

Q.69) सिंधु जल संधि को दुनिया की सबसे सफल नदी जल साझा संधियों में से एक माना जाता है। निम्नलिखित में से कौन से IWT के सही प्रावधान हैं?

1 झेलम और चिनाब का पानी पाकिस्तान को आवंटित किया जाता है और रवि, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया जाता है।

2. भारत को सिंधु के 20% पानी का उपयोग करने की अनुमति है।

3. जल बंटवारे और संधि के उल्लंघन के संबंध में विवाद विश्व बैंक हैं ।

सही कोड चुनिये:

(a). 1 और 2

(b). 2 और 3

(c). 1 और 3

(d). उपरोक्त सभी

Q.70) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के संविधान में अनुच्छेद 340 पिछड़े वर्गों की स्थितियों की जांच के लिए एक आयोग की नियुक्ति से संबंधित है

2. भारत के राष्ट्रपति ने अन्य पिछड़े वर्गों के उप-वर्गीकरण की जांच के लिए एक आयोग नियुक्त किया है

निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.71) भारत किसका का सदस्य है

(a). आसियान

(b). पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन

(c). एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC)

(d). उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.72) ओस्लो शांति समझौता किस से संबंधित है

(a). WIPO द्वारा प्रशासित अंतर्राष्ट्रीय कॉपीराइट संधियां।

(b). 1990 के दशक में इसराइल और फिलीस्तीनियों के बीच समझौतों की श्रृंखला पर हस्ताक्षर किए गए।

(c). स्वालबार्ड के आर्कटिक द्वीपसमूह पर नॉर्वे की संप्रभुता को मान्यता देना।

(d). बाहरी अंतरिक्ष की खोज और शांतिपूर्ण उपयोग में राज्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांत।

Q.73) भारत में 2016 में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम पारित किया गया था। अधिनियम के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

1. यह विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन (UNCRPD) के दायित्वों को पूरा करता है, जिसके लिए भारत एक हस्ताक्षरकर्ता है।

2. अधिनियम में पिछले सात की तुलना में 21 प्रकार की विकलांगता को मान्यता दी गई है।

3. अधिनियम में उच्च शिक्षण संस्थानों में विकलांगता आरक्षण के लिए कोटा 3% से बढ़ाकर 5% और सरकारी नौकरियों में 3% से 4% तक बढ़ाया गया है।

नीचे से सही कोड चुनिये:

(a). 1 और 2

(b). 2 और 3

(c). 1 और 3

(d). उपरोक्त सभी

Q.74) राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिए

1. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल 12 बटालियनों के होते हैं

2. असम राइफल्स और CISF, NDRF की दो सबसे विशेष बटालियन हैं

3. NDRF गृह मंत्रालय के नियंत्रण में है

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही हैं

(a). 1 और 3

(b). केवल 3

(c). 2 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.75) मिताक्षरा और दायभाग किससे जुड़े हैं

(a). खगोल विज्ञान पर एक काम

(b). विरासत के प्राचीन हिंदू कानून पर एक ग्रंथ

(c). एक अगमिक पाठ

(d). दवा पर एक संग्रह

Q.76) भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

1. भारतीय राज्य का कोई आधिकारिक धर्म नहीं है।

2. राज्य धर्म के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं करता है।

3. धर्म और राज्य का पूर्ण पृथक्करण है।

निम्नलिखित से सही कोड का चयन कीजिए:

(a). 1 और 2

(b). 2 और 3

(c). 1 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.77) इल्लुमिना (सोलेक्सा) जैसे शब्द; रॉश 454; आयन धार: प्रोटॉन / PGM किस के साथ जुड़े हुए हैं -

a . विभिन्न आधुनिक अनुक्रमण प्रौद्योगिकियां

(b). सुपर कंप्यूटर के विभिन्न प्रकार

(c). क्वांटम कंप्यूटर के विभिन्न प्रकार

(d). एक्सोप्लैनेट, जो विदेशी जीवन का समर्थन कर सकते हैं

Q.78) निम्नलिखित में से कौन सी वस्तुएं GST के दायरे में नहीं आते हैं?

1. विमानन ईंधन

2. शराब

3. तंबाकू और तंबाकू उत्पाद

निम्नलिखित में से सही कोड का चयन कीजिए:

(a). 1 और 2

(b). केवल 3

(c). 2 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.79) विश्व तंबाकू दिवस हर साल दुनिया भर में कब मनाया जाता है -

(a). 31 मई

(b). 31 जुलाई

(c). 10 अगस्त

(d). 13 अगस्त

Q.80) एब्सिसिक एसिड के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही हैं?

1. एब्सिसिक एसिड एक पादप हार्मोन है जो कई विकासात्मक पौधों की प्रक्रियाओं में शामिल होता है, जैसे निद्रा और पर्यावरणीय तनाव प्रतिक्रिया।

2. एब्सिसिक एसिड पौधे की जड़ों में उत्पादित नहीं होता है बल्कि पौधे के शीर्ष पर केवल टर्मिनल कलियों का उत्पादन होता है।

सही उत्तर चुनिये:

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.81) गर्भावस्था की चिकित्सा समाप्ति (MTP) अधिनियम के बारे में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए

1. यह 24 सप्ताह की गर्भावधि आयु से ऊपर गर्भपात की अनुमति नहीं देता है।

2. यह प्रदान करता है कि "पर्याप्त भ्रूण असामान्यताओं" के साथ निदान भ्रूण गर्भपात के निर्णय में "गर्भावस्था की लंबाई लागू नहीं होगी" या यदि यह "गर्भवती महिला द्वारा बलात्कार के कारण होने का आरोप लगाया गया है"।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है

(a). केवल 1

(b). 2 ही

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.82) निम्नलिखित में से कौन सा राज्य प्रसिद्ध 'हॉर्नबिल महोत्सव' मनाता है?

(a). अरुणाचल प्रदेश

(b). सिक्किम

(c). नागालैंड

(d). अंडमान निकोबार

Q.83) नार्कोंडैम हॉर्नबिल निम्नलिखित में से किस में पाया जाता है?

1. पश्चिमी घाट
2. अंडमान
3. लक्षद्वीप

सही कोड चुनिये:

(a). 1 और 2

(b). केवल 2

(c). 1 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.84) आयकर की उगाही, संग्रहण और वितरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

(a). संघ अपने और राज्यों के बीच आयकर की आय को वसूलता, एकत्र और वितरित करता है।

(b). संघ लेवी, एकत्र करता है और आयकर की सभी आय खुद को रखता है

(c). संघ लेवी और कर वसूलता है लेकिन सभी आय राज्यों के बीच वितरित कर रहे है

(d). केवल आयकर पर लगाए गए अधिभार को संघ और राज्यों के बीच बांटा जाता है

Q.85) भारत में आयकर है

(a). प्रगतिशील

(b). प्रतिगामी

(c). आनुपातिक

(d). लाभ सिद्धांत पर आधारित

Q.86) छठी अनुसूची के राज्यों के प्रशासन से संबंधित है

1. असम
2. मेघालय
3. अरुणाचल प्रदेश
4. त्रिपुरा

5. मिजोरम

सही कथन का चयन कीजिए

(a). 1, 2, 3 और 4

(b). 1,2,4and52, 3, 4 और 5

(c). 1, 2, 3 और 5

Q.87) निम्नलिखित में से कौन सा अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों से संबंधित है?

1. अनुच्छेद 244

2. 91वां संविधान संशोधन

3. अनुच्छेद 339

4. अनुच्छेद 332

सही कोड चुनिये

(a). 1 और 3

(b). केवल 1

(c). 1, 3 और 4

(d). 1, 2, 3 और 4

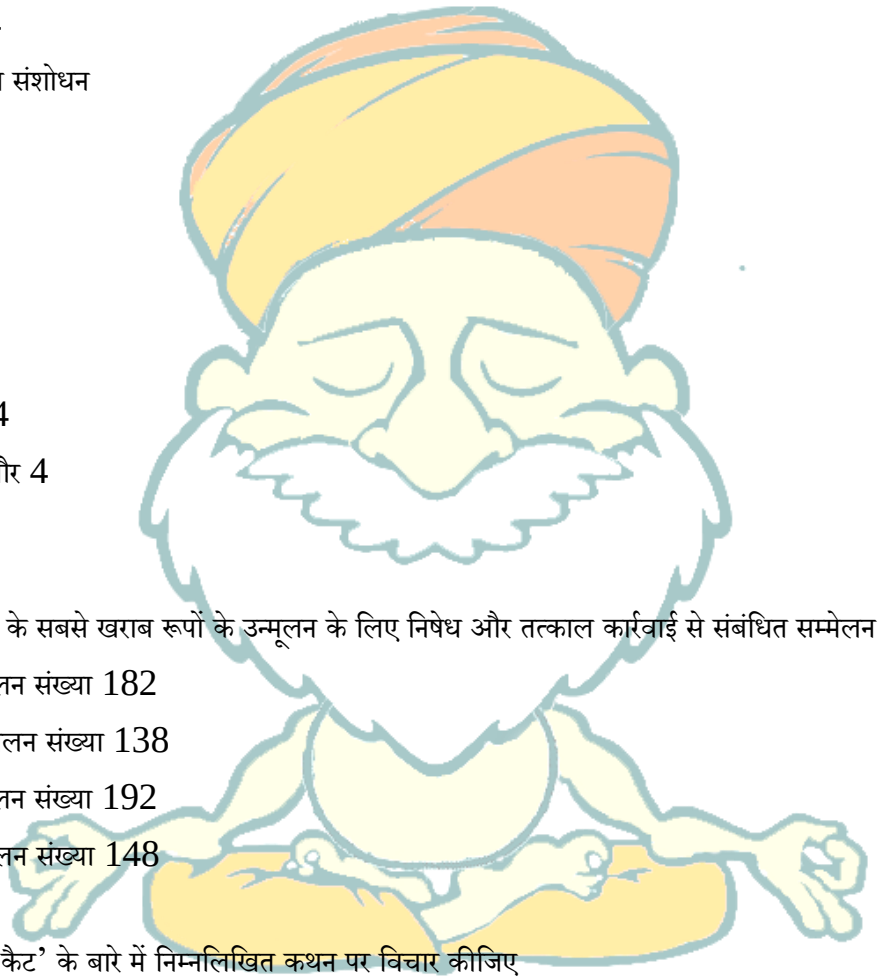

Q.88) बाल श्रम के सबसे खराब रूपों के उन्मूलन के लिए निषेध और तत्काल कार्रवाई से संबंधित सम्मेलन :

(a). ILO सम्मेलन संख्या 182

(b). ILO सम्मेलन संख्या 138

(c). ILO सम्मेलन संख्या 192

(d). ILO सम्मेलन संख्या 148

Q.89) 'फिशिंग कैट' के बारे में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए

1. यह IUCN लाल सूची के तहत 'गंभीर रूप से लुप्तप्राय' के रूप में सूचीबद्ध है

2. यह पश्चिम बंगाल और ओडिशा का राज्य पशु है

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.90) होप द्वीप निम्नलिखित अभयारण्यों में से कौन सा हिस्सा है?

(a). पुलिकत वन्यजीव अभयारण्य

(b). कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य

(c). कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य

(d). चिलिका वन्यजीव अभयारण्य

Q.91) 'कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. अभयारण्य कावेरी ज्वारनदमुख का एक हिस्सा है

2. यहाँ व्यापक सदाबहार और सूखी पर्णपाती उष्णकटिबंधीय जंगल है

3. यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय सफेद समर्थित गिद्ध और लंबे समय से बिल गिद्ध के लिए आवास है

सही कथन का चयन कीजिए

(a). 1 और 2

(b). 2 और 3

(c). 1 और 3

(d). उपरोक्त सभी

Q.92) भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. यह एक सांविधिक निकाय है

2. भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1982 में हुई थी

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.93) निम्नलिखित में से कौन सा PM-केयर का अंगभूत नहीं है?

(a). प्रधानमंत्री

(b). रक्षा मंत्री

(c). स्वास्थ्य मंत्री

(d). वित्त मंत्री

Q.94) निम्नलिखित में से कौन सा देश भूमध्य सागर के साथ सीमा साझा नहीं करता है?

(a). मिस्र

(b). सीरिया

(c). इसराइल

(d). ओमान

Q.95) हाल ही में किस देश की पर्वत चोटी का नाम उत्तराखंड के IAS अधिकारी के नाम पर रखा गया है?

(a). स्पेन

(b). फ्रांस

(c). इटली

(d). जर्मनी

Q.96) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

1. उच्चतम न्यायालय के अन्य जजों और भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया अलग है।

2. एक न्यायाधीश को केवल दुर्व्यवहार या अक्षमता साबित होने के आधार पर हटाया जा सकता है।

3. हटाने के प्रस्ताव को संसद के प्रत्येक सदन के विशेष बहुमत से समर्थन दिया जाना चाहिए।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये

(a). 1 और 2

(b). 2 और 3

(c). 1 और 3

(d). 1, 2 और 3

Q.97) न्यायालय की अवमानना के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही है

1. अवमानना की शक्ति 1971 के न्यायालयों की अवमानना अधिनियम से ली गई है।

2. शक्ति देश में संचालित सभी अदालतों के लिए होती है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

(a). केवल 1

(b). केवल 2

(c). दोनों 1 और 2

(d). न तो 1 और न ही 2

Q.98) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अभ्यास पर उचित प्रतिबंध लगाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा वैध आधार है?

1. राज्य की सुरक्षा
2. अदालत की अवमानना
3. नैतिकता
4. मानहानि

नीचे दिए गए कोड से उपयुक्त विकल्प चुनिये:

(a). 1, 2 और 3
(b). 1, 3 और 4
(c). 2, 3 और 4
(d). 1, 2, 3 और 4

Q.99) हरित कॉरिडोर के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

1. यह रेलवे लाइनों के साथ नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना को संदर्भित करता है।
2. इसके कार्यान्वयन के लिए ऋण जर्मनी द्वारा प्रदान किया जाएगा।

सही कोड चुनिये

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2
(d) कोई नहीं

Q.100) निम्नलिखित में से कौन भारत-अरबी वास्तुकला के उदाहरण हैं

1. छत्रपति शिवाजी टर्मिनल, मुंबई
2. राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
3. मद्रास हाईकोर्ट, छेना

सही कथन का चयन कीजिए

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3

(d) उपरोक्त सभी

Q.101) निम्नलिखित में से कौन से कथन EBP के बारे में सही हैं?

1. EBP पेट्रोल से सस्ता है क्योंकि शराब सस्ती है।

2. इथेनॉल पेट्रोल की तुलना में अधिक स्वच्छ और पूरी तरह से जलता है।

3. इथेनॉल का कैलोरी मूल्य पेट्रोल की तुलना में अधिक है

निम्नलिखित से सही कोड का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2

(b) 2 ही

(c) 2 और 3

(d) उपरोक्त सभी

Q.102) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. NDRF का प्रबंधन केंद्रीय बजट द्वारा ही किया जाता है।

2. PM-केयर फंड में योगदान 100% कर मुक्त हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही है?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

Q.103) नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (ARIIA) शुरू करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा मंत्रालय जिम्मेदार है?

(a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(b) मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(c) युवा मामलों का मंत्रालय

(d) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

Q.104) थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए निम्नलिखित में से कौन सा संभव उपचार है?

1. बोन मैरो प्रत्यारोपण

2. बार-बार खून चढ़ाना

सही कोड चुनिये :

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

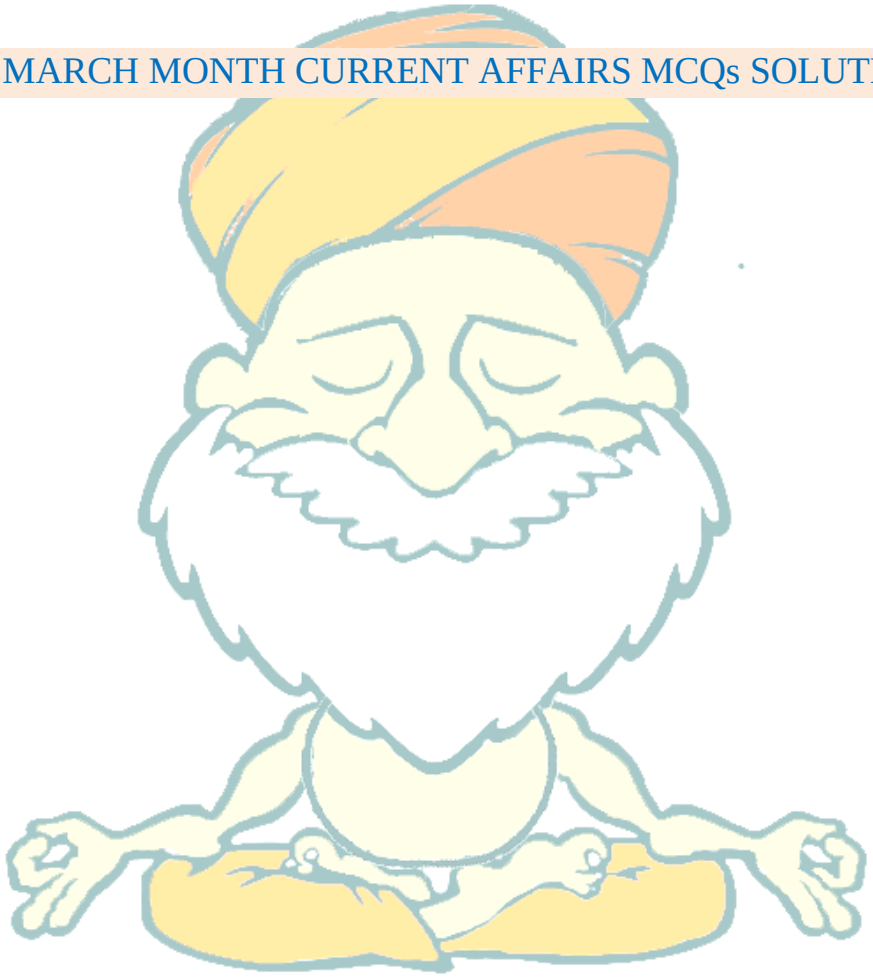

2019 MARCH MONTH CURRENT AFFAIRS MCQs SOLUTIONS

IAS BABA | August Magazine | Hindi

1	B	36	D	71	B
2	A	37	C	72	B
3	C	38	C	73	D
4	B	39	C	74	A
5	B	40	A	75	B
6	D	41	D	76	A
7	C	42	A	77	A
8	C	43	D	78	A
9	A	44	D	79	A
10	C	45	B	80	A
11	B	46	D	81	D
12	B	47	D	82	C
13	D	48	A	83	B
14	D	49	B	84	A
15	A	50	B	85	A
16	A	51	D	86	B
17	D	52	A	87	A
18	A	53	A	88	A
19	A	54	D	89	D
20	B	55	D	90	B
21	D	56	C	91	B
22	A	57	A	92	A
23	A	58	A	93	C
24	D	59	A	94	D
25	C	60	C	95	A
26	D	61	B	96	B
27	A	62	A	97	D
28	D	63	A	98	D
29	B	64	A	99	D
30	A	65	B	100	D
31	D	66	A	101	B
32	D	67	B	102	B
33	B	68	D	103	B
34	C	69	A	104	C
35	B	70	C		

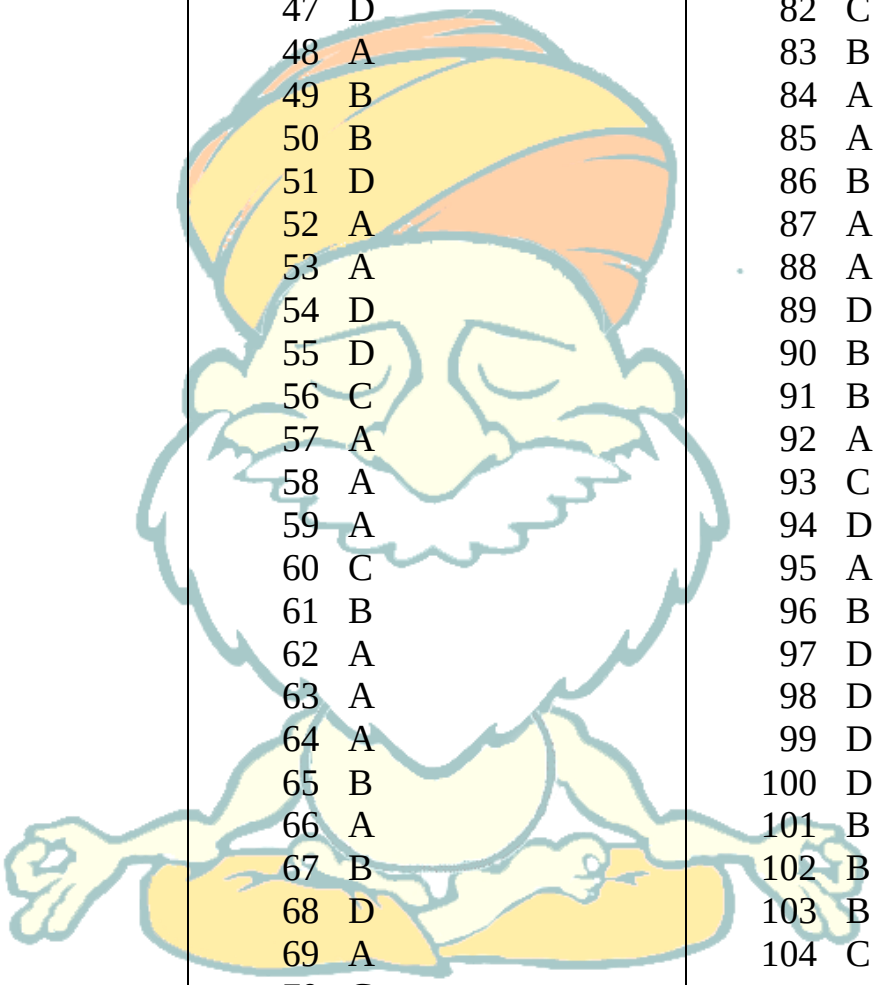

ILP 2021
(ENGLISH & HINDI)
NOW WITH VIDEOS,
MENTORSHIP & MANY
MORE EXCITING
FEATURES